



The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 22

नई बिस्सी, शामिबार, जून 1, 1985/ज्येष्ठ 11, 1907

No. 22}

NEW **DELHI**, SATURDAY, JUNE 1, 1985/JYAISTHA 11, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में

रका भासके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—ऋण्ड 3—उप-ऋण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गये सांविधिक आबोत और अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 सई, 1985

सुचना

का श्या २ 2300. — नोटरीज नियम, 1956 के नियम ७ के ध्रनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री ध्रार, एत. झूझ- माला एडवोंकेट और मोलिसिटर सी/वो खैतान अन्ड को० ७, पुराना पोस्ट ध्राफिम गली, मालंबी मजिल, कलकत्ता — 700001, ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के 4 के ध्रधीन एक ध्रश्विदन इस बात के लिए विद्या जा रहा है कि उसे समस्त भारत व्यवसाय करने के लिए, नाटरी रूप में नियुत्त किया आए।

2 उक्क व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुत्ति पर किसी भी प्रकार का ग्राक्षेप इस सूत्रना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर नििखन रूप में मेरे पास भेजा जाए।

> [मं॰ 5(8)/85-न्या] एस गुष्तु, सक्षम प्रधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICH & COMPANY AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 15th May, 1985

NOTICE

S.O. 2300.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri R N. Ihunjhanwala, Advocate and Solicitor C/O Khaitans, Co. 9, Old Post Office Street, 7th Floor, Calcutta-700001 for appointment as a Notary to practise in whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(8)/85-Judl.] S. GOOPTU, Competent Authorit

विरत मंत्रालय

(राजम्ब विभाग) नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1995

आयकर

का॰ प्रा॰ 2301. ----प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का धनुसरण करते हुए,

211 GI/85--- J

(2715)

गुप्सा

केन्द्रीय गरकार एतवशारा, नोवेसाम्य ४ मे उन्तिक्कित मधितूवता (मिरि-सूचनाओं) का ग्राधिलधन करल हुए, नीच स्तम्म 3 में उल्लिखित कर वसूली प्रधिकारियों के स्थान पर, नोच स्तम्म 2 में उल्लिखित व्यक्तियों कों, जा केन्द्रीय मरकार के राजपन्नित अधिकारी है, उक्त अधिनियस के अतर्गत कर बमूली अधिकारी(अधिकारियो) की शक्तिया या प्रयाग करने क लिए प्राधिकृत करती है

४० उन यव्यवस्था के उन कर बसूली अधि-श्रधिलंघन किए जाने स० नाम जिन्हे कर बनुली कारी (ग्रधिकारियो) वाली पुरानी मधि-अधिकारी (अधिकारियो) के नाम जिनके स्थान सूचना की गण्या की शक्तियों का प्रयोग पर स्तम्भ 2 और नागेख करने के लिए प्राधिकृत उन्लिखित व्यक्तियों की किया जाना है। प्राधिकृत किया जाना

	है।	
1 2	3	4
सर्वश्री 1. एम०वी०लक्ष्मीकांतन	सर्वश्री वी०वी सालसुक्षह्मण्यन	सं० 4813 [फा॰म॰ ४98/11/81-मा॰ क॰ (ब॰) दिनाक 17-7-82
2 बी०के० बालकृष्णत	सी० येकटेणवरूलु	सं० 5525[फा० स० 398/18/83- भा०क०ब०) दिनोक 14-12-83
3 एस० ग्रमन्तरामन	एम० मृनियश्ची	स० 5251 [फा० स० 398/18/83- प्रा० क० (ब०) दिनांक 4-6-83
4 टी० सुक्रमण्यम	वी० वेकटकुष्णन	स० 5249[फा० स० 398[18[8]- भा०क०(अ०) दिनांक 4-6-83
 बेविक राजकृमार मोसिस 	के० एस सुन्दरराजन	मं. 552.3[फा० स • 398/81/83 धा०फ०(म०) विनाक 14-12-83
6. बी० भीनियासन	भार० गणेष	सं० 5253[फा० सं० 398/18/83- मा० क० (ब०) विनाक 4-6-83
7. पीक्सी ःभलैक्जेंड र	बी० सूर्यनारायणन	स० 4536[फा० सं० 398/11/8-म्राट क० य० दिनांक 24-3-82
8. के० भीनाक्षीसुन्दरम	एस. जानकीराभन	सं० 566[फा०स० 398/11/83-फा० क० (ब०) दिनांफ 31-1-84
 एम०सी०बाससुब्रमण्य 	पी० राजाराम	सं॰ 4809[फा॰सं॰

399/11/81-मा० **क**०(**ब**)

17-7-82

विनांक

	•	4	ی	4
				~~
10	ग्स	राधाकुष्णन	एस० बि ढ्डो मावयन	स० 5255 फा॰ म०
				198/19/8 <i>2-</i> ग्रा०
				क० (ब०)] दिनाक
				4-6-83

3 यह अधिमूखना त्याल प्राणु होंगी और जहां तक रतम्म 3 में उस्लिखित व्यक्तियों का सबध है कर वसूली ग्रधिकारियों के रूप में उनके कार्यभार सभालमं की तारीखा में लाग होगी।

[ম০ 6181/কা০ম০ 398/৪/৪3-সা০ক০(ব০)]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) New Delhi, the 10th April, 1985

INCOME-TAX

S. No. Name of the

S.O 2301.— In pursuance of sub-clause (III) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises the persons mentioned below column 2, being the Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Receivery Officer(s) under the said, Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below in column 3 in supersession of the Notification(s) mentioned below in column 4:

Name of Tax

Old

Notification

S. 140	persons to be authorised to ex- ercise powers of Tax Recovery Officer(s)	ei (s) in place of	15
1.	2.	1	4,
S/	Shri	S/Shri	
	f.V. Lakshmi- anthar	V.V. Bala- subramanian	No. 4813 [F. No. 398 11/81-JT (B) dt. 17-7-82.]
	'.K. Bala, rishnan	C. Venkate- swaralu	No. 5525 [F. No. 398/18/83-IT (B) Dt. 14-12-83.]
3. S	. Anantharaman	M Muniyandi	No. 5251 JF. No. 398/18/83-IT (B) dt. 4-6-83.]
4. T	. Subramaniani	V. Vensata- krishnan	1 70 524 [] No. 398/18/83-IT (B) dt. 4-6-83.]
	David Rajkumar Moses	K.S. Sundera- rajan	No. 5523 [F. No. 398/18/83-IT (B) dt. 14-12-83.]
6. V	. Srimwasan	P. Ganesh	No. 5253 [F. No. 398/18/83-IT (B) dt. 4-6-83.]
7. P	.C. Alexender	V. Suryanaraya- nan	No. 4536 [F. No. 398/18/83-IT (B) dt. 24-3-82.]

1 2	3	4
8. H. M. enakshi- sundaram	S. Janakiraman	No. 5601 [F. No. 398/11/83-IT (B) dt. 31-1-1984.]
9. M.C. Bala- subramania Gupta	P,Rajaram	No. 4809 [F. No. 398/11/81-JT (B) dt. 17-7-1982.]
10. A. Radha- krishnan	S. Britto Madhavau	No. 5255 [F. No. 398/18/83-1T (B) dt. 4-6-1983.]

2. This notification shall come into force with immediate effect and in so far as persons mentioned in column 2 from the date(s) they take over charge(s) as Tax Recovery Officers.

[No. 6184/F.No. 398/8/85-IT (B)]

नई विल्ली, 25 भन्नैल, 1985

आयहर

का. प्रा 2302.—श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के प्रड (44) के उप-खंड (iii) के अनुमरण में श्रीर भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 2 मार्च, 1985 की श्रधिसूचना म 5111 (का. मं. 398/32/83-श्रा. क. (ब.) का श्रधिलंघन करते दुए, केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा श्री ए. के. मींगा की, जा केन्द्रीय मरकार के राजपत्रित श्रधिकारी है, उक्त श्रधिनियम के अंतर्गत कर बसूली श्रिकारी की गक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

 यह ग्रधिमूचना, श्री ए. के. मोंगा द्वारा कर वसूली ग्रधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किए जाने की तारीख से लागू होगी।

> [स 6206 फा.स 398/4/85-फ्रा.क. (ब.)] बी.र्ट. अलैक्जेडर, अवर संधिक

New Delhi, the 25th April, 1985

INCOME-TAX

- S.O. 2302.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 5114 [F. No. 398/7/83-IT(B)] dated the 2-3-83, the Central Government hereby authorises Shri A. K. Monga being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.
- 2 This Notification shall come into force with effect from the date Shri A. K. Monga takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 6206/F. No. 398/4/85-IT(B)]
B. E. ALEXANDER, Under Secy.

को स्ट्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1985

श्रायकार

का. श्री. 2303 — श्रीयकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 122 को उा-बारा (३) द्वारा प्रदेन गस्तियों का प्रयोग करते हुए और इस संबंध में इसे समर्थ बनाने वाली अन्य मधी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्षकर बोर्ड एनद्वारा बोर्ड के दिनोक 19-12-84 की ब्रांप्तना स. 6074 /का. स. 261/1/84-श्रा. क. न्या.) से सलग्न अनुसूची में निम्नलिखित संगोधन करती है:

(1) उक्त प्रन्यूची में प्रवीलीय सहायक प्रायुक्त रेज भासनसील के क्षेत्राधिकार के सामने मह स. (8) "हुगर्थी" का हटा दिया जावगा श्रीर मह संख्या 9 की मद सख्या "8" के छप में पुनसंख्याकित किया जाएगा।

- (2) उक्त अनुसूची में अपीलीय सहायक आयुक्त, रेंज-XVIII कलकता के क्षेत्राधिकार के सामने निस्नलिखन को मक संख्या
 - (3) के रूप में जोड़ा जाएगा.---

"3 हुगली"

यह अधिमुचना 1-4-1985 से लागू होगी।

[मं. 6177 (फा. मं. 261/1/84-मा. क. त्या.)] कल्याण चन्द्र, म्रवर सचिव

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES New Delhi, the 26th March, 1985

INCOME-TAX

- S.O. 2303.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 122 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to the schedule appended to the Board's notification No. 607 (F. No. 261/1/84-TTJ) dated 19-12-84.
- 1. In the said schedule against the jurisdiction of AAC, Range Asansol item No. (8) "Hooghly" shull be deleted and item No. 9 shall be renumbered as item No. '8'.
- 2. In the said schedule against the jurisdiction of AAC, Range-XVIII, Calcutta the following shall be added as item No. (3).

"3 Hooghly"

This notification shalf take effect from 1-4-35.

[No. 6177/F. No. 261/1/84-ITJ] KALYAN CHAND, Under Secy.

(द्याधिक कार्य विभाग)

(बैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 10 मई, 1985

का. मा. 2304 — भारतीय स्टेट बैंक (मनुषंगी बैंक) मिम्रिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 25 की उपधारा (1) के खंड (इ) बारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के परामणे से, एनद्द्रारा वित्त मंत्रालय, श्राधिक कार्य विभाग (वैकिंग प्रभाग) के उप मिन्द श्री यशपाल सेठी को श्रीमती ताजधर रहमान माहनी के स्थान पर स्टेट बैंक भ्रांक इंदौर के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[मंख्या एक. 9/24/85-बी. भो.-1]

एस. एस. हसूरकर, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 10th May, 1985

S.O. 2304.—In exercise of the powers conferred by clause () of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government, in consultation with the State Bank of India, hereby nominates Shri Y. P. Sethi, Deputy Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi to be a Director of the State Bank of Indore vice Smt. Tajwar Rahman Suhni.

[No. F. 9/24/85-BO.1]

S. S. HASURKAR, Director

नई दिल्ली, 10 वर्ड, 1985

का.आ. 23.05.--प्रादेशिक ग्रामीण मैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा ।1 की उपधारा (1) द्वारा प्रटल शक्तिओं का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्राग श्री एस, एल. बसेर को सधुबनी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, मधुबनी (बिहार) का अध्यक्ष नियुक्त करती है और 31-3-1985 को शुरू होने वाली तथा 31-3-1988 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री एस. एल. बसेर अध्यक्ष के रूप में आर्थ करेंगे।

[सम्या एफ. 2-56/82-आर. आर. बी.]

New Delhi, the 10th May, 1985

S.O. 2305.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri S. L. Baser as the Chairman of the Madhubani Kshetriya Gramin Bank, Madhubani (Bihar) and specifies the period commencing on the 31-3-1985 and ending with the 31-3-1988 as the period for which the said Shri S. L. Baser shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-56/82-RRB]

का. आ. 2306- - प्रावेशिक ग्रामीण बैंक अधितियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्शारा श्री के एन. सिंह की छत्रसाल ग्रामीण बैंक, उर्र्ष का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 6-4-1985 से प्रारम्भ होकर 30-4-1988 को समाप्त होने बाली अवधि को उस अधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री के एन. सिंह अध्यक्ष के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री के एन. सिंह

[संख्या एफ. 2-1/85-अर आर. भी.] च. घा. मीरचन्दानी, निदेशक

S.O. 2306.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Dr. K. N. Singh as the Chairman of the Ghhatrasal Gramin Bank, Orai and specifies the period commencing on the 6-4-1985 and ending with the 30-4-1988 as the period for which the said Dr. K. N. Singh shall hold office as such Chairman.

[No. F. 2-1/85-RRB] C. W. MIRCHANDANI, Director

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक आयात-निर्मात का कार्यालय)

मई दिल्ली, 25 मार्च, 1985

आदेश

का. था. 2307:---मैमसं भौगले इन्डस्ट्रीज लि., मोरमुगोला हार-बर, गोवा को फालत् पूर्जों के आयात के लिए केवल 97,508/- ध्यए का एक आयात लाइसेंस सं. पी/एफ/2030857, विलांक 25-10-83 वियागयाथा।

2. अब फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-गृस्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर अनुनेध किया है कि मूल सीमा-गुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा-गुल्क प्राधिकारी के पास पंजी-कृत कराए बिना ही खी गई/अन्धानस्थ हो गई है। अब फर्म सहमन है और बचन वेती है कि यदि बाद में मूल सीमा-गृह्क प्रयोजन प्रति मिल गई तो इस कार्यांत्र को रिकार्ड के लिए लौटा देगी।

3. अपने तर्क के समर्थन में, मैसर्स बीगले वन्डस्ट्रीक लि , गोव। ने 1984-85 की आयाम-निर्यात त्रियाविधि हैडकुक के अध्याय 15 के पैरा 353 के अनुसार यथा अपेक्षित एक ग्रापय-पत्न वाखिल किया है। अधोहम्लाक्षर्य संतुष्ट हैं कि आयान लाइसेंस मं. पी/एफ/2030857, विनोक 25-10-83 की मूल मुद्रा-विनियम नियंत्रण प्रति को गई है और विदेश देना है कि आवेदक को अनुलिपि सीमा-गुल्क प्रयोजन प्रति कारी

की जाए। मूल मीमा-युक्क प्रयोजन प्रति एतस्कारा २६ की गई समझी जानीही।

4 आयात लाइसेस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति अलग से कारी की का रही है।

> [का . सं . ६-सी/स्पेयसं/एएम-83/जीएकएस] पॉल बैंक, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 25th March, 1985

ORDER

- S.O. 2307.—M/s. Chowgule Industries Ltd., Mormugoa Harbour, Goa was granted an Import Licence No. P/F/2030857 dated 25-10-83 for Rs 97,508 only for the import of spares.
- 2. The firm have now requested for issue of Doplicate Custom Purpose Copy of the above licence on the ground that the original Custom Purposes Copy has been lost/misplaced without having being registered with any Custom Authority. Now the firm agrees and undertakes to return the original Custom Purpose Copy, if traced fater on to this office for record.
- 3. In support of their contention, M/s. Chowgule Industries Ltd., Goa have filed an affidavit as required in terms of Para 353 of Chapter XV of Hand Book of Import-Export Procedures for 1984-85. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Copy of Import Licence No. P/F/2030857 dated 25-10-83 has been lost and directs that duplicate Custons Purpose Copy may be issued to the applicant. The original custom purpose copy is hereby treated as cancelled.
- 4. The duplicate Custom Purposes Copy of the Import Licence is being issued separately.

[F. No. 6-C/Spares/AM-83/GLS]
PAUL BECK, Dy. Chief Controller of
Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

इस्पात, जान और कोयला मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 15 मई, 1985

का. श्रा. 2308'---केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपाबद्ध प्रमुखी में उल्लिखित भूमि में कोयला प्रभिप्राप्त किए जाने की संभावना है:

धतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (धर्जन धौर विकास) धर्मियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 4 की उपधारा घर्धि-(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करते के घपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्य 114/84, तारीख 17 अगस्त, 1984 का निरीक्षण मेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, राजस्य अनुभाग, परभंगा हाउस, रांची 834001 (बिहार) के कार्यालय में या उपायुक्त, हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक, 1-काउंसिल हाउस स्ट्रीट. कलकना-700001 के कार्यालय में किया जासकता है।

इस श्रिष्ठसूचना के प्रश्नीन श्राने वाली भूमि मे हिनवद कोई व्यक्ति उभत श्रिष्ठितियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट सभी नक्शों, नाटौं श्रीर ग्रन्य दस्तावेजों को, इस ग्रिष्ठसूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर, राजस्व श्रीक्षकारी, मेंट्रेल कोलफीस्ड्स लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची-834001 (बिहार) को भेजेगा।

भनुसूचः उत्तर सृद्द ब्लाक दक्षिण करणपुरा कोयला क्षेत्र जिला हजार बाग (बिहार)

पूर्वेक्षण के लिए प्रधिस्चित भूमि

लाक	ग्राम	थाना	थाना सं.	जिला	क्षेत्र	टिप्पणिया
	2	3	4		(,	7
 —	वसारिया	मांडू	38	———- हजार बा ग	179 00	भाग
	बुंद्र	"	35	11	320.00	भाग
	टोंग	u	135	11	224.00	भाग
	चोरधारा	रामगढ़	5.5	हजारं बाग	93.50	भाग
	या					
	खा रपतनगर					

कुल क्षेत्र: →815 50 एकड (लगभग) या 330.42 हेक्टर (लगभग)

ब्लाक "क" का समा वर्णनः

क~-ख रेखा बमारिया ग्राम में दामोदर नदं के उत्तरः संमा के भाग के साय-साय जातः है। ख--ग रेखा, बदु ग्राम में, दामोदर नद क पूर्वी सभा के भाग के साथ-साथ जातः है।

ग-च रेखा, बुंदू ग्राम से होकर जाती है (जो बुदू ग्राम में 270 एकड) के प्रधिसूचित क्षेत्र की सम्मिलित सीमा का भाग बनाती है

घ-ड-च रेखा, बुदू पाम से होकर धीर बुदू और टोगी ग्रामी की मिम्मिलित सीमा के भाग के माय-माथ जाती है (जो कोयला धारक क्षेत्र (धर्जन भीर विकास) भ्राधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के ग्राधीन भ्राजित 102 एकड़ क्षेत्र की मिम्मिलित सीमा का भाग बनाती है)।

च-छ रेखा, टोंगी प्राम से होकर जाती है (जो कोयला धारक क्षेत्र (ग्रजैन भौर विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के श्रधीन प्रधिसुचित क्षेत्र 102 एकड़ की सम्मिलित सीमा का भाग बनाती है)।

छ-ज रेखा, टोगी भीर सिरका ग्रामों की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है।

ज-झ रेखा, टोगी ग्राम में होकर जाती है (जो कोयला धारक क्षेत्र (ग्रर्जन ग्रौर विकास) श्रिधिनियस, 1957 की धारा 9(1) के ग्रिधीन ग्रिधिसूचित क्षेत्र 140.00 एकड़ क्षेत्र की सम्मिलित भीमा का भाग बनाती है।)

झ-का रेखा, टांगी ग्राम से होकर जाती है।

ङ,-क रेखा, टोंगी भीर बुंदू भीर बसारिया ग्रामो से होकर जाती है ग्रार बिदु "क" पर मिलती है।

बलाभ "ख" क सीमा वर्णन :

ट-ठ रेखा, घोरधारा ग्राम से होकर जाती है (जो लापीगा स्लाक विस्तार के लिए कोयला धारक क्षेत्र (घर्जन घौर विकास) घधि-नियम, 1957 की धारा 9(1) के ग्रधीन घर्जित क्षेत्र में मिलकर मस्मिलित सीमा बनाती है)।

ठ-ड रेखा, जोरधारा ग्राम से होकर जाती है (जो चोरधारा ब्लाक के लिए कोयला धारक क्षेत्र (ग्रर्जन ग्रीर विकास) श्रीव्रतियम, 1957 की ग्रार: 9(1) के श्रीति प्रजित क्षेत्र से मिलकर सम्मिन्नित सीमा जनाती है।

ड-ट रेखा, दामोदर नदी की भागत पूर्वी उत्तरी-पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है और श्रारभिक बिंदु "ट" से जा मिलती है।

> [स. 43019/33/84-सी. ए.] सण्य सिन, अवर सचिक

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

(Department of Coal)

New Delhi, the 15th May, 1985

S.O. 2308—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the land mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by-subsection (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Accquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan No. Rev/114/84 dated the 17th August, 1984 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Central Coalfields Limited, Revenue Section, Darbhanga House, Ranchi-834001 (Bihar) or in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-70001.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi-834001, (Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification.

SCHEDULL NORTH BUNDU BLOCK SOUTH KARANPURA COALFIELD DISTRICT HAZARIBAGH (BIHAR)

Lands notified for prospecting

Block Village	Thana	fhana	Dis-	Area	Re-
		numbei	trict		marks
1	2	3	4	5	6
A Basaria	Mandu	38	Hazari- bagh	179.00	Part
Bundu	**	39	**	320.00	Part
Tongi	"	135	11	224.00	Part
	-				

1	2	3	4	5	- 6
B Chordhara	Ram- garh				
Kharpatnagar		55	Hazaribagh	93.50	Part
<u> </u>			816.50 acres (42 hectares (-

Boundary Description of Block 'A'

- A-B line passes along the part Northern boundary of Damodar River in village Basaria.
- B-C line passes along the part eastern boun tary of Damodar River in village Bundu.
- C-D line passes through village Bundu which forms part common boundary of the area notified for 270 acres in village Bundu.
- D-E-F lines pass through village Bundu and along part common boundary of villages Bundu and Tongi which forms part common boundary of the area acquired under section 9 (1) of Coal Bearing Areas (Accquisition and Development) Act, 1957 for an area of 102 acres).
- F-G line passes through villago Tongi which forms part common boundary of the area notified under section (9) of the Coal Bearing (Areas Acquisition and Development Act, 1957 for 102 acres);
- G-H line passes along the part common boundary of villages Tongi and Sirka.
- H-I line passes through village Tongi which forms part common bound any of the area notified under section 9
 (1) of the Coal Bearing (Areas Acquisition and Development) Act, 1957 for an area of 140.00 acres).
- I-J line passes through village Tongi,
- J-A line passes through villages Tongi and Bundu and Basaria and meets at point 'A'.

Boundary description of Block 'B'

- K-L hne passes through village Chordhara (which forms common boundary with the arga acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing Areas Acquisition and Development) Act, 1957 for Lapanga Block Extension).
- L-M line passes through village Chordhara which forms common boundary with the area acquired under section 9 (1) of the Coal Bearing areas Acquisition and Development) Act, 1957 for choldhara Block).
- M-K line passes along the part eastern, Northern, Western boundary of Damodar River and meets at starting point 'K'.

[No. 43019/33/84-CZA] SAMAY SINGH, Undrer Secy.

खाध और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाघ विशाग)

भावेश

नई दिल्ली, 16 मई, 1985

का सा. २००५ - स्पन भेन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य विदेशालयों उपापित निवेशालयों और खाद्य विकास से बेसर तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने बाले खाद्याकों के क्रम, भंडास्करण, सचलन परिबहुन, विसरण सथा विक्रम के क्रस्यों का पालन करना बंद कर विमा है, जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के मधीन भारतीय खाद्य निगम के क्रस्य है।

श्रीर यत. खाद्य विभाग के बेतन तथा लेखा कार्यालयों, उपाप्ति निदेशालयों श्रीर खाद्य विभाग के बेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे श्रीर उपरिवर्तित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखिन मधिकारियों श्रीर कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 श्रप्रैल, 1971 के परिपक्त के प्रत्युक्तर में उनमे विनिविष्ट तारीख के श्रन्वर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी बनने के प्रपने श्रागय को उक्त प्रधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा गथा श्रपेक्षित सूचना नहीं वी है।

श्रन अब खारा निगम प्रधिनियम, 1964 (1964 को 37) तथा मधतन मंशीधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतब्द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खारा निगम में स्थानातरित करती हैं:--

क. श्रधिकारी/कर्मवारी केन्द्रीय सर-स्थानांतरण के भारतीय खाद्य स. का नाम कार के श्रधीन समय केन्द्रीय सर- निगम में स्था-स्थायी पद कार के श्रधीन पद नांतरण की तारीख

1. श्री निर्मल सिह् चपरासी	चपरासी	1-3-69

[सं० 52/1/8 अर्फ ०सी ०111] एस ०के स्वामीं, अथर सचिव

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 16th May, 1985

S.O. 2309.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the procurement Directors and the Pay & Accounts Offices the Department of Food which under section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971 intimated, with n the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (1) of Section 12A of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto-date the Central Government hereby transfer the following employee to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against him.

S. Name of the P rmanent past P at helo under D to of N. Officer/ held under the the Central G vt. transfer comployee Central Govt. at the time of to hell transfer

1	Seri Normal	Peon	Pec n	1-3-1969
	Smyli			

[No. 52 1 | 82-FC. 111]

S. K. SWAMI, Under Secy.

इस्पात, खान भीर कोयला मंत्रालय

इस्पान विभाग

नई दिल्ली, 7 धप्रैल, 1985

का. श्रा. 2410.— केन्द्रीय मरकार राजभाषा (सघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुगरण में नेणनल मिनरना देवलपमेट बारपोरेणन में नई हिस्सी स्थित क्षेत्रीय कार्यालय (सूर्य किरण बिल्डिंग, कर्त्रश्चा गाधी मार्ग, नई दिल्ली) को, जिसके कर्मवारी कृन्द ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिमुचित परती है।

[सं•ई-11014/3/85-हिदी] श्रर्जुन कुमार अधवाल, संयुक्त सचित्र MINISTRY OF STUEL, MINIS & COAL

(Department of Steel)

New Delhi, the 7th April, 1985

SO. 2310.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official purposes of the Union) Rules 1976, the Central Government hereby notifies New Delhi Regional Office (Surya Kulan Building, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi) of National Mineral Development Corporation 1 td., the staff whereof have acquired the working knowledge of Hinds.

[No. E 11011¹³185-111NDI]
A. K. AGGARWAL, Jt. Secy.

काद्य और मागरिक पूर्ति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1985

का.आ. 2311.- समय समय पर संशोधित भारतीय मानक पंस्था (प्रमाणन मृहर्) अधिनियम, 1955 के विनिधम 14 के उपविनिधम (4) के अनुसार भारतीय मानक कंम्या एतवृद्वारा अधिमुखित करती है कि लाक्सेंस सं. मीएम/एल-0589365, जिसके विवरण नीचे विये गए हैं, 85-0.-15 में रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

कम संख्या शाइसेंस संख्या और दिन	क लाइसेमध.री का नाम और पना	रह लाइसेस अर्ध'न वस्तु/प्रित्रिय।	सम्बद्ध गारतीय मानक	
1 2	3	4	5	
1. सीएम/एल-0589365 	मेमर्स स्वास्तिक पेस्टीसाइड्स एण्ड केमिकल्स, भूप रोड, मृजक्करगणर- 252002	डाश्मेषाएट नाममर्ने य सान्द्र	IS . 3903- 75 टाइमेथाएट पायसनीय सान्ध्र की विभिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	
			[\frac{1}{2}	

[स्री0मडी/55 : 0589365]

पा. एस. चीमा, अपर. महानिदेशक (मार्क्स)

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 29th April, 1985

S.O. 2311.— In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-0589365 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 85-02-15.

'SCHEDULE

S.l Licence No. No. & Date	Name and Address of the licensce	Article/Process Covered by the licence cancelled	Relovant Indian Standards
1. CM/L-0589365 77-02-28	M/s. Swastik Posticides and Chemicals, Bhopa Road, Muzaffarnagar-251001.	Dimethoate EC	IS: 3903-75 Specification for Dimethoate Emulsitable Concentrates. (First Revision)

[CMD/55 : 0589365]

	पेट्रोलियम	' मंज्ञ ालय	1	2	d
	नर्ष दि रुजी,	, 18 मई 1985	1	1 387/1क	0 331
	тт оз. и ⊸Ап па	कार का यह प्रतीत होता है कि	2	1.2 ? 3 / 4	0 105
		प्राप्त का मह अलात हाए है । के ध्यप्रदेश राज्य में हजीरा से बरेती में	33	1394	0 209
		न के लिये पाइप नाइन भारतीय गैस	I	1343/24)	0 230
_	्तर बद्धालयम् । बारयकः । द्वारा बिछाई जानी चाहिय		' >	1393/1事人	
	-		26	1232/1	0 309
		है कि ऐसी लाईनो का बिछाने	37	1208)	0 335
के लिये	के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भृमि में उपयोग अधिकार अजित			1209	
क्रताचा	विण्यक है।		29	1210	
ग्रत	भ्रम पटोलियम भ्रौर स्वनिज	त पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग क	٥ ل	1161	0 219
		962 (1962 को 50) की धारा 3	31	1189/1	
		नयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सर-	3.2	1191	0 155
		म्रजित करने का स्रपना स्रामय एनद्-	33	1190	0 105
	उत्तम उत्तास का क्रायकार चिन किया है।	अभिन नारम या अवता सरवाव र त्यू	34	1189/2	0 281
_	3		₹5	586	0 093
वशन	िकि उत्तर भूमि में हिना	बद्ध काई व्यक्ति उस भूमि के नीचे	30	588	0.063
पाइप ला	इन क्रिश्लान क गिण् घाक्षेप	सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक	37	567	0 249
गैम श्राय	ाग एच की ज पाइप	लाइन 45 सुभाष नगर सावेर रोष्ठ	38	581	0 162
उज्जैन ((ম স) 4,56001 কাছ	स ग्रधिस्चना की तारीख 21 दिना	39	580	0 052
के भीतर	कर सकेगा।	•	40	552/1	0 021
		हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी कथन			0 314
			11	503/1	0 072
	- '	कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूपमे •	42	503/2	
ही या वि	हमी विधि व्यवसःयी की भाष	फत ।	43	500	0 229
			44	499	0 125
		गैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट	45	497	0 209
	एम आर	राम् पश्चिम लाक्ष्म भागकट	46	496	0 249
			47	474	0 209
ग्राम─∙६	ग्राम—कृगासरा तहसील-किमागढ़ जिलागुना राज्यमध्य प्रदेण)			473	0 209
_			49	472	0 361
		अनुसूची	50	469	0 209
			5 1	466/1	0.418
अनु प्र	/ खासरानं/	उपयोग अधिकार भर्जन का	52	441	0 173
		क्षेत्र (हैक्टर्स मे)	53	422/1	0 300
	2	3	54	443	0 350
			55	425	0 315
1	1589/1	0 063	56	423/1	0 503
2	1604/1	0 192	57	423/2	
3	1603	0 448	58	416/1	0 252
4	1609/1	0 014	59	1197	0.175
5	1600/1	0 515	60	564	0 398
6	1613/8	0 261	61	482	0 354
7	1596/14	0 436	62	450/1	0 209
9	1596/10	0 133	63	4 2 2	0 304
9	1644/27/1	0 063	64	1574	0 042
10	1644/27/2	0 403	65	1590	0 021
	1430	0 623	66	1606	0 105
11				_	
12	1434	0 011	67.	1393/186 1393/286	0 092
13	1437/1	0 153	68.	1 5 9 6/1 cs	0 145
14	1438	0 209	69		
1 5	1599/5	0 153	70	1644/27/3	0 360
16	1439	0 184	71	1443	0 011
17	1412	0 361	72	1408	0 010
18	1 41 1/1	0 031	73	1396/17	0 030
1 ,			<i>a</i> 4	1011	0 124
19	1410	0 24)	74	1231	0 010

1	2	3
76.	587	0,363
77.	581	0.200
78.	5 5 6/2	0.199
79.	466/2	0.042
80.	442/2	0.414
81.	416/2	0.376
82.	1398	0,052
83.	1169	0.052
84.	468	0,042
8 5.	1591/2	0.010
86.	1 60 2/3	0.314
87.	1630	0.334
88.	1611/2	0.031
89.	1613/7	0,042
90	1572	0.042
91.	1596/5	0.178
92	1596/11	0.052
93.	1644/27/5	0.314
94.	1644/26	0.052
95.	1644/12	0.010
96.	1 4 4 5	0.042
97.	1431	0,005
98.	1 428/1	0,005
99.	1233/2	0,230
00.	1 2 3 2/2	0,005
01.	1162	0,219
02.	1163	0.031
03.	1164	0.031
04 .	1165	0.062
0 5.	589	0.240
0 6.	590	0.010
07	561	0.052
) A.	562	0.153
9.	557	0.105
0.	551/1	0.261
1.	483	0.042
2.	436	0.010
3.	415/2	0.021
4.	551/3	0.209
5-	493/1-2-3	0.042
6.	551/2	0.073
7.	542/1	0.084
8.	501/2	0.011
9.	502	0.010
0.	499	0.005
1.	494	0.073
2.	495	
	शोगः कुल क्षेत्रफल	19.616

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 18th May, 1985

S.O. 2312.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Haz'ra Barielly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Oil Authority of India Limited.

211 G of J[85—2.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the nineline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwar Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Dungasara Tehsil Isagarh Distt. Guna

SCHEDULE

S.No.	Survey No.	Area to be Acquired R.O.U. in Hectare
1.	1589/1	0.063
2.	1604/1	0.192
3.	1603	0,448
4.	1609/1	0.014
5.	1600/1	0.515
6.	1613/8	0.261
7.	1596/1 K	0.436
8,	1596/10	0.133
9.	1644/27/1	0.063
10.	1644/27/2	0.403
11.	1430	0.623
12.	1434	0.011
13.	1437/1	0.153
14.	1438	0.209
15.	1599/5	0.153
16.	1439	0.184
17.	1412	0.361
18.	1411/!	0.031
19.	1410	0.249
20.	1409	0.263
21.	1387/1 K.	0.331
	1233/4	0.105
	1394	0.209
24.	1393/2 R	0.230
2 5.	1393/1 K	••
2 6.	1232/1	0.209
2 7.	1208	0.335
2 8.	1209	
2 9.	1210	
30.	1161	0.219
31.	1189/1	• •
32.	1191	0.155
33.	1190	0.105
34.	1189/2	0.281
35.	586	0.083
	588	0.063
	585	0.249
	584	0.162

2724	THE GAZETI	E OF INDIA : JUNE 1
1 2	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3
39. 580		0.052
40. 552/1		0.021
41 503/1		0.314
42. 503/2		0.072
43 500		0.229
44, 499 45. 497		0.125
46. 496		0.209 0.249
47. 474		0 209
48. 473		0.209
49. 472		0.361
50. 469		0 209
51 . 466/1		0.418
52. 441		0.173
53 422/1		0.300
54. 443		0.350
55. 425 56 4 2 1/10		0.315
57. 423/2 }		0.503
58. 116/1		0 252
59. 1197		0 175
60. 564 61. 48 2		0,398
62. 450/1		0 354
63. 4 22		0 2 99 0.304
64. 1574		0.042
65. 1590		0.021
66. 1606		0.105
67. 1393/1 68. 1393/2	KH) KH }	0 092
69. 1596/1	/KH J	0.145
70. 1644/2		0 360
71. 1443		0.011
72. 1408		0.010
73. 1396/1	K	0 030
74. 1231		0 129
75. 1 2 11 76. 587		0.010
77. 581		0.363
78. 556/ 2		0. 2 00 0.199
79. 466/2		0.042
80. 442/2		0.414
81. 416/ 2		0.376
8 2. 1398		0.052
83. 1169		0 052
84. 468		0.042
85. 1591/2 86. 160 2 /3		0 010
87. 1610	,	0.314
88. 1611/2	2	0,334 0 031
89. 1613/		0.042
90. 157 2		0.042
91. 1596/5		0.178
92. 1596/1		0.052
93, 1644/2		0. 314
94. 1644/2		0.052
95. 1644/ 96. 1445	1.2	0.010
97, 1431		0.042
98 1428/	1	0.005
99. 1233/2		0 005 0.230
100. 1232/2		0.005
101. 1162		0.219
102. 1163		0.031
103. 1164		0.031
<u></u>		

1		
04.	1165	0,062
105.	589	0.240
106.	590	0.010
107.	561	0.052
108.	562	0.153
109.	557	0.105
110.	551/1	0.261
111.	483	0_042
112.	436	0.010
113.	415/2	0.0 2 1
114.	551/3	0.209
115.	493/1-2-3	0.042
116.	551/2	0.073
117.	542/1	0 084
118.	501/ 2	0.011
19.	502	0 010
120.	498	0.005
121.	494ገ	0.073
122.	495 }	• •
	T. tal Arca	19 616

[No. O-14016/328/85-GP]

का. भा 2313 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भाववयक है कि मध्यप्रवेश राज्य में हजीरा से घरेली से जगबीगपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये गाइप लाइन भारतीय गैम प्राधिकरण द्वारा विछाई जानी चाहिए।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एसबुपाबद अनुसूची में बर्णित मूमि मे उपयोग भिष्ठकार अजित करना भावश्यक है।

भ्रतः स्रब पेट्रोलियम भ्रीर खिनिज गाइग लाइन (भूमि मे उपयोग के भ्रिमितार का प्रजेन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मित्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का भ्रिकार भ्राजित करने का भ्रपना भ्राणय एतवृद्वारा घोषित किया है।

बार्गों कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए भाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस भागेंग, एच. बी जे पाइप लाइन 45, मुभाष नगर मांबेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस भिंधसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति, विनिधिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

भ्राम पिरोठ तहमील कोलारास जिला—शिवपुरी राज्य (मध्यप्रदेश)		
	•••	भनुसूची
मन् क	खसरा न.	उपयोग का श्रधिकार ग्रर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	2	3
1.	919	0 042
2.	920	0 136
3	921	0.314
4.	698	0.010

l	2	3	1	2	3
5.	883	0.020	60.	2121/2430	0.418
6	876	0.010	61.	2143	0.314
7	826	0.272	62.	2144	0.073
8	2110	0.021	63.	2101	0.031
9.	2012	0.314	64	2014	0.125
0.	922	0.314	65.	2019	0.157
1	2030	0.010	66	2013	0 063
2.	2063	0.010	67	2023	0.209
	923	0.157	68.	2025	0.084
3		0.021	69	2022	0.042
4	924	0.408		2024	0 073
5	925	0.146	7 U		0.178
6	900	0.140	71.	2029	
7.	899		72	2082	0.188
8.	890	0,606	73	2069	0,282
4	884	0.303	74	2074	0.051
0	1173	0,345	75	2073	0.209
1	885	0.082	76.	2070	0.010
2	870	0.105	77	2061	0.084
3	877	0 261	78.	2062	0.261
4	843	0.324	79.	2048	0.167
5	1185	0.167	80	2047 मी	0.105
6	841	0 031	8 1	2265 मी.	0.470
7	869	0.052	82	926	0.105
8	844	0.136	83.	1027	0.105
9	839	0 345	84	1038	0.031
0	840	0.251	8.5	1043	0.042
1	1186	0.010	86.	1169	0.031
2.	828	0.042	87.	2289	0.031
3	829	0 282	88	2290	0.010
4	8 2 5 / 1	0 157	89.	2291	0.021
* 5	1023	0 042	90	2299	0.054
	1039	0.188	91.	2309	0.063
5	1015	0 167	92	2280	0.010
7	1036	0.125	93	2279	0.010
3		0.366	94.	2273	0.010
Э.	1024	0.021	95	2269	0.031
)	1025	0.167	96.	2355	0.156
1	1024/2418	0.136	97.	2268	0.063
2	1035	0.188		2267	0.042
3.	1040	0 052	98		0,700
1.	1174	0.010	99	2261	0,052
5	1173/2423		100	2260	0.157
9	1184	0.146	101.	2257	0.315
7	2298 मी	0.167	102.	2256	0.157
8	7303	0.391	103	2120	0.805
Э.	2306	0.199	104-	2112	
0	2307 मी	0.084	105.	2109	0.063
1	2277	0.021	106	2108	0.084
2	2308	0.230	107	2107	0.063
3	2278	0 115	108-	2104	0.010
4.	2272	0 157	109-	2102	0.452
5	2356	0 073	110	2100	5.653
 G.	2262	0.261			0.021
7.	2263	0.021	111-	2098	
, 8.	2264	0.136	112.	2010	0.523
9. 9.	2121	0.010	113.	2034	0.157

1 2	3	1	2	3
114. 2035	0.042	27.	869	0.052
115. 2083	0.167	28.	844	0.136
		29. 30.	839 840	0.345
योग : क्षे ल फल	18.216		1186	0.251
			828	0.010 0.042
	[सं. O-14016/329/85-जीपी]		829	0.282
		.34,	825/1	0,157
			1023	0,042
	bears to the Central Government		1039	0.188
	blic interest that for the nabs- zira-Bare/ily to Jagoishpur in		1015	0,167
	ne should be laid by the Gas		1036	0 125
Authority of India Limited:			1024 1025	0.366
And whereas it appears the	hat for the purpose of laying		1024/2418	0.021
	to acquire the right of user in		1035	0.167
the land described in the sche-	dule annexed heleto:		1040	0.136
	e of the powers conferred by		1174	0.188 0.0 5 2
	of the Petroleum and Minerals	45.	1173/2423	0.032
	the of User in the Land Act, al Government hereby declares	46.	1184	0.146
intention to acquire the 1			2298M.	0.167
Provided that any person i	nterested in the said land may,		2303	0,391
	e of this notification object to		2306	0.199
	ider the land to the Competent		2307 M.	0.084
	Gas Commission, HBJ Gas Sanwer Road, Ujlain, (M.P.).		2277 2308	0.021
reperme, is, business ranger,	cannet iteast Offant (Mil.s).		2278	0.230
And every person making s	uch an objection shall the state		22.72	0.115
specincany whether he wishes legal practitioner.	s to be heard in person or by		2356	0.157
rogat practitioner,		56.	22.62	0.073 0.261
HBJ Gas Pipe Li	ne Project	57.	2263	0.021
			22 64	0.136
Village Pirotha Tehsil Kol	aras Distt. Shivpuri		2121	0.010
	_ 		2121/2430	0.418
SCH	EDULE		2143	0.314
G 37. G . 37			2144 2101	0.073
S. No. Survey No.	Area to be		2014	0.031
	Acquired		2019	0.125
	for R.O.U. in Hector		2013	0.157
1 010			2023	0.063
1. 919	0.042	68,	2025	0.209 0.084
2. 920 3. 921	0.136		2022	0.042
4. 898	0.314		2024	0.073
5, 883	0.010 0.020		2029	0.178
6. 876	0.010		2082	0.188
7. 826	0.272		2069 2074	0.282
8, 2110	0.021		2073	0.051
9. 2012	0.314		2070	0.209
10. 922	0.314	7 7.	2061	0.010
11. 2030	0.010		2062	0.084
12. 2063 13. 923	0.010	79.	2048	0.261 0.167
14. 924	0.157		2047M.	0.105
15. 925	0.021		2265M.	0.470
16. 900	0.408		926	0.105
17. 899	0.146 0.200		1027	0.105
17. 055	0.209 0.606	84. 85.		0.031
18. 890		85. 86.	1043 1169	0.042
18. 890 19. 884	0.303		* 1 0 /	0.031
18. 890 19. 884 20. 1173	0.303 0.345			1,001
18. 890 19. 884 20. 1173 21. 885	0.303 0.345 0.082	87.	2289	0.031
18. 890 19. 884 20. 1173 21. 885 22. 870	0.345	87. 88.	22 89 22 90	
18. 890 19. 884 20. 1173 21. 885 22. 870 23. 877	0.345 0.082 0.105 0.261	87. 88. 89.	22 89 22 90 22 91	0.031 0.010 0.021
18. 890 19. 884 20. 1173 21. 885 22. 870 23. 877 24. 843	0.345 0.082 0.105 0.261 0.324	87. 88. 89. 90.	22 89 22 90 22 91 2 299	0.031 0.010 0.021 0.054
18. 890 19. 884 20. 1173 21. 885 22. 870 23. 877	0.345 0.082 0.105 0.261	87. 88. 89. 90. 91.	22 89 22 90 22 91	0.031 0.010 0.021

	10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10.00 10
1 2	3
94. 2273	0.010
95, 2269	0.031
96, 2355	0.156
97. 2268	0.063
98, 2267	0.042
99. 2261	0.700
100. 2260	0.052
101, 2257	0.157
102, 2256	0.315
103. 2120	0.157
104, 2112	0.805
105, 2109	0.063
106. 2108	0.084
107. 2107	0,063
108. 2104	0.010
109. 2102	0.452
110, 2100	0.653
111. 2098	0,021
112. 2010	0.523
113. 2034	0.157
114, 2035	0.042
115. 2083	0.167
TOTAL	AREA 18.216

[No. O-14016/329/85-GP]

का. मा. 2314 --- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह सावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से अगदीमपूर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिये;

धौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबुद्ध धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अजिन करना घाषश्यक है।

चतः घव पेट्रोलियम मीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजेत) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केम्ब्रीय सरकार मे उसमें उपयोग का मधिकार मर्जिन करने का भपना आशय एसद्द्वारा घोषित किया है:

वशर्ते कि उनत भूमि में हितबद कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ब्रायोग, एस. बी. जे. पाईप लाईन 45, सूभाष नगर सविर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस प्रधिसूचना की तारीख 21 से दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कवन करेगा कि क्या वह यह चाहता कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन श्रोजेक्ट

प्राम	कुसूबन	तहसील	कोलाराम	शिवपुरी	राज्य	(मध्य	प्रवेश)
-			-	भनुसूची			
प्र नु०	-	खसर		उपयोग	प्रधिका	र झर्जन	का क्षेत्र (हैक्टर्समे)
1.	1. 2 3		2				
1	280/2 0.4		280/2		118	8	
2.		6	64	0.3	40		

		[सं. O-14016/330/85-जी. पी
	योग :कुल क्षेत्रफल	8.817
44.	90	0.081
43	91	0.178
42.	268	0,209
41.	320	0.476
40-	248	0.105
39.	325/1	0.010
38-	744	0.040
37.	722	0.031
36	634	0.042
35.	743	0,052
34.	6 32/ 2	0.608
33.	632/1	0 031
32.	629	0.125
31.	627	0.042
30.	184	0.031
29.	365	0.042
28-	272	0.389
27.	306	0.047
26.	319	0,282
25.	309	0.103
24.	631	0.167
23.	312	0.566
22.	313	0.356
21.	280/1	0.158
20.	344	0.094
19	321	0.481
18	261	0.012
17.	262	0.105
16.	260	0.163
15.	265	0.232
14.	273	0.073
13.	92	0.209
12.	249	0.393
11.	665	0,153
9.	264	0,251
8.	741	0.374
7	742/1	0.392
6.	740	0 188
5.	657	0.397
4.	660	0.139
3.	661	0,232

S.O. 2314.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Bareilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, land described in the schedule annexed hereto

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein; Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwar Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

	Village Kusvan	Tehsil Kolaras Distt. Shiv Puri SCHEDULE
S.N	o. Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hector
1.	280/2	0.418
2.	664	0.340
3.	661	0.232
4.	660	0.139
5.	657	0.397
6.	740	0.188
7.	742/1	0.392
8.	741	0.374
9.	264	0.251
11.	665	0.153
12.	249	0 393
13.	92	0.209
14.	273	0.073
15.	265	0.232
16.	260	0.163
17.	262	0.105
18.	261	0.012
19.	321	0.481
20.	344	0.094
21.	280/1	0.158
22,	313	0.356
23.	312	0 566
24.	631	0.167
25.	309	0.107
26.	319	0.103
27.	306	0.047
27. 28.	272	0.389
26. 29.	365	0.389
29. 30.	184	0.031
30. 31.	627	0.042
31. 32.	629	0,125
32. 33.	632/1	
	•	0.031 0.608
34.	632/2	
35.	743	0.052
36.	634	0.042
37.	722	0.031
38.	744	0.040
39.	325/1	0.010
40.	248	0.105
41.	320	0.476
42.	268	0.209
43.	91	0.178
44.	90	0.081
_	TOTAL AREA	8.817

[No. O-14016/330/85—GP]

का. घा. 2315 — मतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह धावध्यक है कि भड़्य प्रवेश राज्य में हुजीरा से बरेली से जगवीशापुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध प्रनुसूची में वर्णित मूमि में उपयोग प्रधिकार प्रजित करना श्रावश्यक है।

धतः मब पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रधिकार का धर्जन) श्रविनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार ने उसमें उपयोग का श्रविकार श्रीजन करने का श्रपना श्रावम एनद्वारा घोषित किया है।

बगतें कि उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के तीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए धाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस घायोग, एच. बी. जे. पाईप लाईन 45, मुभाष नगर सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा ।

भौर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत्।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम मेघोनाष	ड़ा तहसील कोलारस जि	जेला—शिवपुरी राज्य(मध्य प्रदेश)		
	श्रनुसूच	f r		
पनुफ∘	ष्प्रमरा नं	उपयोग ग्रविकार ग्रर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)		
	2	3		
1.	1825	0.327		
2	1834	0.157		
3	645	0.021		
4	462	0.052		
5.	489	0.010		
6	496	0.021		
7	499	0.052		
8.	537	0.031		
9.	1834/2367	0.419		
10	534	0.010		
11.	643	0.105		
12-	639	0.084		
13.	638	0.084		
14.	637	0.209		
15.	1720	0.207		
16.	1558	0.042		
17	1536	0.042		
18.	1578	0.094		
19.	1447/1	0.209		
20	1581	0,010		
21	1576	0.021		
22.	1608	0,042		
23-	1826	0.105		
24.	1827	0.021		
25.	1456/1	0.104		
26.	1828	0.084		
27	1833	0.049		
28	1835 मी.	0.042		

1835 मी

29.

0,210

1	2	3	1 2	3
30.	1718	0.020	85. 1544	0.157
31.	1454	0 314	86. 1452	0.009
32.	1453	0 125	87. 1719	0.390
33.	1465	0,110	88 1721 मी.	0.199
34.	1469	0,209	89. 1829	0.190
35.	644/2	0.200	योग :कुल क्षेत्रफल	15.127
36.	1468	0,210		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
37.	1471	0.210		[सं. O 14016/331/85-जी. पी.]
38.	1513	0.157	S.O. 2315,—Whereas it app	pears to the Central Government ublic interest that for the trans-
39.	1527	0.020	port of petroleum from H	lazīra-Berīlly to Jagdisbpur m
40	1511	0.104	Madhya Pradesh State pipel. Authority of India Limited	ine should be laid by the Gas
41.	1530	0.157	•	at for the purpose of laying such
42.	1510	0.050		acquire the right of user in the
43.	1542	0 110	land described in he sched	
44.	1540	0 150		of the powers conferred by sub- of the Petroleum and Minerals
45.	1541	0.060	Pipelines (Acquisitron of Ri	ght of User in the Land) Act,
46.	1543	0.050	1962 (50 of 1962) the Cent its intention to acquire the	ral Government hereby declares,
47.	1545	0.20	•	interested in the said land may,
48.	1546	0.010		ite of this notification, object to
49.	1556	0.110		inder the land to the Competent
50.	1579	0.170	Line, 45, Subhash Nagar, S	Bas Commission, HBJ Gas Pipe anwer Read, Ujiain, (M.P.).
51.	1557	0.209		z such an objection shall also
52	501	0 300		wishes to be heard in person or
53	1580	0.190	by legal practitioner	
5 4.	1582	0.320		E LINE PROJECT
5 5	466	0.210	Village Meghonawara Teh	sil Kolaras Distt. Shivpuri
5 6.	461	0.037	SCI	IEDULE
57.	648	0.618	S.No. Survey No.	Area to be Acquired for
58.	463	0.590		R.O.U. in Hector
59.	467	0.010	1 2	3
60.	520	0.140	1, 1825	0.327
61.	487	0.157	2. 1834	0.157
62	400	0.523	3. 645	0.021
	488		4. 462	0.052
63.	497	0.410	d 400	0.052
63. 64.		0.410 0.155	5. 489 6. 496	0.010
	497		6. 496	0.010 0.021
64.	497 498	0 155	•	0.010
64. 65.	497 498 504	0 155 0.167	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419
64. 65. 66.	497 498 504 523	0 155 0.167 0.210	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010
64. 65. 66. 67.	497 498 504 523 524	0 155 0.167 0.210 0.300	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105
64. 65. 66. 67. 68.	497 498 504 523 524 535	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084
64. 65. 66. 67. 68.	497 498 504 523 524 535 525	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084
64. 65. 66. 67. 68. 69.	497 498 504 523 524 535 525 526	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209 0.207
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.103 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209 0.207
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.103 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.094 0.209 0.0094
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.103 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840 1839	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961 0.375	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576 22. 1608	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.103 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010 0.021 0.042
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840 1839 1457	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961 0.375 0.073	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576 22. 1608 23. 1826	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010 0.021 0.042 0.105
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840 1839 1457 647	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961 0.375 0.073 0.010	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576 22. 1608	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.103 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010 0.021 0.042
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840 1839 1457 647	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961 0.375 0.073 0.010 0.188	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576 22. 1608 23. 1826 24. 1827 25. 1456/1 26. 1828	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010 0.021 0.042 0.105 0.021 0.104 0.084
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840 1839 1457 647 1513/2380 1531 1560	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961 0.375 0.073 0.010 0.188 0.094 0.121	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576 22. 1608 23. 1826 24. 1827 25. 1456/1 26. 1828 27. 1833	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010 0.021 0.042 0.105 0.021 0.104 0.084 0.084 0.084
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840 1839 1457 647 1513/2380 1531 1560 677	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961 0.375 0.073 0.010 0.188 0.094 0.121 0.105	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576 22. 1608 23. 1826 24. 1827 25. 1456/1 26. 1828 27. 1833 28. 1835M	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010 0.021 0.042 0.105 0.021 0.104 0.084 0.084 0.084 0.084 0.049 0.042
64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80.	497 498 504 523 524 535 525 526 1280 1822 1841 1834 1840 1839 1457 647 1513/2380 1531 1560	0 155 0.167 0.210 0.300 0.110 0.300 0.042 0.178 0.815 0.240 0.417 0.961 0.375 0.073 0.010 0.188 0.094 0.121	6. 496 7. 499 8. 537 9. 1834/2367 10. 534 11. 643 12. 639 13. 638 14. 637 15. 1720 16. 1558 17. 1536 18. 1578 19. 1447/1 20. 1581 21. 1576 22. 1608 23. 1826 24. 1827 25. 1456/1 26. 1828 27. 1833	0.010 0.021 0.052 0.031 0.419 0.010 0.105 0.084 0.084 0.209 0.207 0.042 0.042 0.042 0.094 0.209 0.010 0.021 0.042 0.105 0.021 0.104 0.084 0.084 0.084

	/50 1.	The Graduit of India: 30112 1
1	2	3
31.	1454	0.314
32.	1453	0.125
33.	1465	0.110
34.	1469	0.209
35.	644/2	0.200
36.	1468	0.210
37.	1471	0.210
38.	1513	0.157
39.	1527	0.020
40.	1511	0.104
41.	1530	0.157
42.	1510	0.050
43.	1542	0.110
44.	1540	0.150
45.	1 541	0.060
46.	1543	0.050
47.	1545	0.020
48.	1546	0.010
49.	1556	0.110
50.	1579	0.170
51.	1557	0.209
52.	501	0.300
53.	1580	0.190
54.	1582	0.320
55.	466	0.210
56.	461	0.037
57.	648	0.618
58.	463	0.590
59.	467	0.010
6 0.	520	0.140
61.	487	0.157
62.	488	0.523
63.	497	0.410
64.	498	0.155
65.	504	0.167
66.	523	0,210
67.	524	0.300
68.	535	0.110
69.	425	0.300
70.	526	0.042
71.	1280	0.178
72.	1822	0.815
73.	1841	0.240
74.	1824	0.417
75. 76.	1840	0.961
77.	1839 1457	0.375
778.	647	0.073
76. 79.	1513/2380	0.010
	1513/2380	0.188
80. 81.	1560	00.94
81.	6 7 7	0.021
83.	528	0.105
84.	1528	0.031
85.	1544	0.146
86.	1452	0.157
87.	1719	0.009 0.390
88.	1721 M	0.199
89.	1829	0.199
	TOTAL AREA	
		[No O-14016/331/85GP]

का. आ. 2316.—यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीश से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा विछाई जानी चाहिये; और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतव्यावद अनुसूची में बर्णित सूमि में उपयोग अधिकार अजित करना आवश्यक है;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतव् द्वारा घोषित किया है ;

बन्नों कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राक्षांतिक गैम आयोग, एक. बी. जे. पाइप लाईन 45, सुभाष नगर, सांवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.) 456001 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 विनों के भीतर कर सकेगा;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत्।

एच, बी, जे, गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

धाम छापी	तहसील कोलारस	जिला शिवपुरी राज्य (मध्य प्रवेश)
		अनुसूची
अनु.ऋ.	खसरा मं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1.	92	0.033
2.	237	0.052
3.	93	0,297
4.	263	0.157
5.	54	0.314
6.	264	0.031
7.	262	0.502
8.	238	0.932
9.	133	0.042
10.	125	0.199
11.	134	0.544
12.	261	0.137
1 3.	293	0.031
14.	94	0.042
15.	136	0.136
16.	57	0.167
17.	73	0.114
18.	132	0.010
19.	156	0.010
20.	75	0.084
21.	78	0.334
22.	379/1	0.158
23.	77	0.111
24.	80	0.209
25.	131	0.282
26.	81	0.337
27.	82	0.264
28-	137	0.142
— — — योग :—	कुल क्षेत्रफल	5.671

[मं. O-14016/332/85-जी. पी.]

S.O. 2316.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGADISHPUR in Madhya Pradesh State once line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto,

Now, therefore, in evertish of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this redification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipeline, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ Gas Pipeline Project

Villago: Chhapi,	Tehsil : Kolaras,	Distt.; Shivpuri	
	SCHEDULE		
Sl. Survey No.		Area to be Acquired	
No.		for R.O.U. in	
		Hector	
1, 92		0.033	
2. 237		0.05?	
3. 93		0.297	
4. 263		0.157	
5. 54		0.314	
6, 264		0.031	
7. 262		0.502	
8, 238		0.932	
9. 133		0.042	
10. 125		0.199	
11. 134		0.544	
12. 261		0.137	
13, 293		0.031	
14. 94		0.042	
15, 136		0.136	
16. 57		0.167	
1 7. 7 3		0.114	
18. 132		0.010	
19, 156		0,010	
20. 75		0.084	
21. 78		0.334	
22. 79/l		0.158	
23, 77		0.111	
24, 80		0.209	
25. 131		0.282	
26. 81		0.337	
27. 82		0 264	
28, 137		0.142	
- -	Total Are	5.671	

[No. O-14016/332/85-GP]

का. आ. 2317 .---यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदुपायद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है। अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजिल करने का अपना आश्रय एतद्द्वारा शेषिन किया है।

बणर्से कि उक्त भूमि में हित्बद्ध कोई व्यक्ति, उम भूमि के नीवे पाइप-लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एक. बी. जे. पाइपलाइन, 45, सुभाष नगर, संवेर रोह, उज्जैन-456001 (म.प्र) को इस अधिसूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टत यह भी कमन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप मे हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

एच बी. जे. गैस पाइपलाइन प्रीजेक्ट

ग्राम .	बनियानी, तहसील : पिछोर,	जिला : शिवपूरो, राज्य (मध्यप्रदेश)
	 अन	<u>, मूचो</u>
अनु. क.	. खसरा मं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेस
		(हैक्टर्स में)
1	2	3
1.	319/392	0.089
2.	172	0.360
3.	25	0,260
4.	240	0.330
5.	319	0.140
6.	5	0.250
7.	302	0.630
8.	238	0.670
9.	242	0,250
10.	318	0.270
11.	144	0.440
1 2.	18	0.340
1 3.	10	0.410
1 4.	3	0.460
1 5.	99	0.250
16-	40	0.190
17.	107	0.150
18.	38	0.200
19.	145	0.230
20.	177	0.120
21.	303	0.510
22.	169	0.570
23.	312	0.290
24.	313	0.200
25.	23	0.310
26-	174	0.620
27.	12	0.520
28.	32	0.150
29-	41	0.250
30.	105	0.450
31.	95	0.550
32.	101	0.300
33.	103	0.010
34.	96	0.300
35.	48	0.080

1	2	3	
36	102	010,0	
37	104	0 140	
38	106	0.290	
39	1 4 3	0.360	
40.	91	0.370	
41.	170	0.560	
42	243	0 020	
43	391	0.030	
	योग: कुल क्षेत्रफल	12 920	
		O-14016/33	अ/८ 5-जी पी ा

[सं. **O**-14016/333/85-जी पी.]

S.O. 2317 —Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIKA-BARILLY to JACADISHPUR in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the dtate of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipeline, 45, Subhash Nagar, Sanwar Road, Ujjain (M.P.);

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ Pipeline Project

	Village : I	Baniyani,	Tchsil	: Pichho	ore, Di	9tt.	Shivpuri
			CHEDU	JLE			
SI. No.	Survey N	lo.		for	Area to R.D.U.	be in	Acquired Hector
1	2						3
1.	319/392						0 080
2.	172						0.360
3.	25						0.260
4.	240						0.330
5.	319						0 140
6.	5						0 2 50
7.	302						0.630
8.	238						0.670
9.	242						0.250
10.	318						0.270
11.	144						0,440
12.	18						0.340
13.	10						0.410
14.	3						0.460
15.	99						0.250
16,	40						0.190
17.	107						0.150
18.	38						0.200
19.	145						0.230
20.	177						0 120
21.	303						0.510
22.	169						0.570
23.	312						0 290
24.	313						0 200
25.	23						0.310

43.	391	0 030
42.	243	0.020
41.	170	0.560
40.	91	0.370
39.	143	0 360
38.	106	0.290
37.	J04	0.140
36.	102	0.010
35.	48	0.080
34.	96	0.300
33.	103	0.010
32.	101	0.300
31.	95	0.550
30.	105	0.450
29.	41	0.250
28.	32	0.150
27.	12	0.520
26.	174	 0.620
1	2	3

[No. O-14016/333/85-GP]

का. आ. 2318 --यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगवीशपूर तक पेटोलियम के परिकहन के लिये पाइपलाइन भारकीय गैस प्राधिकरण लि द्वारा बिछाई आर्ना चाहिये ।

और यन यह प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये ए**तद्**पाबद्ध अनुसूची में वर्णित मूमि में उपयोग अधिकार अजिन करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खानिक पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1963 (1962 का 50) की धारा अ की उपधारा (1) द्वारा प्रदस्त मिनिश्मो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय एतवदारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उनते भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के सीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृति रीस आयोग, एच. बी. जे. पाइपलाइन 45, सुभाव नगर, संबिर रोइ, -उर्जेन (म प्र.) 456001 को इस अधिमूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हु॰ व्यक्ति विनिद्धिटनः यह भी कथन करेगा कि क्या बह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई ध्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

एच. बी. जे. शैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

	अन्	सूर्चा
थन् . ऋ .	बसरा नं.	अपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	2	3
1.	164	0 020
2.	243	0,020
3.	244	0.150
4	245	0.010
5.	283	0 050
6.	284	0 040

7.	286		_
	400	0.030	
8.	288	0.090	
9.	125	0.200	
0	128	0.240	
1.	126	0.100	
. 2.	218	0.020	
3.	150	0.140	
4.	151	0.080	
5.	161	0.040	
6.	262	0.120	
7.	165	0,320	
.8.	270	0.150	
9.	275	0.250	
0.	276	0.140	
1.	279	0,200	
2	291	0.300	
3.	304	0.080	
4.	305	0.100	
5	306	0.120	
16	308	0.020	
17.	217	0.380	
8.	219	0.120	
9	295	0.140	
0.	259	0.150	
11.	258	0.040	
3	280	010,0	
33.	282	0.200	
14.	297	0.030	
5.	298	0.180	
16.	299	0.070	
17.	301	0.180	
38	293	0,010	
9	267	0.250	
, o,	269	0.040	
11.	273	0.230	
12.	261	0.100	
13.	309	0.150	
.4.	127	0.120	
15	166	0.390	
16	149	0.020	
17.	265	0.100	
	266	0.020	
18.		0.020	
19. 50	1 131	0.020	
51.	216	0.050	
52	378	0.160	
53	118	0.010	
	————— योगः : – कुल क्षे	व्यफ् य 6.220	

[म. O-14016/334/85-जी. पी

S.O. 2318.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pridesh State pure line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas is appears that for the purrose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares us intention to acquire the right of user therein,

Provided that ary person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil and Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipeline, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ Gas Pipeline Project

/illa	ge :	Kandesar		: Pichhore,	Distt. Shivpuri
			SCHED	ULE	
Sl.		ey No.		Area to	be Acquired for
No.				R.C).U. in Hector
	ĺ		2		3
1.	164				0.020
2.	243				0.020
3.	244				0.150
4.	245				0.010
5.	283				0.050
6.	284				0.040
7.	286				0.030
8.	288				0.090
9.	125				0.200
10,	128				0.240
11.	126				0.100
12,	218				0.020
13.	150				0.140
14.	151				0.080
15.	161				0.040
16.	2 <i>6</i> 2 165				0.120
17.					0.320
18. 19.	270 275				0.150
20,	276				0.250
21.	279				0.140
22.	291				0.200
23,	304				0.300
24.	305				0.080 0.100
25.	306				0.120
26.	308				0.020
27.	217				0.380
28.	219				0.120
29.	295				0.140
30.	259				0.150
31.	2.58				0.040
32.	280				0.010
33,	282				0.200
34,	297				0.030
35.	298				0.180
36.	299				0.070
37.	301				0.180
38.	293				0.010
39.	267				0.250
40,	269				0.040
41.	273				0.230
42.	261				0.100
43.	309				0.150
44,	127				0.120
45.					0,390

1	2		3
46.	149		0.020
47	265		0.100
48	266		0.020
49,	1		0.020
50.	131		0.020
51.	216		0.050
52.	378		0.160
53.	118		0.010
		Total Area	6.220

[No. O-14016/334/85-GP]

का. आ. 2319: -- यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हजीय से बरेली से जगवीशपुर पेट्रोलियम के परिवहत के लिये पाईप लाईन भारतीय गैस प्राधिकरण लि॰ द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होना है कि ऐसी लाईमों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिक पाईप लाईन (मूर्मि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशिय एतब्रुष्टा घोषित किया है।

बगर्ते कि उनन भूमि में हितबत कोई ध्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्तम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, एल. बी. जे. पाईप लाईन 45, सुमाध नगर साबेर गेड, उडजैन (म. प्र.) 456001 को इस अधिमूचना की तारीच से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तियत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफर्त।

एच. बी. जे. सैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट ग्राम मायापर सहसील पिछोर जिला शिनपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)

अनुसूची		
अनुक.	खसरा मं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स) में)
1	2	3
1.	8 ,	0.742
2.	1 2	1,202
3.	18	0.157
4.	19	0.961
5.	21	0.021
6.	22	0.376
7.	40	0.157
8	43	0.281
9	47	0.094
10.	49	0.167
11.	52	0.031
1 2.	64	0,261
1 3.	65	0.596

1	2	3
14.	66	0.073
15	67	0.439
l 6.	65	0,878
Į 7 .	69	0.031
8.	5 4	0.010
19.	11	1,735
20.	10	0.115
21.	658	1,369
22	1 6	0 755
23.	659	0.303
24.	4.1	0.042
25.	51	0.031
26-	53	0.084
2 7.	189	0.084
28.	38	0.083
29.	48	0,021
3 0.	50	0.042
31.	55	0.084
32.	59	0 125
33.	13	0.951
34.	61	0.167
<i>3</i> 5.	17	0.397
36.	62	0.125
37.	45	0.010
3 8 .	63	0.021
	योग: कुल_ुक्षेत्रफ ल	13.021

[सं. O-14019 / 335 / 85-जी. पी.]

S.O. 2319.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BAREILLY to TAGDISHPUR in Madhya Pradésh Sate pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessity to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village : Mayapur Tehsil : Pichhore Distt. : Shivpuri

SCHEDULE

Sl. Survey No. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1 2	3
1. 8 2. 12	0.742 1.202

से हो यह किसी विधि व्यवसायी की मार्फतः।

1 2 3 3, 18 0 157	ग्राम	खडो य त	एच बी.जे.गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट हमील पिछोर जिला⊸शिवपुरी राज्य(मध्य	प्रदेश)
4. 19 0.961			भनुसूची	
5. 21 0.021				· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
6, 22 0.376 7. 40 0.157	ग्रनु व	र ख	सरा न / उपयोग ग्रामिकार भ्रार्जन का क्षेत्रा((हैक्टर्स मे
7. 40 0.157 8. 43 0.281	1.			
9, 47 0.094				
0. 49 0.167	1	777	0.0	
1. 52 0.031	2	778	0.0	
2. 64 0.261 3. 65 0.596	3	326	0 0	
4. 66 0 073	4	826	o , o	
5. 67 0 439	5	774	0 1	
6. 68 0.878	6	773	0.1	
7. 69 0.031	7.	776	O I	
8, 54 0.010 0 11 1.735	8	325	0.1	
9. 11 1.735 0. 10 0.115	9	760	0.0	
1. 658 1 369	10	781	0 1	
2. 16 0.755	11	836	0 2	
3. 659 0.303	1.2	775	0 1	
4. 44 0.042	13	761	0.6	070
5. 51 0.031 6. 53 0.084	14	764	0 (
7. 189 0.084	1.5	763	0 (70
8. 38 0.083	16	805	0 (080
9. 48 0.021	17	824	0.6	070
0. 50 0.042	18	867	0	020
1. 55 0.084 2. 59 0.125	18	873	0.3	140
3. 13 0.951	20	772	0.0	090
4. 61 0 167	21	782	0 (090
5. 17 0.397	22	794	0	060
6. 62 0.125	23	825	0.	160
7. 45 0.010	24	851	0.0	010
8. 63 0.021	25	865	0	230
Total Area 13.021	26	893		020
	27	897	0.	140
[No. O —14016/335/85—GP]	28	765		140
	29.	766	0.	060
का. आ. 2320—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है	30	767	0	120
कं लोकहिन में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेण राज्य में हजीरा से बरेली	31	768	0	130
क्रिंगवीशपुर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन भारतीय गैस	32	803	0	160
ाधिकरण लि द्वारा बिछाई जानी व ाहिये।	33	804	0	180
और यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनो को विछाने के प्रयोजन	34	868	0	030
ह लिये एतद्याबद्ध अनसूची मे वर्णित भृमि मे उपयोग क अधिकार अजित	35	869	0	060
तरना आवश्यक है।	36	870	0	080
अत अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि मे उपयोग के	37.	871	0	070
अंश अब पट्टालयम आर धानज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के रिधकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा	38	872	0	080
शावकार का जबने) जाबानयन, 1962 (1962 का 50) का क्षारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदल्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय	39	671	U	260
उपना अपना (१) इ.स. अबला शाकाया का प्रयाग करते हुए कन्द्राय रस्कार ने उसमे उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आशय	40.	780	O	060
रकार गं उनमें उपयोग का आधकार आजन करने की अपना आशाय !सद्दारा धोषित किया है।	41	853	O	010
•	4.2	770	0	120
अभर्ते कि उक्त भूमि म हिनयद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे	43	793	0.	070
ाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, नेल तथा प्राकृतिक	44	793	0.	060
स आयोग, एच भी. जे. पाईप लाईन 45, मुभाव नगर साबेर	15	303	o	100
ांड, उज्जैन (म प्र) 456001 को इस अधिसूचना की सारीख	46	828	0	080
21 दिनों के भीतर करसकेगा।	47	829	0	030
और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी कथन	48	852	0	050
करेगा कि क्या यह यह बाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्ति गत रूप	49	863	U	080
म हो यह किसी विधि व्यवसायी की मार्फतः।	5 υ	764	0.	050

1.	2.	3
 5 1	846	0.020
52	847	0.040
5 <i>3</i> .	323	0.010
54	321	0.180
5 5.	833	0.120
56	848	0.280
5 7.	явя	0.020
5 9.	7 4 5	0 020
59	318	0.010
60.	938	0 020
61.	875	0.040
	919	0.020

[र्स॰ O---14016/336/85---जीपाँ]

S.O. 2320.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BAREILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India.

And whereas t appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in the Land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said lard may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission. HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ Gas Pipe Line Project

Village . Khadoya Tehsil : Pichhore Distt. Shivpuri

SCHEDULE

Sl. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1	2	3
1.	77 7	0.080
2.	778	0.010
3.	32 >	0.010
4.	825	0.020
5.	771	0.120
6.	773	0 100
7.	77 ó	0.110
8.	325	0.160
9.	760	0.050
10.	781	0.130
11.	83)	0.240
12.	775	0.120
13.	761	0,070
14.	761	0 060
15.	761	0.070
16.	805	0.030
17.	824	0.070

18. 867 0.020 19. 873 0.140 20. 772 0.090 21. 782 0.090 22. 794 0.060 23. 825 0.160 24. 851 0.010 25. 865 0.230 26. 893 0.020 27. 897 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.130 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 <t< th=""><th>1</th><th>2</th><th></th><th>3</th></t<>	1	2		3
20. 772 0.090 21. 782 0.090 22. 794 0.060 23. 825 0.160 24. 851 0.010 25. 865 0.230 26. 893 0.020 27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.090 <t< td=""><td>18.</td><td>867</td><td>, ", , , , , , , , , , , , , , , , , , </td><td>0.020</td></t<>	18.	867	, ", , , , , , , , , , , , , , , , , , 	0.020
21. 782 0.090 22. 794 0.060 23. 825 0.160 24. 851 0.010 25. 865 0.230 26. 893 0.020 27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 <td< td=""><td>19.</td><td>873</td><td></td><td>0,140</td></td<>	19 .	873		0,140
22. 794 0.060 23. 825 0.160 24. 851 0.010 25. 865 0.230 26. 893 0.020 27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 <t< td=""><td></td><td>772</td><td></td><td>0.090</td></t<>		772		0.090
23. 825 0.160 24. 851 0.010 25. 865 0.230 26. 893 0.020 27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 <t< td=""><td></td><td>782</td><td></td><td>0.090</td></t<>		782		0.090
24. 851 0.010 25. 865 0.230 26. 893 0.020 27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 <t< td=""><td>22.</td><td>794</td><td></td><td>0.060</td></t<>	22.	794		0.060
25. 865 0.230 26. 893 0.020 27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 <t< td=""><td></td><td>825</td><td></td><td>0.160</td></t<>		825		0.160
26. 893 0.020 27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 <t< td=""><td>24.</td><td>851</td><td></td><td>0.010</td></t<>	24.	851		0.010
27. 897 0.140 28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 <t< td=""><td>25.</td><td>865</td><td></td><td>0.230</td></t<>	25.	865		0.230
28. 765 0.140 29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 <td< td=""><td></td><td>893</td><td></td><td>0.020</td></td<>		893		0.020
29. 766 0.060 30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 59. 818 0.040 <td< td=""><td>27.</td><td>897</td><td></td><td>0.140</td></td<>	27.	897		0.140
30. 767 0.120 31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 <t< td=""><td>28.</td><td>765</td><td></td><td>0.140</td></t<>	28.	765		0.140
31. 768 0.130 32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40, 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 56. 2919 0.040	29.	766		0.060
32. 803 0.160 33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 <t< td=""><td>30.</td><td>767</td><td></td><td>0,120</td></t<>	30.	767		0,120
33. 804 0.180 34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 <t< td=""><td>31.</td><td>768</td><td></td><td>0.130</td></t<>	31.	768		0.130
34. 868 0.030 35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	32.	803		0.160
35. 869 0.060 36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 <t< td=""><td>33.</td><td>804</td><td></td><td>0.180</td></t<>	33.	804		0.180
36. 870 0.080 37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 56. 2919 0.020 <td>34.</td> <td>868</td> <td></td> <td>0.030</td>	34.	868		0.030
37. 871 0.070 38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020 <td>35.</td> <td>869</td> <td></td> <td>0.060</td>	3 5.	869		0.060
38. 872 0.080 39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	36.	870		0.080
39. 874 0.260 40. 780 0.060 41. 853 0.010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	37.	871		0.070
40, 780 0.060 41, 853 0.010 42, 770 0.120 43, 793 0.070 44, 795 0.060 45, 802 0.100 46, 828 0.080 47, 829 0.030 48, 852 0.050 49, 863 0.080 50, 764 0.050 51, 846 0.020 52, 847 0.040 53, 323 0.010 54, 324 0.180 55, 833 0.120 56, 848 0.280 57, 898 0.020 58, 745 0.020 59, 818 0.020 60, 838 0.020 61, 875 0.040 62, 919 0.020	38.	872		0.080
41. 853 0,010 42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	39.	874		0.260
42. 770 0.120 43. 793 0.070 44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	40,	780		0.060
43, 793 0.070 44, 795 0.060 45, 802 0.100 46, 828 0.080 47, 829 0.030 48, 852 0.050 49, 863 0.080 50, 764 0.050 51, 846 0.020 52, 847 0.040 53, 323 0.010 54, 324 0.180 55, 833 0.120 56, 848 0.280 57, 898 0.020 58, 745 0.020 59, 818 0.020 60, 838 0.020 61, 875 0.040 62, 919 0.020	41.	853		0,010
44. 795 0.060 45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.020 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	42.	770		0.120
45. 802 0.100 46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	43.	793		0.070
46. 828 0.080 47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	44.	795		0.060
47. 829 0.030 48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	45.	802		0.100
48. 852 0.050 49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	46.	828		0.080
49. 863 0.080 50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	47.	829		0.030
50. 764 0.050 51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	48.	852		0.050
51. 846 0.020 52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	49.	863		0.080
52. 847 0.040 53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	50.	764		0.050
53. 323 0.010 54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	51.	846		0.020
54. 324 0.180 55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	52.	847		0.040
55. 833 0.120 56. 848 0.280 57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	53.	323		0.010
56, 848 0.280 57, 898 0.020 58, 745 0.020 59, 818 0.040 60, 838 0.020 61, 875 0.040 62, 919 0.020	54.	324		0.180
57. 898 0.020 58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	55.	833		0.120
58. 745 0.020 59. 818 0.040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	56.	848		0.280
59. 818 0 040 60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	57.	898		0.020
60. 838 0.020 61. 875 0.040 62. 919 0.020	58.	745		0.020
61. 875 0.040 62. 919 0.020		818		
61. 875 0.040 62. 919 0.020	60.	838		0.020
	61.	875		
Total Area 5.350	62.	919		0.020
			Total Area	5.350

[No. O-1 4016/336/85-GP]

का॰ मा॰ 2321.—यन. केन्द्रीय सरफार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिल में यह मावश्यक है कि मध्य देश राज्य में हजीरा में बरेखी में जनदीशपुर पेट्रोलिमय के परिबद्धत के लिये पाईप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि हारा बिछाई जानी जातिये।

और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पायद धनसूची में वर्णिन भूमि में उपयोग पण्णिकार भर्जित करना श्रावस्थक है।

धन भ्रव पेट्रोलिसय और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग को ग्राधिकार का धर्मम) ध्राधिनियम, 1962(1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का ध्राधिकार भ्राजित करने का भ्रपना ध्रामय एन्ट्रद्वारा धार्षण किया है।

वशर्ते कि उक्त भृमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भृमि के नीचे पाइप बाइन बिछाने के लिए धाक्षेप मक्षम प्राधिकारी, सेल तथा प्राकृतिक गैंग प्रापोग, एक्श्बी०के० पढ़िए लाइन 15, सुभाष मगर संबेर रोड उज्जैन (म०प्र०) 456001 को इस श्रीतमूचना की तारीख से 11 दिले के भीतर कर सकेगा।

और एसा श्राक्षेप करने बाला हर न्यक्ति विनिर्दिष्ट यह यह भी कथन करेगा कि त्या वह यह चाहता है कि उमकी भुनवाई न्यांकागत रूप में हो या किमी निधि न्यवसायी की माफर्त।

एच बी०जे०गैस पाइप लाइन प्राव्ह

ग्राम---पिपाश --- तहसील -- पिछोर किला-शिवपूरी राज्य (मध्य प्रदेश)

भ्रनसर्च

খনু	羽の	कामरा न०	उपयोग	ग्रिधिकार ग्रर्जन	का	भैव (है क्टर्म	म)
1		2.				3.	
1	_	1611				0.300	
2		1630				0,010	
3		1631				0.030	
4		1573				0.010	
5		1574				0.060	
6.		926/1689				0.010	
7		1572				0.230	
8.		904				0.030	
9.		905				0.050	
10.		1616				0.040	
11.		1617				0.190	
12		1618				0.030	
13.		913				0.050	
14.		914				0.050	
15.		1615				0.160	
16.		918				0.120	
17.		1623				0.010	
18.		1626				0.120	
19.		896				0.010	
20		897				0.010	
21.		1627				0.070	
22		1629				0.020	
23.		916				0,120	
24.		898				0.570	
25		915				0.050	
26		899				0.390	
27.		909				0.040	
28		910				0.080	
29		911				0.080	
30		912				0.030	
31		903				0.250	
32		926				0.270	
٠3	i.	1569				0.120	
34		884/1687				0.200	
3 5	j.	1632				0.160	
36	ì.	1634				0.110	
37	7.	1622				0.010	
38	3.	1612				0.040	
39) .	1613				0.060	
40).	900/1686				0.080	
4 1	į.	900				0.030	
42	2.	1575				0,320	

1	2	J
43	1653	0.030
44.	927	0.040
45.	1643	0 100
46	1633	0 040
-	_ 	
	योग कल धैन्नफल	4,830

[শ. O-14016 / 337 / ৭5-সা. দ.]

S.O. 2321.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA BARILLY to JACIADISHPUR in Madhya Pradesh State pire line should be laid by the Gas Authority of India Limited

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule appeard hereto.

Now, therefore, in exercise of the power; conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) of the Central Government hereby declared its intention to acquire the right of user therem;

Provided that any preson interested in the said land may, within 21 days from the date of this neuffication, object to the laying of the pipelin, under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission HEJ (ins Pipe Line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT
Village—Piparo Tehsil -Pichhore Distt.—Shivpuri
SCHEDULE

S. Survey No. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1 2	3
1. 1611	0.300
2. 1630	0.010
3. 1631	0 030
4. 1573	0.010
5. 1574	0.060
6. 926/1689	0 010
7. 1572	0.230
8. 904	0 030
9. 905	0 050
10. 1616	0 040
11. 1617	0 190
12. 1618	0 030
13. 913	0 050
14. 914	0 050
15. 1615	0 160
16. 918	0 120
17. 1623	0.010
18. 16 2 6	0.120
19. 896	0 010
20. 897	0.010
21. 1627	0.070
22. 1629	0 020
23. 916	0 120
24. 898	0 570
25. 915	0 050

1	2	3
<u>2</u> 6.	899	0 390
2 7.	909	0 040
28.	910	0 080
2 9.	911	0.080
30.	912	0 030
31.	903	0 250
32	92 6	0 270
33.	1569	0 120
34	884/1687	0 200
35.	163 2	0 160
36.	1634	0 110
37.	1622	0 010
38.	161 2	0 040
39.	1613	0 060
40.	900/1686	0 080
41.	900	0 030
42	1575	0 320
43	1653	0 030
44.	927	0.040
4 5.	1643	0 100
46.	1633	0 040
То	al Area	4 830

[No. O-14016/337/85-GP]

का. आ. 2322:— यत केल्बीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि लोकहित में यह भावस्थक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हर्ज रा से बरेली से जमदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाईन भारतीय गैस प्राधिकरण क्षारा बिछाई जानी चाहिये।

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनो को बिछाने के प्रयोजन लिये एतद्पाबद्ध भनुसूची में विणित भृति मे उपयोग का श्रविकार श्रजित करना ग्रावश्यक है।

भ्रत भ्रव पेट्रोलियम भौर खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का भ्रजेन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदेश परितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का श्रधिकार भजित करने का भ्रपना भ्राशय एतददारा छोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि मे हिंतबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीके पाइप लाइन बिछाने के लिए माक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस मामोग, एक. बी जे. पाइप लाइन 45, मुभाव नगर सबिर रोड, उर्जीन (म. प्र.) 456001 को इस मधिसूचना के तारिक से 21 विनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर स्पक्ति विनिर्विष्टता यह भ कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि स्पवसाय। की माफर्त।

एच. बः. जै. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट ग्राम—मृहार सहसील—पिछोर जिला—शिवपूरी राज्य (मध्यप्रदेश) मनसूची

(क. व सरा म.	उपयोग ग्रधिकार मर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1 2	3
229	0.593
2. 228	0.094
3 227	0.852

1	2	3
4	225	1.354
5	224	0.010
6	222	0 261
7	2.21	0.199
8	220	0 394
9	219	0 094
IO.	218	0,293
11.	212	0.115
1 2	21;	0.236
13	214	$0.2^{\pm 0}$
1 1	197	0.115
5.	198	0 142
6.	195	0 118
7.	194	0 178
18.	181	0.219
L 1)	179/2	0.539
20.	165	0.188
2 1	164	0.523
22	142	0 890
23	144	0.146
24	145	0 397
25	127	0 209
26.	125	0.543
27	115	0 021
28.	126	0 031
29.	92	0 094
30.	138	0.073
31.	151	0.042
32	152	0.052
33.	167	0.105
3 4	182	0.010
3 5	201	0 157
36	211	0.073
	योग गुल क्षेत्रफल	9,579

[स.O--14016/338/85-जी.पी.]

S.O. 2322.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the manaport of petroleum from HAZIRA-BAREILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State Pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government belieby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45 Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPF LINE PROJECT

Village : Muhar

Tehsil: Pichhore Distt: Shivpuri

SCHEDULE

S. Survey No. No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hector
1 2	3
1. 229	0.593
2. 228	0.094
3. 227	0.852
4. 225	1.354
5. 224	0.010
6. 222	0.261
7. 221	0.199
8. 220	0,394
9. 219	0.094
10. 218	0.293
11, 212	0.115
12. 213	0.236
13. 214	0.240
14. 197	0.115
15. 198	0.142
16. 1195	0.118
17 194	0.178
18. 181	0.219
19. 179 2	0.539
20 . 165	0.188
21. 164	0.523
22. 142	0.890
23. 144	0,146
24. 145	0.397
25. 127	0.209
26. 125	0.543
27. 115	0.021
28. 126	0.031
29. 92	0.094
30. 138	0.073
31. 151	0.042
32. 152	0.052
33. 167	0.105
34. 18 2	0.010
35. 201	0.157
36. 211	0.073
Total Area	9,579

[No. O-14016/338/85-GP]

का. आ. 2323: — यतः केन्द्रिय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह प्रावस्थक है कि राजस्थान राज्य में विजयपुर (म.प्र.) से सवाई माधोपुर तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बारा विछाई जानी चाहिए।

भौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध मनुसूची में विणितं भूमि में उपयोग का मधिकार मर्जित करना मावश्यक है।

मतः मब पैट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 को उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार भूजित करने का प्रपना भाषय एतद्वारा थोषित किया है।

बशर्ते कि उक्ता भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आऔप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस 211 GI/85—4 प्रशिकरण लि. एभ.को.जे. गैम पाइप लाइन परियोजना 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माधोपुर की इस भ्रष्टिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसाय। की मार्फत।

अनुमूची

विजयपुर (म. प्र.) से सबाई माध्युर (राज.) तक पाईप लाइन विछाने के लिए

	ालग			
राज्य : राजस्यान	जिला : कोटा	तष्ठसीलः पीपल्दा		
गांव	स्त्रमरा न.	हे क् टर	पार	सेन्टायर
1	2		ŗ.	
			02	72
5 (-)(6	0	57	62
	7	0	0.9	92
	8	0	12	0.1
	13	0	0.1	72
	14	0	0.0	96
	15	0	02	99
	16	0	0.0	96
	91	0	0.8	97
	17	0	0.8	89
	90	0	17	7.4
	89	0	01	17
	8.3	0	0.0	26
	88	0	15	88
	28	0	04	62
	87	0	19	04
	85	0	26	34
	86	0	00	38
	69	0	02	99
	68	0	45	53
	66	n	0.5	71
	67	0	0.5	03
	54	0	00	58
	53	0	00	21
	52	0	13	35
	51	0	11	96
	49	0	08	42
	48	0	45	40
	540/391	0	13	70
	109	0	28	32
	224	0	01	92
	389	0	11	96
	388	0	07	98
	387	0	17	39
	595/238	0	26	23
	238	0	14	95
	380	0	61	98
	382	0	14	95
	378	0	05	71
	533/346	0	02	45
	345	0	79	79
	353	0	24	46
	354	0	0.5	49

3		3	
338	0	22	1.3
355	O	0.1	35
336/511	U	18	62
336	U	Oυ	0.5
356	υ	()()	24
357	Ō	08	18
358	0	32	80
359	0	0.1	0.1
362	0	56	21
	338 355 336/511 336 356 357 358 359	338 0 355 0 336/511 0 336 0 356 0 357 0 358 0 369 0	338 0 22 355 0 01 336/511 0 18 336 0 00 356 0 00 357 0 08 358 0 32 369 0 04

【杖 · O-14016/339/85-河南]

S.O. 2323.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipur (MP) to Sawai Madopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Peticleum and Minicials Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby Jeclares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that may person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H.B.J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Sawai Madhopur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE Pipeline from Bijapur (M.P.) to Sawai Madhopur (Rai.) State: Rajasthan District: Kota Tohsil - Piplada

\mathbf{V} illage	Survey No.	Hectare	Are Cent	iare
1	2	··· · ·		3
Doli	<u> </u>	0	02	72
	6	0	57	62
	7	0	09	92
	8	0	12	01
	13	0	01	72
	14	0	00	96
	15	0	02	99
	16	0	00	96
	91	0	08	97
	17	0	08	89
	90	6	17	74
	89	0	10	17
	83	0	00	26
	88	0	15	88
	28	0	04	62
	87	0	19	04
	85	0	2 6	34
	86	0	00	38
	69	0	02	99
	68	0	45	53
	66	0	05	71
	67	0	05	03
	54	0	00	58
	53	0	00	21
	5 2	0	13	35

51 49 48 540/391 109 224 389 388 387	0 0 0 0 0	11 08 45 13 28 01	96 42 40 70 32
49 48 540/391 109 224 389 388	0 0 0 0	45 13 2 8	40 70
540/391 109 224 389 388	0 0 0	13 2 8	70
109 22 4 389 388	0 0	28	
224 389 388	0		2.7
389 388		01	
388	0	O.T.	92
	.,	11	96
197	0	07	98
307	0	17	39
595/238	0	26	23
238	0	14	95
380	0	61	98
382	0	14	95
378	0	05	71
533/346	0	02	45
345	0	79	79
353	0	24	46
354	0	05	49
338	O	22	13
355	0	01	35
336/511	0	18	62
336	0	00	05
356	0	00	21
357	0	90	18
358	0	32	80
359	0	04	01
	0	6 6	21
	357 358	357 0 358 0 359 0	357 0 0 09 358 0 32 359 0 04

INo. O-14016/339/85-GPI

2324.—पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि का.चा. लोकहित में यह ग्रावश्यक है कि राजस्थान राज्य में विजयपुर (म. प्र०) से सबाई माधोपुर तक पैटोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण नि. द्वारा बिछाई जानी नाहिए।

ग्रीर यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइतों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतदपात्रद्ध धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रिधिकार श्रक्तित करता आवश्यक है।

धतः घव पैट्रोलियम श्रीर खनिज पाश्य लावन (भृमि मे उपयोग के प्रधिकार का भार्तन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्षियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने जनमें उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आणय एतबद्वारा घोषन किया हैं

बणर्ने कि उक्त भूमि में हिनवद कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मध्यम प्राधिकारी भारतीय गैम प्राधिकरण लि. एच वी जे. गैस पाइप लाइन परियोजना, 49, इन्द्रा कालोनी, सवाई माघोपूर की इस अधिसूचन। की मारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

भीर ऐसा प्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विदरतय। यह भी कथन करेगा कि लया वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की सर्फत ।

ग्रन्सूची बिजयपुर (म प्र) में सवाई माधोपुर (राज) नक पाष्ट्रप लाइन विकान के लिए

राज्य . राजस्थान	जिला : कोटा	तहर्भ	तहमील : पीपस्वा		
गांव	खमरा नं.	ते क्ट र	<u>प्रार</u>	सेन्टीधार	
1			3		
गनेश गंज	220	0	0	0 36	
	221	0	2	0 18	

1	2		3	
——————————————— गले श गंज (जारो)	266	0	27	38
	226	O	0.2	60
	265	U	5.5	3.1
	259	0	13	83
	264	t)	32	31
	261	O	2.3	55
	262	O	40	59
	254	O	1.4	18
	278	()	84	93
	2 7 9	U	0.7	88
	280	0	06	90
	282	0	31	43
	287	O	30	12
	288	U	17	39
	303	0	0.1	91
-	530/314	()	1-1	បន
	521/314	O	02	90
	315	0	01	10
	316	O	0.3	97
	317	0	18	67
	318	U	0.3	05
	331	0	04	8.3
	312	0	0.0	17
	332	1	oυ	33
	334	0	52	70
	353	υ	0.0	03
	352	0	59	39
	352/465	0	0.0	96
•	351	0	6.1	33
	350	1	33	32
	344	U	0.0	58
	.148	°O	23	0.2
	349	υ	01	07
	3,47	O	10	40
	346	O	46	83
	355	U	0.9	0.3
	399	U	41	36
	400	o	03	83

[सं. O~14016/340/85-जीपी]

S.O. 2324—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijappar (M.P.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mirerala Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Gas Pipeline Project 49, Indra Colony, Savai Madhopur,

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

SCHEDULE

Pipeline from Dijiapur(M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajastahan District: Kota Tehsil - Piplada

Villago	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Ganesh Ganj	220	0	00	36
	22 1	0	20	18
	266	0	27	38
	226	0	02	60
	265	0	55	31
	259	в	13	
	2 64	0	32	31
	261	0	2 3	55
	262	0	40	59
	254	0	14	18
	278	0	81	93
	2 79	0	07	88
	280	0	06	90
	282	0	31	43
	2 87	0	30	
	288	0	17	39
	303	0	01	91
	513/314	0	14	08
	521/314	0	02	90
	315	0	01	10
	316	0	03	97
	317	0	18	67
	318	0	03	0.5
	331	0	04	83
	312	0	00	17
	332	1	00	33
	334	0	52	70
	353	0	00	03
	352	0	59	39
	352/465	0	00	96
	351	0	61	33
	3 5 0	1	33	32
	344	0	00	- 58
	348	0	23	02
	349	0	01	
	34 7	0	10	
	345	0	46	
	3 <i>5</i> 5	0	09	
	399	0	41	36
	400	0	03	83

[No. O-14016/340/85-GP]

का. आ. 2325.—यत. केक्ट्रीय सरकार को पह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य हुशीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन भारतीय गैम प्राधिकरण दारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर यतः मह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछान के प्रयोजन के लिये एनदपालक अनुसूची में बणिन मूमि में उपयोग अधिकार अजिस करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम स्रोर खिनज पाईप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अजैस) अधिनियमः 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा अदृश्य सिक्समें का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आग्रम एनबद्वारा घोषित किया है। बशर्स कि उनत भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के तीचे पाइप लाइन विछाने के लिए अक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राक्कृतिक तैस आयोग, एच, बी. जे. पाईप लाईन 45, सुभाष नगर सांबेर रोड, उजीन (म.प्र.) 456001 को इस अधिसूचना की तारीच में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतसः यह भी कथन करेगः कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रुप से हो या किसी विधि व्यक्तायी की मार्फत ।.

एच. बी, जे गैस पाइप लाइन प्राजेषट

ग्राम . यामोरडामरोन - तहसील : बिछोर - जिला : शिवपुरी राज्य मध्य प्रदेश

प्रनुसूची 🎚

भन्.	क. खसरान.	उपयोग मिक्रकार
		मर्जन का क्षेत्र
		(हैक्टर्स मे)
1	2	3
1.	824	0.335
2.	828	0.063
3	831	0.146
1	827	0.010
5	838	0.073
6.	840	0.428
7.	841	0-031
8.	2952	0.282
9.	2956	0.010
10.	2951	0.293
11.	2950	0.031
12-	2949	0.052
13.	2948	0.199
14.	2943	0.314
15.	2937	0.146
16.	2936	0.261
17.	2936/3005	0.021
18.	2929	0.136
19-	2930	0.010
20.	2904	0.031
21.	2932	0.084
22.	2931	0-021
23.	2885	0.100
24.	2886	0.105
25.	2887	0.010
$26 \cdot$	2890	0-481
27.	2892	0.282
28.	2837	0.010
29.	2834	0.308
30.	2833	0.010
31.	2832	0.199
32.	2831	0.282
33	2817	0.199
34.	2816	0.136
35.	2815	0-178
36.	2736	0.199
37.	2734	0 115
35	2725	0.251
39.	2727	0.031

1	2	3
40.	2688	0.314
41.	2729	0.042
42.	2726	0.005
43.	833	0.052
44	837	0,052
45	2730	0.105
46.	2732	0.115
47.	2888	L 0. 0 1 0
48.	2891	0.021
49.	2947	0.021
,	योग:-कुल क्षेत्रफल	6 610

[स. O-14016/341/85-जी पी]

S.O. 2325.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of peroleum from HAZIRA-BAREILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the senedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Bamoradamrone Tehsil: Pichhore Distt: Shivpuri SCHEDULE

SI No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	824	0.335
2.	828	0.063
3.	831	0.146
4.	827	0.010
5.	838	0.073
6.	840	0.428
7.	841	0.031
8.	2952	0.282
9.	2 956	0.010
10.	29 51	0.293
11.	2950	0.031
12.	2949	0.052
13.	2948	0.199
14.	2943	0.314
15.	2937	0.146
16.	2936	0.261
17.	2936/3005	0.021
18.	2929	0.136
19.	2930	0.010

[HI4 II — 4083 (II)]	मार्शाचय यागाला प्
1 2	3
20. 2904	0.031
21. 2932	0.084
22. 2 931	0.021
23. 2885	0.100
24. 2886	0.105
25. 2 887	0.010
26. 2890	0.481
27. 2892	0.282
28. 2837	0.010
29. 2834	0.308
30. 2833	0.010
31. 2832	0.199
32. 2831	0.282
33. 2 817	0.199
34. 2 816	0.136
35. 2815	0.170
36. 2 736	0.199
37. 2734	0.115
38. 2725	0.251
39. 2727	0.031
40. 2688	0.314
41. 2729	0.042
42. 2726	0.005
43, 833	0.052
44. 837	0.052
45. 2 730	0.105
46. 2732	0.115
47. 2888	0.010
48. 2891	0.021
49. 2947	0.021
Total Area	6.610

[No. O-14016/341/85-GP]

का०आ० 232(--यतः केन्द्रीय सरकारको यह प्रतित होना है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थाम राज्य में विजयपुर (म०प्र०) से सवाई माधो पुर तक पद्रोलियम के परिवहस के विये पाईप लाईन भारतीय सैस प्राधिकरण लि० द्वारा बिछाई कासी चाहिये।

और यतः यह प्रतित होता है कि ऐसी लाईमों को बिछान के प्रयोजन के लिये एतकुपाबद्ध अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अतः अब पट्टोलियम और खनिक पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आशय एत्त्वारा योषित किया है ।

बगर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस मूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिये आकोप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण पिठ एवठ बीठ जेठ गैम पाईप लाईन परियोजना, 49 इस्स कालोनी, सबाई माधोपुर की इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के मीसर कर मकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर ब्यक्ति विनिष्टिनया यह भी कथन करेगा कि नया वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

के लिये राज्य राजस्थान जिला कोटा सहसील सीपत्वा गौव सासरा नं० प्रेक्टेबर जार मेक्टोक्सर रामपुरा Ó o 3.7 o 3.7 n O 5.5 Ŏ 523/1 O 3.3 ñ 0.6 O 0.4 Ü Ð nn 0.1 592/3 n 592/1 0.8 592/2 o Ü संहर 0.7Û 1.5 Ô 0.5 n $\mathbf{0}$ 707/2O G

अनुसूची विजयपुर (स०प्र०, से सवाई साक्षोपुर (राजक) तक पाईथ सर्वन शिकारी

[नं · O-14016/342/85कीपी]

S.O. 2326.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the rublic interest that for the transport of petroleum from Bijaipur to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Gas Authority of Ind'a Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of Ind'a Ltd. HBJ Gas Pipe Line Project 49, Indra Colony, Sawai Madhopur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE [

Pipeline from Vijay pur (M.P.) to Sawai Madhopur (Raj.) State: Rajasthan District Kota; Tehsil: Piplada

State: Rajasthan	District E					
Village	Survey No.	Hectare	Атс	Centi- are		
RAMPURA	435	0	02	51		
	434	0	51	33		
	439	0	14	82		
	440	0	37	57		
	441	0	25	03		
	442	0	00	37		
	443	0	06	35		
	446	0	42	35		
	519	0	10	58		
	521	0	55	29		
	522	0	30	31		
	565	0	03	08		
	523/1	0	00	12		
	564	0	33	17		
	563	0	34	93		
	573	Ü	06	35		
	580	0	04	2.5		
	581	0	27	77		
	582	0	32	01		
	583	0	23	0.9		
	584	0	00	23		
	602	0	05	56		
	596	0	01	80		
	592/3	0	14	94		
	59 2 /1	0	06	62		
	592/2	0	14	02		
	623	0	13	49		
	624	0 0	43	13		
	625		51	28		
	626	0	10	11		
	Canal	0	07	87		
	693	0	66	68		
	687	0	5	78		
	692	0	41	13		
	688	0	04	05		
	689	0	04	15		
	690	0	01	05		
	691	0	19	74		
	648	0	07	94		
	707	0	33	34		
	707/2	0	06	88		

[No. O-14016/342/85-GP]

कार्यार 2337--यमः केन्द्रीय मरकार की यह ब्रहीत होता है कि लोबलित में यह आवण्यक है कि राजस्थान राज्य में विजयपुर (मर्यार) से सवाई माधोपुर तक पैट्रोलियम के परिचड्न के लिये पाईप लाईन भारतीय गैस प्राधिकरण कि ब्रासा क्रिकाई जानी चाहिये।

कौर यमः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछाने के प्रयोधन के लिये एनक्षाबद्ध अनुसूची में वर्णिन भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है ।

अतः अब पैद्रोलियन और स्वितिक पाईंग लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्पन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) भी धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मिकियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आधाय एक्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आधाय एक्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आधाय

बंगत कि उक्त भूमि में जिनवद कोई व्यक्ति, उस भूमि के मीचे पाईप लाईन बिकाने के लिये आरोप सभम प्राधिकारी, धारतीय गैम प्राधिकरण लि॰ एच०बी०जे॰ शैम पाईप लाईन परियोजना, 49 इन्ह्रा कालोनी, मवाई माधोपुर की इस अधिमचना की नारीन्द्र से 21 विनों के भीनर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने नाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टनया यह भी कवन करेगा कि क्या वह यह भाहना है कि उसकी सनवाई व्यक्तिगत रूप मे हो या किसी विश्व व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूषी

विश्वयपुर (म०प्र०) से सर्वाई माधोपूर (राज०) শা पाईव लाईन विकाने के लिये राज्य राजस्थान जिला कोटा तहसील छवडा

गीव	क्षमरा र्ग०	मेक्टर	आर मेर्स्ट	ोआर
1	2	3	1	5
पौषो का	2	1	43	75
	41	0	1.2	18
	40	0	0.8	46
	39	0	47	07
	4.2	0	25	70
	44	0	17	05
	43	0	0.5	82
	46	0	0.0	78
	555	0	22	64
	554	0	01	18
	561	0	13	23
	562	0	13	36
	563	0	0.5	56
	564	0	03	27
	565	ŋ	01	65
	36 6	0	1.1	62
	567	0	08	18
	570	0	6.0	70
	573	0	0.0	70
	531	0	0.5	1 5
	528	0	22	49
	527	0	07	70
	526	Q.	0.9	36
	525	r)	0.4	75
	524	0	0.0	88
	517	ij	02	23
	515	0	04	22
	516	n	0.4	56
	518	()	0.5	25
	513	Ú	0.4	31

'SCHEDULE

pur (M.P.) to Sawai Madhopur (Re District : Kota Tehsil : Chabra	Pipeline from Vijaipur (M.P.) State: Rajasthan District: Ko	81	10	0	वाचोंडा 506
		3:2 8:8	15 00	0	504
Survey No. Hectare Are Centia	Village Survey No.	87	67	U	507 503
2 4 4	1 2	10	26	0	502
_ ,	1	69	10	0	901
2 1 43	CHANCHODA 2	6.U	09	0	883
41 0 12		91	0.8	n	898
40 0 08		78	10	0	898
39 0 47		5 9	03	Ů.	900
43 0 25		66	0.1	n n	895
44 0 17 43 0 05			30	0	
46 0 00		44	00	0	926
555 0 22		02			925
59a ő 01		02	50	0	927
561 0 13		47	0.0	0	930
562 0 13		82	47	0	933
563 0 05 564 0 02		56	.13	0	935
564 0 02 565 0 01		41	18	0	936
566 0 11		23	17	O	937
567 0 08		53	0.6	0	9.48
570 0 03		78	66	0	951
573 0 00		35	0.0	0	950
531 0 05		60	19	0	1005
528 0 22 527 0 07		46	23	Ü	1006
526 0 09		23	81	0	1015
525 0 04		52	17	0	1016
524 0 00	524	04	50	0	1025
517 0 02		19	31	0	1024
515 0 04		11	29	0	1028
516 0 04		56	0.3	0	952
518 0 05 513 0 04		53	0.0	0	500
506 0 10		78	0.0	0	505
504 0 15		78	0.0	A	591
507 0 00		69	00	0	514
503 0 07		29	00	0	514/1063
502 0 26		08	01	0	582
901 0 10 883 0 09					
898 0 08		पी]	3/85-शी	016/34	[मं० ओ-14
899 0 10		-	•		-
900 0 02	900	rnment	al Gove	Centr	S.O. 2327.—Whereas it appears to the
895 0 04		ansport mur in	r the tr Madhe	that to	nat it is necessary in the public interest f petroleum from Rijanjur (M.P.) to
926 0 30		itbority	Gas At	by the	ajasthan State pipeline should be laid
925 0 00 927 0 50					f India Ltd.
930 0 00		ng such	of lavi	urpose	And whereas it appears that for the p
933 0 47		he land	ser in t	ght of t	ipeline, it is necessary to acquire the rig
935 0 33				reto;	oscribed in the schedule annexed he
936 0 18					Now, therefore in exercise of the
937 0 17	_	dinerak	ກ a n d ໃ	etroleu i	ub-section (1) of the Section 3 of the Po
948 0 06		declares:	ne Lan hereby	er in t nment	Pipelines (Acquisition of Right of Us. 1962 (50 of 1962), the Central Govern
951 0 66 950 0 00			erein :	ser the	to intention to acquire the right of v
950 0 00 1005 0 19		nd may	apid In-	in the	Provided that any person interested
1006 0 23		blect to	ation o	notific	within 21 days from the date of this
1015 0 81	1015	mpe!ent	the Co	and to	he laying of the pipeline under the la
1016 0 17		ripeline	J. (JB9	i H.B.	Authority, Gas Authority of India Ltd Project 49, Indra Colony, Sawai Madho
1025 0 50		_			
		lso state	shall a	piection	And every person making such an obsectifically, whether he wishes to be be
1024 0 3	1024	lso state n or by	shall a pergo	ojection leard in	And every person making such an obspecifically whether he wishes to be blegal practitioner.

1	2	3	4	5
Chanchoda	952	0	03	- 56
	500	0	00	53
	505	0	00	78
	591	0	οσ	78
	514	0	00	69
	514/1063	0	00	- <u>29</u>
	582	0	01	08

[No. O-14016/343/85-GP]

का ॰ भा ० २ ते १ थ ---- यत बेन्द्र य सरकार को यह प्रश्त त होता है कि लोकहित में यह भावस्थक है कि उत्तर प्रदेश में हुन रा-बरेन -जगद गपुर तक पेट्रोलियन के परिवहन के निए पाइपलाइन भारत य गैम प्राधिकरण लि. द्वारा विकाद जाना वाहिए।

भीर यत प्रतात होता है कि ऐसा लाइनो को बिछाने का प्रयोजन के लिए एनद्रुपायक प्रतुसूचा में विणित भूमि में उपयोग का छाछकार झिजित करना छाजकाक है।

णतः प्रक पेट्रोलियम और खिनज पाइपलाइन (भूमि मे उपयोग के प्रक्रिकार का प्रार्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रं,य स्रकार ने उसमे उपयोग का अधिकार प्रजित्त करने का प्रयमा प्राणय एतम्हारा योषित किया है।

बगतें कि उक्त भृमि में हितबदा नोई ध्यक्ति उस भूमि के नाचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकार, भारत य गैम प्राधिक क्र्य लिए वं - 58 वं, अनींगंज, लखनऊ - 226020 यू०प ० को इस अधिसूचना का सारीख से 21 दिन के भ तर कर सकेगा।

ें, और ऐसा बालेंप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत, यह भा कथम करेगा कि बचा वह चाहता है कि उसका सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या विकेश विधि व्यवसाम, का मार्फन।

भनुसूची हाजिरा-करेली, ज्लागद, शपुर तक गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहकाल	परगंना	प्राम	गाटा	बोर		
				संख्या	ब घा	विस्वा वि	− विवरण पेयस्सा
1	2	3	4	~	5	6	7
हरकोई	शास्त्रकाव	पष्ठमेशु	मगला-	151		11	
•			पस्	154		7	→
				527		2	
				528	~~	5	
				529		า	10
				530			10
				531		12	
				512		2	10
				553			10
				554	1	17	10
				557		3	
				558		6	10
				559	-~	15	10
				565		- -	10
				572		12	
				573		1	
				575		2	10
				576		в	+

	ŧ,		ñ	4	1	2	1
			577	नगला-	पछोहा	 शाहा बा द	हरपोई
	4	1	584	पसू			
	1		585				
10	1		586				
	10	-	496				
	16	J	191				
10	1		192				
	4	1	191				
	8		294				
	1		3 97				
10	1	-	198				
	1		196				
10	1		401				
	10		402				
	16		403				
10	2		412				
10	8		413				
	5		514				
10	2		415				
	6		416				
	5		417				
	7		152	4			
10	8		153	4			
10	8		54	4			
	7		156	4			
	5		57	4			
	5		160	4			
	1		58	4			

SO 2328—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bjampir (MP.) to Sawai Madhopur in Rajasthan State procline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Ceritral Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd H. B. J. Gas Pipeline Project 49, India Colony Sawai Madbopur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX

Gas Pipeline from HAJIRA-BARLILLY-JAGDISHPUR Project

Dis- trict	Tehsil		Village	Plot No.		REA		Re- –mark
trict		gana		No.		Biswa	Bis- wansi	–mar K
1	2	3	-4	5		6		7
Hardo	i Shaha-	Pachho-	Nagla-	153		11		
	bad	ha	ptiu	154		7		
			-	527	_	2	_	
				528		5		
				529		3	10	
				530	_		10	
				531 532	_	12 2	10	
				553	_	10	10	
				554	1	17	10	
				5 5 7	-	3	_	
				558		б	10	
				559		15	10	
				565	_		10	
				572	_	12 1		
				573 575		2	10	
				576		6		
				5 77		2	_	
				584	1	4	_	
				585	-	1		
				586		1	10	
				496 391	1	10 16	_	
				392		1	10	
				393	1	4	_	
				394	_	8		
				397		3	_	
				398	-	1	10	
				396	_	1		
				401 402		$\frac{1}{10}$	10	
				402	_	16	_	
				412		2	10	
				413	-	8	10	
				414		5	—	
				415	_	2	10	
				416	_	6	_	
				417		5		
				452	_	7		
				453		8	10	
				454	_	8	10	
				456	_	7		
				457		5	_	
				460		5		
				458	_	1	_	
			_					
				[Νο.	0.140)16/344	/85_C1	P1 -

काब्धाव 2329.—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह श्रायभ्यक है कि उत्तर प्रदेण में हर्जा ग-वरेला जगवीणपुर तक पेट्रीलियम के परिवहन के लिए पाष्ठपलाइन भारताय गैस प्राधिकरण लिब द्वारा बिछाई जाना खाहिए।

और यत प्रतान होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने का प्रयोजन 211 GI/85—5 के लिए एतदुपाबद्ध अन्सूच, मे बणित भूमि में उपयोग का प्रधिकार श्रीयत करना श्रावश्यक है ।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का धर्जन) धर्धिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 का उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों की प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार धर्जित करने का ध्रपना ध्राशय एतदहारा घोषिन किया है।

वशमें कि उभन भूमि में हिनबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी भारतींय गैस प्राधिकरण लिं व - 58 वा, प्रल गंज, लखनऊ - 226020 यू०पी० को इस प्रधिसूचना का तार ख से 21 दिन के भातर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भो कथन करेगा कि वह चाहना है कि उसका सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसा विधि व्यवसाय। की भाफत ।

श्रनृक्षूर्चा हाजिरा-बरेलं।-जगदोणपुर गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिला	त हर्स ः ल	परगना	ग्राम	गाटा		क्षेत्रफल	
				सख्या			विवर्
					बाधा	विस्वा वि	स्वांर्सा
1	2	3	4	5		6	7
हरवोई	विसग्राम	कटियार।	ढकपुरा	20	·	14	10
			-	19		17	
				29		2	
				30		19	
				31		4	
				32		14	
				73		14	
				74		7	
				75		8	- -
				7 G		7	
				116		2	10
				117		18	
				122		14	10
				167		6	
				132		18	
				173		12	10
				174		2	
				175		11	
				183		5	
				184		12	
				185		1	
				244		5	- -
				245		4	10
				246		3	
				247		2	10
				248		3	10
				251		3	
				252		3	
				256		5	
				257		9	
				258		13	
				281		2	10
				318		2	10

1	2	3	-1	5		6	
रवोई	विलग्राम	कटियारी	ढकपुरा	319		6	
,			3	320		4	~ -
				321	_ _	2	10
				322		6	
				323		3	1.0
				324		3	
				325	5	5	
				328		1	
				329		19	
				253			10
				330		19	10
				331		1.2	10
				348		8	_
				349			10
				350		7	
				352			10
				467		6	
				468		7	_
				492		5	
				493		9	
				499		3	10
				500		5	
				501			10
				601		-1	
				602		9	
				498		4	
				604		5	
				642		6	→
				644		8	10
				645		11	10
				646		7	
				648		1	
				647		13	
				707 -		18	
				708		13	
				709		3	
				710		11	
				711		1 7	
				712 814		13	
				$\frac{118}{121}$		2 1	
						1	
				133 326			5
				327	~-		5
				603		2	
				491		2	
				497		1	
				469		2	
				488			10
	-						
				[मं० O -	-14016/3-	। 5/ ৪ 5⊶ ज	गि०पी०]

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of oser in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that now person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. H. B. J. Pipeline Project B-58[B. Aligani Lucknow 226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

INDEX
Gas Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

Dis- trict	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.		RFA	—— —	Re- narks
				INO.		Biswa	Bis- wans	
1	2	3	4	5		6		7
Har-	Bil-	Kati-	Dhak-	20	<u>1</u>	 14	10	
doi	gram	yari	рига	19	17	17		
		•	,	29		2		
				30	_	19		
				31		4	_	
				32		14		
				73	_	14		
				74	_	7	_	
				75	_	8		
				76	_	7	_	
				116		2	10	
				117		18		
				122		14	10	
				167	_	6		
				132		18	40	
				173		12	10	
				174		2	_	
				175	_	11		
				183 184	_	5 12		
				185	_	j	_	
				244		5		
				245	4	4	10	
				246	_	3		
				247		2	10	
				248		3	10	
				251	_	3		
				252		3		
				253	3	2	10	
				256		5		
				257	_	9		
				258		13	-	
				281		2	10	
				318		2	10	
				319		6		
				320		4		
				321	_	2	10	
				322	_	6		
				323	_	3	10	
				324	-	3		
				325	_	5		
				328	_	1		

S.O. 2329.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hujira-Bareily-Jagdishpur in Uttar Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

				=				
1 2	3	4	. 5		6	7	उड़्जैन (म०प्र०) 456001 का इस	ग्राधिमूचना की तारीख में 21 दिनो
far- Bil-	Katı-	Dhak-	329		17	-	के भीतर कर सकेगा।	
doi gran	1 уагі	pura			_	10	भीर होसा भागेत करने वाला अ	इ.च. त्र्यक्तिः विनिर्दिष्टतयः। यह भी कथन
			330	_	19	10	करेगा कि क्या वह यह चाहना है	
			331	_	12	10	हों या किसी विधि व्यवसायी की म	
			348 349	_	8 10	10	हा था किसा विद्या व्यवसाया का स	1400.1
			350	_	7		market a first arms	rea mina
			352			10	एच०बी०जे० गैस पाइप स	
			467		6	_	ग्राम—पायगा नहसील—पिछोर वि	जला–क्षिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)
			468	_	7	7		
			492		5	_	ग्रन <u>ु</u> मूच	1
			493	_	9	_	मन्०%० अस ्रान्०	<u>-</u> - उपयोग भ्रधिकार मर्जन
			499		3	10	7	का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
			500		5	_		<u> </u>
			501			10	12	3
			601		4	_	1. 480	0.136
			602	_	9		2. 479	0.240
			498	_	4	_	3. 455	0.031
			604 642		5 6	_	4- 456	
			644		8	10		0.031
			645		11	10	5. 478	0.356
			646		7	_	6. 177	0.010
			648		1		7. 483	0.031
			647		1.3	_	8. 473	0.021
			707	-	18	_	9. 474	0.031
			708		13	_	10. 475	0.105
			709	-	3		11. 476	0.178
			710	_	11	_	12. 600	0.240
			711 712	_	1 7		13- 601	v. 167
			814	_	13	_	14. 603	0.345
			118	_	2	_	15. 604	0.021
			121		ι	_	16. 610	0.147
			133	_	1		17. 616	
			326	-	_	5	18. 617	0.220
			327	-	_	5		0.260
			603	_	2	_	19. 618	0.188
			491 497	_	2 1	_	20. 620	0.010
			469	_	2	_	21- 581	0.377
			488		_	10	22. 582	0.021
					_		23 1363	0.095
							24. 1364	0.157
			[No	. O-1	4016/34	15/85-GP]	25. 1365	0.105
- सर्वे अस्तर ५	(a 10 ·五重·	कस्रीय स्टब्स	নাত কা	ਸ਼ੁਕ ਜਜ਼	ोत को सा	है कि लोक-	26-1368	0,073
						_	27. 947/1460	0,042
						प्रेमी से -	28. 947	0.178
तशपुर नक	पट्टालयम	क पारवह किक्ट-			क्प लाह	न भारतीय	29. 949	0.126
TITLE TO	700 - T - T	THEFT -		1277			40. 010	V. I.4-U

गैस प्राधिकरण लि० द्वारा विछाई जानी चाहिये।

भ्रीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुमूची में वर्णित भृमि में उपयोग के अधिकार अजित करना श्रावण्यक है।

श्रन ग्रब पट्रालियम श्रीर खनिज पाइप लाइन (भूभि म उपयाग के प्रधिकार का प्रजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त मिन्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्राय सरकार ने उसमे उपयोग का भ्रधिकार श्रर्जिन करने का भ्रपना श्राक्षय एनदद्वारा घोषित किया है।

बणर्ते कि उक्त भूमि में हिलबुद्ध कोई स्थित, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ग्राक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक नैस भ्रायान, एच अ्त्री अपेश पाइप लाइन 45, सुभाव नगर साबेर राइ,

		का	अंस	(हैक्टर्म	मे)
1			3		·
	•	 		-	
1.	180		136		
2.	479		240		
3.	455		031		
4.	456		031		
5.	478		3 56		
6.	177		010		
7.	483		031		
8.	473		021		
9.	474		031		
10.	475		105		
11.	476		178		
12.	600		240		
13.	601		167		
14.	603		345		
15.	604		021		
16.	610		147		
17.	616		220		
18.	617		260		
19.	618		188		
20.	620		010		
21. 22.	581 582		377		
	1363	0.0			
$23. \\ 24.$	1364	0.0			
25.	1365		105		
26.	1368	0, 0			
27.	947/1460	0,0			
28	947	0.1			
29.	949	0.1			
30.	943	0.0			
31.	946	0.2			
32.	659	0.0			
33.	950	0.0			
34.	964	0.1			
35.	965	0.0			
36.	966	0.0			
37	976	0.0			
38	977	0.0			
39	957	0.0			
40.	958	0,0	10		
41	962	0,25	5 l		
42	1010	0.03	21		
		 -			

2750	T	HE GAZETTE OF INDIA	JUNE 1, 1985/JYAISTHA 11, 1907 [PART II—Sec. (n)]		
1	2	3	S O 2330—Whereas it appears to the Central Governmen that it is necessary in the public interest that for the transpor		
43	1011	0 0 2 1	of Petroleum from Hama Bar-rly to Jagdihpur in Madl		
44	1012	0 010	Pradesh State Pipeline should be laid by the Cas Authority of India Ltd.		
45	1013	0.021	01 (ուրւձ Եւգ.		
46.	1038	0 010	And whereas it appears that for the purpose of laying suc- pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the lan		
47	1039	0 073	described in the schedule annexed hereto,		
48	1040	0 031	Now therefore a surrous of the second surface to		
49	1044	0 021	Now, therefore in exercise of the powers conferred b sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mineral		
50	1044	0 084	Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 196		
51	1047	0 021	(50 of 1962), the Central Government hereby declares it intention to acquire the right of user therein,		
52	1046	0 062			
53	1034	0 021	Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to		
54	1048	0 073	the laying of the pipeline under the land to the Competen		
55	905	0 010	Authority, Oil and Natural Gas Commission, HBJ Ga		
56	906	0 010	Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwei Road Ujjain (MP		
57	907	0 010	And every person making such an objection shall also stat		
58.	908	0 073	specifically whether he wishes to be heard in person or b		
59.	909	0 010			
60	894		HBJ GAS PIPE LINE PROJECT		
61.	896	0 031 0 031	Volta D. T.		
62	1066	0 031	Villago Payaga Tchsil Pichhore Distt Shivpuri		
63	1068	0 042	SCHEDULE		
64	1069	0 042	S No. Survey No. Area to be acquired		
65	890	0 073	for R.O.U in Hecto		
66	891	0 010	1. 480 0 136		
67.	892		2 479 0 240		
68.	893	0 010	3. 455 4 456 0 031		
69	872	0 010	5 470		
70	1070	0 021	5 478 0 356 6 477 0 010		
71.	1070	0 021	7 483 0 031		
72	1071	0 063	8 473 0 021		
		0 010	9 474 0 031 10 475 0 105		
73	1073	0 021	11 476		
74	1163	0 021	11 476 0 178 12 600 0 240		
75	1164	0 021	13 601 0 167		
76.	1101	0 053	14. 603		
77.	1102	0 042	15 604 0 021		
78.	1103	0 042	16 610 0 147 17. 616 0 220		
79	1093	0 021	10 (17		
80	1094	0 073	18 617 0 260 19, 618 0 188		
81	1095	0 010	20, 620		
82	1096	0 062	21. 581 0 377		
83	1097	0 105	22, 582 0 021		
84.	1099	0 021	23. 1363 0 095 24 1364 0 157		
85	1117	0 021	25 1265		
86	978	0 010	25. 1365 26 1368 0 073		
87.	1041	0 021	27. 947/1460 0 042		
88	1067	0 062	28. 947 0 178		
89	918	0 136	29 949 0 126 30. 943 0 021		
90.	916	0 021	04 044		
91	919	0 147	31. 946 32 659 0 021		
92	917	0 083	33. 950 0 021		
93.	963	0 147	34 964 0 198		
94	1015	0 021	35 965 0 052		
95	1016	0 010	36. 966 0 021 - 37 976 0 010		
	—————————————————————————————————————		= 37 976 0 010 38, 977 0 052		
			20, 057		
		[स॰ O-14016/346/8	35-जी पी] 40 958 0 010		

[4411]403 2(11/]	
	श्री अर्ग पहुराणयन आर आरोग नायन रायन (पूरा न उस्तार न श्रीयकार का श्रमेन) श्रीधनियम, 1962 (1962 का 50) की बारा
41. 962 0.251	3 क उपधारा (1) बारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेंद्रीय
42. 1010 0.021	सन्कार न उसमे उपयोग का श्रिष्टिकार श्रीजित करने का श्रपना श्राणय
43. 1011 0.021 44. 1012 0.010	सन्कार ने उसमें अपयोग का आवकार आजंग करने का लेका आयोग एनट्डारो घोषिन किया है ।
	एतर्द्रारा घाषित किया हु।
45. 1013 46. 1038 0.021 0.010	बणतें कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के तीचे
47. 1039 0.073	पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकार, तेल तथा प्राक्तिक
48. 1040 0.031	
49, 1044 0.021	र्गम श्रायाग, एच०बी०जे० पाईप लाइन ४५, मुभाप नगर, मांबेर रोड,
50. 1045 0.084	उण्जैन (म०प्र०) 456001 को इस अधिसूचनाको नारोख में 21 दिनों
51. 1047 0.021	के भानर कर गर्नेगा ।
52. 1046 0.062	
53, 1034 0.021	ग्रार ऐसा प्राक्षेण करने वाला हर व्यक्ति विनिधिण्टत. यह भी कथन
54, 1048 0,073	क्षरेगा कि क्या थह यह चाहना है कि उसका सुनवाई व्य क्तिगत रूप <i>ने</i>
55. 905 0,010	चो या किस⊨ विधि व्यवसाय ः य ः मार्फन ।
56. 906 0.010	
57. 907 0.010 58. 908 0.073	एच०र्व०जी० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट
58. 908 0.073 59. 909 0.010	
60. 894 0.031	ग्राम—छिरवाहा तहसील— पिछोर जिला-−शिवपुरी राज्य (मध्य प्रदेश)
61. 896 0.031	प्र नुसू च ा
62. 1066 0.021	
63, 1068 0.042	अन े खगरा न.
64, 1069 0.021	
65, 890 0.073	क. काक्षत्र (हैम्टरा मे)
66, 891 0.010	1 2 3
67. 892 0,010	1 0042
68, 893 0.010	1. 2243 0.167
69. 872 0.021	2. 2258 0 031
70. 1070 0.021	3. 2252 0.606
71. 1071 0.063	1 2215 0.031
72. 1072 0.010	5 2164 0.010
73. 1073 0 021	6 2163 0.031
74, 1163 0.021 75, 1164	7. 2162 0.021
76. 1101 0.053	
77. 1102 0.042	
78. 1103 0.042	9 576 0.053
79. 1093 0 021	10. 2051 0.261
80. 1094 0.073	11. 2052 0 021
81, 1095 0.010	12. 2053 0.178
82. 1096 0.06	13. 2054 0.010
83, 1097 0.105	14. 547 0.115
84. 1099 0.021	15. 554 0,031
85. 1117 0.021	·
86. 978 0 010 87. 1041 0 0.1	16 2055 0.010
87. 1041 0 0.11 88. 1067 0.062	17. 553 0.105
89. 918	18. 2064 0.021
90. 916 0.021	19 2048 0.167
91. 919 92. 917	20. 2049 0.188
92. 917 0.083 93. 963 0.147	21. 2046 0.010
94, 1015	22. 551 0.010
95. 1016 0 010	23. 801 0.126
Total area 6.998	
	21. 2015 0.021
	05 516
[No. O-14016/346/85-GP]	25 546 0.010
	26. 2043 0.136
का. घा. 2.3 Ј 1: यत. केर्न्द्राय सरकार को यह प्रसीत होता है कि लोग	26. 2043 0.136 6. 27. 2042 0.167
का. भा. 23.31: यत. केर्न्स्य सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोग हित मे यह भावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य मे हजीरा से बरेली	26. 2043 0.136 6. 27. 2042 0.167 7 28. 2044 0.084
का. भा. 2331: यत. केर्न्स्य सरकार को यह प्रसंत होता है कि लोक हित में यह भावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हर्जारा में बरेली जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के पश्विहन के लिए पाइप लाइन भारती	26. 2043 0.136 6. 27. 2042 0.167 7 28. 2044 0.084
का. भा. 2331: यत. केर्न्स्य सरकार को यह प्रसंत होता है कि लोक हित में यह भावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हर्जारा में बरेली जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के पश्विहन के लिए पाइप लाइन भारती	$\begin{array}{cccccccccccccccccccccccccccccccccccc$
का.भा. 23 J 1: यत. केर्न्स्य सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह भाषण्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हर्जारा से बरेखी जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के पश्चिहन के लिए पाइप लाइन भारती गैस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जाता चाहियों।	26 - 2043 0.136 元 27 2042 0.167 社 28 2044 0.084 セ 29 2041 0.021 30 2040 0.012
का. भा. 2331: यत. केर्न्स्य सरकार को यह प्रसंत होता है कि लोग हित मे यह भावश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य मे हर्जारा मे बरेली जगवीशपुर तक पेट्रोलियम के पश्चिहन के लिए पाइप लाइन भारती गैस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जाता चाहिये। और यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो की बिछाने के प्रापेत	26 - 2043
का.भा. 23 J 1: यत. केर्न्स्य सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोक हित में यह भाषण्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हर्जारा से बरेखी जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के पश्चिहन के लिए पाइप लाइन भारती गैस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जाता चाहियों।	26 - 2043

87-

88.

89.

826

830

828

2752	THE GAZETTE OF INDIA	: JUNE 1, 1985/JYAISTHA 11, 1907	[PART II-SEC. 3(ii)
1 2	3	1 2	3
34. 1963	0.010	90. 831	0.105
35. 539	0.147	91. 833	0.304
36. 532	0.156	92. 839	
37. 533	0.095		0.136
38. 536	0.084	93. 840	0.126
39. 537	0.105	94. 320/3158	0.010
40. 538	0.010	95. 571	0.188
41. 540	0.137	96. 322	0.010
42. 549	0.031	97. 321 म ि०	0.010
43. 555	0.031	98 803/3145	0.021
44. 582	0.157	99. 2137	0.188
45. 583	0.021		
46. 607	0.010	100. 2159	0.261
47. 579	0.199	101. 2165	0.083
48. 793	0.010	102. 2196	0.031
49. 800	0.126	103. 2137/31/56	0.199
50. 810	0.209	104. 2139	0.304
51. 809 52. 808	0.115 0.010	105. 2140	0.230
53. 580	0.010	106. 2195	0.325
54. 581	0.010	107. 2241	0.220
55. 577	0.010		
56. 578	0.021	108. 2242	0.021
57. 572	0.021	109. 2256	0.387
58- 608	0.042	110. 2141	0.220
59. 612	0.031	111. 2197	0.157
60. 613	0.010	112 2199	0.010
61. 753	0.084	113. 832	0.073
62. 755	0.010	114. 841	0.063
63. 756	0.010		
64. 748	0.084	योग कुल क्षेत्रफल	10.899
65. 811	0,052		
66- 744	0,073	1	[सं॰ O-14016/347/85-जो पी]
67. 742	0.063		
68. 841	0,084		ears to the Central Government
69. 736	0,084	·	je interest that for the transport BARILLY to JAGADISHPUR
70. 735	0.105		line should be laid by the Gas
71. 807	0.042	Authority of India Ltd.	52, 32, 32, 32, 33, 33, 33, 33, 33, 33, 3
72. 734	0.010 0.010		
73. 733	0.272		for the purpose of laying such
74. 819 75. 7 52	0.021	pipeline, it is necessary to acque described in the schedule anno	sire the right of user in the land
75. 752 76. 737.	0.021	described in the schedule affile	Act nervio.
77. 723	0.095	Now therefore in everyise	e of the powers conferred by
78. 724	0.178		of the Petroleum and Minerals
79. 725	0.010	Pipelines (Acquisition of Right	of User in the Land) Act, 1962
80. 726	0.052		overnment hereby declares its
81. 728	0.010	intention to acquire the right	of user therein;
82. 713	0.010	h! 4b.a	staggeted in the said land may
83. 806	0.021		nterested in the said land may, of this notification, object to
84. 823	0.010		ler the land to the Competent
85. 822	0.010	Authority, Oil Natural Gas C	Commission, HBJ Gas PipeLine
86. 824	0.209	45, Subhash Nagar, Sanwer	Road, Ujjain (M.P.).
000	0.910		

0.219

0.304

0.010

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

· HBJ GAS PIPE	LINE PROJECT	_12	2
Village : Chhirwaha Tehsil :	: Pichhore Distt. : Shivpuri	62, 755	0.010
		63, 756	0.010
SCHE.	DULE	64. 748	0.084
No. Survey No.	Area to be acquired	65. 811	0.052
2	R.O.U. in Hector	66744	0.073
		67. 742	0,063
1. 2243	0.167	68. 741	0.084
2. 2258	0.031	69. 736	0.084
3. 2252	0.606	70. 735	0.105
4. 2215	0.031	71. 807	0.042
5. 2164	0.010	72. 734	0.010
6 2163	0.031	73. 733	0.010
7. 2162	0.021	74. 819	0.272
8. 2143	0.490	75. 75 2	0.021
9, 576	0.053	76. 737	0.021
10, 2051	0,261	77. 7 2 3	0.095
11. 2052	0,021	78. 724	0.178
12. 2053	0.178	79. 7 2 5	
13, 2054	0.010		0.010
14. 547	0,115	80. 7 2 6	0.052
		81. 7 2 8	0.010
15, 554	0.031	82. 713	0.010
16. 2055	0.010	83. 806	0.021
17, 553	0.105	84. 823	0.010
18. 2064	0.021	85. 8 22	0.010
19, 2048	0.167	86. 824	0.209
20. 2049	0.188	'87. 82 6	0.219
21. 2046	0.010	88. 830	0.304
22. 551	0.010	89. 8 2 8	0.010
23. 801	0.126	90. 831	0.105
24. 2045	0,021	91. 833	0.304
25. 546	0.010	92. 839	0.136
26. 2043	0.136	93. 840	0.126
27. 2042	0,167	94. 320/3158	0.010
28. 2044	0.084	95. 571	0.188
29. 2041	0.021	96. 322	0.010
30, 2040	0.042	97. 321M.	0.010
31. 1961	0.031	98. 803/3145	
32. 1962	0.010	,	0.021
33, 548	0.021	99. 2 137	0.188
34. 1963	0.010	100. 2159	0.261
35, 539	0.147	101. 2165	0.083
36. 532	0.156	102. 2196	0.031
37. 533	0.095	103. 2137/3156	0.199
38, 536	0.084	104. 2139	0.304
39, 537	0.105	105. 2 140	0. 2 30
40. 538		106. 2 195	0.325
41. 540	0.010	107. 22 41	0.220
42. 549	0.137	108. 22 42	0.021
43. 555	0.031	1 09. 22 56	0.387
	0.031	110. 2 141	0.220
	0.157	111. 2 197	0.157
45. 583	0.021	112. 2199	0.010
46. 607	0.010	113. 832	0.073
47. 579	0.199	114. 841	0.063
48. 793	0.010		······································
49. 800	0.126	TOTAL ARI	EA 10.899
50. 810	0.209		[No. O-140016/347/85-GP
51. 809	0.115		L 1.0010/01//05-01
52, 808	0.010		
53, 580	0.010	কা ্ ঘা	–केन्द्रॅं.य सरकार को यह प्रतं₁त होता है कि लोकहित
54. 581	0.010	यह ग्रावश्यक है कि	मध्य प्रदेश राज्य में <mark>तज रा से बरे</mark> लं। से जगवाम
55. 577	0.010		परिवहन के लिए पाइप लाइन भारते।य गैस प्राप्ति
56, 578	0.021		•
57. 572	0.021	करण लि० द्वारा बिक	श≒ जानः चााहय ।
58, 608	0.042		
59, 612	0.031	भीर यतः यह प्रत	í,त होता है कि ऐसं। लाइनों को बिछाने के प्रयोजन
60. 613	0.010		ानुसूचा मे वर्णित भूमि मे उपयोग भधिकार भजित
61, 753	0.084		.7% र ते एक्क प्रियं व श्रेतवात ज्ञालनार ज्ञाली
· ·	V.VU7	करना ग्रावस्यक है।	

प्रत प्रव पेट्रालियम प्रीर खातिज पाइव लाइत (भिम मे उपयोग क प्रधिकार का प्रजीत) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) क धारा 3 क उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र य सरकार ने उसमे उपयोग का श्रधिकार ग्राजित करते का प्रपता प्राणय एतद्वारा बांधित किया है।

बातों कि उन्त भृमि में हिनबाद कोई व्यक्ति, उस भृमि के त चे पाइप लाइन बिछाने के लिए धाओप सक्षम प्राधिकार, तेन तथा प्राक्तिक ग्रेस धायोग, एच०व ब्लेट पाइप लाइन 45, मुसाय नगर साबेर राष्ट्र, उन्जैन (म.प्र.) 456001 को इस ध्रिधसूचना के तारिष में 21 दिनों के भातर कर सकेगा।

भीर ऐसा भ्राक्षेप करने याला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भः कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकः, सुनवाई व्यक्तिगत रूप से ही या किसः विधि व्यवसायः कः मार्फतः।

एच०र्बा० भे० गैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

		अनुसूची
 भ्रन्	<u></u> खसरा न .	उपयोग ग्रधिकार श्रजन
事 o		का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	 2	3
1.	1641	0.108
2.	1642	0.390
3.	1643	0.119
4.	1646	0.504
5.	1645	0.314
6.	1649	0.231
7	1766	0.243
8.	1767/1984	0.564
9.	1782	0. 554
10	1788	0.214
11.	1789	0.282
12.	1792	0 593
13.	1873	0.131
14.	1878	0.105
15	1627	0.010
16	1626	0.010
17.	1875	0.174
18	1790	0.081
19.	1639	0.020
20.	1628	0.021
21.	1764	0.021
22.	1881	0.021
23.	1882	0 197
24.	1877/2	0.200
25	1876	0.280
26.	1871	0 105
27.	1640	0.062
	योग कुल क्षेत्रफल	5.621

[स॰ O-11016/348/85-र्जापी]

S.O. 2332.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Hazira-Bareilly to Jagdishpur in Maghya Pradesh State Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto: Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of th Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Compatent Authority, Oil Natural Gas Commission, HBl Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujiam (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Karkowa URF Thuni: Tehsil Pichhore Distt.: Shivpuri

		SCHEDULE	
S.	No. Survey No	· ·	Area to be acquired for R.O.U. in hectare
1	2		3
1.	1641		0.108
2.	1642		0.390
3.	1643		0.119
4.	1646		0.504
5.	1645		0.314
6.	1649		0.231
7.	1766		0.243
8.	1767/1984		0.564
9.	178 2		0.684
10.	1788		0.214
11.	1789		0.282
12.	1792		0.593
13.	1873		0.131
14.	1878		0.105
15.	1627		0 010
16.	1626		0.010
17.	187 5		0.174
18.	1790		0.081
19.	1639		0.020
2 0.	1628		0 021
21.	1764		0.021
22.	1881		0.021
23.	1882		0.197
24.	1877/2		0.200
25.	1876		0.280
26.	1874		0.105
27-	1640		0.062
_	Total A	'ea	5 621
		[No.	O-14016/348/85-GP]
	का. षा . 2334	यतः केम्द्री य सरकार की	र्वे यह प्रसंत होता है कि

का. श्रा. 2334 -- यतः केर्न्नाय सरकार को यह प्रतंत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर पदेश में हर्जारा-अरेली-जगदीशपुर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन भारकीय गैस प्राधिकरण लि. हारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रीर यतः प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों को बिग्राने का प्रयाजन के लिए एनट्पाबढ़ प्रतृसूचा में विश्वत भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना आवश्यक है।

श्रतः प्रब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाधन (भ्रमि मे उपयोग के प्रधिकार का अर्नन) श्रिक्षित्यम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 का उपधारा (।) द्वारा प्रवत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार प्रक्रित करने का प्रपत्ता श्राभय एतदहार घोषित किया है।

बणरों कि उक्त भृति में द्वितबद्ध कोई व्यक्ति उस भृति के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षप सक्षम प्राधिकारा, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. बी-58/बी जलीगंज, लखनउ-226020 यू. पी. को इस प्रशिक्ष्मणा की नारीख से 21 दिन के भीतर कर सकता ।

भीर ऐसा भाक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिद्धित यह भी कथन ररेगा कि बया पह चोहुणा है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप साले या किसा विधि त्यापमारी की सालेंगा।

ग्रतमृत हजिरा-बरेल जगद शपुर तक गैम पारपलाइन प्राजेक्ट

 জিলা 	नह्म ल	परगना	- ग्राम	 गाटा संख्या	क्षेत्रफल बीघा-बिस्वा-		t
1	2	\$	4	5		6	
हरदोई	गाहा भा द	 पछाहा	गचारैया	422		1	8
				421	1	Ü	1.0
				424	()	1)	Q
				425		4	18
				426		11	11
				436	0	0	4
				4.37		1	1.0
				438		4	
				439		10	- •
				440	a-	3	6
				442	1	• -	7
				r_	<u> </u>	در امید ما	1

[म O-14016/349/85-जार]

S.O. 2333.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Bareilly to lagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India 1 td.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Sect on 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. II.B J. Pipeline Project B-58/B, Aliganj Lucknow-226020 U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHFDUI E

Gas Pipe Line From Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

District	Pohsil	Tohsil Pargana V		Plot No	Area			
				740	Bigha	Biswa	Bis- wansi	
ī	ָרָ -	3	4	5		6		
Hardoi	Shaha-	Pach-	Pach-	422		4	- 8	
	bad	hoha	raiva	423	1	0	10	
				424	0	0	9	
				425		9	18	
				426		11	1,1	
				430	0	0	4	
				437		!	10	
				438		1		
				43)		10		
				440		3	6	
				447	1		7	
				[N).	O-14016	349,35	-GPJ	

का पा. 2 13.4 — यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि वाकडित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हज, रा से बरेली से जगब शपुर तक पेट्रोलियम के पश्चिहन के लिये पाइप लाइन भारते, यंगस प्राधिकरण द्वारा बिछाई जाती चाहिए।

्रीर यतः यहः प्रति होता है ऐसी लाइनो को बिकाने ने प्रशोजन के लिये एतद्पाबक्ष अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अने अब पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपधारा (1) द्वारा प्रदेश्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए के खीय मरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अजिल करने का अपना आणय एनद्वारा गोपिन किया है।

बणतें कि उन्तर भूमि में हितबद्ध काई व्यक्ति उस भूमि से नाचे पाइप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयाग, एचाब जे पाइप लाइन 45, सुभाष नगर, सांबेर रोड़, उज्जैन (म प्र) 456001 को इस अधिसृचना क, ताराख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टन: यह भी कथन करेगा कि क्या नह यह चाहता है कि उसका सुनवाई व्यक्तिगत रूप में हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

ग्रन्भुची

एक ब . जे. गैम पाइपलाइन प्रोजेक्ट ' बुधोनराजापर सहसील पिछोर जिला प्रावपर राज्य . मध्यप्रदेश

 জন ু ক্ষ	चमरान उप <i>र्</i> गाग	अधिभाग अर्जानका	क्षेत्र (हैक्टर्स में)
1	2	3	
1	23	0.231	
2	24	0.188	
3	25	0 063	
1	32/1	0.736	
5	78/2	0.449	
, 6	5 2/4	0.136	
7	56	0.369	
8	7 2/ 2	1,415	
9,	73/1	0 649	
1.0	174	0,125	
11	188	0.052	
1 2.	189	0 063	
1 3	190	0.052	
1 4	197	0 073	
15	1 4,14	0 125	
16	230	0.010	
17	231	0 063	
18	232	0 071	
] 9.	233	0 063	
20	231	0 073	
21.	2 56	0 052	
2.2	2 +7	0 052	
23	2.48	0 052	
24.	270	0 021	
25	271	0 051	
26	268	0.081	

1	بر	3	SO 2334—Whereas it appears to the Cential Gove	rnment
<u>.</u> /	-			ansnow
	253	0 105	cf Petroleum from Hazira Barcilly to Jazdishpur in N	Aadh ya
28	295	0 031	Pradesh Sta e Pipel ne should be laid by the Gas Author Inda I td	ority of
29	301	0 1 ° €	And whereas it appears that for the purpose of layin	ng suich
30	ا د د	0 11 >	pit line it i necessary to a quite the right of their in the	ne land
21	2 4	0 001	described in the schedule annexed her to,	
32	60	0 136	Now therefore in exercise of the powers confering the section (1) of the Section 3 of the Petroleum and M	
33	40	0 00,	Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act	
34	46	0 063	(50 of 1962) the Central Government hereby decla	res its
35	282	0 01ა	in ention to acquire the right or user therein,	_
36	315	0 125	Provided that any person interested in the said land within 21 days from the date of this notification, ob	
•7	1	0 010	th Trying of the pipel ne under the land to the Con	ipetent
35	15	0 0 1	Authority Oil & Natural Gas Commission, HBJ Ga Line 45 Subhish Nagaj Sanwer Road Ujjain (M	
39	2 >	0 012		
10	2 / 2	0 010	And every person making such an objection shall also specifically whether he wishes to be heard in person	
41	46	0 063	legal practitioner	,
42	4 9	0 063	SCHEDULF	
13	74 °1	0 073 0 031	HBJ GAS PIPE LINE PROJECT	
44 45	200	0 010	Villag ·Budhonrajapin Tehsil Pitchhore Disti · Sh	
46	204	0 021		
47	213	0 010	S No Survey No Area to be Acquired R O U in Hecta	
45	256	0 010		
19	2 > 7	0 010	1 23 2 24 01	
20	259	0 010	3 25	
51	260	0 021	4 32 1	
52	261	0 0-10	5 78 7	
53	262	0 010	6 52/1 0 1 7 56 0 3	
54	263	0 031	8 72/2	
ר ר	264	0 021	9 73/1 0 6	
56	265	0 072	10 178 0 1	
57	269	0 010	11 188 0 0	
58	277	0 031	12 189 0 0 0 13 190 0 0 0	
59	319	0 031	14 197 0 0	
60	324	0 021	15 199 0 12	
61	339	0 052	16	
69	342	0 021	17.	
63	343	0 052	19 733 0 00	
64	61	0 042	o o 34	
65	235/740	0 125	21 236 0 05	
66	235	0 012	22 237 0 0 6 23 238 0 0 6	
67	317	0 031	73 738 0 05 74 270 0 03	
65	285	0 147	25 271 b 08	
69	309	0 021	76 765 0.08	81
70	310	0.052	27 283 0 10 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28 28	
1	\$11	0 157	28 285 0 03 29 284 0 13	
7.2	312	0 177	30 256 0 11	
7,	313	0 073	31 28 0 0	
71	355 	0 197	3 60 0 13	
75	316	0 115	34 46 0 06	
76	317	0 051	35 35 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	
77	335 ~35/741	0 157	36 315 0 1_	
78 79	534/74 534/74	0 012) 251	37 334 0 01	0
/ U) + / / 4 — — — —	J J 1	3\ 31\\ 39\ 22\ 0.03	
TEX. 2	ति क्षेत्रफर	5 6-10	0 (4	
યાન9	1 41		40 32 2 0 01	

	_						
1	٦	٦	न्नाध म ण्याल	म सभी बाधाया रा मुरा र	ा स भाजिया	ा व्याप्त वि	गन ना
4י	40	0.043	युग नारं।य⊈ का	र्तिहत रागा ।			
43	49 74	0 063		प्राम्य	т		
44	/+ 51	0 031	_				
15 15	00	0.010		त-जाक्षाशपुर तथ पाइन ना			
46	204	0 010 1 רס	राज्य गुजरात	त जिला बड़ादरा कार	युका उमाई		
47	743	0 010	,				`` -
48	256	0 010	गीय	सव न	हेक्नेयर	ए प्रारई	मेल्टीयर
41	257	0.010		_			
50	59	0.010	जीया पतावसा	क्'ार्ट २ ⊤	0	0 3	96
51	³ 60	1 د 0 0		293	α	27	2)
57	261	0.010		28.1	U	0.1	76
53	167	0.010		290	0	0.0	3.3
54	۶۵, د	0 031					
55	⁵ 64	0 0 1		15.5	U	7.4	18
56	165	0 077		291	()	09	42
57	`69	0.010		280	0	0.9	1.2
59	77 י	0 031					
59	319	0 031		277	0	25	60
60	374 370	0 021		272	υ	11	20
61	339 34)	0 05° 0 07'		,75	0	1 1	20
62 63	343	0.057					
64	61	0.047		_ / 4	0	0.1	0.0
65	235 740	0.125		265	O	0.4	64
66	י 35	ر 04 ر ار 04 ر		257	0	0.0	46
67	317	0 031					
68	288	0 147		÷75	0	2.2	0.0
69	309	0 021		264/1	0	0.4	48
70.	310	() 057		261/2	0	0.6	40
71	311	0 157					
72	317	0 17/		362	U	() ()	4 1
73.	313	0 073		361	0	12	6.3
74	335	0 197		263/1	0	υ7	20
75	336	0 115		•			
76	117	0 081		26 1/ 2	()	03	5 2
77	335	0 157		9 າ	O.	14	50
78.	אז אז י	0 042		खासबा	U	03	50
79	334 743	15י 0		— — — —			~ ~-
Total At a		8 640		[ਸ O-	12016/61/	৭4-ম্মাচন	नी-डी।]

[No O-14016/350/85 G P]

का था '335—यत पैट्रालियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि ने उपयोग व धिक्षितर था ग्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) के श्रवीन भारत सरकार के पेट्रालियम मतालय की श्रिविस्तना ना था स '395 तरिख 12784 द्वारा केस्ट्रीय सरकार न उग ग्रिप्त्रचना में मलान श्रनुसूची ने त्रिनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइना का बिछान के लिए श्रिजित करने का ग्रपना ग्राग्य घाषित कर विया था।

न्नार यत सक्षम प्रशासियों ने उस्त संधायिष का नारा ६ का उपक्षाया (।) के प्रभीन गरकार का स्पाट द दो है।

अर्थार ध्रामे यन कन्द्राय सरकार त उक्त रिपार्ट रूर विचार करने के पक्रमाप्त इस प्रधिस्थना से सतरा प्रत्वा स्विनिदिष्ट भूमिरा से उपयोग का अधिकार र्रोजिस करने का विनिण्वय शिया है।

श्रव अर उनर प्रतिनियम को श्रारा । को उपश्रारा ()) द्वारा प्रवस णित रा प्रयान करते हुए के अप नरनार एपद्वारा धारित करता है कि एस प्रतिभूजना न संतरम अनस्त। य विविधित उक्त मूमिया म जगयान रा सिरार सार्वस्था विकास से प्राप्त के सिरार सार्वस्थार सिरार किया है।

न्न/र सान उस राम सी जासरा (४) रिमारिस सिमारिस स्थाप अभीत करत हम नेन्द्रीय सरकार में निहित जाते ने प्रणाप सास्तीय गैस

S() 2335 -Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum SO 2395 dated 12.7.1984 under sub-rection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition' of Right of User in I and). Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipel ne,

And whe eas the Competent Authority has under subsection (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification,

Now therefore in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Crovernment hereby declares that the right of user in the oud lands specified in the schedule appended to this not flection hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (1) of that set on the Central Government directs that the first of tree in the suid linds shill in tead of vesting in Cint 1. Government 221 on the date of the nullication of the 1. Little in the Gi. Authority of India Limited ties to im encumbrances.

[No G 12016 61 84 ONGD IV]

Village Survey No. Hec. Lare Are Centare 100 0 06 40 Jivatalavadi Cart Track 0 03 96 101 0 12 00 283 0 27 20 103 0 0.3 20 284 0 01 76 101 0 20 29 290 0 00 32 165 0 02 40 282 0 24 48 mid ² / ₂ % 0 01 50 281 0 09 92 179 0 07 20 280 0 09 12 179 0 07 20 277 0 25 60 178 0 07 20 277 0 25 60 177 0 08 80 273 0 11 20 173 0 11 52	P'peline f	SCHEDULE from Hajira-Barcilly-	—Jagdish	pur		1		· · ·	4	5
Tare	State : Gujarat	District : Vadodara	ı Taluk:	a : Da	bhoi		गमनाल	0	71	78
Lière tiare ti	Village	Survey No.	Hec-	Are	– Cen-		99	0	0.1	92
283 0 27 20 103 0 03 20 29 29 29 0 0 00 32 105 0 0 02 40 282 0 282 0 24 48 76 281 0 09 92 77 0 0 07 20 29 280 0 0 09 12 179 0 0 07 20 277 0 0 25 60 178 0 07 29 277 0 11 20 177 0 08 80 273 0 11 20 177 0 08 80 273 0 11 50 268 0 0 04 64 174 0 13 15 257 0 0 25 77 0 0 09 96 175 0 0 11 50 268 0 0 04 64 174 0 13 15 257 0 0 09 96 175 0 0 09 96 175 0 0 178 0 0 09 96 175 0 0 178 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	_	-					100	0	0.6	4.0
283 0 27 20 101 0 0 03 20 29 29 20 0 0 0 0 32 282 0 0 24 48 3612 48	fivatalavadi	Cart Track		03	96		101	0	12	0.0
284 0 01 76 290 0 00 32 105 0 02 40 282 0 24 48 281 0 09 92 280 0 09 12 280 0 70 11 20 277 0 25 60 277 0 25 60 273 0 11 20 273 0 11 20 274 0 04 00 274 0 04 00 275 0 09 60 276 0 09 60 277 0 04 64 257 0 00 96 277 0 04 60 278 0 04 64 279 0 09 60 279 0 09 60 279 0 00 96 270 0 00 96 27	J-144-14-14-14-14-14-14-14-14-14-14-14-14						103	0	0.3	20
290 0 0 32 40 282 0 24 488 कार्ट्रेंट्रेंक 0 01 50 281 0 09 92 280 0 09 12 277 0 25 60 277 0 25 60 277 0 11 20 277 0 11 20 277 0 11 20 277 0 11 20 277 0 11 20 277 0 11 20 277 0 11 20 277 0 11 20 277 0 11 20 278 0 11 20 279 0 11 20 279 0 11 20 279 0 11 20 279 0 11 20 279 0 11 20 270 0 17 3 0 11 52 274 0 04 00 173 0 11 52 286 0 04 64 268 0 04 64 257 0 000 96 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 266/1 0 07 20 266/2 0 09 44 261 0 12 62 263/1 0 07 20 263/1 0 07 20 263/2 0 03 52 150 0 14 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 160 174 0 20 175 0 14 40 176 177 0 18 40 177 0 18 40 178 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18			_	01			101	0	2.0	2.9
282 0 24 48 कार्ट हैक 0 01 50 281 0 09 92 179 0 07 20 280 0 09 12 179 0 07 20 277 0 25 60 178 0 07 20 277 0 25 60 178 0 07 20 277 0 0 11 20 177 0 08 80 273 0 11 20 173 0 11 52 274 0 04 60 174 0 13 15 268 0 04 64 175 0 01 3 15 257 0 00 96 175 0 01 92 275 0 22 00 160 0 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 40 95 0 14 50 14 40 95 0 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 90 0 14 40 95 0 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 61 14 40 95 0 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 61 14 74 74 74 74 74 74 74 75 75 75 75 75 75 75 75 75 75 75 75 75		290	0	00	32					
281 0 0 99 12 179 0 07 20 277 0 25 60 178 0 07 20 277 0 25 60 178 0 07 20 277 0 25 60 178 0 07 20 277 0 11 20 177 0 0 8 80 273 0 11 20 173 0 11 52 274 0 0 4 00 174 0 13 15 268 0 0 4 64 174 0 13 15 257 0 0 00 96 175 0 01 92 275 0 0 22 00 160 0 0 09 60 264/1 0 0 4 48 159 0 10 72 264/2 0 0 6 40 158 0 09 60 264/2 0 0 6 40 158 0 0 99 60 263/1 0 0 12 62 158 0 0 99 44 261 0 0 12 62 154 0 26 16 263/1 0 0 7 20 152 0 18 40 263/2 0 0 3 52 150 0 14 40 263/2 0 0 3 52 150 0 14 40 26 263/2 0 0 3 50 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 0 03 50 149 0 20 00 Kharabo 0 0 03 50 149 0 20 00 149 0 0 15 60 150 150 150 0 14 40 150 150 150 150 150 0 14 40 150 150 150 150 150 150 0 150 150 150		282	0	24	48					
277 0 25 60 178 0 07 20 272 0 11 20 177 0 08 80 273 0 11 20 177 0 08 80 273 0 11 20 173 0 11 52 274 0 04 00 173 0 11 52 268 0 04 64 174 0 13 15 257 0 00 96 175 0 01 92 275 0 022 00 160 0 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 264/2 0 06 40 158 0 09 60 262 0 09 44 261 0 01 2 62 261 0 01 2 62 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 263/2 0 03 55 0 149 0 20 06 Kharabo 0 03 50 149 0 20 06 Kharabo 0 0 03 50 149 0 20 06 Kharabo 0 0 03 50 149 0 20 06 149 0 0 20 06 149 0 0 0 0 06 149 0 0 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0		281	0	09	92		•			
272 0 11 20 177 0 08 80 273 0 11 20 173 0 11 52 274 0 04 00 173 0 11 52 274 0 04 60 174 0 13 15 268 0 04 64 175 0 01 92 275 0 00 96 175 0 01 92 275 0 22 00 160 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 262 0 09 44 154 0 26 40 261 0 12 62 152 0 18 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 14 50 14 90 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 20 00 Kharabo 0 03 50 14 50 14 90 25 14 90 15 91 91 91 91 91 91 91 91 91 91 91 91 91		280	0	09	12			U	0.7	20
273 0 11 20 173 0 11 52 274 0 04 00 173 0 11 52 268 0 04 64 64 174 0 13 155 257 0 000 96 175 0 01 92 275 0 22 00 160 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 262 0 09 44 154 0 26 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 45 60 148 36 374 375 376 376 376 376 376 376 376 376 376 376			0	25	60		178	0	0.7	20
274 0 04 00 173 0 11 32 15 268 0 04 64 174 0 13 15 257 0 000 96 175 0 01 92 275 0 22 00 160 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 262 0 09 44 261 0 12 62 154 0 26 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 150 0 148 0 45 60 150 0 150 0 14 50 150 0 148 0 45 60 150 0 150			()				177	0	08	80
274 0 04 00 13 15 268 0 04 64 175 0 13 15 257 0 00 96 175 0 01 92 275 0 22 00 160 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 262 0 09 44 154 0 26 40 261 0 12 62 152 0 18 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 45 61 119 20 45 119 119 119 119 119 119 119 119 119 11			0				173	U	1 1	52
257 0 00 96 175 0 01 92 275 0 00 96 175 0 01 92 275 0 22 00 160 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 262 0 09 44 261 0 12 62 154 0 26 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 149 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 45 60 180 180 180 180 180 180 180 180 180 18			0							
275 0 22 00 160 0 09 60 264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 066 40 158 0 09 60 262 0 09 44 154 0 26 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 का. भा. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि 274 0 04 00 में उपयोग के म्रधिकार का मर्जन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) 276 0 27 20 की भ्रास्त्र 3 की उपधारा (1) के म्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम सेट्रालयम की म्रभ्रम्भना का म्रा. स. 4105 नारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 अक्षीय सरकार ने उस म्रधिमूचना में मंलग्न प्रमुमी में बिनिर्दिण्ट भूमियों 295 0 20 80			0					•		
264/1 0 04 48 159 0 10 72 264/2 0 06 40 158 0 09 60 262 0 09 44 154 0 26 40 261 0 12 62 152 0 18 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 19 20 19 3 50 148 173 19 36 374 19 19 20 19 36 19 375				-						
264/2 0 06 40 262 0 09 44 261 0 12 62 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 Kharabo 0 03 50 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] का. भा. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि च पयोग के म्रधिमार का म्रजेन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भंजासय की मिन्नसूचना का म्रा. स. 4105 नारीख 12-11-81 द्वारा के स्क्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना में मलग्न मनुमूची में बिनिर्दिण्ट भूमियों 295 0 20 80							160	0	0.9	60
262 0 09 44 154 0 26 40 261 0 12 62 154 0 26 40 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 का. भा. 2336.—यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि 274 0 04 00 में उपयोग के म्रधिमार का म्रजेन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) 276 0 27 20 की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम 277 0 06 40 मंजास्य की मिन्नस्थान का म्रा. सं. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 किन्नीय सरकार ने उस प्रधिमूचना में मंजान्य मृत्यूची में बिनिर्दिण्ट भूमियां 295 0 20 80		•	0	-			159	O	10	7 2
261 0 12 62 263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 Kharabo 0 03 50 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] का. भा. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि चिपयोग के मधिनार का मर्जन) मिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंजालय की मिधिसूचना का म्रा. स. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा के स्क्रीय सरकार ने उस मिधिसूचना में मलग्न मन्त्रमूची में बिनिर्दिण्ट भूमियां 295 0 20 80		•		_			158	0	0.9	60
263/1 0 07 20 152 0 18 40 263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 का. भा. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि 274 0 04 00 में उपयोग के प्रधिकार का प्रजेन) भिंधिनयम, 1962 (1962 का 50) 276 0 27 20 की धारा 3 की उपधार (1) के भंधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम 277 0 06 40 मंजालय की मिन्नस्था का फ्रां. स. 4105 नारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 किन्नीय सरकार ने उस प्रधिसूचना ने मंलग्न प्रनुमूची में बिनिर्दिण्ड भूमिया 295 0 20 80			_	-			154	0	26	40
263/2 0 03 52 150 0 14 40 95 0 14 50							152	o	18	
95 0 14 50 149 0 20 00 Kharabo 0 03 50 148 0 45 60 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 का. भा. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि 274 0 04 00 में उपयोग के मधिनायम, 1962 (1962 का 50) 276 0 27 20 की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम 277 0 06 40 मंजालय की मिन्नसूचना का मा. स. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधित्वना में मंजान प्रतृमूची में विनिर्दिण्ट भूमियां 295 0 20 80		•								
Kharabo 0 03 50 [No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 का. धा. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि 274 0 04 00 में उपयोग के प्रधिक्तार का प्रजैन) भिक्षितियम, 1962 (1962 का 50) 276 0 27 20 की धारा 3 की उपधारा (1) के भिक्षीन भारत सरकार के पैट्रोलियम 277 0 06 40 मंत्रास्य की मिन्न्यूचना का प्रा. स. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 केस्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना में मंलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिण्ट भूमिया 295 0 20 80										
[No. O-12016/61/84-ONG-D4] 273 0 19 20 का. था. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि 274 0 04 00 में उपयोग के प्रधिक्तार का प्रजैन) भिष्ठित्यम, 1962 (1962 का 50) 276 0 27 20 की धारा 3 की उपधारा (1) के भिष्ठीन भारत सरकार के पैट्रोलियम 277 0 06 40 मंत्रालय की मिश्रसूचना का था. स. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 केन्द्रीय सरकार ने उस भ्रधिसूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिर्दिज्य ध्रीमयो 295 0 20 80								0		
का. भा. 2336.—यत पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भृमि में उपयोग के म्रिधकार का म्रर्जन) भ्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) ही धारा 3 की उपधारा (1) के भ्रिधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम संनास्य की म्रिधसूथना का म्रा. स. 4105 नारीख 12-11-81 द्वारा के भ्रिय सरकार ने उस म्रिधसूथना में संलग्न प्रनुमूची में बिनिर्दिष्ट भ्र्मियो 274 0 04 00 27 20 60 40 68					·		148	O	45	60
में उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) 27 20 की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम 277 0 06 40 मंत्रालय की प्रधिसूचना का प्रा. स. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 किस्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना में मंलग्न प्रतृसूची में विनिर्दिष्ट भूमियां 295 0 20 80	_	[No. O-1	2016/61/8	4-ONC	G-D4]		273	0	19	20
में उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) 27 20 की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम 277 0 06 40 मंत्रालय की प्रधिसूचना का प्रा. स. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 किस्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना में मंलग्न प्रतृसूची में विनिर्दिष्ट भूमियां 295 0 20 80	क्षा, फा, 233	6.—–यत [.] पेट्रोलियम ग्रौ र ख	निज पाइ	पलाइन	(भृमि		274	0	0.4	0.0
की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम 277 0 05 40 मंत्रास्य की मधिसूचना का फ्रा. स. 4105 नारीख 12-11-84 द्वारा 297 0 18 88 केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना ने संलग्न अनुसूची में बिनिर्दिष्ट भूमियों 295 0 20 80							27 6	0	27	20
संज्ञालय की मधिसूचना का आ. स. 4105 तारीख 12-11-81 द्वारा 297 0 18 88 केल्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियाँ 295 0 20 80	क्तीभारा 3 की उप	धारा (1) के प्र धीन भार	त सरकार	के पैटे	जियम		277	()	06	40
केल्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना मे संलग्न प्रनुसूची में बिनिर्दिण्ट भूमियां 295 0 20 80								υ	18	
के प्राप्तिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए प्राप्तित करने 296 0 01 92	चलाराच का सालाहा केक्कीया सरकार ने ल	स भ्रधिसचना से संलग्न ग्रन	मचीमें वि					0		
	के भागीय के ग्राधिक	ार को पाइप लाइनो को ब्रिट	ऽत् धने के लिए	ਾ ਘ ਜਿੰਨ	्राच्या करने		296	0	01	92

[स. O-14016/66-ग/84 जी पी]

23

25

16

0.9

20

92

80

12

88

के अपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए प्रजित करने का झपना धाशाय घोषित कर विया था .

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के भ्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

ग्रीर ग्रागे, यत. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के वक्वात इस प्रधिसूचमा से मलग्न प्रनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का भक्षिकार भिजित करने का विनिध्वय किया है;

चाब, भात: जक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त प्राप्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्ह्रारा घोषित करती ह की इस प्रधिसुचना में संलग्न प्रनुसूची में विनिद्दिष्ट उक्त भूमियों से उपयोग का मधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनद्वारा म्मजित किया जाता है ;

ग्रीर ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गर्विनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. से सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, पायणा के प्रकाणन की इस तारीखाको निहित होगा।

ग्रनुसूची हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए वाका गालवाम विकास भारता जानका

राज्य . गुज	गरात ।जला मध्य	सालुका अव	DOM AND A	
गोव	सर्वे नं	 श्वट र	ग्रार	 सन्टीयर
1	2	3	4	5
मांडवा बुजर्ग	636	0	26	88
	637	0	+)	20
	638	0	36	0.0
	4	U	20	0.0

S.O. 2336.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S. O. 4105 dated 12-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

362

361

359

354

355

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in th schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conterred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the 23id lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM HAJIRA-BAREILLY-JAGD ISHPUR State: Gijarat District: Bharuch Taluka: Ankleshwar

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen- tiare
Mandva Bazarg	636	0	26	88
	637	0	3.0	20
	638	0	36	00
	4	0	20	00
	Gamtal	0	71	78
	99	0	01	92
	100	0	06	40
	101	0	12	00
	103	0	03	20
	104	0	20	29
	105	0	02	40
	Cart Track	0	04	50
	179	0	07	20
	178	0	07	20
	177	0	08	80
	173	0	J 1	52
	174	()	13	15
	175	0	01	92
	160	0	09	60
	159	9	10	72
	158	0	09	60
	154	0	26	40
	152	0	18	40
	150	0	14	40
	149	0	20	00
	148	0	45	60
	273	0	19	20
	274	0	04	00
	276	0	27	20
	277	0	06	40
	297	0	18	8.8
	295	0	20	80
	296	0	01	92
	362	0	23	20
	361	0	25	92
	359	0	16	80
	354	()	09	12
	355	0	06	88
		O-14016	/66- A /8	- 84-GPJ

का.श्रा. 2347 — यत पेट्रोलियम भौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भिधिकार का प्रजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम

मन्त्रालय की श्रिधिमूचना का भ्रा. स 3473 तारीख 3-11-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस श्रिधमूचना से सलग्न श्रनुसूची में बिनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाष्टप लाइना को बिछाने के लिए म्राजित करने

का ग्रापना ग्राणय घोषित कर दिया था ;

भीर यत. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है;

और श्रागे, यत केन्द्रीय मरकार ने उत्तत रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस श्रधिसूचना से सलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट सृमियो में उपयोग का श्रधिकार श्रकित करने का विनिश्चय किया है,

श्रव श्रव उका श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरकार एनद्वारा श्रोपित करती है कि इस शिव्युषना में गत्रक रानुग्या में विनिश्ति ज्या प्रतिमा में उपयोग का शिव्यार पाइय जात्रि विद्याने के प्रयोग के निए एनद्द्वारा श्रीति किया जाता है; श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निष्टित हान के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण निमिटेट में सभी बाधाश्रो से मुक्त रूप स, धाषणा कं प्रकाशन की इस नारीख को निहित हाला।

अनुसूची एत्र. बी जे गैस पाईग लाईन प्राजेश्ट

- ग्राम सीगवा	सा नहसील गुन	॥ जिला	गुना	राज्य (म	_ प्र)
- भ्रनुक. खसर	 ान. उपयोगग्र	– धिकार ग्रर्जन	ू काओव	् (हैक्टर्स मे)
1. 276	()-	679			
2. 274	()—	042			
3 287	()-	261			
4. 288	0—	157			
5. 273	0-	470			
6. 289		031			
7. 270		105			
8. 290		010			
9. 272		209			
10. 292		105			
11 231 12 253/		050			
•		200			
13. 241 14. 219		146			
15. 240		052 157			
16. 239		188			
17. 212		105			
18. 220		523			
19. 222		177			
20. 221		314			
21. 218		-300			
22. 238		418			
23. 237	/1/17				
24. 237	/2)	470			
25. 401	/1/2 0-	261			
26. 400	0-	076			
27. 402		031			
28, 403		105			
29. 232		- 47()			
30. 230		-345			
31. 218		-300			
32 251		052			
31 252		-010			
34 66/		-021			
35. 213		031			
36. 234	-	052			
37. 256		·010 —			
कुल क्षेत्र	ग फन :—— (933			

[स॰ O-14016/73/84-जीपी]

S.O. 2337.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3473 dated 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962), the Cential Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE HBJ GAS PIPELINE PROJECT

VILLAGE: SINGWASA TEHSIL: GUNA DISTT. GUNA

VIL	LAGE: S	SINGWASA	TEHSIL: GUNA DISTT. GUI	NA
	Survey	No.	Area to be acquired R O.U. in Hectare	for
1.	276		0.679	
2.	274		0.042	
3.	287		0.261	
4.	288		0.157	
5.	273		0.470	
6.	289		0.031	
7.	270		0.105	
8.	290		0.010	
9,	272		0.209	
10.	292		0 105	
11.	231		0.050	r
12.	253/2		0 200	ì
13.	241		0.146	;
14.	219		0.052	
15.	240		0 157	•
16.	239		0.188	
17.	212		0 105	
18.	220		0.523	
19.	222		0 177	
20.	221		0.314	L
21.	218/2		0.300)
22.	238		0.418	
23.	237/1/1	Ì	0 470	1
24.	237/2	J		
25	401/1/2		0.261	
26.	400		0.076	
27.	402		0 031	
28.	403/1 232		0.105	
29. 30.	230		0 470	
30.	218/1		0 345	
32.	251		0.300	
33.	252		0.052	
34.	66/4		0 010	
35.	213		0 021 0 031	
36.	234/1		0.052	
37.	256		0.010	
				_
			Total Area 6 933	1

[No. O-14016/73/81-GP]

30, 566

का श्रा 3538.— यत पेट्रालियम श्रोर खितित पाइपलाइन (अमि में उपयोग के प्रशास का मार्जन) प्रातिमक, 1963 (1962 का 50) की भारत कार उपयोग (८) के वर्जन कार सम्बद्धित के बद्धानियम मन्द्रालय की अधिमुखना ना शार सं. 1473 गारीख 3-11-81 द्वारा केर्स्राय गरकार ने उस प्रधिस्थाना से मलग्न प्रानुसूत्ती से विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाष्ठपलाइनों को बिछाने वे निग् प्रकार करन का प्रपना ग्रायुष्य धापित कर विया था .

श्रीर यत **मक्षम** प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की प्राया का जा जापार (1) के अधीन सरकार **का** लिगोर्ट दारी है :

श्रीर आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् इस अधिसचता से सम्भन अनुसूची से विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का विनिध्चय किया है .

अब जन उक्त अधिनियम की धार। ५ की उपधारा (1) हार। प्रदन्त गाविन का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनक्द्रारा घाषित करनी है कि इस अधिसूचना में सम्बन अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भृषिया में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनर्डारा अजिन किया जाता है;

श्रीर आगे उस धाराकी उपधास (1) हास प्रदत्त मक्तिया का परास करत हुए केन्द्रीय सरकार में निहित श्रात के बनाय भारतीय गैंभ प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाश्रों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की अस सारीख को निहित होगा।

ग्रनुसूची एच , बी .जे .गैस पाइपलाइन प्राजेश्ट

भ्रम्, र भ्रम्, र 1, 2 3, 4 5	क. ख सरा न . 92/1 107	उपयोग अधिकार खर्जन का क्षेत्र (हैक्टमं में) 1-126	
2 3. 4	107	1-126	
3. 4			
4	100/1	0-013	
	126/1	0-506	
z	91/1/1	0-746	
.,	91/1/2	0-557	
6.	91/1/3	1-556	
7.	241/1	0-278	
8.	595/1	0-721	
9.	591/1	()—54.4	
10.	590	()- 24()	
11.	589/2	() 114	
	585/4	() () () 1	
13.	385/5	0-226	
14.	584	0-331	
15	583	0-065	
16.	5 5 9/ 1/ 1	0-455	
17	576	0-073	
18	575	0-292	
19	571	0-278	
20	573	0-315	
24.	5 7 9/1	0-013	
2.2.	579/1/2	0-126	
23.	572	0-013	
24	571	0-506	
	570/1	() 734	
26.	608/2	0-039	
27	569	0-089	
23	568	0-089	
20	709/1/1	1-517	

0-075

0.189

full T	r dos 2(n)]					
1	- = 2		3			
} 1	5 56/1		0 152			
, ,	731		()~ 1 ɔ '			
5 3	7) /1		(1-()-1)			
ŀ	770		0 "0"			
}	<u>, 1</u>		0-126			
36	77(0~157			
37	777		0→114			
18	780		0-392			
₹'4)	791		0 039			
10	7.)		0-025			
11	7)1		0-126			
L	119		0-025			
13	961		0-111			
† 1	954		0 126			
15	960		0-075			
16	962		0-189			
17	$\frac{956/2}{951/2}$		0 206			
14	953		0.078			
μq	982		0-130			
5 ()	978		0- 065			
51	984		(L () 39			
5.2	945		0 051			
ე ქ	996		0~114			
5.4	991/2		0 560			
15	995		0 025			
50	10.10		0 - 253			
つり	1036/37		0 = 0.5.1			
	1011/1 5		0=114			
74	1017/1		0 = 304 0 = 165			
54	1017/2		0-099			
6 () 6 ()	10,0		0=0.25			
(2	1017		0-304			
63	1058		0 139			
(, 4	1064		0-331			
6, 5	1145		0-139			
66	1146		0-126			
67	1147		0-089			
68	1119		0 367			
(5 4)	1 1 5 1/ 1		0 - 266			
70	1152		0-059			
71	1153		1) = (13.)			
7.2	1151/2	_	0- 0	_		
	कुल क्षेत्रफल	17-957		_		
	_	-	[स O-14	016/76/	৭। স	भि]

SO 2338 —Where is by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum SO 3474 Date 3.11.84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minor ils Pipelines (Acquisition of right of User in Land), Act, 1962 (50) of 1962) the central Government declared its intention to acquire the right of us r in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Subsection (1) of section 5 of the said $\Lambda_{\rm s}(t)$ at initted report to the Government,

And further whereas the Central Covernment has, after Considering the said report decided to require the right of user in the lands specified in the schedule appended to this nonlication.

Now therefore in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of powers conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Governments on this date of the publication of this declaration in the Gas Author ty of India Ltd free from all encumbrances

SCHEDULE

H B J. Gas Pipeline Project

VII I AGF: SANDALA: TEIISIL: BADNAWAR,

VII	I AGF:	SANDALA: TEHSIL · BADNAWAR,
_		_ DISTT DHAR
S	Survey	No Area to be acquired for
No		RO.U in Hectare
1,	92/1	$\frac{-}{1} \frac{1}{126}$
2	107	0 013
3	126/1	0 506
4.	91/1/1	0 746
5	91/1/י	0.557
6	91/1/3	1 556
7	241/1	0 278
8	595/1	0.771
9	591/1	0 584
10.	590	0.240
11	589/2	0 114
12	585/4	0 091
13	385/5	0.226
14.	584	0.331
15	583	0 065
16	559/1/1	0 455
17	576	0 078
18	575	0 292
19	574	0 278
20	573	0 318
ן י	579/1	0 013
ריי	ר/1/97	0 126
23	572	0 013
24	571	0.506
25	570/1	0 734
26	608 _/ 1	0 039
27 28	569	0 039
	568	0 089
29. 30	709/1/1	1 517
31	566 5 5 611	0.075
32	5 5 6/1 751	0.152
33	798/I	0 152
14	770	0 039
35	774	0.202
36	776	0 126
37	777	0 187
38	780	0 114
39	791	0.372
40	707	0 03)
11	794	0.075
12	949	0 126 0 025
43	961	0 113
44 15		0 126
- 17	7(10)	0.078

46. 96

۶. 	- 	·	' : -		[FACT IT—SEC. 5(1)]
I	7	3		-	ग्रनसूर्ची [;]
47.	956/2) 981/2 }	0,266		ग्च. व	र्ग जे गैस पाइपचाइन प्राजेक्ट
48.	983	0.078	ग्राम	: : य खनपुरा तहमी	ल : बदनावर जिला : धार राज्य (मध्य-अदेश)
49.	987	0,130	 ਬਰ 3	———— ह. म ासरा त.	उपयोग ग्रधिकार गर्जन का क्षेत्र (हैस्टमें हें)
50.	978	0.065			-
51. 52.	984 985	0,039 0,051	- 1	2	3
53.		0.114	1.	7 2	0-076
54.		0.266	2.	68	0-379
55.		0.025	3	61/2	0-063
	1040	9,253	.1	61/3	0- 089
	1036/_	0,051	5.	61/1	0-177
5.11	1041/1	0.114	6.	61/4	0-126
58.	1047/1	0.304	7.	5.5	0- 266
59.	1047/2	0.165	8.	56	0-139
60.	1059	0.089	9.	54	0-038
61.	1056	0.025	10.	48	0-721
62.	1057	0.304	11.	237/1	0-316
63,	1058	0.139	1 2.	239	0- 013
64.	1064	0.331	1.3	24G	0-139
65.	1145	0.139	14.	247	0-025
66.	1146	0.126	15.	248	0-089
67.	1147	0.089	16.	249	0 - 114
68.	1149	0,367	17.	293/1/2	0 - 367
69.	1151/1	0.266	18.	294	0-038
70.	1152	0.089	19.	381/1	0 = 2 0 3
71.	1153	0.039	20.	474	0-038
72.	1151/2	0.202	21.	473	0-063
			2 2.	383	0 = 0 2 5
	Tontal Area	17.987	23.	470	0-126
		[No. O-14016/76/84-GP]	24.	384	0 - 342
			2 5.	398/2	0-089
का	ं, ग्रा : 23 ३9 यतः पेट्रोलियम भौ	र खनिज पाइपल।इस (भृमि में	26.	398/1/1	0=051
	योग के स्रधिकार का श्रर्जन) प्रधि	, -:	27	399/1	0-063
	धारा 3 क, उपधारा (1) के ग्रह	,	28	399/2	
	लयका घधिसूचनो का.ग्रा. स० उप	•		400 J	0-089
	∵य स ^{रकार ने उस द्वा} धिसूचना से सम		29	406	0=126
	उपयोगके ग्रक्षिकार को पाइपलाइन		3.0	101	0-114
का	भ्रपना भ्रामय घीषित कर दिया	प ा;	31.	405	0-038
			32	404	0-063
	क्रोर यदः सक्षम प्राधिकारः ने उक्त	। ग्रिधिनियम को धारा ७ की	33.	102	0-101
उपध	ग्रारा (1) के ग्रर्ध∘न स [ु] कार को रि	रिगोर्ट देवी है ;	34.	403	0-126
			3.5	468/1/1	0-051
	ग्रीर भागे, यतः केर्न्नय सरकार ने		36	412	0-038
	ात् इय ग्रधिसूचना में मलग्न ग्रनुसू च		37.	413/2	0= 0.13
क्रां	ग्राधिकार ग्राजित करने का वितियचय	र किया है ;	38.	413/3	0= 0.25
			39,	467/2	0- 051
	ग्रंब ग्रनः उक्त ग्रजिनियम क, धा	रा ६ कः चपधारा (1) द्वारा	40	760/412	0-063

11

464/1

42 - 165

43 69

14 - 293/2

15. 471

16. 111

47 - 413/1

भ्रीर भ्रागे उस धारा क उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष मिन्तरों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होते के बजाय धारत य गैंग पाधिकरण लिमिटेंड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से धोषणा के प्रकाशन को इस नारीख को निहिन होगा।

प्रथम शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार एतद्धारा घोषित करत

है कि इस प्रधिसूचना में सलश्न प्रनुसूच भे विनिदिग्ट उक्त भृमियों में

उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विस्ताने के प्रगोजन के लिए एतप्दारा

प्रजिन किया जाना है ;

[**स**. O-14016/88/84-जीपी]

5= 038

0 = 266

0 = 0.8.8

0-025

 $0 \le 0.25$

0-010

0-025

कुल क्षेत्रफल '-- 4- 5 ३५

S.O. 2339.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry Petroleum S.O. 3480 Date 3-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said \ct, submitted report to the Government.

And further whereas the Cen'ral Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 5 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laving the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the tight of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbiances

SCHEDULF HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village: Bakhatpura Tehsil: Badaawar Distt. Dhar

S.No. Survey No	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
۱. ۲۰	0.076
2. 68	0.379
3. 61/~	0.063
4. 61/3	0.089
5. 61/1	0,177
6. 61/4	0.126
7. 5 5	0.766
8. 56	0.139
9, 54	0.038
10. 48	0.721
11, 237 1	0.316
12. 239	0,013
13. 246	0,139
14. 247	0.025
15. 248	0.089
16. 249	0.114
17. 293/1/2	0,367
18. 294	0,038
19, 381/1	0.203
20, 474	0.038
21, 473	0.063
22. 383	0.025
23., 470	0.126
24. 384	0.342
25. 398/7	0.089
26 398/1/1	0.051
27 399/1	0.063
78, 399/2	0.089
400	
29, 406	0.126
30, 401	0.114
31. 405	0.038
32 404	0,063
33, 40י	0.101
34. 403	0.126
35. 468/1 1	0.051

	
1 2	3
36. 412	0,038
37. 413/2	0.013
38. 413/3	0.025
39. 467/2	0.051
40. 760/412	0.063
41, 464/1	0.038
42, 465	0.266
43. 69	0.008
44. 293/2	0,025
45, 471	0.025
46. 411	0.010
47. 413/1	0.025
Total Area	4 549
	37 0 1 101 (100 101 7

[No. O-14016/88/84—GP]

का थ्रा 2340—यतः पेट्रीलियम श्रौर खनित्र पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रियकार का धर्जन ध्रिधित्यम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रश्लीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मल्लालय की प्रधिसूचना को. थ्रा. मं 3755 तारीख 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न ध्रनुसूची में विनिद्धिट भूमियों के उपयोग के श्रिधकार को पाइप लाइनो को बिछाने के लिए ग्राजित करने का ध्रपना ध्राणय घोषिन कर दिया था।

ग्रीर यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर भ्रागे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्मात इस प्रश्चिम्चना से संलग्न अनुसूची से विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार भाजन करने का विनिम्चय किया है।

ग्रव, श्रन उसन श्रांबिनियम को ब्रारा 6 को उपधारा (1) हारा प्रवत्त गर्कित का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा घोषित करती है कि इस प्रधिमूचना में मंलग्न भृतमूची में विनिर्धेष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिख्याने के प्रयोजन के लिए एतव्- क्षार्थित किया जाना है।

भीर भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित हाने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की उस नारीख को निहित्त होगा।

धनुसूची त्रजीरा स बरेली से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य : प्रशस्त जिलाः व तालुका : भरुच

गीव	मर्वे न .	हं, भ्रा. से.
1		
 भानोर	411	0-27-75
	410	0-16-00
	409	0-05-06
	407	0-41-21
	408	0-16-34
	404	0-47-25
	Cart track	0-05-70
	393	0-33-60
	392	0-12-30
	388	0-55-34

1	2	3	_	SCHEDULE ne from Hajira—Baréilly—	_	_	
मानोंर-—जारी	354	0-14-77	State : Gu	ijarat District & T	aluka :	a : Bharucl	
	387	0-09-00	Village	Survey No.	H.	A.	CA
	355	0-3 6- 50	Zanor	411	0	27	7:
	353	0-01-35		410	()	16	00
	358	0-02-10		409	Ú	05	00
	.#31	0-21-90		407	0	41	2
	330	0-23-70		404 404	0	16 47	3 2
	327	0-02-10		Cart track	0	05	7
	328	0-32-88		193	0	33	6
	329	0-07-69		392	0	12	34
	325	0-30-30		388	ő	55	3.
	Cart track	0-04-30		354	0	14	7
				3 87	0	09	0
	220	0-31-80		355	0	36	5
	221	0-02-88		353	0	01	3
	225	0-24-52		358	0	02	1
	224	0-13-20		331	0	21	9
	181	0-38-75		330 327	0	23 02	7 1
	226	0-00-05		327 328	0	32	8
	230	0-71-55		329	0	07	6
	235	0-10-09		325	ő	30	3
	236	0-00-86		Cart track	0	04	3
	234	0-03-15		220	0	31	8
	Cart truck			221	0	02	8
		0-03-20		225	0	24	5
	143	0-00-60		224	0	1.3	
	141	0-53-10		181	0	38	7
	140	0-34-40		226 230	0	00 71	0. 5.
	136	0-26-52		235	0	15) ()
	113	0-27-90		236	ő	00	8
	115	0-09-94		234	0	0,3	1:
	114	0-39-14		Cart Track	0	03	20
	122	0-03-51		143	0	00	60
	121	0-39-00		141	0	53	10
				140	0	34	40
	[सं. O- 1401 /10	ऽ ∉क्ष्र₄-जा पा]		136	1)	26	51
S.O 2340Whereas	by notification of the C	Government		113	0	27	9(
f India in the Ministry	of Petroleum S.O. 3755 da	ited 6-11-84		115 114	0	(19 39	94 14
	of Section 3 of the Petr			122	0	03	51
	equisition of Right of Use 2), the Central Governme			121	0	39	(1)

[No. O-14016/105/84-GP]

its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notifi-cation hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

का. था 2341 ----यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उनयान के श्रीधकार का श्रर्जन) श्रीधनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपभारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंदालय की प्रधिसुचना का. था. मं. 3756 वारीख 6-11-94 द्वारा वेन्द्रीय सरकार ते उस ग्रधिस्चना से सलग्न ग्रमुखी मे विनिर्दिष्ट अमूमियो के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करते का अपना श्रास्य घोषित कर विया या।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी न उक्त प्रधिनियम की धारा ६ की उप-धारा (1) दें अधीन सरकार का रिपोर्ट दें दी हैं।

मीर भागे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्यात इस अधिमुखना से मलग्न अनुमुखी में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का ग्राधिकार श्राजित करने का वितिश्चय किया है ।

भाग, भान: अक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) प्रदल्य क्रक्ति का प्रयोग करते हुए केस्ट्रीय सरकार ए<mark>तद्</mark>वारा क्रोक्रित करसी है की इस ग्रधिसचना में मंलग्न ग्रमुसुधी में विनिदिष्ट उपन भूमियों से

उपयोग का प्रक्षिकार पाइपलाईन	खिछाने के	प्रयोजन के	लिए	एतव्द्वा रा
भ ि त किया जाता है।				

श्रीर झांगे उस धारा की उरकारा (4) द्वारा प्रदेश मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त का में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची व्हजीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइस्लाइन विछाने के लिए राज्य , गुजरात जिला : भरुच तालुका : धक्लेग्वर

•		
पांच	त्तर्वे नं .	हे.मा.से.
भासीया		0-24-00
	95/13	0-25-60
	95/15	0-03-20
	96/7	0-44-0 0
	98/6	0-01-76
	97/24	0-36-00
	97/22	0-62-52
	97/21	0-01-28
	97/20	0-21-60
	97/17	0-01-76
	97/23	0-26-40
	97/28	0-06-40
	97/25	0-00-24
	98	0-12-00

[सं. O-14016/107/84-जीर्पा]

5.0. 2341.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3756 dated 6-11-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall insted of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira—Bareilly—Jagdishrur State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Ankleshar

Village	Survey No.	H	Α.	CA
<u> </u>	2		3	
Kansiya	16/P	U	24	00
34 m. r.y =	95/13	0	25	60
	95/15	0	03	20
	96/7	Ü	44	00

1	2		3	
	96/6	0	01	76
	97/24	0	36	00
	97/22	0	62	52
	97/21	0	01	28
	97/20	O	21	60
	97/17	0	01	76
	97/23	0	26	40
	97/28	0	06	40
	97/25	0	00	24
	98	0	12	00

[No. O-14016/107/84-GP]

का. भा. 231: .---थतः पेट्रोलियम भौर स्वामित्र पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्थन) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की प्रधिसुचना का. था. सं: 3757 तारीख 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसुचना से संज्यन प्रमुखी में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइपलाईनीं को विद्याने के लिए प्रजित करने का प्रथमा प्राप्त्य घोषिन कर दिया था।

भौर यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

भीर भागे, यर्ग केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपार्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचेना से संख्यन अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार भौतित करने का विनिध्यय किया है।

प्रष, अत. उक्त प्रधिनियम की धारा ७ कि उपधारा (1) हारा प्रकृत् गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकीर एनव्द्वारा घोषित करती है की इस प्रधिसूचना में संलग्न प्रनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा - श्रीजित किया जाला है।

श्रीर धाने उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस्त ग्राक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रमृक्षयी हुज़ीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पाइपलाइन बिछानें के लिए -राज्य : गुजरात जिला : भक्कप तालुका : प्रक्लिप्यर

=	-								
गांव	सर्वे मं ०	हे क्टर	एका रह	सेन्टीयर					
1	<u> </u>	3	4	5					
भारी	197	0	0.5	60					
	188	0	68	48					
	194	0	24	00					
	193	0	12	00					
	192	0	43	20					
	260/5十年	u 1	- 13	.02					
	203	49-	19	,20					
	202	0	30	40					
	219	0	.40	- 8(
	222	0	44	00					
	223	0	o ó	6					
	224	0	40	0					
	214	Ü	50	4.0					

1	2		3	_	1	2	3	4	. 4
i	213	0	 I 7	60		192		43	20
	76	0	61	60		200/A + B	0	1.3	92
	गार्ट <u>द</u> ेक	0	03	52		203	0	19	20
	=					202	0	30	4(
	70	0	42	40		219	0	4()	80
	51	0	56	0.0		222	0	44	0
	52	0	38	0.8		223	()	00	6
	5.3	0	16	00		224	0	4()	80
	54	0	22	20		214	()	50	4(
	55	0	17	85		213	0	17	60
	260	o	24	75		76	0	61	60 52
						Cart track 70	0	03 42	4(
	261	0	10	27		70 51	0	56	0
	262	0	50	0.0		52	0	38	8
	263	O	10	08		53	0	16	()
	350	o	74	41		54	0	22	2
	313	0	07	12		55	Ü	17	8
	312	0	54	45		260	0	24	7
	311	0	0.5	17		261	0	10	2
	310	0	12	70		262	ő	50	O
						263	0	10	0
	296	0	85	90		350	0	74	4
	300	0	0.1	75		313	0	07	1
	298	0	37	33		312	()	54	4
	297	0	34	0.2		311	0	05	1
						310	0	12	7
	Įa, €)- 14016,	/108/84	(-जापा]		296	0	85	9
						300	0	01	-
) 2342 —When	eas by notification	n of the	e Gove	rnment		298 297	()	37 34	

[No. O-14016/108/84-GP]

S.O. 2342.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3757 dated 6-11-84 under sub-nection (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section Central Government directs that the right of user in the said lands shall insted of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira to Barellly to Jagdishpur State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Ankleshmar

Village	Survey No.	Hec- tare	Are	Cen tiare
1		3	4	5
Bhadi	197	0	05	60
	188	0	68	48
	194	0	24	90
	193	0	12	00

का. भा. 23.43—यतः पेट्रोलियम भीर खिनज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिक्तर का अर्जन मिश्रिनियम, 1962 (1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत मरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय की प्रधिसूचना का० अा० मं० 3681 तारीख 30-10-84 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस प्रशिद्चना में मंजरन भ्रमुखी में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए प्रजित करने का धपना आगाय घोषित कर विया था।

भीर यत: सक्षम प्राधिकारी ने अक्त मिधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के स्रधीन सरकार की न्पिटें दें दी हैं।

ग्रार ग्रामे, यतः केन्द्रीय भरकार ने उकन रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस ग्राधिसूचना में संलग्न श्रनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीधंकार ग्राजित करने का विनिध्यय किया है ।

सब, सतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उक्धारा (1) करत प्रवस्त प्रक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एनव् द्वारा धाषित करती है की इस अधिमूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियां में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन विछान के प्रयोजन के लिए एनव्द्वारा , अजित किया जाता है ।

भीर भागे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्न गावितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित हाने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में. बावगा के प्रसाशन की इस मारी आ की निहित होगा।

. प्रनुमूची

हजीरा से बरेलों से अगदीण पुर्र तक पाइपलाइन विखाने के लिए। राज्य—-गुजरात जिला—-भरुच तालूका—-भंक्सेश्वर

		-	-			
गोव					सर्थे ने.	ह ~आ. हें
			-			
सामोर					337	0-06-15
					338	0-72-45
					340	0-21-31
	_			 [मं.	O-14016	/ 118/ ९ ४ जी पी]

S.O. 2343.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3681 dated 30,10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Hajira—Bareilly—Jego ishpur State: Gujarat District: Bharuch Taluka: Ankleshwar

Village	Survey No.	H.		CA
Samor	337	0	06	15
	338	0	72	45
	340	0	21	31

[No. O-14016/118/84-GP

का. मा 3144--या पेट्रोलियम ग्रीर खिति पाइयताहर (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपघारा (1) के मधीर भारत सरकार के पेट्रोलियम मलालय की ग्रिधिस्चमा का. मा. 3761 तारीख 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भिधिस्चना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रिधिकार की पाइपलाइनों की बिछाने के लिए ग्रीजित करने का ग्रापना शामय घोषित कर दिया था।

भौर यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्षन प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार को रिकोर्ट दें वी है।

प्रीर आगे, यतः केन्द्रीय संप्कार ने उक्त रियोर्ष्ट पर कियार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलय्न अनुसूची में विभिद्धिक भूमियों में उपयोग का अधिकार भूजिन करने का विनिय्चय किया है।

प्रया, श्रान, उसने अधिनियम की बारा छ की उपधारा (।) हारा प्रनरन गरिक का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय संस्कार एन**व्हा**रा घोषिन करती है कि इस अधिसूचना में स्*लग्न अनु*त्र्**ची में विनिर्देण्ट** उक्त **भूमियों** उपयोग का अधिकार पढ़ालाइन विकान के प्रयोजन के लिए एनद्**दा**रा अजित किया जाना है।

पार प्रापे उस बारा की उपबारा (4) हारा प्रवश्य अस्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहिन हार के बक्त भारतीय में से प्राधिकरण नि में सपीनी बाधारियों में मुक्त कर म, घोरणा के प्रशिक्त की इस नारीख की निहिन होगा।

धनुसूची

ह्जीरा से बरेली से काशीसपुर तक पादान(दन विजाने के लिए राज्य---गुजरान जिला---भुक्त नालुका---- नेस्लेक्टर

गाव	मनाकनं.	हे स्टेश	· · · · · ·	क्षा ।
	18	0	36	00
, ,	2 6	O	25	65
	31	0	26	19
	25	9	01	42
	36	Θ	00	90
	32	6	27	00
	33	O	0.2	32
	34	, 0	35	39
	49	. 0	13	20
	48	ó	37	20
	39/6	ΰ	13	95
	46	υ	1.6	0.5
	44/1	•	61	75
	1.5	0	08	15

[म. भ्रा-14016 (६१/४४-जी पो]

S.O. 2344.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S. O 3761 dated 6-11-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline:

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this not floation:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this metalication hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in he said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

2708	THE GAZETTE OF	INDIA	JU	NE 1,	YAISEHA 11, 1907	[PART	11—2E	z. 3(n)
	SCHEDULE	•			2	}	4	
	trom Hajira—Bareill t. District : Bharuch, "			.shw a r	287	0	24	0.0
					काटँट्रेक	0	UG	40
Village	Block No.	Hec-	Arc	Cen-	255	0	02	40
		ture		tiure	256	0	7 1	20
A a a tana	18		16		257	0	3.1	25
Amaratpura	26	0	36 25	00 65	258	0	20	10
	31	Ü	26	19	259	0	0.2	88
	25	0	01	42	261	0	05	90
	36	0	00	90	262	0	07	20
	32	0	27	00	264	U	00	96
	33	0	0.2	32	बा वी	Ü	16	00
	34	0	35	39	222	บ		
	49	0	13	20			01	60
	48 39/6	0	37 13	20 95	221	0	23	20
	46	0	16	05	219	0	44	89
	44/1	v	64	75	179	0	67	0.5
	15	o o	08	15	184	0	37	60
					164	U	2 1	6.5
	[No.	O-14016	/121/84	4 GPJ	165	0	06	24
		_		_	162	0	3.2	80
	145यम पद्गोलियम श्रां र			~	161	0	00	52
	क्तार भा धर्जन अधिनियम, 1				कार्ट ट्रेक	0	0.3	20
्की धारा उका उ	प्रश्नारम (I) के प्रश्नान भा र	71 ካ ፖክር	क पट्टो	विवस	131	0	31	60
अंक्रालय की प्रधिर्	ह्वनाका आर्थ 3762	नारीख 6-	11-41	वारा	132	U	29	80
केन्द्रीय सरकार ने	उम मधिसूचना से सलग्न अर	(सूची में वि	मिविष्ट	भूमियो	97	0	44	00
के उपयोग के मधि	<mark>कार को पाइपलाइनों को बि</mark> काने	गैनिएम	জি † ক	रने का	795	0	03	
भपना भारत योगि	रत कर दिया था।				794			20
		حـــــــــــــــــــــــــــــــــــــ				0	45	92
	तम प्राधिकारी ने उपल मधि		भारा (6 ත ි	मार्ट ट्रेक	0	03	60
उपधारा (1) क	घषीन सरकार का रिपोर्ट दे	दा है।			133	U	0.0	16
मीर मागे, यत	केन्द्रीय सरकार ने उनन रिपो	र्टपर वि	चार प	हरने के	783	0	18	40
पत्नात इस मधिस्य	। जासे संलग्न अनुसूची म <mark>ें वि</mark> रि	नेविष्ट भूमि	यों मे	अवयोग	734	0	11	20
	स भारने का विनिश्चय किया				757	0	02	88
		=			96	0	02	88
	ल मधिनियम् भी बाग् ७ ।			द्रारा	95	0	18	08
	ोग करने हुए, केन्द्रीय सर्टकार :				124	0	69	92
	ना में संजन् य अनुपूर् ती में निर्				1.23	0	04	00
· ·	हर प्राम्हणकादम क्रिकाने के प्रयं	प्रिमन के नि	क्ष्यं ए	पद्≣ारा	135	U	U 9	60
मर्जित किया आज्व	τ 🐉 Ι				134	0	30	56
अतीर धारो ज	स धारा की उपधारा (4)	क्षाको चल्ल	n fice	में का	736	0	24	00
	न्द्रीय सरकार में निहित होने				759	U	23	73
, •	सभी बाधायों से मुक्त रूप में,				755	U	14	36
	7	ગાળમાં 1	47011	K) TI TI	730	0		
इस नारीख को	।नाक्ष्⊐ हाना ।						20	00
	शतुत्रु म्				749	0	3 3	39
و جائن	ी से जयसीस्ट्राई सक वाद्यका	es (ba rè	क्रेट विक	T 1	763	0	12	80
	ता स जगन्यसम्बद्धाः तरु पारपता राज, जिल्लाःभ्रास्कं, साम्युक			ς, ι	748	0	23	20
राज्य	रा⊓, गजलाः — सुरुच, तालुव	րլ ամա ն	तास् चर :		747	0	63	20

[सं O-14016/122/84-जीपी]

		: .				
गांच	क्लाक नं०	हेक् टे र	भारे	सेन्टीयर		
1	2	3	4	5		
कोस यकी	392	U	-02	00		
	299	0	48	62		
	300	0	21	42		
	301	0	24	38		
	291	0	41	8.8		
	289	0	16	0.8		
	′ 288	0 ,	40	00		

S.O. 2345.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3762 dated 6-11-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from Hajira to Bareilly to Jagdishpur

State: Gujarat, District: Baruch, Taluka: Ankleshwir

Village	Block No.	Hec- tare	Are	Cen-
<u> </u>		3		5
Kosamadi	303		0.2	00
	299	ô	48	63
	300	Ô	21	42
	301	0	24	38
	291	0	41	36 98
	289	0	16	96 08
	288	0	40	00
	287	0	24	00
	Cart track	0	06	40
	255	ő	02	40
	256	Ö	71	20
	257	0	23	25
	258	Ö	20	10
	259	n	02	88
	261	Ö	0.5	90
	262	0	07	20
	264	ő	00	96
	Khadi	0	16	00
	222	0	01	66
	221	Ö	23	20
	219	0	44	88
	179	ö	67	03
	184	ő	37	6
	164	0	23	6
	165	0	06	2.
	162	Ú	32	80
	161	ő	00	5
	Cart track	0	03	20
	131	0	21	6
	132	0	2.8	80
	97	0	44	O
	795	0	03	20
	794	0	45	9.
	Cart track	0	03	6(
	133	0	00	1
	753	0	38	41
	754	ő	11	2
	~ 75 7	0	0?	88
	.96	0	02	8
	95	Ö	18	0.
	124	0	- 69	9:

1 .	2	3	4	5
Kosamaddin	125	0	04	90
Contc.	135	0	09	60
	134	0	30	56
	756	0	24	00
	759	Û	22	7.2
	755	0	14	50
	750	0	20	06
	749	0	33	3.9
	763	O	12	86
	74 8	0	2.2	20
	7 4 7	0	63	20
	743	0	04	00
	744	0	52	OX.

[No. O-14016/122/84-GP]

का. आ. 2346:--सन : पेट्रोलियम और खिनक पाक्पलाकन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम. 1960 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत मरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. आ. मं. 3763 तार्र खे 6-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमृत्तरा में मंत्रमा अनुसूर्य में विनिद्रिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईगलाहकों को बिद्धान के लिए अजिन करने का अंपना आह्य बोधित कर दिया था।

और यतः मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन मरकार को रिपोर्ट वे वी हैं;

और आग़े, यतः किन्द्रीय सरकार ने उसते रियोर्ड पर विचार करो के पश्चात् देन अधिस्थान से संख्या अनुसूर्या में विनिद्दिट भूमियों में उदयोग का अधिकार अजित करने का विविध्यय किया है;

अस, अद्ध : उन्त, अधिनियम की श्रीसा, 6, की, उपधारा (.1) द्वारा अदत सकित का प्रयोग करते हुए, केन्द्रिय सरकार एमब्द्वारा बोचिन करती है कि इस अधिसुचना में संख्यन अनुसुकी में विनिधिष्ट उक्त भूमियों से उपयोग का अधिकार पाइयलाइन किछाने के प्रयोजन के लिए एसब्द्वारा अभिन किया जाता है।

और अभि उस कारों की उपकारा (4) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग भरते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण कि. में सभी-बाध-ओं से सक्त रूप में, मोषणा के प्रकासन की इस निरित्त होंगा

अनुसूर्यः हर्वेदाः से बरेली से जगर्वभाषुरः तक पादपशादमः विकास के लिए स्थानस्थातः जिलाः भरूचः तालकाः अञ्चलोकाः

राज्यः गुत्ररा	न, जिला भरूचे तालका,	अं न्य्येयर		
गीव	म्लाक नंग	* .	थां.	#
1.	3	3 -	• 4	5
ज <i>ेमामी</i>	12/1	0	27	60
	4.3	.0	374	40
	42/2	0	0.7	60
	44	0	94	5.6
	4.5	0	8.1	61
	17	()	1.6	20
	49	A	4.1	70
	भार्त हैक	0	0.5	4.5
	114	0	16	.R 0
	F []	(i	0.6	#0
	134	0	12	25
	122	U	09	7.5
	1.25	Ų	41	10
	240	f ₁	29	85
	23 9/B	0	33	80

INo. O-14016 123,84-GP1

1	د	ł	4	5	Ī	2	ì	4	5
च्या । भौशालीकारी	249	0	1 2	9-6	Jilall-Cente	47	0	16	20
	250	0	4.1	2.5		49	0	41	70
						Cart track	0	03	44
	251	0	0.3	5 2		114	0	16	37
	353	()	1.2	80		113	0	06	39
	436	0	0.0	1.4		124	0	12	2
	257	0	i to	20		123	0	09	7
	259	0	50	10		175	0	41	10
	्र ३० हा टें द्रैक					2 40	0	29	8
•		0	0.2	7.0		239/B	Ů	22	80
	393	0	18	45		2 49	0	12	90
	.' 6 I	0	34	60		250	0	44	2.5
	खराबो	0	0.1	75		251	0	03	53
	307	0	0.1	1.5		2 52	0	12	80
	308	0	30	70		836 257	0 0	00 46	14 20
			40			257 259	0	50	10
	333	U .		50		Cart Truck	0	02	70
	3 12	0	23	7 (+		393	0	18	45
	स्याप्ति	1)	25	7.5		261	0	39	60
	\$ 11	Ō	77	6.4		Kharabo	0	01	7.5
	237	0	10	h 5		307	0	01	1.5
	346	ů.	1 1	20		308	0	30	70
	327	0	19	50		333	0	40	50
			-			332	0	23	70
	319	()	0.0	1.6		Kharabo	0	25	75
	320		27	30		331	0	77	64
		[# O-14016/133/	- /	- <u>-</u> - `		337	0	10	65
		[T O 1-1010/133/	G4-31	4, 1		326	0	32	20
S.O. 2346 —	Whereas	hy notification of the	- Gove	rnmeni		377	0	19	80
India in the	Ministry	of Petroleum S.O 3763	dated (5-11-84		319	0	00	16
nder sub-sect	ion (1)	of section 3 of the I	etroleu:	m and		320	0	7 7	30

S.O. 2346.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3763 dated 6-11-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for Taying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of westing in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances

SCHEDULE

Pipeline from Hajira-Barotly Jagdishput

District Bharuch, "	Foluka :	Ankle	shwar
Block No.	11	A	CA
; -		3	
	0	27	60
43	0	34	40
47 <u>2</u>	0	07	60
46	0	04	56
45	0	16	61
	Block No.	Block No. H	3 4°/1 0 27 43 0 34 4° 2 0 07 46 0 04

का० था० १८४७ — यत पेट्रालियम और खनिज पाइप जाइन (शृमि में उपयाग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962(1962 का 50) की धारा ३ की उपधारा (1) क अधीन भारत सरकार के पेट्रालियम मलास्य की अधिमूचना का०आ०मं० ३७६६ नीरीख 17-11-५4 द्वारा केन्द्रीय सरकार न उस अधिमूचना से सलग्न अनुसूची में जिनिद्रिष्ट भूमिया ने उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनी को खिलान के लिए अजिन करने वा अपना आणय गायिन कर विया था।

और यक्ष सक्षम प्राधिकारे न उक्त ग्रधिनियम की बारा ६ की ज्ञथारा (।) के ग्रधीन सरकार का रिपोर्ट द दी है।

और भागे, यत केर्न्यय सरकार न उक्त रिपाट पर विचार करने के पण्याम् इस मधिसूचना से सलग्न धनुसूचः में विनिदिन्ट भसियों में उपयोग का श्रीक्षकार श्रीकृत करने का विनिश्चय किया है।

श्रव श्रन उक्त भीशित्यमं की श्राम () की उपधारा() श्राम प्रदेन श्रामित का प्रयोग करते हुए केर्न्द्र सरकार एट्ट्रिश घोषित करता है कि इस अश्रिमूचना में मेंलग्न अरमूकी में वितिष्टि उक्त सीमयो से उपयोग का अश्रिम् पाइपलाएन विद्यान के प्रयोगन के लिए एन्ट्न्य राज्यित कि साम जाता है।

और प्राप्ते उस धारा की उपबारा (।) आरा प्रवत्त शक्षित्यों का प्रयास बार्ग हुए केर्ब्यूय सरवार में निहित होन के बेकाय भारतीय गैस प्रीधि-करण लिमिटेड में सभी केश्विओं से सक्त रूप में वापणा के प्रवासन की नारीख को निहित होगा।

3

0.089

0.089

0.038

0.038

0 038

0.038

0.003

0.003

0.126

5.680

[भाग II - - खाउड 3(ii)] भारत का राजस्त . जुन ।, । १९५ /ज्येष्ठा 11, 1807 3 1 47 3021/1 एच०वी ० जै ० जै म पाइपलाइन प्रोप्तेक्ट 3021/2 48. ग्रामः तिलगारा, तहसील अदनावार, जिला धार, राज्य(म०प्र०) 49 3022/1 50. 3022/2 प्रमु०%। खमरा न० उपयोग अधिकार भर्जन 51. 3023/1 का क्षीब (हैक्टर्स में) 52 3023/2 5 3. 3128/11. 11120 - 05154. 3128/22. 3191 0 - 0132896 55. 3 3190 0 - 1904 3192/1/2 कुल रकवा 0 - 2023192/1/15. 0-190 O- 14016/126/84-जीपी] [मं. 6. 3192/2 0-126 7. 3192/3 0 - 0.513189/28. S.O. 2347.—Whereas by notification of the Government 0 - 0.76of India in the Ministry of Petroleum S. O. 3766 dated 17-11-84 9. 3193/20 - 06.1under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified 10. 3195 0-126 11. 3194/1 0-159 12. 3197/1 0-038 in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline; 13. 3199/2 0-061 14. 3199/1/1 And Whereas the Competent Authority has under Sub-0-126 Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report 15 3197/20 - 063to the Government; 3194/2/1 0 - 013And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of 16. 3198 0 - 1263200 17 0-038 user in the lands specified in the schedule appended to this notification; 18. 32.01 0-076 Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the 19. 3179/10-190 20. 1185 0-190 said lands specified in the schedule appended to this notifica-tion hereby acquired for laying the pipeline; 21. 1186 0-038 22. 1190 0 - 253And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs 23. 1189 0-126 24. 3151 0-151 that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the 25. 315 1/1 0 - 151publication of this declaration in the Gas Authority of 26. 3172 0-126 India Limited, free from all encumbrances, 27. 3169 0 - 025**SCHEDULF** 28. 3170 0 - 013HBJ Gas Pipeline Project 29. 3171 0 - 18930. 3124 0-217 Village: Tilgara Tehsil Badnawar Distt, : Dhar 31. 2126 0 - 076

0-101

0-126

0.101

0.076

0.076

0 013

0.076

0.176

0.126

0.076

0.126

0 141

0 051

0.013

0.126

0.366

0.013

32.

33

34.

35.

36.

37

38.

39.

40.

42.

44.

45.

46.

3127

3116

3129

3103

3114

3115 J

3072

3039

3040

3042

3047

3048

3031

3030

3033

3034

3 1 1 1

2047

211 GI 85---8

S. St No.	irvey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	1112	0.051
2.	3191	0.013
3.	3190	0.190
4.	3192/1/2	0,202
5.	3192/1/1	0.190
6.	3192/2	0.126
7.	3192/3	0.051
8.	3189/2	0.076
9.	3193/2	0.063
10.	3195	0.126
11.	3194/1	0.159
12.	3197/1	0.038
13.	3499/2	0.063
14.	3199/1/1	0.126
15.	3197/2	0.063
16.	3194/2/1 } 3198	0.013 0.126

<u></u> -	
1 2	3
17, 32 00	0.038
18. 3201	0.076
19. 3179/1	0 190
20, 1185	0.190
21, 1186	0.030
22, 1190	0.253
23, 1189	0.126
24. 3151	0.151
25. 3152/1	0.151
26. 3172	0 126
27. 3169	0.025
28. 3170	0.013
29. 3171	0.189
30, 2124	0 2.7
31. 3126	0.076
32. 3127	0.101
33. 3116	0.126
34. 3129	0.101
35. 3130	0.076
36. 3114 }	0.076
3115 /	0. 13 5
37. 3072	0 76
38. 3039	0. 0 76
39. 3 040	0.126
40. 304 ²	0 076
41, 3047 42, 3048	0.126
43, 3031	0.141 0.051
44, 3030	0.031
45, 3033	0.1.26
46 3034)	0.266]
3233 3047	0.013
47. 3021/1	0.089
48. 302 1/2	0.089
49, 3022/1	0.038
50. 3222/2	0.038
51, 3023/1	0,038
52. 3023/2	0.038
53, 3128/1	0.003
54, 2128/2	0.003
55, 2896	0.126
	Total Area 5,680

[No. O-14016/126/84-GP]

का. था. 2348. — यतः पेट्रोलियम और खनिज गांडप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजीन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंस्रालय की प्रधिमूचना काल्याल्यं 3767 सारीखा 7-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिमूचना से संलग्न अनमूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार की पाइपलाइनों की विद्यान के लिए प्रजित करने का प्रपना भाषाय योपित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा(1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और धारे, यत. केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विधारकरने के पक्ष्मान इस अधिसूचना से संलब्त से धनस्त्री में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का ध्रिकार धर्मिन करने का चिनिष्णय किया है।

न्नब, श्रत उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केक्ट्रीय सरकार एदददारा घोलित करती है कि इस धिक्षुचना में संलग्न अनसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछान के प्रयोजन के लिए एनदहारा प्रजित किया जाता है।

और यांगे उस धारा की उपधारा(4) हारा प्रदत्त गक्षियों का प्रयाग करते हुए, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त कप में, घोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

प्रनुसूर्यी एच० बी'० जे० गैस पाइप लाइन एकिस्ट

मनु	त्रमांक	स्रासरा	नंबर	उपयोग	श्रीधकार	ग्रर्जन का संह (हेक्टर्समे)
1.	5.2					0.398
2	58					0 027
3	49					0.105
4.	51					0 021
5	50					0 099
G	38					0.157
7.	37/1					0 099
8.	37/2					0 230
9.	36					0 146
10.	35					0.105
14.	40					0 021
12.	12/2					0 219
13.	10/1					0 260
14.	11					0 099
1 5.	10/2					0.146
16	29					0 105
	———— कुल रव	— त्रभा				2.231

[मं॰ O-14016/129/84-जीपी]

S.O. 2348.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3767 dated 17-11-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Author'ty has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

HBJ Gas Pipe Line Project Village: Muhalpur Tehsil Guna Distt.: Guna

S. Survoy No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hecture
1, 52	0.398
2, 58	0.021
3, 49	0.105
4, 51	0.021
5, 50	0.099
6. 38	0.157
7. 37/1	0.099
8, 37/2	0.230
9, 36	0.146
10, 35	0.105
11. 40	0.021
12. 12/2	0.219
13, 10/1	0.260
14, 11	0.099
15, 10/2	0.146
16, 7,9	0.105
Total Area	2.231

[No. O-14016/129/84-GP]

का॰ ग्रा॰ 2349.—यतः पेट्रोलिमय और खनिज पाइलाइन (भृमि में उपयोग के प्रधिकर का ग्रर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत के पेट्रोलियम मंत्रालय की प्रधिसूचना का॰ ग्रा॰ मं॰ 3805 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय भरकार ने उस प्रधिसूचना से मंत्रान ग्रनसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकः र को पाइप लाइनो को विछाने के लिए प्रकित करने का ग्राम श्राण चोषित कर दिया था।

और यनः सक्षम प्राधिकारों ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-भारा (1) के प्रदोन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

और प्रामे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पण्यात् यस प्रश्चिम्बना से संलग्न सनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रश्चितार प्रक्रित करने का विनिश्नय किया है।

प्रम, मनः उक्न प्रधितियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्न गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा घोषित है कि इस प्रधिसूत्रता में संलग्न प्रमुखूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोभन के लिए एतदद्वारा घोषिन जिल्ला जाता है।

और प्राने उस धाराकी उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्राय सरकार निर्देण देती है। कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्राधिकार केन्द्राय सरकार में निश्चिम होने के बाजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बोधणा के प्रकाणन की घम नारोख को निहित होगा।

अनुसूची इ.सं.स. वरेली अनुबीसपुर पाईन लाईन प्रोजेहर

ह त	हतारा बरेली अनुबीसपुर पाईन लाईन प्रोमिन्ट								
ांगला	नउमील	परगना	ग्राम	गाटा म	मिया ग्∢ा क्षेद्रफल	विव <i>र्</i> ण -			
·	_ · <u>_</u>	3	4	5	6	7			
— — — कानपुर	— ~ अकबर	अकक्षर	विवाइन	1209 गि.	1-3-2				
देशन	पूर	पुर		1209 मि.	0- 6- 15				
-	-	,		1209 मि.	3-4-3				
				्मं. O ~140	16/197/84-3	ती. पी.]			

S.O. 2349.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3805 dated 17-11-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 5 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances

SCHEDULE

Hajira ; Baroilly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt,	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area Acquired	
1	2	3	4	5	6	7
	Akbar- pur	Akbar- pur	Verine	1209 min 1209 min 1209 min	1-3-2 0-6-15 3-4-3	 .

[No. O-14016/197/84-GP]

का. आ. 2350.—यतः पेट्रोलियम और खिलिअ पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपघारा (।) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का, आ. सं. 3806 नारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय मरकार ने उस अधिसूचना में मंत्राल अन्मूची में विनिधिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्यान के लिए अजित करने का अपना आश्य घोषिम कर दिया था।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संगन्त अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का विनिष्णय किया है।

अत्र, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित है कि इस अधिसूचना में मंलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट उक्त धूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदबारा अधित किया जाता है।

और आगे उन धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निवंण देनी है। कि उमन भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय गैन प्राधिकरण नि॰ में गभी बाधायों से मुक्त कप में पांपण के प्रकाशन की इस तारीख को निहिन होगा।

अनुसूची हज़ीरा बरेली जगदीशपुर गैस पाडपलाइन प्रोजेक्ट								
জিলা	तहसील	परगना	ग्राम	माहासं.	अजित धैत्रफ ल	विवरण		
1	2	3	4	5	6	7		
 कानपुर	अकबर	अकबर	विरौरा	891	0-13-0			
देहात	पुर	पुर		902	0-11-0			
`	•	Ü		90 3	() 1 ()			
				904	0-4-0			
				905	0-12-0			
				906	0- 2- 0			
				907	u- 8- 0			
				908	0-7-0			
				911	1-13-0			
				910	0-2-0			
				817	0-1-0			
				815	0-0-10			
				812	0-8-0			
				811	0-3-0			
				810	0-3-0			
				804	0-4-0			
				805	0-3-0			
				809	016-0			
				808	0-0-10)		
				912	0-11-0)		
				913	0- 2- 0)		

[सं. O-14016/198/84-जी.पी]

S.O. 2350.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3806 dated 17-11-84 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquited for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by subsection (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Limited, free from encumbrances

SCHEDULE
Hajira—Barlelly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- mark
1	2		4	5	6	7
Kanpur	Akbar-	Akbar-	Chiro-	891	0-13-0	
Dehat	pur	pur	ura	902	0-11-0	
				903	0-1-0	

1	2	3	4	5	6	7
				904	0-4-0	
				905	0-12-0	
				906	0-2-0	
				907	0-8-0	
				908	0-7-0	
				911	1-13-0	
				910	0-2-0	
				817	0-1-0	
				815	0-0-10	
				812	0-8-0	
				811	0-3-0	
				810	0-3-0	
				804	0-4-0	
				805	03-0	
				809	0-16-0	
				808	0-0-10	
				912	0-11-0	
				913	0-2-0	
				[No.	O-14016/198/8	-GP)

का. आ. 3351.--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मन्त्रालय की अधिमूचना का. आ. मं. 3731 तारीख 17-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना के संलयन अनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईमों की बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आणय पीचिन कर दिया था।

और यन सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की शारा 6 की उपवारा (1) के अधीन मरकार को रिपोर्ट वे वी हैं।

और आगे, यक केन्द्रीय सरकार ने उक्का रिपोर्ट पर विचार करने के परवात् इस अधिसूचना से संनग्न अनुसूची में विभिद्रित्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्चय किया है।

अब अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त सिक्त का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय संस्कार एतद्द्वारा यौक्ति करती है कि इस अधिसूचना में संस्कार अनुसूची में वितिबिक्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के सिए एतद्द्वारा अजित किया जाना है।

और आगे उस बारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवस लिक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्ट्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण निमिटेड में सभी बाबाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीक को निहित होगा।

अनुसूची एच. बी. जे. रीस पाईप लाईन त्रोजेक्ट

्र अन्ऋ	ख सरा नं. 1	उपयोग अधिकार
•		अर्जन काक्षैत्र (हैक्टर्स
		में)
l	1	}
1.	258	0.354
2.	248/4	0.342
3.	220	0.025
4.	170	0.051
5.	171	0.126
G.	172	0.190

1	3	3	1 2 3	
7.	169	0.025	60. 86	38
8.	175	0.039	61. 91 0.0	63
9.	177	0.051	62. 184 0.0	006
10.	178	0.038	63. 81 0.0	125
11.	179	0.405		013
12.	381/180	0 025	65. 295/1 0.0	38
13.	183	0.063	म्ल ≼ेत्र फल €	.961
14.	184	0.101		
15.	145/2	0.214	[村、O 14016/223/34	1,जी.पी.]
16.	145/3	0.164		
	144	0 152	S.O. 2351.—Whereas by notification of the G	OVERTIME.
17.	144	0.063	of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3761 date	
18.	140/1	0.190	under sub-section (1) of section 3 of the Petro	
19.	,		Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User Act, 1962 (50 of 1962), the Central Governmen	
20.	140/2	0 740	its intention to acquire the right of user in the land	ls apecifie
21.	141/1	0.076	in the schedule appended to that notification for the of laying pipeline;	te purpos
22.	135	0.038	or mying piperine,	
23.	302	0.076	And Whereas the Competent Authority has u	nder Sub
24.	303	0.304	Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted	ted repoi
25.	304	0 025	to the Government;	
26.	305/2	0,215	And further whereas the Central Government	
27.	306/2	0 038	considering the said report, decided to acquire the user in the lands specified in the schedule appendi	
28.	307	0 038	notification;	
29.	128	0.379	Now, therefore, in exercise of the power con	ferred by
30.	129	0.025	sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the	
31.	130	0.025	Government hereby declares that the right of us said lands specified in the schedule appended to this	
32.	131	0,025	tion hereby acquired for laying the pipeline;	
33.	$ \begin{array}{c} 125/1 \\ 125/2 \end{array} $ $ \begin{array}{c} 126/1 \\ 136/3 \end{array} $	0 063	And further in exercise of power conferred section (4) of that section, the Central Governmentation that the right of user in he said lands shall investing in Central Government vests on this day	ent direct natead of te of the
	1.26/2 5		publication of this declaration in the Gas Auti India Limited, free from encumbrances.	nority of
35.	1.37	0.051	SCHEDULE	
36.	1 9	0.038		
37.	37	0.051	HBJ Gas Pipe Line Project	
38.	29	0,210	Village : Titirada Tehsil : Badnawar Distt. :	Dhar
39.	32	0.051	S. Suggest No.	
40.	39	0.089	S. Survey No. Area to No. Acquire	
41.	38	0.076	R.O.U. ir	
42.	37	0.025	. 250	0.264
43.	36	0.152	1. 258 2. 248/4	0.354
44.	41	0.089	3, 220	0.342
15.	42	0.025	4, 170	0.051
46.	43	0.038	5. 171	0.126
17.	44	0,089	6. 172	0.190
18.	4.5	0.089	7. 169	0.025
49.	46	0.038	8. 175	0.089
50.	50	0.126	9. 177 10. 178	0.051 0.038
51.	51	0.164	11. 179	0.005
53.	79	0 076	12. 381/180	0 025
53.	49	0.038	13, 183	0.063
54.	80	0 101	14 184	0.101
55	384/81	0.037	15. 145/2	0 214
	81	0.151	16. 145/3 17. 144	0.164 0.15 2
56.	81	0.13	18 146	0.132
57-		0, 0 13	19. 140/t	0.190
58.	84		20. 140/2	0 240
59.	48,5	0.632		

1 2	3		और आगे, यस : केन्द्रीय
21 1410	0.076	पण्याः	ाइस अधिसूचना गे सं ध
21. 141/1 22. 135	0.078	का अ	धिकार अर्जित करने व
23. 302	0.076	34	य अनः उभन अधिनिय
24. 303	0 304		गक्ति का प्रयोग कर
25. 304	0 025		है कि इस अधिसूचना
26. 305/2	0.215		हाक का अधिकार पा द प
27 306/2	0 038		
8. 307	0.038		किया जाता है,
9. 128	0.379		र आके उस धारा क
30, 129	0 025	प्रयोग	करते हुए केन्द्रीय सरन
11. 130	0.025	प्राधिक	एग लिमिटे ड में म भी
32, 131	0.025	मः। इस	ातारीख को निहित
33. 125/1	0.051		•
14. 126/1 7	0.063		एच. बी.
126/2	4.4.0		
35. 127	0 051	ग्राम अल	मिया खेडी नहसीस पेटल
6 19	0.038	अन ऋ	. लम्रान.
37. 37	0.051		•
38. 29	0.240		
39. 32	0.063		
IO 39	0 089	1	2
1. 38	0 076		
12. 37 13. 36	0.025 0.152	1	294
3, 30 4, 41	0 089	2.	298
15. 42	0.025	3	429
6. 43	0 038	4	299
17. 44	0.089	5.	426
18. 45	0.089	6	3 01
19. 46	0.038	7]	307
0. 50	0 126	•	•
1. 51	0.164	8	1 38
52. 78	0 076	9	140
33. 49	0 038	10	308
54. 80	0.101	11	163
55. 384/8 <u>1</u>	0.037	12	161
56. 8 2 57 83	0.151	13.	164
58. 84	0 013	14	166
59. 48/5	0.013 0.632	15	168
60. 86	0.032	16.	
1. 91	0 063		154
52. 182	0.006	1 7.	383
. j. , 81	0 025	13	117
4 85	0.013	1.0	118
5. 295/1	0 038	20	131
		21	133
Total Area	6 973	22	137
	 	23	139
No. O	14016/223/34-GP]	24	309
£107 O	0/447/04-QI]		
		25	384
क्षा था ३३५७ यस वेट्रोलियम और स्निक	र पार्कप उनके (०५५	26	383
ा उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 19	ा नाक्षा लाइन (भूम २० (२००३ च्य	27	385
ं कर्मार के भाजाबार का जाना आदित्यम, 190 है/ MITT के ही स्वयंत्र (1) के कर्म	24 (1962 6 150)	28	456/1
ही धारा उक्ते उपधारा (1) के अर्थान भारत	सरकार कं पंद्रानियम	29	454/1
त्स्क्षांचिको अधिमूचनाका, आ., स. उ 73 :	। तार ाजा 17-11-84	30	454/3
ारा केन्द्रीय सरकार न उस अधिमूबना स संलग्न	अनुसूनों में विनिष्टि	3;	450/1
। मि ।ों के उपयोग के अधिकार को पाइप ल-इनो को बिट	हते के निष् अक्ति।	32	451/2
	-		1

हरने का अपना अवस्य घीषित कर दिया था।

उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

জাং নল: सक्षम प्राधिकारी ने उपन अधिनियम की बारा 6 की

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित लरने का विनिश्चय किया है.

अय अन : उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (।) हारा प्रवक्त गरिक का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्थार एतद्ह्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संख्यन अनुसूची में विनिर्देष्ट उक्त मूर्मियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्हारा अजित किया जाता है.

और आगे जम धारा की उपधारा (1) ब्राग प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केल्द्रीय सरकार में निहित्त होने के बजाय मारतीय ग्रैस प्राधिकरण लिमिटेड में भभी काधीओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नार्रेख को निहित्त होगा:

अनुसूची एच. बी. जे. ग्रैस पाईप लाईन प्रोजैक्ट इसीस पेटलावद फिला झाबुआ राज्य (सन्य प्रदेश)

সন্স _ং	. लाम्रान.	उप ^र ोग अ धिका र
-	•	अर्जम का क्षेत्र
		(हैक्टर्स में)
1	2	
I	294	0.235
2.	298	0.056
3	429	0.170
4	299	0.136
5.	426	0.154
6	3 01	0.267
7]	3 0 7	0.316
8	1 38	0 162
9	140	0.142
10	308	0.202
1 1	1 63	0.210
12	161	0 140
13.	162	0 125
14	166	0.243
15	168	0.040
16.	154	0.364
17.	383	0.101
13	1 1 7	0.020
19	118	0.101
20	131	0 251
21	133	0.040
22	137	0.016
23	139	0.024
24	309	0 024
25	384	0 202
26	383	0.105
27	385	0 243
28	456/1	0 203
29	454/1	0 101
30	454/3	0.016
3;	450/1	0 134
32	451/2	0,036
33	441	0.008
3.4	442	0.324
35	439	0 214
36	438	0.073

1	2	Э			SCHEDULF
				HBJ GAS I	PIPE LINE PROJECT
37	425	0.129			
38	496	0 016	Villag.	: Alasya Khedi	Tehsil : Petiawad Distt. : Zabu
39	154/2	0.061			
40	456/2	0.016	<u> </u>		
41	499/1	0 364	SI No	Survey No.	Area to bo
42	451/1	Q. 105	No.		Acquired for R.O.U. in
43	132	0.049			Hectare
44	1 41	0 016		~_ ~	
45	153	0.015	1	2	3
46	167	0.016	1.	294	0.235
47	292	0 142	2.	298	0.056
48	296	0 040	3.	4 ⁷ 9	0.170
49.	378	0 040	4, 5.	299 426	0.136 0.154
50.	381	0.016	6.	301	0.154
51.	430	0,081	7.	307	0,316
52	4 l	0,020	8.	138	0.162
53.	434	0,181	9,	140	0 142
54	443	0.039	10	308	0.202
55.	447	0.061	11. 12.	163 161	0 210 0 149
56.	448	0,040	12.	162	0 125
57.	452	0.032	14.	166	0 243
58.	165	0.032	15.	168	0.040
59	120	0,016	16.	154	0.364
60.	453	0,040	17.	383 117	0.101
61.	455	0.016	18. 19.	118	0.020 0.101
62.	437	0.016	20.	131	0.251
63.	119	0.243	21.	133	0.040
64.	446	0.016	22.	137	0.016
			23.	139	0.240
	योग कुल क्षेत्रफल	7.078	24. 25.	309 384	0.024 0.202
	[# O		26.	382	0.405
	(,)	14016 225 84- जी प [.] .]	26. 27.	382 385	0.105 0.243
		14016 225 84- जी प ^न .]	27. 28.		0.105 0.243 0.207
), 2352 —Whereas by not	ification of the Government	27. 28. 29	385 456/1 454/1	0.243 0.207 0.101
of Ind), 2352—Whereas by not dia in the Ministry of Petrol	ification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84	27. 28. 29 30.	385 456/1 454/1 454/3	0.243 0.207 0.101 0.016
of Ind under). 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section	diffication of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and	27. 28. 29 30. 31.	385 456/1 454/1 454/3 450/1	0.243 0.207 0.101 0.016 0.134
of Indunder Miner Act,	2352 —Whereas by not drain the Ministry of Petrol sub-section (1) of section als Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared	27. 28. 29 30. 31. 32.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2	0.243 0.207 0.101 0.016 0.134 0.036
of Indunder Miner Act, its int	o. 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section less Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Gention to acquire the right	dification of the Government eum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified	27. 28. 29 30. 31.	385 456/1 454/1 454/3 450/1	0.243 0.207 0.101 0.016 0.134
of Indunder Miner Act, its int	o. 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section less Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Gention to acquire the right	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439	0.243 0.207 0.101 0.016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214
of Indunder Miner Act, its int in the of lay	o) 2352 —Whereus by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections is Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline;	ification of the Government eum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438	0.243 0.207 0.101 0.016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073
of Indunder Miner Act, its int in the of lay	of 2352—Whereas by not that in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections are pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline;	ification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Dentral Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 42.5	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129
of Indunder Miner Act, its int in the of lay An Section	of 2352—Whereas by not that in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections are pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline;	ification of the Government eum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 42.5 4.96	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016
of Indunder Miner Act, its int in the of lay An Section	o. 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right eschedule appended to the ping pipeline; and whereas the Competen on (1) of Section 6 of the	ification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Dentral Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 42.5	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061
of Indunder Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th	o. 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent (1) of Section 6 of the Government;	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Dentral Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsensid Act, submitted report	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016
of Indunder Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th	o. 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right eschedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competen on (1) of Section 6 of the Government;	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose t Authority has under Subsensial Act, submitted report	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1	0.243 0.207 0.101 0.016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.016 0.364 0.105
of Indunder Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th	o. 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right eschedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competen on (1) of Section 6 of the Government;	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Dentral Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsensid Act, submitted report	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132	0.243 0.207 0.101 0.016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049
of Indunder Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th	o) 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section 1962 (50 of 1962), the cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; and further whereas the Codering the said report, de in the lands specified in the	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose t Authority has under Subsensial Act, submitted report	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 42.5 4.6 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016
of Indunder Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An considurer notific	o. 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right eschedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent (1) of Section 6 of the Government; and further whereas the Codering the said report, de in the lands specified in to tion;	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Dentral Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsended Act, submitted report entral Government has, aftereded to acquire the right of the schedule appended to this	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 42.5 4.7 4.9 456/2 499/1 451/1 132 141 153	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016
of Incunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An cons'c user notific	o). 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; and further whereas the Cedering the said report, de in the lands specified in the tion; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section of the Section (1) of the Section (2)	dification of the Government eum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsectional Government has, after cided to acquire the right of the schedule appended to this of the power conferred by 6 of the said Act, the Central	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 42.5 4.6 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016
of Incunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An consi cuser notifi No sub-sc Gove	o). 2352—Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended 40 the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; defining the said report, defining the lands specified in the tion; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section erroment hereby declares the contraction of the section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section	dification of the Government eum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsectional Covernment has, after cided to acquire the right of the schedule appended to this of the said Act, the Central has the right of user in the	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141 153 167	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016
of Indunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An consic user notific No sub-sc Gove said	o). 2352—Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended 40 the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; defining the said report, defining the lands specified in the tion; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section erroment hereby declares the contraction of the section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section erroment hereby declares the sub-section (1) of the Section	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose to Authority has under Subsectional Covernment has, after cided to acquire the right of the schedule appended to this of the power conferred by 6 of the said Act, the Central hat the right of user in the dule appended to this notifica-	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141 153 167 292	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016 0.045 0.016
of Indunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An consic user notific No sub-sc Gove said	o) 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; defurther whereas the Codering the said report, defin the lands specified in the tion; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section extrement hereby declares the lands specified in the schedule.	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose to Authority has under Subsectional Covernment has, after cided to acquire the right of the schedule appended to this of the power conferred by 6 of the said Act, the Central hat the right of user in the dule appended to this notifica-	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141 153 167 297 296 378 381	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016 0.045 0.045 0.016 0.045 0.040 0.040 0.040
of Indunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An considurer notific No sub-se Gove said it tion	o) 2352—Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; and further whereas the Codering the said report, de in the lands specified in the tion; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section is trument hereby declares the lands specified in the schedule acquired for lay in the section of the section acquired for lay in the sect	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsectional Government has, afterested to acquire the right of the schedule appended to this of the said Act, the Central hat the right of user in the dule appended to this notification; the pipeline;	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141 153 167 297 296 378 381 430	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.142 0.040 0.040 0.040 0.016
of Indunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An considurer notific No sub-section Gove said then An An Considurer No Sub-section An A	o). 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of section 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; and further whereas the Cedering the said report, de in the lands specified in the tion; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section (2) of the Section (3) of the Section (4) of the Section (5) and further in exercise of the furth	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsectional Government has, afteresided to acquire the right of the schedule appended to this of the said Act, the Central hat the right of user in the dule appended to this notification; the pipeline;	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141 153 167 297 296 378 381 430 431	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.142 0.040 0.040 0.040 0.016 0.081 0.020
of Indunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Sectio to th An consic user notific No sub-sectio fion An sectio tion	o) 2352 —Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; and further whereas the Codering the said report, defin the lands specified in the tion; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section (1) of the Section (1) and the specified in the schement hereby declares the code of the specified in the scheme of the specified in the scheme of (4) of that section, the right of user in the	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Dentral Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose that Authority has under Subsectional Covernment has, aftereded to acquire the right of the schedule appended to this of the said Act, the Central has the right of user in the dule appended to this notification; the pipeline; The power conferred by subsectional Government directs and lands shall instead of	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141 153 167 297 296 378 381 430 431 434	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.045 0.040 0.040 0.040 0.040 0.040 0.040
of Indunder Miner Miner Act, its int in the of lay An Section to th An considuration No sub-se Gove said Ition Arr section that	o) 2352—Whereas by not dia in the Ministry of Petrol sub-section (1) of sections Pipeline (Acquisition 1962 (50 of 1962), the Cention to acquire the right e schedule appended to the ring pipeline; and whereas the Competent on (1) of Section 6 of the Government; and further whereas the Codering the said report, defin the lands specified in the cition; ow, therefore, in exercise ection (1) of the Section entertains the specified in the lands specified in the cition; on the section of the section of the section (4) of that section, the right of user in the gift of central Government.	dification of the Government cum S.O. 3733 dated 17-11-84 on 3 of the Petroleum and of Right of User in Land) Central Government declared of user in the lands specified at notification for the purpose of the Authority has under Subsectional Covernment has, after cided to acquire the right of the schedule appended to this of the power conferred by 6 of the said Act, the Central hat the right of user in the dule appended to this notification the pipeline;	27. 28. 29 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52.	385 456/1 454/1 454/3 450/1 451/2 441 442 439 438 47.5 496 454/2 456/2 499/1 451/1 132 141 153 167 297 296 378 381 430 431	0.243 0 207 0 101 0 016 0.134 0.036 0.008 0.324 0.214 0.073 0.129 0.016 0.061 0.016 0.364 0.105 0.049 0.016 0.045 0.016 0.045 0.016 0.142 0.040 0.040 0.040 0.016 0.081 0.020

1	2	3
56.	448	0.040
57.	452	0.032
58.	165	0.032
59.	120	0.016
60.	453	0.040
61	455	0,016
62.	437	0,016
63.	119	0.243
64.	446	0.016
	TOTAL AREA	7.078

[No. O-14016/225,84-G.P.]

का० आ० 2353 यन पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाहन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की अधारा 3 की उपयोग (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिभूचना का०आ०सं० 3907 तारीख 31-11-44 ज्ञार केन्द्रीय सरकार ने उप अधिमूचना ने सल्यन अनसूर्वा में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिवार को पाइप लाइनों की खिळाने के लिए अधित करने का जाना आर्थाय पोषिष कर दिशा था।

और यत: सक्षम अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपघारा (1) के अधीन सरकार को रिपार्ट दें दी है।

और आगे, यन केन्द्रीण माक्तर ने उथन रिपार्ट पर विचार करने के परचात् इस अधिसूचना में सलग्न अनसूची में यिनिरिट्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अति। करने का विनिण्यय किया है।

अब अत. उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करनी है कि इस अधिसूचना में सलग्न अनुसूर्ता में विनिदिष्ट उक्त धूमियों थे उपयोग का अधिकार पहल लाईन विधाने के प्रयोजन के लिए, एतद्द्वारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त शक्तियों की प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण निमिटेड में सभी वाधाओं से मृत्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीय को निहित होगा।

अनुमूचीः एच०बी०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम: पाइल घाटी तह्मील: भावुक्षा जिला: मानुका राज्य: (मध्य प्रदेश)

अनु॰ खसरानं० क॰		उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	2	3
1.	123	0.568
2.	163	0.208
3.	167	0,320
4.	114	0.360
5.	116	0,240
6.	1 2 4/1	0 336
7.	119	0 008
8.	127	0.132
9.	115	0,405
10	41	1.240
11.	39	1 200
12	40	0.080

1	3	3
13	8.2	0,240
14	49	0 280
15.	117	0.008
16.	4.3	0.008
17.	118	0.040
18	113	0,036
19	109	0.140
20	1 ५ ७मी ०	0.405
21	136	0,020
22	99	0.120
23.	83 मीं॰	1 800
24.	126	0.096
	कुल योगः	8 290

[स॰ O-11016/245/84---जीपी]

S.O. 2353.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3907 dated 24-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

SCHEDULE HBI GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Padal Ghati Tehsil : Zabua Distt. : Zabua state : Madhya Pradesh

S No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	123	0.568
2.	163	0,208
3.	167	0.320
4.	114	0.360
5,	116	0.240
6.	124/1	0 336
7.	119	0 008
8.	127	0,132
9.	115	0.450

1	2	3	1	я	3
10,	41	1.240	6.	46	0.230
11.	39	1.200	7	45	0.110
12.	40	0.080		37	0.100
13.	82	0,240	8.		
14.	88	0.280	9	38	0.008
15.	117	0.008	10-	78	0.220
16.	43	0.008	11.	7 9	0,420
17.	118	0,040	12.	84	0.032
18.	113	0.036	13.	32	0.005
19,	109	0,140			
20.	157 M.	0.405	14.	47	0.085
21.	136	0.020	15.	39	0.032
22.	89	0.120	16.	76	0.006
23.	83 M.	1.800	17.	44	0.010
24.	126	0.096	18	77	0.072
<u> </u>		0.000	19	30	0.008
	TOTAL ARFA	8.290	20	1.5	0,020
		[No. O-14016/245/84-GP]		~~~;~~~~ <u>~</u> ~~~~~~	
				यांग कुल क्षेत्रफल	2.218

[मं॰ O-14016/276/84-जी पी]

का०आ० 2354. - यत. पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की आरा २ की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का०आ०गं० 393२ तारीख 21-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों का विलान के लिए अजित करने अर अपना आगर वाजित कर दिया था।

और यन: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उनवारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय भरकार ने उतन निर्मार्ट पर विचार करने के पश्चान् इस अधिमूचना से सलग्न अतम्त्री में विनिर्दिष्ट भमियों में उनयोग क' अधिकार अजित करने के विनिश्वय किया है।

अप अन उक्त अधिनियन में गर कि स्थाप (1) द्वारा प्रदत्त मिलत्यों का प्रयोग करते क्षुण केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा धौषित करती है कि इस अधियूचना में संलग्न अवसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाहरकार कि हो के प्रयोगन के लिए एनद्वारा अजिन किया जाना है।

श्रीर अग्ने उस धारा र्कः। उपधारा (4) झारा प्रदत्त मिक्तिमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निक्रिय होते के अभाय भारतीय गैस प्राधिकरण विभिटेड मे सभी बाबाओं ने मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निष्ठित होगा।

ण्च०बी०जे० गैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट ग्राम---डाबडी नहसीच---पेटलावय जिला~--प्रायुक्ष राज्य---मध्य प्रदेश

अनुष्कः स्वयम्य मेष		उपमोग अधिकार । काक्षेत्र (हैक्टर्स	
1	2	. 3	
1. 49)	0.080	
2 48	3	0.220	
3. 36	3	0 440	
4 34	L	0 110	
5 3 9	i	0.010	

S.O. 2354.—Whereas by notification of the Government of India in the Mnistry of Petroleum S.O. 3933 dated 24-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act. the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government d'rects that the tight of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Dabadi Tehsil : Petlawad Distt. : Zabua
SCHEDULE

S No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1	2	3
1.	49	0.080
2.	48	0 220
3.	36	0.440
4.	34	0.110
5.	33	0.010
6.	46	0.230
7.	45	0.110

1	2	3	1 2		3
8.	37	0.100	9 14		0 470
9.	38	0.008	10 15/1		0.290
10.	78	0.220	11 15/2		0.330
11.	79	0.430	,		
J2.	84	0.032	1 2. t		0 150
1.3	32	0.005	13 4		0.013
14.	47	0 085	14. 46/1		0 101
15.	39	0.037	15 41		0.025
16	76	0.006			
17.	44	0.010	युर	भ गोगक्षेक्षफल	3.911
18.	7 7	0.072	 	<u>'</u>	
19,	30	0.008		[[मं O -14016/292/84- जो ०पी०]
20.	15	0.020			
~~~~-	TOTAL AREA	2.218			otification of the Government Petroleum S.O. 3939 dated

[No. O-14016/276/84-G.P.]

का०आ० 2355:— यतः पेट्रोलियस और खितित पाइप लाहत (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधितियम, 1962 (1962 का 50) को धारा उ की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का०आ०सं० 3939 नारीख 24-11-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट मिसमों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाहनों को विछाने के लिए उर्जन करने का अपना आपाय घोषत कर दिया था।

और यत. मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संत्रान अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिष्धिय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्ष शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत्रद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिपूचना में संलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्रद्द्वारा अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एत्रद्द्वारा अधिका का लाहा है।

और आगे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण निमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित्र होगा।

एच०की०जे० गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट ग्राम-पमाना नतमील-अदनाजर जिला-धार राज्य-मध्य प्रदेश

अनु०	खमरा न०	उपयोग अधिकार अजंन
第0		क्षा क्षेत्र (हैक्टर्स मे)
1	2	3
1	99	0 070
2	4 4	0 385
3	45	0,325
4	4.3	0.140
5-	49	0.013
6.	5	0 150
7.	7	0.160
8.	3	0.289

S.O. 2355.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3939 dated 24-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said  $\Lambda$ ct, submitted report to the Government..

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this potification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Centual Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the fight of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

HBJ Gas Pipo Line Project Village—Dhamana Tehsil—Badnawar Distt. Dhar

SCHEDULE Survey No. S No. Area to be acquired for R.O.U. in hectare 0.070 1 44 0.385 0.3753, 45 0 140 4. 43 0.013 49 5. 6. 5 0 150 7 0 160 7 3 0.289 Х 9. 14 0.470 0.290 10. 15/1 0.330 15/211. 12. 1 0.1504 0.0130.101 14. 46/1 41 0.025 15. 911. י Total sica [No O 14016 232/81-G P.]

रा था १३०६ — यत प्रांतियम और खातिन पाइनताइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अजत। श्रावित्यन १७६८ (१९५८ त. ५)) के आरा . क उपयोग (१) के अधन भरत सरकार के पढ़ार्तियम मन्त्र त्य के अधिग्ता का आ स १९४० तारीख ...4-11-81 द्वारों वेन्द्रीय मरकार न उम अधिम्ता में मलप्त अनुभा में विनिर्दिष्ट भूमिया के उपयोग के अधिकार की पाइप लोहनों का बिछान के लिए अजित करन का अपना आग्राय पावित कर विया था।

भ्रार प्रत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त श्रिधिनियम का धारा ७ का उप-धारा (1) ये श्रिधान सरकार का रिपार्ट दे ही है।

भीर आग यत कन्द्रीय परकार ने उस्त रियोट पर विचार गरन क पञ्चान इस भ्रक्षिपूचना से सलग्न प्रासूची में विविधिष्ट शासयों में उपनार का श्रीकार भ्रीपन करन का विनिध्चय किया है।

यब प्रत उक्त प्रधिनियम को धारा 6 रा उपधारा (1) धार्म प्रदस्त सिना का प्रयोग करने हुए कन्द्रीय सरकार एनद्द्रीरा घोषित करती है ति इत प्रशित् में भारा 15 रा में बिनिदेश्य उस्त भूनिस उपयोग का प्रधिकार गाइप लाईन विकास के यथात्रक के निये एनद्वार प्रजित किया जाता है।

आर धार्गे रूम प्रारा का उपधारा (4) ढारा प्रदत्स शक्तिया रा प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निश्ति द्वार में बेर्ग असरतेय गम प्राधिकरण लिमिटड से सभी बाबाध्या से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख का निहित्त होगा।

### *प्रनृ* सुषी

एच वा ने गानाईर नाईन प्रोनेश्ट

ग्राम बराड तष्ट्रमील झास्क्या जिला- झासुक्या राज्य (मध्य प्रदेश)

मन <u>ू</u>	श्र श्र खसरान 1 उपयोग श्रधिकार ग्रर्जन का क्षेत्र (त्रेक्टर्पं म)
1	वन विभाग 0 321
	थाग - कुल क्षेत्रफान 0 324
	[स O-13016/283/84-जी फ]

of India in the Ministry of Petroleum SO 3940 dated 24 11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification to purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd fice from all encumbrances

#### SCHEDULE

#### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Barod	Tehall	Zibua	Distt Zibua
S Survey No		<del></del>	Area to be acquired for ROU (in Hecture)
1 Forest Deptt			0 324
TOTAL AREA			0 321
		[No O—	14016/283/84 G P]

का या 2357—यत पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि से उपयोग व प्रक्षित्रार का अर्जन) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोतियम मलालय की अधिमूचना का था प 3913 तारीज 24-11-84 बारा कंन्द्रीय सरकार न उस प्रधिसूचना से सत्रा प्रतृपूत्री में विनिद्धित्र मुमियों के अधिकार की पाइप लाइना का जिज्ञ के लिए प्रजित करने का अपना अन्याय धावित कर दिया था

भ्रांग्यत सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनिशन की बाग 6 की उन-धारा (1) के प्रधीन सरकार का रिपोर्ट देवी हैं,

ग्रार आगे यन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने क पक्तात् इस श्रिधिस्चना से सलग्न भनसूची मे विनिविष्ट भूमियों मे उपयोग का श्रिकार भन्तित करने का विनिश्चय किया है।

श्रव प्रत उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (!) ढारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक्द्र्यान घोषित करती है कि इस प्रधिमूचना से सलग्न प्रनुसूची से जिनिर्दिष्ट उक्त भूमियो से उप— योग का प्रधिकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्यारा प्रजित किया जाता है।

भीर भागे उस धारा क उपधारा (4) हास प्रवत्न गक्तियो का प्रयोग करते हुए वन्द्रीय सरकार मं निहिन हाने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरंश लिमिटेड में सभी बाधान्या सं मृत्त रूप मं घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची

एच की जे गैम पाइप लाइन प्रोप्नेक्ट

ग्राम करवेड तहसील पेटलायद जिता झानुग्रा राज्य (मध्र प्रदेश)

प्रनुक	खसरा न	उपयाग प्रधिकार धर्जन का क्षेत्र (हैक्टर्स मे)					
1	2	3					
1	29	0 340					
2	34	0 146					
ķ	47	0 761					
4	49	0 081					
5	4.8	0 004					
4	32	0 008					
7	33	0 012					

[सं O-14016/286/84-जी पी]

S.O. 2357.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3943 dated 24-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (30 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying nipeline

THE GAZETTE OF INDIA: JUNE 1, 1985/JYAISTHA 11, 1907

tion for purpose of laying pipeline

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec.ded to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Sect on 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this data of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

#### HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Brabet Tohsil: Petlawad Distt. : Zabua **SCHEDULE** SĪ Survey No. Area to be No. Acquired for R.O.U. Hectare) 1 2 3 29 1. 0.3402. 34 0.146 3. 47 0.761 4 49 0.0815. 48 0.004 32 6. 0.008 7. 33 0 012 Total Aica 1.352

[No. O-14016-286/84-GP]

का. बा. 2358---- यतः पेट्रोलियम बौरखनिज पाइप लाइन (भृमि मे उपयोग के भाधिकार का श्रर्जन श्रष्ठिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भर्धान भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की प्रधिसूचना का. था. सं. 4062 तारीख 1.12.84 द्वारा केम्ब्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संसम्न ब्रनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के मधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये प्रजित करने का अपना भागय चौपित कर दिया था;

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भिविनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के घंधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

**ग्रीर ग्रागेयतः** केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चातु इस प्रक्षिसूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियो में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का विनिश्चय किया है;

भ्रम, मतः उक्त भिधनियम की धारा 6 की उपधारा (1) प्रदस्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा धोषित है कि इस धिम्लुवना में संलग्न धनुसूवी में तिनिर्दिष्ट उनन भूमियों में उप-योग का ग्रधिकार पाइप लाइम बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्धारा धाजित किया जाता है;

बीर पाने उस धारा की उत्पार । द्वारा प्रदत्त गिन्दां प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियो में जपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाग्रों हे मुक्त रुप में घाषणा के प्रकाणन की इस तारीख मै निहित होगा।

हाजिरा- बरेली - जगदीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

	हाजिर	ा चरेली	— जगदा	शपुर प	ाइप	लाइन प्रोजेक्ट
जिला	तहसील	परगना	ग्राम का नाम	भोडा	- स.	नियागया रक्तवा
1	2	3	4	<del>-</del> -		6
 उन्नाव	पुरवा	मीरावी	 जम्बूपुर	212		0-12-0
	J			233		1 <b>1-0</b>
				366		0 2-8
				364		0-1-4
				167		- > I ()
				369		1-4-5
				370		() 3- ()
				37	2	0-3-0
				392		1-14-10
				393	3	0-5-10
				394		0-1-0
				388		0-0-5
				387		0-0-5
				389		0-1-4
				395		0-3-0
				396		0-3-12
				386		0-3-10
				397	,	0-4-15
				398		0-5-10
				383		0-2-8
				384		0-4-15
				399		0-3-8
				400		0~ 3~0
				401		0-2-10
				402	i	080 013-10
				411 407		0-13-10 0-7-4
				407		()3()
				409		0-8-5
				445		00-0
				725		0~4-10
				726		0-1-5
				727	,	0-7-5
				728		1-6-0
				737		0-0-15
				738		0-2-5
				739	,	1-4-0
				74.0		0-0-15
				747		0-2-10
				410	•	0-1-0-1
				368	3	0-0-5
				378		0-0-5
				412		0-0-10
				735		0-2-0
	*-			г		1 (0) (1 0) (0) (1 <del>1</del> <del>2</del> <del>2</del>

[ स॰ O-14016/300/84-जी पी]

5.0. 2336.—Whereas by normation of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4002 dated 1-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the light of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Sect on 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the rublication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

SCHEDULE
Hajira-Barielly-Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- marks
1	2	3	4	5	٠ 6	7
Unnao	Purva	Mara-	Ja _m -	212	012-0	
		van	burpu	r 233	1-1-0	
				366	0-2-8	
				364	0-1-4	
				367	1-8-10	
				369	1-4-5	
				370	0-3-0	
				372	0-3-0	
				392	1~14-10	
				393	0-5-10	
				394	0-1-0	
				388	0-0-5	
				387	0-0-5	
				389	0-1-4	
				395	0-3-0	
				396	0-3-12	
				386	0-3-10	
				39 <b>7</b>	0-4-15	
				398	0-5-10	
				383	0-2-8	
				384	0-4-15	
				399	0-3-8	
				400	0-3-0	
				401	0-2-10	
				402	0-8-0	
				411	0-13-10	
				407	0-7-4	
				408	0-3-0	
				409	0-8-5	
				445	0-6-0	
				725	0-4-10	
				726	0-1-5	
				727		
					·/-   J	

1	2	3	4	5	6	7
			_	728	1-6-0	
				727	0-0-15	
				738	0-2-5	
				739	1-4-0	
				740	0-0-15	
				747	0-2-10	
				410	1-0-10	
				368	0-0-5	
				378	0-0-5	
				412	0-0-10	
				735	020	

(No. O-14016/300/84-GP)

का. या 2559.—यत. पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइप लाइन (मूमि में उपयोग के प्रधिकार का ग्रर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) के धारा 3 क उपधारा (1) के प्रधान भारत सरकार के पेट्रोलियम मलालय के प्रधिसूचना का. भा. ग० ±073 तारंख 1.12.84 द्वारा केन्द्रंय सरकार ने उस अधिसूचना से मलग्न श्रनुतूर्व में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के ग्रंडिकार को पाइन लाइनों को बिछाने के लिये ग्रंजिन करने का ग्रापमा ग्राणय घोषिन कर दिया था;

ग्रीर यत. सक्षम प्राधिकार ने उक्त प्रधिनियम कं धारा 6 कं उपधारा (1) के ग्रार्धन सरकार को रिपोर्ट देवें है।

श्रीर श्रागे यतः केण्द्रेय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रिधिसूचना से सलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का श्रिधकार श्रीजत करने का विनिश्चय किया है;

मन, मतः उक्त मिमिनियम के धारा 6 के उपधारा (1) दारा प्रदल्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस मिम्नूचना में सलग्न अनुभूति में विनिर्दिष्ट उक्त मूमियों में उपयोग का मिमिन पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा मिजत किया जाता है;

भौर मागे उस धारा क उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त सक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेर्तः है कि उक्त भूभियों मे उपयोग का प्रक्षिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सर्भ बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन के इस तारीख को निहित होगा;

मनुसूची हाजिरा-बरेल -जनव शपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहसील	परगना	प्राम	लिया गया	रकवा	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
 उम्नाव	पुरवा	मौरावा	रसूलपुर	53/1	1-11-1	5
				54	0– 7⊶	4
				59	0-10-	8
				60	0-3-	0
				61	u- 3- 1	2
				6.2	0 7	O
				64	0- 4- 1	0
				120	0- 1 4 <b>-</b>	0
				122	0- 9- 1	2
				123	0-8-	8
				127	0-18-	s
				131	n 14	(r
				135	0- 7-	0

1	2	3	1	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
<del></del>				136	(J= 10- °	1					123	0-8-8	
				140/2	2- 6- 15						127	8–91–0	
				141	0 9 4						131	0-14-0	
					0- 1- 15						135	0 -7-0	
				290							136	0~10-9	
				2 " 2	0- 1- 18						140/2	2-6-15	
				293	0-15-0						141	0-9-4	
				294	0 7 0						290	(1-1-15	
				295	0 8 6						292	0-1-18	
				296	0-2-14						<b>2</b> 93	0-15-0	
											291	0-7-0	
				299	0- 13- 16						<b>2</b> 95	n_86	
				305	0-1-0						<b>2</b> 96	0-2-14	
				306	0-3-12						<b>2</b> 99	0-13-16	
				369	0-2-10						305	0-1-0	
				370	0-3-10						306	0-3-12	
				371	0- 5- 10						369	0-2-10	
											370	0-3-10	
				373	0- I- 12						371	0-5-10	
				372	ئى5ئ						373	0-1-12	
				374	0 2- 0						37 <b>2</b>	0 -5-3	
				375	0-17-10						374	0-2-0	
				143	0-2-10						375	0-17-10	
					0-0-10						143	0-2-10	
				63	0-0-10						63	0-0-10	

[म. O-14016/301/84-ज ॰प ॰]

S.O. 2359.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4073 dated 1-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Sect on 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe | Line Project

Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area Acquired	Rc- mark
1		3	4	5	6	7
Unnao	Purwa	Mau- ranva	Rasul- pur	53/I 54 59 60 61 62 64 120 122	1-11-15 0-7-4 0-10-8 0-3-0 0-3-12 0-7-0 0-4-10 0-1-4-0 0-9-12	

[No O-14016/301/84-GP]

का. मा. ^360—यन. पेट्रोलियम प्रांत खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) क धारा 3 क उपधारा (1) के प्रधान भारत सरकार के पेट्रोलियम मलालय क अधिनूषना का. घा स 4772 तार ख 24-11-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने प्रधिनूषना में सलग्न प्रनुसूष। में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए प्रजिस करने का प्रधना माशय घोषित कर विया था!

चौर यतः मधान प्राधिकारं ने उक्त प्रधिनियम क धारा 6 के उपधार (1) के अधीन सरकार का रिवोर्ट दे द ह ।

और अभि या कंट्ब्रीय सरकार ने उन्त रिपोर्ट पर विचार करने के परचात इस अधिसूचना से सलग्न प्रमुक्ती में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिध्चय किया है।

श्रव, अतः उक्त श्रिक्षित्यमं क द्यारा 6 कः उपद्यारा (1) द्वारा पास्त गक्ति का प्रयोगकरते हुए केन्द्रीत सरकार एतद्द्वारा घोषित करती हैं कि इस श्रिष्ट्रियनों से संजग्न अनुसूची में विनिद्धित्य उक्त भूमियों में उप-योग का श्रीयकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लियं एनद्द्वारा श्राजित किया जाता है।

श्रीर श्रागे उस घारा क उपधारा (4) द्वारा प्रदश्न शिवन्या कः प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार निर्देश देत है कि उनत भूमियों में उपयोग का श्रिक्षिण केन्द्रीय सरकार में निहित्त होने के बजाय भारत य गैम प्राधिकरण लि. में सभ बाधाश्रो से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नार ख को निहित होगा।

मनुसूर्यः हाजिरा- बरेन - जगद णपुर पाइप लाइन प्रोजेन्ट

जिला	ाहसील	परगना	ग्राम	गाटा स०	लिया गया विवरण रकव एकड
1	2	3	4	5	中 
मास	अस	जाम	परवर्ड	162	1- 70
				163	υ- 46

				172	0- 01					SCHEDU	LE		
				173	1-58								
				191	0- 08		Gas	Gas Pipe Line from Hajira-Bareilly-JagdishpurP					ıcje.
				192	0-52			77 1 il	rs-	3700-	DI 4		
				193	0-18		Disti	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area in acres	Re- mark
				195	0-40								
				196	1-03		1	2	3	-1	5	6	7
				199	0- 66		Thansi	Ihansi	Jhansi	Parwai	162	1-70	
				208	0-80		JHallet	Meller	JIIdi(1)	I III WIII	163	0-46	
				209	0-40						172	0-01	
				210	0-85						173	1-58	
				340	1-65						191	()08	
				353	0-69						192	0-52	
				354	0– 14						193	0-18	
				355	0- 05						195	0-40	
				356	0-35						196 199	1-03 0-66	
				35 <b>7</b>	0-02						208	0-80	
				449	0-32						209	0 -40	
				358	0- 79						210	()-85	
											340	165	
				359	0-35						353	0–69	
				360	0- 06						354	0-14	
				361	0 - 0 1						355	0-05	
				368	0- 07						356 357	0-35 0 -02	
				390	0- 23						449	0-32	
				392	0-38						358	0-79	
				393	1-25						359	0-35	
				418	0-03						360	0-06	
				419	0-05						361	0-01	
				420	0-05						368	0-07	
				421	0-01						390	0-23	
				422	0-02						392 393	0-38 1-2 <b>5</b>	
				417	0-45						418	0-03	
				415	0- 06						419	005	
				435	0- 16						420	0-05	
					0- 35						421	0-01	
				414 — —	U- d 7						422	0-02	
			[	सं∘ <b>O</b> −14016	5/358/84 <b>3</b> r	о Ч о]					417	0-45	
			-			_					415	0-06	
s 0	2260	Where		ກວານປຸດຄານດາ	-£ 41- Ca.	_ *					435	0–16	

[No. O- 14016/358/84-GP]

का० धा० 2361.—यत. पेट्रोलियम और खनिज पाइपालान (भूमि मे उपयान के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की; धारा 3 क उपधारा (1) के अध न भारत संस्कार के पेट्रोलियम मंद्रालय की; अधिसूचना का० आ० म० 4409 तारीख 3-12-84 हारा केन्द्रेय सरकार ने ्स अधिसूचना में संज्ञन अनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियो में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने का धपना आज्य घोषित कर दिया था।

श्रीर यनः सक्षम प्राधिकार ने उक्त प्रधिनियम्की धारा 6 की एपधारा (1) के अर्धन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ग्रीर ग्रागे, यत: केन्द्र य सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस ग्रश्चिसूचना से सलग्न भनसूच मे जिनिर्दिष्ट समियों से उपयोग का भविकार ग्राणित करने का विनिध्यय किया है।

S.O. 2360.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4272 dated 24-11-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec ded to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the light of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of

मन, मतः उक्त मधिनियम क धारा 6 को ४पघारा (1) द्वारा प्रदत्त गनित कौ प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार एतद्द्वारा घोषित करतो है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न प्रनुसूची मे बिनिर्दिण्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाईन बिखाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा मनित किया जाना है।

भीर भ्रागे उस धारा कं उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार में निहित्त होने के बजाय भारतेय गैस प्राधिकरण लि॰ में सम बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन का इस तार्रिख को निहित होगा ।

भनुसूची इजंरा से बरेलं से अगदीशपुर तक पाइप लाइन विश्वाने

ह	ज	रा से व	र्गेलं ⊦	से	31	गबीशपुर	तक	पाइप	साइन	विष्ठाने	के	लिए ।
राज्य	:	गुजरा,	া জি	ना		पंचमहल	ता	š oì	वगढ़	बारीया		

ग्वि	सर्वे न०	हे <b>क्टे</b> यर	मार	सेंटीयर
—————— रार्ने पुरा	115/1		20	48
	115/2	0	14	40
	116/1	0	37	76
	118/3	0	00	25
	1 1 <b>7/</b> 4 i	0	51	12
	116/2	0	22	68
	123	0	38	70
	124	0	15	20
	1 2 5/प	0	. 30	19
	126	O	01	0 1
	147	0	21	60
	146	0	28	0.0
	145/1	0	00	80
	1 4 5/ 2	0	14	4(
	144	0	19	20
	140	U	12	80
	1 4 3/ I	0	32	64
	141	0	11	20
	कोटार	0	12	0.0

[सं O-14016/374/84-जप]

S.O. 2361.—Whereas by notification of the Government of India in the Min stry of Petroleum S.O. 4409 dated 3-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedula appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### SCHEDULE

Pipeline from Hajira—Barcilly— Jugdishrur State : Gujarat District : Panchamahal Taluka : Devgad

Village	Survey No.	Hectare		Cen-	
<u> </u>	-· <del>-</del>				
				5	
Ranipura	115/1	0	20	48	
	115/2	0	14	40	
	116/1	0	37	76	
	118/3	0	00	25	
	11 <b>7/P</b>	0	51	12	
	116/2	0	22	68	
	123	0	38	70	
	124	. 0	15	20	
	125/ <b>P</b>	0	30	19	
	126	0	(1	01	
	147	0	21	60	
	146	0	28	00	
	145/1	0	00	80	
	145/2	0	14	40	
	144	0	19	20	
	140	U	12	80	
	143/1	0	32	64	
	141	0	11	20	
	KOTAR	0 -	12	00	

[No. O-14016/374/84-G.P.]

का० आ० 2362—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का घर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के आरा 3 क उपधारा (1) के अध न भारत सरकार के पेट्रो-लियम मंत्रालय के धिस्तुचना का० आ० सै० 4489 तार ख 10-12-84 द्वारा केन्द्रिंय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूर्वा में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्यान के लिए प्रजित करने का अपना आवाय बोखित कर दिया था।

ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारः ने उक्त प्रधिनियम के ग्रारा 6 क उपधारा (1) के प्रधेन सरकार को रियोर्ट दे दा हैं।

भीर भागे, यतः केन्द्रं य सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस भिक्षपूचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उप-योग का प्रक्षिकार प्रजिन करने का विनिश्चय किया है।

श्रव, श्रतः उक्त श्रधिनियम क धारा 6 कं उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रांच सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना में संलक्ष्म मनुसूचः में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनवृद्वारा श्रक्तित किया जाता है।

श्रीर भागे उस धारा क उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त पास्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार में निहिन होने के बजाय भारत य गैस प्राधिकरण लि. में सभाः वाधाओं से मुक्त रूप में, बोषणा के प्रकाशन क इस तार ख को निहित होगा।

श्रनुसूर्यः हजं रा से अरेलं/ से जगदीशपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिए । राज्य गुजरात : जिला–पचमहल , तालुका–देवगढ़ बारीया

सर्वे₀ न .	हेक्टर	भार सेंटीयर		
443	0	26	40	
442/1	0	39	00	
445	0	39	0.0	
	443 442/1	443 0 442/1 0	443 0 26 442/1 0 39	

सिं० औ-14016/377/84-र्ण of ol

S.O 2362.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4489 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec'ded to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Pipeline From Hajira Bareilly Jagdishpur State: Gujarat District: Panchamahal Taluka: Dev gad h Bariya

Village	Survey No.	Hectare	Are C	entiare
Devgadh	443	0	26	40
	422/1	0	39	00
	445	0	39	00

[No. O-14016/377/84-GP]

का॰ प्रां० मं॰ 2363 — यतः पेट्रोलियम और खानिज पाइपलाइन (भृति मं उपयोग के प्रधिकार का प्रार्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 के उपधारा (1) के ग्रधंन धारन सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय के धिश्रमूचना का॰ प्रा॰ स॰ 4534 तार् ख 10-12-84 द्वारा केन्द्र य सरकार ने उस ध्रधिसूचना मे संलग्न ध्रनसूर्ध में विनिर्विष्ट भृतियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए श्रुजित करने का अपना धाणय घोषित कर दिया था।

भौग्यत मक्षम प्राधिकार ने उक्त भ्रधिनियम के धारा 6 के उपद्यारा (1) के भ्रधिन सरकार को रिपोर्ट देव है।

ग्रीर श्रामे, यत. केर्म्द्र य सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चातृ इस प्रधिसूचना से संलग्न धनुसूचे में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार ग्रीजन करने का विनिष्चय किया है।

प्रया, धनः उनन प्रधिनियम क धारा 6 क उपधारा (1) हारा प्रवत्न शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्र य सरकार एनदहारा घोषित करते है कि इस प्रधिसूचना में समयन प्रत्मूच में विनिर्दिष्ट उनन भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइपमाईन विछाने के प्रयोगन के मिए एनस्डारा प्रजिन क्षिया जाना है।

श्रीर श्रीगे उस धारा के उसधारा (4) तारा प्रदत्त सक्तियों था प्रयोग करते हुए केन्त्रंय सरकार में निहित होने के बजाब भारत यगैस प्राधिकरण लि. में सम बाधाओं में मुक्त रूप में, घोषणा के प्रताणन के इस तार श्रा की निहित होगा।

211GI/85 -10

#### **धन्**यूर्च।

हर्जरा से बरेर्ल में जगंद णपुर तक पाइन लाइन बिछाने के लिए। राज्य-गुजरात जिला-पचमहल नालुका-हालोल

गांव	सर्वे न .	हेक्टेयर	भार	सेंट यर
1	2	3	4	5
गोर्प पुरा	203	0	5 5	00
*	204	0	16	00
	कोटार	0	07	0.0
	208	0	16	0.0
	209	0	01	0.0
	225	0	0.0	50
	221	0	18	0.0
	223	0	29	0.0
	222	0	24	0 (
	221	0	20	0.0
	220	0	24	0.0
	216	0	22	0.0
	कोटार	0	09	0.0
	54	0	47	0.0
	53	0	25	0.0
	कार्ट ट्रेक	0	03	0.0
	27	0	17	0.0
	28	0	29	0.0
	294	0	17	0.0
	कोटार	U	04	0.0
	21	0	73	0
	11	0	3 5	0.0
	12	0	33	0
	कार्ट ट्रेक	0	11	0
	10	0	0.0	5 (
	70	0	34	0 (

[सं॰ ओ- 14016/436/84-जी प्]

S.O. 2363.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4534 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification of 1 purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the light of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd, free from all encumbrances.

Pipeline from Hojica Bireiliy Jagdish Pur

3tate : Gijarat District : Panchamahal Taluka : Kalch

Villago	Survey No.	Hectare	Are	Cen-
1	2	3	4	5
<b>G</b> ∩pipura	203	0	55	00
	204	0	16	00
	<b>K</b> otar	o	07	00
	208	0	16	00
	209	0	01	60
	225	0	00	50
	224	0	18	00
	223	0	29	0.)
	272	0	24	00
	22]	0	20	00
	220	0	24	00
	216	0	22	00
	<b>K</b> otar	Ō	09	00
	54	0	47	00
	53	0	25	00
	Cart Track	0	02	00
	27	0	17	00
	28	0	29	00
	294	0	17	00
	<b>K</b> iotar	0	04	00
	21	0	73	00
	11	0	35	00
	12	0	33	00
	Cart Track	0	11	00
	10	0	00	50
	70	0	34	00

[No. O-14016/436/84-G.P.)]

का. आ. 2364 यत' पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में जपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 4546 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना से संलग्न अनुसूची में निनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को खिछाने के लिए अधित करने का अपना आग्य घोषिन कर दिया था।

और यत. सक्षम प्राधिकारी ने उथन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवी हैं।

और आगे, यन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चांत् इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिद्दिष्ट मृमियों उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिश्चय क्रिया है।

थन, अनः उनन अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा घोषा करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिद्धिट उनन भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपनाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनयुहारा अजिन किया भाना है।

और आगे उस धारा की उपजारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने प्रुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय ग्रीम प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मृतन रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस दारीख को निहित होगा।

अनुसूची

हर्शिया से बरेली में अगदीवापुर तक पाइप लाइन विकान के लिए। राज्य---गुकरान विला--पंचमहल नालुक---कालोल

गाँव	ब्लानः मं ०	हे <mark>क</mark> टर	आर	हे <i>दीयर</i>
 l	2		1	
वरवाडा	70	0	0.2	40
	68	Ü	34	0.0
	97	υ	19	2.2
	57	0	03	0 0
	58	0	35	41
	66/3	1)	20	0.0
	59/4	0	37	44
	60	0	12	0.0
	4.R	(,	01	00
	47	0	06	0.0
	45		12	1 5
	43	0	09	60
	44	n	05	06
	42/4	0	20	25
	4 2/5	0	02	00
	168	0	32	00
	166	0	19	22
	165	0	44	52
	164	0	12	00
	163	O	37	0.0
	186	0	19	22
	187	0	38	8 0
	190	0	22	00
	189	0	13	00
	कोटार	0	32	40
	209	0	0.8	00
	211	0	24	00
	213	0	40	0.0
	214	0	0.0	50

[म॰ ओ- 14016,448/84-- जीपा.]

S.O. 2364.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4546 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government-declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this neuffication.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipelica from Najica Burolly — Jugdislipur State : Gigarat — Dutiet : Pauch imahal Taluka — : Kalel

Village	Block No.	Hectare A	\re	Cen-
1	2	3		4
Varvada	70	0	02	40
	68	0	24	00
	67	n	19	22
	57	Ü	Ob	00
	5.3	0	3.5	41
	66/3	0	20	00
	59/4	0	37	44
	60	0	1?	00
	48	O	υ1	00
	47	0	Ob	00
	45	0	12	15
	41	θ	09	60
	24	0	05	06
	47/4	0	20	25
	42/5	0	0.2	00
	168	0	32	00
	166	0	19	22
	165	0	44	52
	164	0	12	00
	163	0	37	00
	186	0	19	22
	187	0	28	80
	190	0	22	00
	189	0	13	00
	Kotar	0	32	40
	209	0	08	00
	211	U	24	00
	213	0	40	00
	214	U	00	50

[No. O-14016/448/84-GP]

का आ. 3365- स्पनः पेट्रोलियम और खनिश पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्थन) अधिक्यम, 1962 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत मरकार के पेट्रोलिएम भवालय की अधिमूचना का का से. 4555 तारील 10-13-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संस्पत अनुसूची में विनिद्दिल्ट मूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों का बिछाने के लिए अभिन करने का अपना आक्य घोषिड कर दिया था।

और यक्षः गक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

और आसे, यत. केन्द्रिय सरकार ने उन्त रिपोर्ट पर विश्वार करने के पक्तात् इस अधिसूधना से संलग्न अनुसूत्री में विनिर्विष्ट भूमियो में उपयोग का अधिकार अफिन करने का विनिष्वय किया है।

अस, अतः अस्त अधिनियम की धारा 6 की उपप्रारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में धिनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाउपलाईन विद्यान के प्रयोग की लिए एतद्वारा अजिस किया जाता है।

और आसे उस धारा की उपभाग (1) जाग प्रदत्त मिनियों का प्रयोग करते हुए हैं-तिथ सरकार में बिक्रिय नेत के बेबाब भारतीय गैस बाधिकरण जि में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोदणा की प्रकाशन की इस नारोग की निश्ति होगा।

अपुर्वा

हजीया से बरेशी से जगदीणपुर तक पाइप लाइन बिकाने के निए राज्य- एकरान जिला---पनमहल नान्का--कालोब

ग <b>ांथ</b>	ठतः।वः न	हेकर	आर	सेंदीयर
— मार्ने आब	1:1	0	25	00
	1 70/1	O	1.2	0.0
	127/7	0	08	00
	1.30, 4	0	10	00
	116	0	36	0.5
	115	U	38	00
	111	0	21	00
	114	0	08	00
	$1 \ 1 \ 2_{l} \ 1$	0	10	00
	112/3	0	0.0	16
	113/2	U	12	0.0
	77/1	0	19	00
	77/3	0	22	0.0
	77/4	0	0.1	00
	फार्ट द्रेक	O	03	0.0
	105/1	0	18	00
	105,1	0	26	00
	105/3	0	30	00
	1 0 5/ 2	0	00	16
	105,4	0	07	00
	98/3	0	25	00
	कार्ट ट्रेक	O	05	00
	1 0 0 _/ पी	0	26	U O
	99	0	0.9	00
	कोटार	0	09	00
	89/1	0	42	00
	89/2	0	01	00

[सं. O-14016/458/84-जीपी]

5.O. 2365.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4555 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec'ded to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### **3CHEDULE**

2790

Pipeline from Hazira-Bareilly-Jugdishpur

State - Guiarat	District : Panchamahal	Taluak : Kalel
Diato, Oujula	. District . Languallantan	Tailiak 'Traici

Village	Survey No.	Hætare	Are	Cen- tiare
Saliav	121	0	25	00
	120/1	0	12	00
	120/2	O	08	00
	120/4	0	10	00
	116	0	36	O)
	115	0	38	00
	111	0	21	00
	114	0	08	00
	112/1	0	10	00
	112/2	0	00	16
	113/2	0	12	00
	77/1	0	19	00
	77/3	0	22	00
	77/4	0	01	00
	Cart track	0	03	00
	106/1	0	18	00
	105/1	0	26	00
	105/3	0	30	00
	105/2	0	00	16
	105/4	0	07	00
	98/3	0	25	00
	Cart track	0	05	00
	100/ <b>P</b>	0	26	00
	99	0	09	00
	Kotar	0	09	00
	89/1	0	42	00
	89/2	0	01	00

[No O-14016/458/84-GP]

का आ. 2366: ---यतः पेट्रोनियम और खनिज पाइपलाइन (मुमि में उपयोग के अधिनार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रो-लियम मंत्रालय की अधिमुचना का. आ. मं. 4557 तारीक 10-12-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमुचना से मंत्रग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के प्रयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आश्रय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट वे दी हैं।

और आगे, यत केन्द्रीय मरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिमूजना से संलग्न अनुसूची में विनिष्टिष्ट भूमियो से उपयोग का अधिकार अर्फिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उमत अधिनियम को धारा 6 की उपधारा (1) द्वारी प्रथत गरिक था प्रयोग करते हुए कैन्दीय सरकार एतदुद्वारा बौधिक करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूची में विनिद्धिय उनत भिमिप्तों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदब्रारा अजिन किया जाता है।

और आरो उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गरिनयो का प्रयोग कर। हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. मैं सर्भा वाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस लारीख की निहित होगा।

अनुसूची

हर्जोरा से बरेली से अगदीणपुर तक पाइपलाइन विछाने

राज्य :	गुजरान,	जिला पंचमहल,	तर <b>लुका</b>	हालोर	न
गाँख		सर्वे न	त्रे <del>क</del> टेयर	आर	संटीयर
धनसर		1 69	0	42	0.0
		163	6	23	87
		165	0	16	68
		1 <b>7</b> 3/पी	()	50	29
		179	0	18	95
		1 83	0	10	62
		187	0	04	80
		186	0	38	10
		188	9	13	5 0
		25/3	9	00	20
		25/2	0	20	90
		24	0	18	7.5
		2 5/ 1	9	16	0.5
		23	0	16	3 2
		26, 2	0	15	10
		26,1,1	0	24	0.0
		21	0	22	20
		20	0	32	20
		14/2	0	10	56
		1 4/1	0	07	80
		14/3	0	12	44
		14/4	0	08	4.0
		6	0	53	65

[मं. O-14016/460/84-जीपी]

S.O. 2366.-Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 4557 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, dec ded to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Hajira Bareilly Jandishpur

State : Gajarat Dist : Panchamabal Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Are	Cen tiare
Dhansar	169	0	42	00
	168	0	28	87
	165	()	16	68
	178/P	0	50	29
	179	0	18	95
	183	0	10	62
	187	0	04	80
	186	o	38	10
	188	0	13	5(
	25/3	0	00	20
	25/2	0	20	90
	24	0	18	7:
	25/1	0	16	0.5
	23	0	16	3.
	26/2	0	15	10
	26/1/1	0	24	00
	21	0	22	20
	20	0	32	20
	14/2	0	10	50
	14/1	0	07	80
	14/3	0	12	4.
	14/4	0	08	4(
	6 ′	0	53	6:

[No. O-14016/460/84-G P]

का. मा. 2367.—पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपशाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजैन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, मंत्रालय की प्रधिसूचना का. मा. सं. 4562 तारीख 10-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना तो सलग्न धनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइप न इनो को विछान के लिए अजित करने का अपना आश्रय घोषित कर विधा था।

ग्रीर यम. सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मिन्नियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी हैं।

भीर भागं, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विकार करने के पथ्कात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार प्रजित करने का विनिश्यम किया है।

श्रव, भ्रास उक्त भ्राधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त गक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीः सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है की इस प्रधिसूचना में सलग्न अनुपूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन विष्ठाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा भ्राजित किया जाना है।

भीर भागे उस भारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के वजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधायों से मुक्त कप में, घोषणा के प्रकाशन की इस नारीय को निहित होगा।

**प्रनुमूर्चा** 

हर्जार। से वरेली से जगदीमपुर तक पाइप लाइन बिछाने के लिये राज्य--गुजरात जिला--पचमरल तालुका--दाहोध

गाव	सर्वो न .	हेक्टर	ग्रार	सेटोयर
1		3	4	5
नगराला	144	0	46	00
	148	0	41	0.0
	149	0	0.0	50
	152	O	26	0.0
	154	0	49	0.0
	156	0	26	0.0
	137/1	0	0.2	0.0
	1 3 6/ <del>4</del> †	0	57	0.0
	1 3 5/ 1	0	1.5	00
	135/2	U	15	u <b>u</b>
	123/4	0	19	0.0
	123/2	0	27	0.0
	1 2 3/3	0	16	0.0
	124/1	0	11	ŲΨ
	124/2	0	07	28
	129/7	O	06	00
	1 2 6/ 2/पी	0	26	00
	1 2 6/ 1/पी	U	13	70
	1 2 7/पी	0	37	υo
	69/1	0	13	00
	69/2	U	04	00
	64	0	28	00
	63/1	0	03	00
	63/2	O	06	00
	65/1	0	22	00
	6 5/ 2	o	22	00
	6 0/ <b>8</b>	0	31	0.0
	60/7	0	0.0	5 <b>u</b>
	60/4/ए 60/4/बी	0	25	00
	60/5	0	3 <b>7</b>	00
	5 3/ <b>ए</b>	0	24	00
	52	Ó	16	50
	47/1	0	37	0.0
	47/2	0	29	0.0
	48	O	01	00

[मं O-14016/465/84-जी पी]

S.O. 2367.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S. O. 4562 dated 10-12-1984 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this rotification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subsection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government bereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Pipoline from Hazira-Bareilly-Jagdishpur

State : Gujarat District : Panchmahal Taluka : Dahod

Village	Survey No.	Hec- tare		ntı- iro
1	2	3	4	5
Nagrala	144	0	46	00
•	148	0	41	00
	149	0	00	50
	152	0	26	00
	154	0	49	00
	156	0	26	00
	137/1	0	0?	00
	136/P	0	57	00
	135/1	Ú	15	00
	135/2	O	15	00
	123/4	0	19	00
	12.3/2	0	27	00
	123/3	0	16	00
	124/1	0	11	20
	124/2	0	07	28
	129/7	0	06	00
	126/2/P	0	26	00
	126/1/P	o	13	70
	12.7/P	0	37	00
	69/1	0	13	00
	69/2	0	04	00
	64	0	28	00
	63/1	0	03	00
	63/2	0	06	00
	65/1	0	22	00
	65/2	0	22	00
	60/8	0	31	00
	60/7	0	00	50
	60/4/A 60/4/B	0	25	00
	60/5	U	37	00
	53/A	0		00
	52	0	16	50
	47/1	0	37	00
	47/2	0	29	00
	48	0	01	00

[N · O --14016/465/84-GP]

का. था. 2368 -- यतः तेन्द्रीय सरकारको यह प्रतीत होता है कि लोकिहित में यह ग्रावश्यक है कि राजस्थान राज्य मे बिजयपुर (म.प्र) में सवाई माधोपुर तक पेट्टोलियम के परियहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण जि. द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

बीर यन यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपायक अनुसूची में बणित श्रीम में उपयोग का स्रिक्षिण अजित करना प्रावश्यक है।

यतः सब पेट्रोलियम धीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के

स्रधिकार का धर्जन) सिविषयम 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेल हुए केन्द्रीय सरकार ने उतमे उत्थाग का भांधकार स्रजित करने का स्रपना आशय एतद्वारा भाषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हित्बद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण लि. एच वी. जे. गैस पाइप लाइन परियोजन, 49, इस क लानो, सवाई माधोपुर की इस श्रिधसूचना की नारीख में 21 दिनों के भीतर कर संकेगा।

स्रोर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतया यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहला है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्कन।

उक्त अधिनियम की घारा 3(1) के तहत का. था. सं. 435 विस्तक 14-1-85 द्वारा भारत सरकार के गफट दिनांक 2-2-85 भाग 2 खंड 3 उपखड़ (ii) में प्रकाशित अधिमुखना एनद्वारा वापिम ली आती है

भनुसूची

विजयपुर (म.प्रं) से सवाईमाधागुर (राज.) तक पाइप लाईन बिछाने के

राज्य- ~राजस्थान जिला ~-कोटा	ा तहसील⊸छब≆ा
------------------------------	--------------

गांव	खसरा न.	हेक्टर	भार	सेदीभार
	129	υ	61	84
	131	a	14	26
	130	Q	00	12
	132	0	0.0	41

S.O. 2368.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Bijaipu. (M.P. to Sawai Madhopur in Rajasthan State pipeline should be laid by the Cas Authority of India Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to aquite the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Limited, H.B J. Gas Pipeline Project, 49, Indra Colony, Swai Madhopur.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he washes to be heard in person or by legal practitioner.

The notification issued vide S.O. No. 435 dated 14-1-85 under Section 3(1) of the said Act and published in the Government Gazette of India Part II, Section 3(ii) dated 2-2-85 is horeby withdrawn.

# SCHEDULE

Pipeline from Bij ipur (M.P.) to Sawai MaJhopur (Raj.) State: Rajasthan District: Kota Tehsil: Chabra

Villag <b>o</b>	Survey No.	Нес-	Are	Centi	
		taro		arc	
Kasholi	129	0	61	84	
	131	U	14	26	
	130	()	00	12	
	132	0	00	41	

[No. O-14016/554/84-GP]

#### न् दिल्ली 23 मही, 1985

का आ 2369 यत पेट्रालियम और लानिज पाटप लाइन (भीम में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) का धारा (का उपभारा (1) ने अधान भारत सरकार ने पेट्रालियम मंजानय का अस्मिन्न का आ से नारिख 3151/13-10 84 हाए बेन्द्रीय गरणार के उप अधिगूकना में मंज्यत आसूच। में बिनिदिए भूमिया के उपयोग के अधिजार का पाइप लाइनों का बिछाने के 107 अतिन करन का अपना आभय धारिन कर दिया था।

और यन सक्षम प्राधिकारा न अक्ष क्रियिनअम का धारा ७ नी उपधारा (1) के क्ष्रीन सरकार का स्थित दें की हैं।

और आग यन केन्द्रीय संश्लार उत्त रिपोट ४२ विचार करने स परवात् इस अधिसन्ता सं सेनान अनुभूता सं विनिधिष्ट भृतिका सं उपयोग का अधिरार अजिन करने के विनिधार किया है।

अब उअम उक्त अधितियम की धारा 6 की उपधारा (1) बारा प्रदक्ष शक्ति का प्रयाग करते ुए केन्द्राय संस्कार एपद्द्वारा घाषित्र करती है कि इस अधिसूचना में संख्या अनसूचा म विनिध्यित एका भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइम नाइन विकास के प्रयाजन के तिस एपद्द्वारा अधिका किया जाता है।

और अभे उस बारा का उपधारा (1) द्वारा प्रदन मिक्सिया का प्रयोग करन हुए नेन्द्रीय सरकार निर्देश देशी हैं जि उक्त सुमित्रों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निष्ठित होने के बजाय भारमीय गैम प्राधिकरण लि में सभी बच्चाजा से मुक्त कप में पापणा ने प्रकाशन की क्षम तारीख को निष्टित होगा।

अनुमूची हान्मि-चर्यना-अगदीणपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

गाटा म

तहसीन परगता ग्राम

সিদা

नियागया वितरण

					रक्षा ०९.५ से	
1		3	4	5	ь	- 7
क्षांमी	मोट	— माठ	य प्रई	579	0-3 o	
				579	0-43	
				530	0.02	
				5 S I	( <del>)-</del> ()	
				536	0-76	
				604	0-0~	
				0.45	0-39	
				646	0 0 4	
				← 17	0-94	
				(4%	0-( "	
				6.19	U~ <del>9</del> O	
				055	0~0.2	
				65)	1-78	
				(60	0-0.4	
				661	0-10	
				0.62	(p-1) 3	
				747	0- 6	
				658	∩-5h	
				692	0-02	
				693	0-04	
				694	0.20	
				647	(-03	
				(48	2- )	
				7 U 3	0-03	
				985	1-59	

4	5	6
	<del> </del>	υ 0
	989	0÷7 N
	k (r()	(F-80
	891	()= () +
	8 )2	r= () 1

[শ O-14016/64/84 লা বা]

## New Delhi the 23rd May, 1985

SO 2369—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of PetroTeum SO 3454 dated 13 10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Ministris Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for response of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the light of user in the lands specified in the schedule appended to this notification,

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said fands—shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India 1 to free from encumbrances

SCHEDULE
Pipe line from Hajira-Barielly-Jagdishpur Project

Dist	Lapat	Pargana	Village	Plot No No	area in acres	Re- marl s
ı	2	3	4	5	6	7
Jhansı	Moth	Moth	Karai	₹7₺	0-35	
				579	0-43	
				580	0-02	
				581	0 04	
				586	0-76	
				604	0 02	
				645	0-39	
				646	0-04	
				617	0-98	
				043	0-05	
				649	0-80	
				65 <i>5</i>	0-02	
				650	1-78	
				660	0 -04	
				661	0-10	
				662	0 03	
				687	0-26	
				688	0-56	
				692	0-02	
				603	0 04	
				649	0.20	

5 6 2 3 4 5 16 7   144 0-40   697 0-03   698 2-08   114 0-40   698 2-08   120 1 0-03   698 2-08   120 1 0-03   698 2-08   120 1 0-03   698 1-59   121 0-70   698 1-59   121 0-70   698 1-59   129 0-92   699 0-92   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0-98   699 0	2794 THE GAZETTE OF INDIA	JUNE 1, 1985/	JYAISTH . 11	, 1907 —————	[PA	ART II-SEC.	(ii)]
120/1   0-03   120/1   0-03   120/1   0-03   120/1   0-03   120/1   0-03   120/1   0-03   120/1   0-03   120/1   0-03   120/1   0-05   129   0-92   129   0-92   1887   0-02   129   0-92   1889   0-78   138   0-37   139   0-63   130   0-63   130   0-63   130   0-63   140   0-08   140   0-08   140   0-08   140   0-08   140   0-08   140   0-08   140   0-20   140   0-20   140   0-20   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-75   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   140   0-80   0	5 6		2	3 4	5	۶ 6	7
120 1 0-03   121 0-70   121 0-70   123 0-03   121 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-70   125 0-	697 0-03					—-—	
887 1-59 121 0-70 887 0-02 129 0-92 889 0-78 138 0-37 890 0-80 130 0-63 891 0-09 140 0-08 891 0-09 140 0-08 892 0-04 141 0-20 140 0-08 892 0-04 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 141 0-20 14	698 2-08	<b>;</b>					
887 0-02 129 0-92 889 0-78 138 0-37 890 0-80 891 0-09 892 0-08 891 0-09 140 0-08 891 0-09 140 0-08 892 0-04 141 0-20 [No. O—14016/64,84-G.P.] 327 0-30 982 0-04 141 0-20 [No. O—14016/64,84-G.P.] 327 0-75 अत. आ 2170यन: पेट्रोलियम और खनिज पाएर लाइन मृप्ति में 129 0-75 अत. आ 2170- 17: पेट्रोलियम और खनिज पाएर लाइन मृप्ति में 129 0-75 अत. आ 2170- 17: पेट्रोलियम और खनिज पाएर लाइन मृप्ति में 129 0-75 अत. आ 3.0 0-80 खी घारा 3 की उत्तरारा (1) के पधान बारत मरकार के पेट्रोलियम 432 0-86 खी घारा 3 की उत्तरारा (1) के पधान बारत मरकार के पेट्रोलियम 432 0-86 केन्द्रीय गरकार न उन अधिकूचना में मंत्रचन अनुमुले में विलिज केन्द्रीय पायरा 434 1-03 केन्द्रीय गरकार न उन अधिकूचना में मंत्रचन अनुमुले में विलिज करने केन्द्रीय गरकार न उन अधिकूचना में मंत्रचन अनुमुले में विलिज करने की बारा 1 169 0-50 का बाता आवा घोषित कर दिया था 1 169 0-50 का बाता आवा घोषित कर दिया था 1 169 0-50 विलिज केन्द्रीय मरकार के गिर्पोट्ट रे री हैं ! 169 0-20 विलिज केन्द्रीय मरकार के गिर्पोट्ट रे री हैं ! 169 0-02 वारा (1) में अधिन मरकार के गिर्पोट्ट रे री हैं ! 169 0-02 वारा (1) में अधिन मरकार के गिर्पोट्ट रे री हैं ! 169 0-15 वारा पायरा केन्द्रीय मरकार के निर्णेट पर विवार करने के 188 0-40 वारा के अधिन मरकार को जिल्ला केन्द्रीय मरकार प्रति करने के वारा (1) द्वारा 199 0-40 का अधिनार प्रति करने को विनिजय किया है ! 189 0-15 वारा प्रति करने के विनिजय करने के मिर्गेट पर विजार करने के 188 0-15 वारा प्रति करने के वारा करने हुए कैनीय मरकार प्रति करनी के निर्णिट करनी है 189 0-15 वारा में अधिन स्वार प्रति करने के मार्यान के निर्णिट केनीय मरकार मिर्गेटी केनीय मरकार प्रति केनीय मरकार के 190 एनद्दार प्रति करनी है किया मरकार वारा है किया मरकार वार्यान के निर्णिट क्रिक्टीय मरकार के निर्णिट केनीय मरकार निर्णिट केनीय मरकार निर्णिट केनीय मरकार निर्णिट केनीय मरकार निर्णेटी केनीय मरकार के निर्णिट केनीय मरकार निर्णेटी केनीय मरकार निर्णिट केनीय मरकार निर्णेटी के निर्णेट केनीय मरकार निर्णेटी केनीय मरकार के निर्णेटी केनीय मरकार के निर्णेटी केनीय मरकार निर्णेटी के							
889 0-78 890 0-80 130 0-63 891 0-09 140 0-08 892 0-04 141 0-08 892 0-04 144 0-08 892 0-04 144 0-08 144 0-20 [No. O—14016/64,84-C.P.] 327 0-30 327 0-30 327 0-30 329 0-75 का. आ 2170यन: गेट्रोलियम और खनिक पाष्टप लाइन भूमि मे 329 0-75 का. आ 2170यन: गेट्रोलियम और खनिक पाष्टप लाइन भूमि मे 329 0-75 का. आ 2170यन: गेट्रोलियम और खनिक पाष्टप लाइन भूमि मे 329 0-75 का आतार को अधिमुलना का. आ, म. 3457 नारोण 16 10-84 हारा केट्रीय गरवार न उम अधिमुलना में संचन अनमुक्कों में विनिष्टर भूमियों थे 34 0-05 के उपयोग के अधिकार को पार्टिप लाइनों को विवार अधिकार मुंग्यों थे 35 0-50 का अस्ता आवार घोषिल कर दिया था। थे 49 0-50 और यन: मक्सम प्राधिकारी ने उक्ल अधिनियम को बारा 6 की उप- वारा (1) में अधीन सरकार को निर्मेट दे री है। और अने यन: केट्रीय मरकार ने उक्ल रिपोर्ट पर निवार करने के यरबात इस अधिमुलना में मलान अनमुकों में विनिष्टर भूमियों में उपयोग था अधिकार ऑक्स करने का विनिष्य किया है। अंद असे यन केट्रीय मरकार ने उक्ल प्रियों में उपयोग था अधिकार ऑक्स करने का विनिष्य किया है। अंद असे उन अविनयम की धारा 6 को उपयोग (1) हारा अदिकार अधिमुलना में मंगल अनमुकों में विनिष्टर उक्ल भूमियों में उपयोग था अधिकार ऑक्स करने का विनिष्य किया है। अंद असे उन अविनयम की धारा 6 को उपयोग (1) हारा अदिकार विनिष्ट केट्रीय मरकार एन्ट्यूरा घोषिल करनी है कि इस अधिमुलना में मंगल अनमुकों में विनिष्टर उक्ल भूमियों में अदिकार केट्रीय का असी उपयोग के प्रयोग करने हुए कैट्रीय मरकार एन्ट्यूरा घोषिल करनी है कि इस अधिमुलना में मंगल अनमुकों में विनिष्ट उक्ल भूमियों में अदिकार को अधीन उपयोग कि उपयोग (4) हारा प्रवेश मुले भी विनिष्ट उक्ल भूमियों में अरे असे उन आरो की उपयोग (4) हारा प्रवन मिलायों का अरेकार केट्रीय मरकार निर्मेश वेती है कि उक्ल भूमियों में अरेकार केट्रीय मरकार निर्मेश वेती है कि उक्ल भूमियों में अरेकार केट्रीय मरकार निर्मेश वेता मरकार मिलिल मिला में मिलायों का अरिकार केट्रीय मरकार निर्मेश वेता मरकार मिलिल में मिलायों का अरिकार केट्रीय मरकार निर्मेश वेता मरकार मिलिल में मिलायों का अरिकार केट्रीय मरकार निर्मेश वेता मरकार मिलिल मरकार मिलिल मिलायों का							
890 0-80 891 0-09 892 0-04 144 0-08 892 0-04 144 0-20 [No. O—J4016/64/84-G.P.] 327 0-30 327 0-30 328 0-75  का. आ 2170वन: पेट्रोलियम और खनित्र प्राप्ट गाइन मुम्म में 329 0-75 जायोग के अधिकार का अंग अर्थितियम, 1962 (1962 का 50) की धोरा 3 की उक्षारा (1) के प्रधान मादन मुम्म में 320 0-80 की धोरा 3 की उक्षारा (1) के प्रधान मादन मुम्म में 331 0-80 की धोरा न के अर्थित्र का. आ. म. 3457 नारील 16 10-84 हारा 432 0-88 मंत्रानय की अधिमूलना का. आ. म. 3457 नारील 16 10-84 हारा के उपयोग के अर्थित्र कर गर्भीयुवना में मंगलम अनुसूची में विनिधित्र मुम्मियों 434 1-03 के उपयोग के अर्थित्र कर गर्भीयुवना में मंगलम अनुसूची में विनिधित्र मुम्मियों के अर्थान के अर्थित्र कर गर्भीयुवना में मंगलम अनुसूची में विनिधित्र मुम्मियों की उपयोग के अर्थित्र कर गर्भीयुवना में मंगलम अनुसूची में विनिधित्र कर में अर्थ 115 0-30 बारा (1) में अर्थीन मरकार को स्पिट दे ही है । अर्थ कर केन्द्रीय मरकार को स्पिट दे ही है । अर्थ कर केन्द्रीय मरकार के उपयोग में विनिधित्र भूमियों में उपयोग धार्य केन्द्रीय मरकार के विन्धित्र मुम्मियों में उपयोग धार्य अर्थ करने करने का विनिध्य किया है । अर्थ अर्थ अर्थ उन्ह भूमियों में उपयोग धार मामित करने का विनिध्य किया है । अर्थ अर्थ अर्थ उन्ह भूमियों में उपयोग 149 0-40 प्रवान करने अर्थित्रम की धारा के के उपयोग पोषित करनी है कि इस अर्थिन्न मामित्र करने के प्रयोग करने के प्रयोग करने है कि इस अर्थिन्न पाम करने हुए कैन्द्रीय मरकार एनद्द्रारा घोषित करनी है कि इस अर्थिन्न पाम करने हुए कैन्द्रीय मरकार एनद्द्रारा घोषित करनी है कि इस अर्थिन्न साम है । अर्थ अर्थ कर विन्य करने के प्रयोग (4) हारा प्रवत्र मामित्र के अर्थ भागों में अर्थ करने के प्रयोग मरकार निर्देश वेती है कि उपय भागों में अर्थ करने के प्रयोग मरकार निर्देश वेती है कि उपय भागों में अर्थ करने के अर्थ मामित्र होना ।  सी इस नार्थिक के निर्दूत होना ।  सी इस नार्थिक के निर्दूत होना ।  74 0-05							
891   0-09   892   0-04   140   0-08   892   0-04   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-20   141   0-75   141   0-75   141   141   0-75   141   141   141   141   0-75   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141   141							
[No. O—14016/64,84-G.P.]  [No. O—15016/64]  [No. O—1501							
[No. O—J4016/64/84-G.P.] 327 0-30 327 0-30 327 0-75 का. आ 2170'यन: पेट्रोमियम और खनिक पाष्प लाइन सुमि मे 329 0-75 उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) और उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) और उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) और उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिकार मरकार के पेट्रोमियम 432 0-88 संवालय की अधिकुत्ता का. आ. स. 3457 नारिख 16 10-94 बारा 433 0-05 केन्द्रीय गरवार न उम अधिकुत्ता में मंत्रम अन्मूली में निर्मिदिन्द मुमियों 434 1-03 के उपयोग के अर्जिकार को पाईप लाइनों को बिखाने के लिए अर्जिन करने का अरना आज्ञम घोषित कर दिया था। 469 0-50 और यत: सलाम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की बारा 6 की उप- बारा (1) में अधीन सरकार को स्पिटेंद ही है। 476 0-02 और अरो यत: केन्द्रीय मरकार ने उक्त स्पिटें पर विवार करने के परवात् इप अधिकुत्ता में मत्यान अनकुत्तों में विनिदिन्द भूमियों में उपयोग 488 0-40 परवात् इप अधिकुत्ता में मत्यान अनकुत्तों में विनिदिन्द भूमियों में उपयोग 488 0-40 परवात् इप अधिकुत्ता में मत्यान अर्जन की अपवार (1) द्वारा 371 363 002 अर्ज, अरो उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपवार (1) द्वारा 483 00-15 कि इस अधिकुत्ता में मंपान अनकुत्तों में विनिदिन्द जन मूमियों में 382 0-50 उपयोग का अधिकार पावन लाइन बिछाने के प्रयोजन के विण एतद्वारा अरित कोच अपवार पावन लाइन बिछाने के प्रयोजन के विण एतद्वारा अरित कोच अपवार पावन लाइन बिछाने के प्रयोजन के विण एतद्वारा अर्जन अधिकार केन्द्रीय मरकार में निहित होने के बनाव भाग्नीय नेत अर्थ कार केन्द्रीय मरकार में बीनित होने के बनाव भाग्नीय वीम मारिल केन्द्रीय मरकार में बीनित होने के बनाव भाग्नीय नेत मारिल की निहित होना।							
का. आ 2470'यन: पेट्रोसिन्यम औरखनिक पाघ्प लाइन सृमि में 329 0-75 उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1942 (1962 का 50) 330 0-80 की धारा 3 की उपयारा (1) के अध्यक भारत सरकार के पेट्रोसिव्यम 432 0-88 में बारा 3 की उपयारा (1) के अध्यक भारत सरकार के पेट्रोसिव्यम 433 0-05 केन्द्रीय गरकार ने आ में स्वान्य पर्ने अपिन्न को सा. 3457 नारीख 16 10-94 द्वारा 433 0-05 केन्द्रीय गरकार ने उम अधिमुलना में मंत्रम अनुसूक्षी में विनिर्दिष्ट पूमियों 434 1-03 के उपयोग के अर्वेक्कार को पाईप लाइनों के लिए अर्जिन करने 435 0-50 का अर्जना आअप घोषिल कर दिया था। 469 0-50 और यत: सक्षम प्राधिकारों ने उक्त अधिनयम की खारा 6 की उप-धारा (1) में अधीन सरकार को स्पिर्ट हैं हैं। 496 0-02 और आते सरकार को स्पिर्ट हैं हैं। 496 0-02 और आते सरकार को स्पिर्ट हैं हैं। 496 0-040 परबात इस अधिमुक्त में सलग्न अनुसूत्री में विनर्दिष्ट पूमियों में उपयोग 488 0-40 परबात इस अधिमुक्त में सलग्न अनुसूत्री में विनर्दिष्ट पूमियों में उपयोग 499 0-40 का अधिकार अर्थित करने का विनिष्य किया है। 81 0-03 परदात का कि की उपधारा (1) द्वारा 468 0-03 परदात का कि साम के साम के साम के साम के साम अधिकार पाष्ट का कि साम अधिकार पाष्ट का का विनिष्ट उक्त मुमियों में 382 0-50 उपयोग का अधिकार पाष्ट का वान्त विष्ठात के प्रयोजन के लिए एत्द्रारा घोषित करनी है 480 0-15 अर्थित कर्या भाग करने हुए केन्द्रीय सरकार विनर्द होंने के बजाब भागनीय 378 0-08 परयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश तेती है कि उक्त भूमियों में 379 0-01 पर्योग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निर्दृत होंने के बजाब भागनीय 378 0-08 तैम प्रामिकरण कि में सभी बाधाओं में मुक्त कप में घोषणा के प्रकाशन 431 0-20 की हम नारीख की निर्दृत होगा।						0-20	
का. आ 2170'—यन: पेट्रोलियम औं रक्षित प्राप्त साइन सुमि में 329 0-75 उपयोग के अधिकार का अर्थन) अधितियस, 1962 (1962 का 50) 330 0-80 की घारा 3 की उपयारा (1) के प्रधान परित सरकार के पेट्रोलियम 432 0-88 मंत्रालय की अधिशृतना का. आ. स. 3457 नारील 1610-94 हारा 433 0-05 के क्षाय परकार ने उप अधिशृतना का. म. 3457 नारील 1610-94 हारा 434 1-03 के उपयोग के अधिशृतना का संपत्त करना की विवाद मूमियों 434 1-03 के उपयोग के अधिशृतना का संपत्त का विवाद के लिए अर्जिन करने 435 0-50 का अराना आज्ञय घोषिन कर दिया था। 469 0-50 और यन: सकाम प्राधिकारी ने उक्त अधिगियम की धारा 6 की उप- 135 0-30 वारा (1) के अधीन सरकार को निर्मार्ट देरी है! 496 0-02 और अरोप सरकार को निर्मार्ट देरी है! 497 0-80 परवात् इप अधिशृतना में सत्तान अनुत्रों में विनिद्ध भूमियों में उपयोग 499 0-40 का अधिकार अर्थित करने का विनिष्य किया है। 31 002 अप अप अर्थित करने का विनिष्य किया है। 31 002 अप अर्थित करने के विनिष्य की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा 469 0-15 करने का विनिष्य की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा 469 0-15 उपयोग का अधिकार पाप्प करने हुए केन्द्रीय सरकार एनव्यारा घोषित करनी है 480 0-15 उपयोग का अधिकार पाप्प करने हुए केन्द्रीय सरकार एनव्यारा घोषित करनी है 480 0-50 उपयोग का अधिकार पाप्प करने विज्ञ के प्रयोगन के विपा एनव्यारा अर्थित करनी है 494 0-11 और अर्थ जम धारा की उपधारा (4) बारा प्रवत्त सक्तियों में 307 0-50 उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में 307 0-05 उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाव भारनीय 378 0-08 विमा प्राप्त को प्रविकार के मिन्न को प्रविकार के विमा प्रवत्त होने के बजाव भारनीय 379 0-01 की दूस मिनित्र होना है में समी बाधाओं से मुक्त कप मैं घोषणा के प्रकाशन के प्रविकार की निरित होने के बजाव भारनीय 379 0-01 की दूस मारीख की निरित होने के बजाव भारनीय 379 0-01 की दूस मारीख की निरित होने के वाय भारनीय के प्रकाश की निरित होने के वाय भारनीय 379 0-01 की दूस मारीख की निरित होने के वाय भारनीय के प्रकाश की निरित होने के वाय भारनीय 379 0-01 की दूस मारीख की निरित होने के वाय भारनीय 379 0-01 की दूस मारीख की निरित होने के वाय भारनीय के प्रकाश की निरित होने के वाय भारनीय 379 0-01	[No. O-14016/	[64 _/ 84-G.P.]			327	0-30	
जुपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के क्षान भारत सरकार के पेट्रोनियम भंजानय की अधिमूलना का. आ. स. 3457 नारीख 16 10-94 द्वारा केन्द्रीय गरकार न उम अधिमूलना में संपत्म अनमुकी में विनिद्धित मुमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप नाइनों को बिछाने के निए अजिन करने का अराना आजय घोषिन कर दिया था 160 0-50 को अराना आजय घोषिन कर दिया था 160 0-50 को यन: सकाम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप- धारा (1) के अधीन सरकार को निर्पोर्ट दे री है । 186 0-02 वारा (1) के अधीन सरकार को निर्पोर्ट दे री है । 188 0-40 पण्डबात् इप अधिमूलना में सलान अनमुकी में विनिद्धित पृमियों में उपयोग 189 0-40 का अधिकार ऑकिन करने का विनिष्धय किया है । 81 0-2 अज, अन: उक्त अविनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा 169 0-50 उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विजय करने के सिर्ण पण्डबात प्राप्त करने के 180 0-15 प्रवास विक्त करने का विनिष्धय किया है । 81 0-2 जब, अन: उक्त अविनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा 169 0-50 उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के निण्णत्र्यारा अठित का भ्रमिण अनमुकी में विनिष्धित उक्त भृमियों में 382 0-50 उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के निण्णत्र्यारा अठैत किया भाना है । 199 0-01 प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार निर्वेश देती है कि उक्त भृमियों में 370 0-05 उपयोग का अधिकार केन्द्रीय मरकार में निष्ठित होने के बजाय भारनीय सैन प्रापिकरण नि. में सभी बाधाओं से मुक्त कप में घोषणा के प्रकाणन की इस नारीख की निर्वेहत होणा । 74 0-05					324	0-75	
सी घारा 3 की उपधारा (1) के अधान भारत सरकार के पेट्रोनियम मंत्रालय की अधिमूलना का. आ. स. 3457 तारीख 16 10-94 द्वारा केरद्रीय गरवार ने उम अधिमूलना में संजयन अनसूकी में निर्निदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाईप लाइनों की बिछाने के लिए अिंग करने को अपना का आज पाईपित कर दिया था। 469 0-50 को अपना सकम प्राधिकारी ने उकन अधिनयम की बारा 6 की उप- बारा (1) में अधीन सरकार को गिर्मीट दे दी है! 486 0-02 और अभी यन: केरदीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर निवार करने के परवता इप अधिमूलना में सलगन अनसूची में निर्निदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधिक करने का निर्णिय किया है! 83 0-40 परवता इप अधिमूलना में सलगन अनसूची में निर्निदिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अधिक करने का निर्णिय किया है! 83 0-03 अत, अन: उक्त अधिनयम की धारा ( को उपधारा (1) द्वारा परक्त अधिकार पायम लोहन विद्योग सरकार एनव्यास घोषित करनी है के इस अधिमूलना में संजयन अनसूची में निर्निदिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पायम लाहन बिछाने के प्रयोजन के निर्णित हरनी है विद्या अधिकार पायम लाहन बिछाने के प्रयोजन के निर्णित हरनी का अपना का अधिकार पायम लाहन बिछाने के प्रयोजन के निर्णित हरनी का अधिकार पायम लाहन बिछाने के प्रयोजन के निर्णित हरनी का अपना करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे 307 0-05 उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे 307 0-05 उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे 378 0-08 तीम प्राधिकरण नि, में सभी बाधाओं से सूक्त कर्म में बोयणा के प्रकाशन की इस तारीख को निर्हित होगा।					329	0-75	
मंत्रालय की अधिशूलना का. आं. स. 3457 नारीख 16 10-94 हारा केन्द्रीय सरकार न उस अधिशूलना में संपन्न अस्तूली में विनिर्दिष्ट भूमियों थे उपयोग के अजिकार को पाईप नाइनों को बिछाने के लिए अफिन करने का अपना आजाय घोषिन कर दिया था। 469 0-50 और यन: सक्तम प्राधिकारों ने उक्त अधिनियम की क्षारा 6 की उप- धारा (1) के अधीन सरकार को लिपोर्ट दे दी है। 496 0-02 भीर आंगे यन: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के परवात् इस अधिभूतना से सलान अस्तूली में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अफिन करने का विनिष्ध्य किया है। 497 0-40 का अधिकार अफिन करने का विनिष्ध्य किया है। 38 0-02 अद, अतः उक्त अजिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा परक्त शक्त अतं उक्त अजिनियम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा परक्त अधिभूतना में संपन्न अस्तूली में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में 380 0-15 कि इस अधिभूतना में संपन्न अस्तूली में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे 382 0-50 उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के निष्ण एत्द्दारा अतैर आंगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्न सक्तियों का प्रयोग का अधिकार केन्द्रोग सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों मे 378 0-08 उपयोग करने हुए केन्द्रोग सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों मे 378 0-08 विप्तिकरण नि. में सभी बाधाओं से सुक्त कप में बोयणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				330	0-80	
केन्द्रीय गरकार ने उस अधिसूचना से संवस्त अनसूची में विनिर्दिष्ट सूसियों थे उपयोग के अविकार को पाईप लाइनों को बिछाने के लिए अजिन करने को अपना आजय घोषिन कर दिया था। 469 0-50 और यन: सकास प्राधिकारों ने उकन अधिनियम की धारा 6 की उप- धारा (1) के अधीन सरकार को स्पिट दे दी है। 496 0-02 और आगे यन: केन्द्रीय सरकार ने उक्न रिपोर्ट दे दी है। 497 0-80 वारा (1) के अधीन सरकार ने उक्न रिपोर्ट पर विवार करने के पत्रवात् इस अधिसूचना से सलान अनसूची में विनिर्दिष्ट भूसियों में उपयोग का अधिकार अजिन करने का विनिष्धय किया है। 33 0-40 अप, अन: उक्न अविनियम को धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा प्रकृत का प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार एनव्द्रारा घोषिन करनी है के इस अधिसूचना में संलग्न अनसूची में विनिर्दिष्ट उक्न भूसियों में 382 0-50 उपयोग का अधिकार पाउप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्रारा अजिर अगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवन यक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीन सरकार निर्देश वेती है कि उक्ष भूसियों मे 307 0-05 उपयोग करने हुए केन्द्रीन सरकार में निहित होने के बनाय भारनीय सैन प्रतिकरण नि. में सभी बाधाओं से सुकन कप में बोयणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होना।	· •	•			432	0-88	
के उपयोग के अिकार की पहिंच लोहों की बिछाने के लिए अिंका करने का अपना आजय घोषित कर दिया था।  469 0-50  और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की आरा 6 की उप- धारा (1) ये अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।  437 0-80  धारा (1) ये अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।  437 0-80  धारा (1) ये अधीन सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के  पश्चात हप अधिमुचना से सलान अनुसूची में विनिद्दिष्ट भूमियों में उपयोग  धा अधिकार अिंका करने का विनिष्ध्य किया है।  अते 002  अतं, अतः उक्त अिंतियम की धारा ६ की उपधारा (1) द्वारा  प्रदक्त बाईन का प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार एनव्यारा घोषित करनी है  कि इस अधिमुचना में संगल अनुसूची में विनिद्दिष्ट उक्त भूमियों में  382 0-50  उपयोग का अधिकार पायम लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्यारा  अति किया अना है।  अते अगे उस धारा की उपधारा (4) तारा प्रवत्त मिल्यों का  प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्प भूमियों में  307 0-05  उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निर्हित होने के बजाब भारतीय  वैस प्राप्तिकरण नि. में सभी बाधाओं से सुक्त कप में घोषणा के प्रकाशन  की इस नारीका की निर्हित होगा।  74 0-05	मंत्रालय की अधिगूचना का. आ. स. ३४५७ नारीख 16	10-84 द्वारा			433	0-05	
का अपना आजाग घोषित कर दिया था । 169 0-50 और यत: सबस प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप- धारा (1) ों अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है । 486 0-02 और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर निवार करने के 488 0-40 परवात इप अधिमुक्ता में सलगत अतमूची में वितिर्देष्ट भूमियों में उपयोग 499 0-40 का अधिकार अधित करने का निल्चय किया है । 81 002 अप, अत: उक्त अनित्यम की धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा 453 0-03 प्रदक्त प्रतिन करने हुए कैन्द्रीय सरकार एतक्द्रारा घोषित करनी है कि इस अधिमुक्ता में संलग्न अतमूची में निर्विष्ट उक्त भूमियों में 382 0-50 उपयोग का अधिकार पादम लाइन बिछाने के प्रयोजन के निण्णतद्वारा 380 0-50 अर्जित किया भाता है । 494 0-11 और आगे उस धारा की उपधारा (4) वारा प्रवत्त सक्तियों का 307 0-05 उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों में 378 0-08 ग्रेमींग करने हुए केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाब भारतीय 379 0-01 की इस नारीक्ष को निहित होगा । 74 0-05	केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूत्रना से संयस्त अतसूत्री से विनि	र्निदेष्ट भूमियो			434	1-03	
शौर यत: सक्तम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप- धारा (1) ये अधीन सरकार को न्पिर्ट दे ती है ।  शौर आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर निवार करने के  परबात इप अधिमुचना में सलान अनमूची में विनिर्देश्य पूमियों में उपयोग  का अधिकार अभिन करने का विनिष्ण्य किया है ।  अत अत: उक्त अविनियम को धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा  मदत्त प्रक्ति करने अधिनियम को धारा 6 को उपधारा (1) द्वारा  मदत्त प्रक्ति का अधिमुचना में संलग्न अनमूची में विनिर्दिश्य उक्त भूमियों मे  उत्थाग का अधिकार पायम लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा  अतिन किया आता है ।  और आगे उस धारा की उपधारा (4) वारा प्रवत्त सम्लियों का  प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उन्त अधिकार कन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय  तैम प्रामिकरण कि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन  की इस नारीख को निहित होगा ।	के उपयोग के अजिकार को पाईप लाइनों को बिछाने के लिए	(अफिनकरने			435	0-50	
बारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है । 496 0-02  और आगे यन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर निवार करने के 488 0-40  परवान इप अधिमुचना से सलग्न अनमूची में विनिद्धित भूमियों में उपयोग 499 0-40 का अधिकार अफिन करने का विनिष्चय किया है । 83 0.02  अत्र, अत उक्त अविनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा 469 0-03  प्रदल यक्ति का प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार एनव्यूतारा घोषिन करनी है 480 0-15  कि इस अधिमुचना में संपान अनमूची में विनिद्धित उक्त भूमियों में 382 0-50  उपयोग का अधिकार पायम लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्यूतारा  और आगे उस धारा की उपधारा (4) तारा प्रवत्त सिल्तियों का 494 0-11  और आगे उस धारा की उपधारा (4) तारा प्रवत्त सिल्तियों का 29 0-01  प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों में 307 0-05  उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निष्टिन होने के बनाय भारतीय  सैस प्रामिकरण नि. में सभी बाधाओं से मुक्त क्य में घोषणा के प्रकाशन 431 0-20  सैन इस नारीस्त की निहित होगा । 74 0-05	का अपना आज्ञाय घोषित कर दिया था ।				169	0-50	
धारा (1) के बंधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।  श्रीर आगे यन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के  परबात् इप अधिमूचना से सलग्न अनमूची में विनिर्देण्ट भूमियों में उपयोग  का अधिकार अफिन करने का विनिण्य किया है ।  अत्र अत उक्त अविनियम की धारा ७ को उपधारा (1) द्वारा  प्रदल्ल यक्ति का प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार एनक्द्रारा घोषिन करनी है  कि इस अधिमूचना में संख्या अतमूची में विनिर्दिण्ट उक्त भूमियों में  उत्र अता अतमूचना में संख्या अतमूची में विनिर्दिण्ट उक्त भूमियों में  उत्र चाकि का अधिकार पाइप लाइन बिखाने के प्रयोजन के लिए एनक्द्रारा  अतिन किया जाता है ।  और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल सक्तियों का  प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय  सैस प्राधिकरण वि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन  की इस नारीख की निहित होगा ।  496  0-02  487  488  0-40  488  0-40  488  0-40  488  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-40  489  0-01  489  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15  480  0-15	और ग्रत: सक्तम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धार	राहकी जप-			135	0-30	
भीर आगे यन केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के  परबात् इप अधित्वना से सलग्न अनसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अणित करने का विनिष्चय किया है।  अत्र अतः उक्त अविनियम की धारा ६ को उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त शक्ति का प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार एनव्द्रारा घोषिन करनी है  कि इस अधिसूचना में संलग्न अनसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में  उत्रयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्द्रारा अति किया आता है।  और आगे उस धारा की उपधारा (4) वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश येती है कि उक्त भूमियों में  उत्रयोग का अधिकार फेन्द्रीय सरकार निर्देश येती है कि उक्त भूमियों में उत्रयोग का अधिकार फेन्द्रीय सरकार निर्देश येती है कि उक्त भूमियों में अति अभि अभि उस धारा की उपधारा (4) वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश येती है कि उक्त भूमियों में उत्रयोग का अधिकार फेन्द्रीय सरकार में निहित्त होने के बजाय भागनीय तीम प्रामिकरण वि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा।		,			486	0-02	
पश्चात् ६प अक्षिम् वना से सलग्न अनमूची में विनिर्देण्ट भूमियों में उपयोग 488 0-40 का अधिकार अित करने का विनिण्चय किया है। 83 0-02 अब, अब: उबन अबिनियम की धारा ६ की उपधारा (1) द्वारा 469 0-03 प्रदक्त प्रवित्त का प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार एनथ्दारा घोषित करनी है 480 0-15 कि इस अधिमूचना में संलग्न अनमूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में 382 0-50 उपयोग का अधिकार पादम लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्वारा 380 0-50 अबिन किया भाग है। 484 0-11 और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का 29 0-01 प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्स भूमियों में 307 0-05 उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्स भूमियों में 378 0-08 गैस प्राप्तिकरण कि. में सभी बाधाओं से मुक्त कप में घोषणा के प्रकाशन 431 0-20 की इस नारीख को निहित होगा।	•				487	0-80	
का अधिकार अर्थित करने का विनिष्चय किया है।  अब, अन : उक्न अबिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त सिक्त का प्रयोग करने हुए कैन्द्रीय सरकार एनव्द्रारा घोषित करनी है  कि इस अधिकार पादय लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्द्रारा उबन अधिकार पादय लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनव्द्रारा अर्थित किया जाता है।  और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारनीय की इस नारीख की निहित होगा।  149 0-05  379 0-01  की इस नारीख की निहित होगा।  174 0-05					488	0-40	
अब, अन : उक्त अवितियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्त अन : उक्त अवितियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्त आपोग करते हुए कैन्द्रीय सरकार एतक्ष्त्रारा घोषित करती है  कि इस अधिमूचना में संपन्न अनसूची में विविधिष्ट उक्त भूमियों मे  उक्ष उन्हें उपयोग का अधिकार पायन लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतक्ष्त्रारा  अति किया जाता है ।  और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का  प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उन्हें उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निश्चित होने के बजाय भारतीय  वैस प्रासिकरण कि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन  की इस तारीख की निश्चित होगा ।  29  0-01  431  0-20  74		विश्व म उपयोग			499	0-40	
प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए कैन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा घोषित करती है  कि इस अधिसूचना में संगम अनसूची में विविधिष्ट उक्त भूमियों मे  उ82 0-50  उपयोग का अधिकार पादम लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्रारा  380 0-50  अजिन किया जाता है ।  और आगे उस धारा की उपधारा (4) तारा प्रवत्त सिलियों का  प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे  उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निश्चित होने के बजाय भारतीय  गैस प्रासिकरण कि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन  की इस तारीख की निश्चित होगा ।  74 0-05	का अधिकार आर्शन करने का वितिष्ययाक्या है।				83	0 0 3	
िक इस अधिमूचना में संगण अनसूत्री में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में 382 0-50  उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्दारा 380 0-50 अर्जिन किया जाता है । 494 0-11  और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त समिनयों का 29 0-01  प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में 307 0-05  उपयोंग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय  गैस प्रासिकरण कि. में सभी बाधाओं से मुक्त अप में घोषणा के प्रकाशन 379 0-01 की इस नारीख को निहिन होगा । 74 0-05	अत्र, अतः उक्त अबिनियम की धारा ५ की उपधारा	ा (1) द्वारा			463	0-03	
उसमोग का अधिकार पादम लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्दारा     380     0→50       अर्जन किया जाता है ।     494     0→11       और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का     29     0→01       प्रयोग करने हुए केन्द्रीन सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूसियों मे     307     0→05       उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय     378     0→08       गैस प्रासिकरण कि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन     379     0→01       की इस नारीख को निहित होगा ।     431     0−20       74     0-05	प्रदक्त शक्ति का प्रयोग करते हुए कैन्द्रीय सरकार एनथ्द्रारा घे	ोषित करती है			480	015	
अर्थित किया जाता है । 494 0-11  और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का 29 0-01  प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे 307 0-05  उपयोंग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय 378 0-08  गैस प्रासिकरण दि. में सभी खाधाओं से मुक्त रूप में बोषणा के प्रकाशन 431 0-20  की इस नारीख की निहित होगा । 74 0-05	कि इस अधिमूचना में संलग्न अनमूची में विनिविष्ट उक	न भृमियों मे			382	0-50	
और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का 29 0-01 प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे 3.07 0-05 उपयोंग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय 378 0-08 गैस प्रासिकरण दि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन 379 0-01 की इस नारीख की निहित होगा। 74 0-05	उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन की वि	लिए एनदुद्रारा			380	0-50	
और आगे उस धारा की उपधारा (4) दारा प्रदत्त सक्तियों का $29$ $0-01$ प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे $3.07$ $0-05$ उपयोंग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय $378$ $0-08$ गैस प्रासिकरण दि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन $379$ $0-01$ की इस नारीख की निहित होगा । $431$ $0-20$	अर्जिन किया भाना है ।	•			494	0-11	
प्रयोग करने द्वार उन अन्यास (क) प्रास्त अवस कानाया का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेती है कि उक्त भूमियों मे 3.07 0→05 उपयोंग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारनीय गैस प्रासिकरण वि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन 379 0→01 की इस नारीख को निहित होगा। 431 0−20	भीर अपने का भारत की जाताया (1) कारत प्रकार	<del>mferrii</del> m			29		
प्रयोग करता हुए, कन्द्रात भरकार स्वर्गा है। के बजाब भारतीय 378 0→08  रीस प्रासिकरण वि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन 379 0→01  की इस नारीख को निहित होगा। 431 0→20							
3पयान की आवकार भन्नाय सरकार ने लिहन होने के बजाय मारनाय रीस प्राप्तिकरण वि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन 379 0→01 की इस नारीख़ को निहित होगा । 431 0−20	•	•					
गम प्राप्तकरण (त. म नेना काबाजा ने मुक्त रूप म घापणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा । 431 0-20	<del>_</del>						
को इस पाराक्य को माह्य होगा। 7-4 0-05	•	णाक प्रकाशन					
7 4 0 - 0 7	की इस नारास्त्र की निष्टित होगा।						
अन्पूत्र। 84 0 ज03	अनमूची						

हाजिरा-बरेली-जगदीणपूर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिल्ला	नदसाण-	परगनः	яін	गाटा म	लिया गए रक्षवा एकड मे	विक्य
1		3	4	5	t ₂	7
भांमी	हांगी	झामी	राजःपुर	71	0-02	
				7.2	0-90	
				73	() () 3	
				75	()→() 9	
				76	0.60	
				79	025	
				87/1	1-90	
				91	008	
				9.2	0-70	
				106	050	
				109	0- 03	
				110	0-80	
				111	0- 50	
				113	0 - 92	

[म. **O--**14016/67/84-जी. पा]

0-03

0-01

S.O. 2370.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S.O. 3457 duted 16-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

133

490

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the sald report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

Hajira-Bareilly-Jagdishpur Pipe line Project

				Plot	Area	
Distt.	Tahsil	Pargana	Village	No	Acquired	Re- m <i>a</i> rks
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Jhansi	Jhansi	Raja Pur	71	0-02	_
			-	72	0–90	
				73	0-03	
				75	0-09	
				76	0-60	
				79	0-25	
				87/1	1-90	
				91	0-08	
				92	0-70	
				106	0-50	
				109	0-03	
				110	0-80	
				111	0-50	
				113	0-92	
				114	0-40	
				120/1	003	
				121	0–70	
				129	0-9 <b>2</b>	
				138	0-37	
				139	0–63	
				140	0-08	
				141	0–20	
				327	030	
				328	0-75	
				329	0–75	
				330	0-80	
				432	0-88	
				433	0-05	
				434	1-03	
				435	0-50	
				469	0-50	
				485	0-30	
				486	0-02	
				487	0-80	
				488	0-40	
				489	0-40	
				83 460	0-02	
				468 430	0-03	
				382	0-15 0-50	
				380	0-50 0-50	
				484	0-30 0-11	
				29	0-01	
				307	0-01	
				378	0-03	
				379	0-08 0-01	
				431	0-01 0-20	
				74	0-20	
				84	0-03	
				133	0-03	
				490	0-03 0-01	
				-T2U	V-01	

का. आ. 2371—पन: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिमूचना का. आ. मं. 3666 तारीख 30-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिमूचना के संलग्न अनुमूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को खिछाने के लिए अर्जिश करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट वी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्टे पर विचार करने पण्यात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवन्न णित का प्रयोग करते. हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमूची में विनिर्दिश्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अजित किया आता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहिन होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस नारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

	हात्रिर	ग्र⊸बरेन्नी⊸	जगदीशपुर	गाइप लाइन	पोजेंबट	
जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा स .	लिया गया रकवा एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
मांसी	—— — मोठ	मोठ		127	0-02	
			स्टेट	126	0-58	
				131	0-73	
				122	1-10	
				120	0-02	
				119	0-03	
				117	0-80	
				116	0-01	
				113	0⊶73	
				111	0-15	
				149	0-02	
				148	0-02	
				153	0-30	
				152	0-38	
				151	0-02	
				150	0 → 0 2	
				103	0-16	
				101	1-24	
				97	0-35	
				100	004	
				98	0-03	

S.O 2371—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3666 dated 30-10-84 under sub-secion (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerais Pipelines (Acquisition of Right of User in I and) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said teport, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Gas Pipeline from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No	Area Acquired	Rema- rks
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Imiliya			
			State	127	002	
				1 <b>2</b> 6	0-58	
				131	0-73	
				122	1-10	
				120	0-02	
				119	0-03	
				117	0-80	
				116	0-01	
				113	0-73	
				111	0-15	
				149	0-02	
				148	0-02	
				153	0-30	
				15 <b>2</b>	0 -38	
				151	0-02	
				150	0-02	
				103	0-16	
				101	1-24	
				97	0-35	
				100	0-04	
				98	0-03	
		_		[No. O		/84-GP

कः अः 2372 — यत पेट्रोलियम और खितिज पःहप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन रास्त सरकार के पेट्रोलियम मवालय की अधिम्चना का औ. स. 4103 तारीख 12-11-84 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपपोग के अधिकार को पाइप लाइनो को विछाने के लिए अर्जित करने का अपनाआशय घोषित कर दिया था। और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

और आगे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट स्मियी में उपयोग का अधिवार अजिन करने का विनिध्चय किया है।

अब अतः . उकतः अधिनियमः की धाराः 6 की उपधाराः (1) द्वाराः प्रदन्तं ग्राक्ति का प्रयोगं करते हुए केन्द्रीय मरकार एतद्वारा धाणितं करतीः है कि इस अधिसूचना में स्रीलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उकतः भूमियो में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारां अजित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) हारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गरनीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन का इस नारिख को निहित होगा।

अनुसूची हजिरा-बरेली-जगदीणपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	नहसील	परगना	ग्रीम	गाटा स .	लियागया रकवाएक इ भे	विवरण
1	2	3	4	5	<del></del>	7
— — झांमी	ਸੀਠ	 मोठ	— . खिरगवां	132	U-68	
				133	0-03	
				134	1-33	
				135	0-05	
				136	0-48	
				299	0-10	
				322	0-25	
				323	0-30	
				325	170	
				326	1- 0 G	
				328	0-98	
				330	0-06	
				331	0-01	
				332	0-24	
				334	0-22	
				352	1-04	
				354	0-54	
				356	0-04	
				358	1-02	
				360	1-34	
				363	0- 05	
				364	0- 0 I	
				378	0-18	
				377	0-38	
				380	0-10	
				381	0-10	
				382	0 → 5 7	
				391/4	0-02	
				392,	0→0 (3	
				399	1 → 1 0	
				400	0-11	

			:	=	<u></u> -		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·					2797
1 2	3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6	7
			412	0.07					3	25	1-06	
				0-27					3	28	0-98	
			413	0~06					3	30	0-06	
			114	0-54						31	0-01	
			425	0~04					3	32	0 24	
			419	0-80						34	0~22	
			1.0	0~23						52	1-04	
			422	2~23						54	0 54	
			429	068						56	0-04	
									3.5		1-02	
			430	0-83					36		1-34	
			431	u <b>~</b> 40					36 36		0-05	
			432	0~ 04					37		0-01	
			434	0~01					37		0-18 0-38	
			435	0~02					38		0-10	
			469	0~04					38		0-10	
			480	0-30					38		0-57	
			471	0~05					39	1/4	0-02	
					<del></del>				392	2	0-06	
			[₦. <b>O</b> -140	16/5/84 <b>-3</b> fi	. ષી ]				399	9	1-10	
									400	)	0-11	
C 0 0150 11	*1		-						412	2	0 27	
S.O. 2372.—Wof India in the					nment dated				413		0-06	
12-11-84 under st									414		0-54	
and Mineral's Pipe	lines (A	equisitie	on of Right	of User in 1	Land)				42 9		0-04	
Act, 1962 (50 of	f 1962)	, the C	entral Gov	ernment de	clared				419		0-80	
its intention to ac in the schedule at	quire th ppended	e right :	of user in t	ne unas spe	ecined				420		0-22	
laying pipeline;	ppended	it) (III	, notificatio	at tot butbe	ise of				422		0-23	
A = d = de==== eV			A 11. 1	1. 1					429		0-68	
And whereas il Section (1) of Se	ne Com ection 6	of the	Said Act	nas under	sub- eport				430	1	0-83	
to the Governmen	it;	OI THE	said Aci,	Buomitted 1	chojt				431		0-40	
And further 1	heron- 4	h- C	tual Carran	nmane Los	ofter				432		0-04	
And further wl considering the sa									434		0-01	
user in the lands									435		0-02	

[No. O 14016/5/84-GP]

0 - 04

0-30

0 - 05

469

480

471

considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** Hajira Bar By Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area to Acquired in acres	Re- mark
1	2	3	4	_5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Bırga-	132	0-68	
			wan	J 33	0-03	
				134	1-33	
				135	005	
				136	0-48	
				299	0-10	
				322	0-25	
				3 <b>2</b> 3	0-30	
				325	170	

का. आ 2373--यत. पेट्रालियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पट्टालियम मत्रालय को अधिमूचना का अा. म. 4103 नारीय 12-11-84 हारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट मूर्मिया के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो का बिछाने के लिए अजिन करने का अपना आशय घोषित कर दियाथा।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन भरकार का रिवॉर्ट दे दी है।

और आग्ने यनः केन्द्रीय सरकार ने उक्त स्पिन्टिंगर विवास करने के पश्चात् इस अधिसूत्रना से सलग्न अनुसूची में विनिदिष्ट भूमिया से उपयोग का अधिकार अजित करते का बितिश्चय किया है।

अब, अनः उपन अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त णिवनयां का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा घोषित करती है कि इस अक्षिपूचन। में संतरन अरुपूचों में जिनिविष्ट उका भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्दारा अजित किया भाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग-का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

				अनुसूची		
		हाजिरा	बरेली	<b>जगवीशपुर</b>	पाइप लाइन	प्रोजेस्ट
जिला	शहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं	लिया गया रकवा ^६ में	<b>र्कड</b> ़
1	2	3	4	5	6	7
मांसी	मोठ	मोठ	सिर	सा 60	1	- 18
				61	O	<b>⊢</b> 09
				65	C	<b>⊢</b> 03
				66		- 59
				75		<del>-</del> 70
				76		) 1 0
				77		)-03
				176		0- 03
				191		0-09
				216		1-62
				217		0- 93 0- 04
				221		0-04 0-33
				231 232		0- 33 1- 75
				233		0-18
				234		0-66
				235		0-0J
				238		0-07
				240		0-34
				241		0-25
				243		1-38
				291		1-23
				292	<b>?</b>	0-45
				293	3	0-28
				294	1	0-49
				290	3	0-10
				29	7	0~09
				29	9	0-37
				29	9	0-17
				31	0	0-03
				32	1	2-08
				32		0-19
				32		80~0
				32		0-21
				32		0-55
				33		0-08
				34		0-03
					52	1-29
				36		0-16
				36		0-01
				3 5		1-74
					58	0-96

1	2	3	4	5	6	7
			3	73	0-03	
			3	80	0-21	
			3	81	0-07	
			3	82	1-35	
			3	86	0-22	
			3	87	0-54	
			3	88	1-09	
			3	91	0-19	
			3	92	0-46	
			4	126	0-28	
				532	0-24	
			:	534	0-06	
			;	59 <b>7</b>	0-36	
			:	597/1779	0-11	
				598	0-28	
				599	0-03	
				602	0-98	
				603	0-05	
				604	0-34	
				605	0-03	
					0	-03

[स. **O-**14016/5/84-जापा]

S.O. 2373.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum. S.O. 4103 dated 12-11-84 under sub-secion (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral's Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the jands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tehsil	Par- gane	Village	Plot No.	Area Acquired (în acres)	Re- mark
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Sersa	60	1-18	
				61	0-09	
				65	0-03	
				66	1-59	
				75	070	

	2	3	4 5	6	7						इन को <b>बि</b> छाने	के लिए
			76	0-10						पत कर दिय		•
			77 191	0-03 0-03						_	न की घारा 6	को उप
			216	1-6 <b>2</b>		धारा (	ा) के आ	भ्रीन सरक	ार की रि	पोर्ट दे दें हैं	l	
			217	0-93		औ	र आग्रेय	तः केन्द्रीय	सरकार	ने उक्त रि	पोर्टपर विचार	करने व
			<b>22</b> 1	0-04							र्गीदष्ट भूमियो में	
			<b>2</b> 31	0-33						क्ष स्यकियाहै।	Y	•
			232	1-75								
			233	0-18							प्रधारा (1) हैं।	
			234 235	066 008				-			द्द्वारा घोषित कर	
			<b>2</b> 39	0-07							उक्त भूमियों में	
			240	0-34				इपलाइन	विछाने ः	कें लिए प	,तद्द्वारा अजि	स कि
			241	<b>0-2</b> 5		काता है	[1					
			243	1-38		और	आसे उर	य धारा	की उपधा	रा (4) त	ारा प्रवत्त श <del>वि</del>	तयों व
			291	1-23							। कि उक्त भू	
			292	0-45 0- <b>2</b> 8			-				५ होने के बजाय	
			<b>29</b> 3	0-26 0-49								
			294							। स मुक्त र	इप में घोषणा	գո չվորլա
			296 <b>2</b> 97	0-10 0-09		वस तार	ीख को नि	पह्त हागा				
			298	0-37						अनुसूची		
			299	0-17			हाजिरा	-बरेले			लाइन प्रोजेक	ਣ
			310	0-03					•	·		
			321	0-08		अिला	तहम <b>ेल</b>	परगना	ग्राम	गाटा स .	अजित किया	विवर
			322	0-19							एक इसें	
			3 <b>2</b> 5 3 <b>2</b> 6	0-08 0- <b>2</b> 1				<del></del> -				
			327	0-55		1	2	3 _	4	5	6	
			332	0-08		मामी	मोठ	मोट	ख डोवा	10	0-03	
			345	0-03						11	0-01	
			352	1-29						12	0-13	
			353	0-16						16	2- 00	
			355	0-01						24	0-25	
			356 358	1-74 0-96						25	0-51	
			373	0-03						68	0-96	
			380	0-21						92	0-48	
			381	0-07						102	0-04	
			382	1-35						105		
			386	0-22							0-02	
			387 388	0-54						106	1-22	
			366 391	1-09 0-19						108	0-05	
			392	0-19 0-46						111	0-08	
			426	0-28						112	0-56	
			532	0-24						115	0-05	
			534	0-06						116	0-56	
			597	0-36						117	0- 45	
				779 0-11						119	0- 04	
			598 599	0- <b>2</b> 8 0-03						120	0- 02	<b>:</b>
			602	0-03 0-98						125	1-00	·
			603	0-05						127	0-10	1
			604	0-34						136	0- 0.2	:
			605	0-03						152	0-03	,
-			<u></u>	io. O-14016/	5/84-GP1					153	I-80	
			r.	= - / <b>0.0</b> /·	, 51]					154	0-18	3
										155	0-68	
का.	भा. 23	74 यतः	पेट्रोलियम औ	र खानिअ	पाइपलाइन					181	0-04	
			्का अर्जन)अ [†]							182	0-16	
			<i>) -:.</i> पश्चारा (1) वे							183	1-05	
50	) 460 care				0 1 1 1 1 T						1 00	
-			गका. आ.ंस.	4103 arð <del>a</del>	12-11-					184	0-04	

1	2	3	4	5	6	7	1	<del></del> -	2	3	4	5	6	7
		<u> </u>			<del></del>	<u> </u>						105	0-02	
				191	0-30							106	1-22	
				192	0-04							108	0-05	
				193	0-02							111	0-08	
				211	0-68							112	0-56	
				224	0-25							115	0-05	
				225	0-96							116	0-56	
				231	0-62							117	0-45	
				233	0-32							119	0-04	
												120	0-02	
				234	0-96							125 127	1-00	
				235	0-03							136	0-10 0-02	
				236	0-03							152	003	
				238	0-80							153	1-80	
				239	0-05							154	0-18	
				254	0-06							155	0-68	
				255	0-08							181	0-04	
				256	0-03							182	0–16	
												183	1-05	
				288	0 → 0 4							184	0-04	
				289	0-02							190	1-12	
				for art-1	1016 <i>  5 </i> 84-37							191	0-30	
						_						192	0-04	
S.O.	2374 —	-Wherea	s by no	tification of	the Govern	nment						193	0-03	
OL Indi	ia in in 4 und <b>e</b> r	e Mini	stry of	Petrolcum S. of Section 3	.O. 4103	dated						211	0-68	
and Min	neraïs P	ipelines	(Acquisi	tion of Right	of User in 1	Dieuter Land)						224	0-25	
Act, 19	)62 ( <i>5</i> 0	of 196	(2), the	Central Gov	ernment de	clar <b>e</b> d						225	0-96	
its inter	ition to	acquire	the righ	t or user in t	the lands spe	ecified						231	0-62	
laying p	schedule pipeline	: append	nea to ti	hat notificaio	n for purpo	ose of						233 234	0-32	
						_						235	0-96 0-03	
And Section	Whereas	the C	ompetent	Authority	has under	ьub-						236	0-03	
to the	Governn	nent:	0 01 11	ie said Aci,	submitted 1	герогі						238	0-03 0-80	
			41 0			<b>.</b>						239	0-05	
consider	turiner ing the	wnerca:	s the Co	entral Gover cided to acq	nment has,	after						254	0-05	
user in	the lan	ds spec	ified in t	the schedule	appended to	o this						255	0-08	
notificat	ion;	•		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·								256	0-03	
Now.	thorefo	re. in e	exercise	of the pow	er conferred	l by						288	0-04	
	' (T)	- 7	C	DOWN	er conferred	r fil								

0-02 [No. O-14016/5/84-GP]

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE Gas Pipe Line from Hajira-Barcilly-Jagdishpur Project

District	Tehsil	Par- gana	Village	Plot No.	Area in acres	Re- marks
1	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Moth	Moth	Khana-	10	0-03	_ <del></del>
			uwa	11	0-01	
				12	0-13	
				16	2-00	
				24	0-25	
				25	0-51	
				68	0-96	
				92	0-48	
				102	0-04	

का. आ. 2375--यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भृमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की जपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रॉलियम मंत्रालय की अधिगृचना का. आ .स 5779 नारीख 27-10-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भामियो के उपयोग के अधिकार की पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अजित करन का अपना आएाय घोषित कर दिया था।

289

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) ले अधीन मरकार को रिपोर्ट दे थी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने क परचात् इस अधिसूचना से मंलग्न अनुसूची में जिनिर्दिष्ट भूमियी में उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची मे विनिधिष्ट उक्त भूमियों मे जपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुहारा अजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदस शक्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का

7

अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय सैम	प्राधिकरण
लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे घोषणा के प्रकाशन की	
को निहिन होगा।	

			34	नुसूची			
	हाजिय-∽	बरेर्ला–उ	।गदीणपुर	पाडप	ला <b>द</b> न	प्रोजेक्ट	
 জি <b>শা</b>	तहर्म <b>ित</b>	यरगना	 ग्राम	गाटा स .		।(गया बाएक इ	विवरण मे
1	2	3	4	5	<u>"</u>	6	7
सांसा	झांसी	मांसी	खन्द करार्र	75/4		0-75	

75/3/2

 $7.5_{I}.4_{I}.1$ 

77,175

79,1

79/2

83,2,1

83, 2, 2

92/1/1

92,1,2

92/1/3

92/1/4

92/2/2

92/2/3

92/2/4

92/2/5

93/1/1

93/1/2

93/1/3

93/2/1

93/2/2

93/2/3

93/2/4

108/1/1

108/1/2

108/4/1

108/4/2

110/2/1

110/2/2

110/2/3

111/1 -

111/2/1

111/2/2

111/2/3

111/2/4

112/1

112/2/1

112/2/2

112/2/3

115/1/1

115/1/2

110/1

80 83,1

77

0 - 54

0-65

0 - 2.3

0-05

0 - 0.9

0-09

0 - 39

0-14

0 - 14

0 - 130-05

0-05

0-05

0-06

0-06

0-06

0-06

0-06 0 - 0.6

0-06

0-06

0-06

0-06

0-06

0-05

0 - 60

0 - 72

.0- 39

0-37

0-10

0-10

0-10

0-09

0 - 09

0-09

0-09

0-08

0-08

0-11

0-10

0 - 10

0-10

0 - 20

0-20

	11 3/1/3	0 15
	115/2	0~ 1 9
	118/1	0-09
	118/2/1	0-09
	118/2/2	0-09
	118/2/3	0-10
	[# • <b>O</b> -140	016/169/84-जॉर पी]
S.O. 2375.—Wherea of India in the Munis	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-
27-10-84 under sub-sec		
and Minerals Pipelines	(Acquisition of Right	of User in Land).
	4) 4ha (Ca-4-a) ()-	

115/1/3

___3 _ __

nt: ted um Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the tight of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this tlate of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- mark
i	2	3	4	5	6	7
Jhansi	Jhansi	Jhansi	Roond	75/4	0-75	
=			Karari	75/3/2	0-54	
				75/4/1	0~65	
				<b>7</b> 7	0-22	
				77/17:	5 0-05	
				79/1	0-09	
				79/2	0-09	
				80	0-39	
				83/1	0-14	
				83/2/1	0-14	
				83/2/2	2 0-13	
				92/1/1	0-05	
				92/1/2	0-05	
				92/1/3	0-05	
				92/1/4	0-06	
				92/2/2	0-06	
				92/2/3	3 0-06	

$\frac{1}{2} \frac{2}{3} \frac{3}{92/2/4} \frac{5}{0.06} \frac{7}{0.06}$						होने के बजाय गशन की इस	
92/2/5 0-06	निहित ह		9.1.	- 1 -1 -		40 64	(1) × 1 × 1
93/1/1 0-06	1,118,116	Ş 1411 - I					
93/1/2 0-06				श्र	नुसूची		
<b>9</b> 3/1/3 0-06		हा'	जिरा बरेल	ी जगदी	शिपुर पाइपल	गाइन प्रोजेक्ट	
93/2/1 0-06							
93/2/2 0-06	जिला	परगता	तहसील	ग्राम	गाटासं	रकवा	विवरण
93/2/3 0-06	1-, 1.		11121111	काना		31731	(44.00
93/2/4 0-05				411 411.	7		
108/1/1 0-60					· <del></del>		
108/1/2 0 72	1	2	3	4	5	6	7
108/4/1 0 39	<del>-</del>			··	<del></del>		
108/4/2 0-37	कानपुर		कानपुर-	नगवा	49/6	0-5-10	
110/1 0-10	सिटी	मिटी	सिटी				
110/2/1 0-10 110/2/2 0-10					52	2-15-0	
110/2/2 0-10					53	01616	
111/1 0-09					61	0-7-0	
111/2/1 0-09							
111/2/2 0-09					62	0-9-0	
111/2/3 0-08					60	0-17-0	
111/2/4 0-08					63/1	0-5-0	
112/1 0-11					63/2	0-5-0	
112/2/1 0-10					63/3	0 5 0	
112/2/2 0-10					64	0-10-0	
112/2/3 0-10					104	0-17-0	
115/1/1 0-20					111	0-11-0	
115/1/2 0-20							
115/1/3 0-19					114	0-13-0	
115/2 0-19					122	0-0-10	
118/1 0-09 118/2/1 0-09					137	0-5-0	
118/2/2 0-09					162	0-6-10	
118/2/3 0-10					169	0-11-0	
*10/p/3 V-10					168	0-3-0	
[No. O-14016/169/84-GP]					138	1-15-0	
[1107 0-14010/105/04-01]					167	1-4-0	
					_		
•					216/5	1-15-0	
का मा "2.376 — यन पेट्रोलियम ग्रौर खनिज पाइपलाइन (भूमि					217	<b>0− 1 7− 0</b>	
ने उपयोग के मधिकार का भर्जन) (मिक्षिनियम 1962) (1962 का					218	0-4-10	
50) की धारा 3 की उपघारा (1) के भर्धीन भारत सरकार के ऊर्जा					192/4	1 <b> 7</b> 0	
त्रालय पेट्रोलियम विभाग की मधिसूचना का आ . सं. 4104 तारीख					222	0-10-0	
1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से सलग्न धनुसूची मे					224	0-16-0	
वेनिवष्ट भूमियों के उपयोग के भ्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने					223	0-12-0	
हे लिए मर्जित करने का ग्रपना माश्रय घोषित कर दिया था।					225	0-6-0	
ं राष्ट्र आश्रा करा का अवता आसी वासित कर दिया था।					226	0-10-0	
श्रीर यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त भ्राधिनियम की धारा 6 की							
(.) > 2					231	0-4-0	
अपवारा (1) के प्रधान संस्कार को रिपोर्ट दी है।					233	1-8-0	
भौर मागे यतः केन्द्रीय सरकार ने जक्त रिपोर्टपर विचार करने के					246	0-18-10	
					242	0-8-0	
भ्वात् इस मिक्स्चना से सलग्न भनुसूची मे जिनिटिष्ट भृमियों मे उपयोग					247/2	09-0	
ा प्रधिकार मर्जित करने का विनिष्चय किया है।					248	0-1-0	
NA UT THE ENGINEER OF STREET A TO THE TOTAL ASSESSMENT (1)					397	0-1-0	
भव, भने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा					398	0-6-0	
दत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा घोषित करती है							
ह् इस प्रधिसूचना मे संलग्न घनुसूची मे बिनिविष्ट उक्त भूमियो में					401	0-4-0	
पयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा					402	0-2-0	
जित किया जाता है ।					404	0-0-10	
·					406/1	0-8-0	
भीर मागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का					542/1	2-3-0	
योग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भृमियों में					542/2	1-0-0	

7

6

J-4-0

1-15-0

0 - 17 - 0

167

216

217

2	3	4	5	ß	7	1	2	
-		5.4	12/ L	0-5-0		-		
		56	32/1	1→5-0				
		19	0	0-8-0				
		37	/ ı	0-12-0				
		<b>š</b> 7	/2	0-12-0				
		1 1	4	0→4~()				
		1 2	.0	0-2-0				
		10	3	0-3-0				
		11	2	061)				
			[मं. (	)-14016/6/84	-जीपी]			
S () 2376 — W	Vheress 1	w notifi	cation	of the Gove	rnment			
India in the M	linistry o	î Energy	, Depa	rtment of Pet	rolcum			
				ction (1) of				
	linistry o	î Energy	, Depa	rtment of Pet	rolcum			

intent on to acquire the user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said reporot, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Itd. free from encumbrances.

**SCHEDULF** Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Per- gana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- mark
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Kanpur	Kanpur	Nagwa	49/6	0-5-1 0	
City	City	City		52	2-15-0	
•	•	•		53	0-16-16	
				61	0-7-0	
			62	0-9-0		
			60	0 -17-0		
				63/1	0-5-0	
				63/2	0-5-0	
				63/3	0-5-0	
				64	0-10-0	
				104	0-17-0	
				111	0-11 0	
				114	0-13-0	
				122	0-0-10	
				137	0-5-0	
				162	0-6-10	
				169	0-11-0	
				168	0-3-0	
				138	1-15-0	

218 0-4-10 192/4 1-7-0 222 0 - 10 - 0224 0 - 16 - 0223 0 - 12 - 0225 0--6--0 226 0 - 10 - 0231 0-4-0 233 1-8-0 246 0 - 18 - 10242 0-8-0 247/2 0-9-0 248 0 - 1 - 0397 0-1-0 398 0-6-0 401 0 - 4 - 0402 0-2-0 404 0-0-10 406/1 0 - 8 - 0542/1 2-3-0 1-0-0 542/2 543/4 0-5-0 562/1 1-5-0 190 0-8-0 37/1 0 - 12 - 037/2 0 - 12 - 0114 0-4-0 120 0-2-0103 0 - 3 - 0112 0-6-0 [No. O-14016/6/84-GP]

का. आ. 2377:- यतः पेट्रोलियम भौर खनित्र पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भिधकार का मर्जन) (श्रिधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय पिट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. था. सं. 4101 तारीख 1-12-84 द्वारा केम्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसुचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के प्रक्रिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए प्रजिस करने का भपना भाष्य घोषित कर दिया था।

स्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के मधीन सरकार को रिपोर्ट दे वी है।

भीर भागे यतः केल्बीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न धनेमूची में विनिधिष्ट मुनियों में उपयोग का ग्रधिकार ग्रजित करने का विनिध्चत किया है

श्रव, श्रतः उक्त श्रिप्तियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मन्ति का प्रयोग करते हुए केन्दीय सरकार एतदुद्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का भक्षिकार पाइपलाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतदुद्वार ग्रजित किया जाता है।

ग्रीर श्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देनी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार ने निहित होने के अजाय गैम आयोग मे गर्मी माधाधों ने मुक्त रूप मे बोधणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची श्राजिरा बरेली जगदीणपुर पाइमलाक्ष्त प्रोजेक्ट

जिला	त <b>ह</b> मी <b>ल</b>	परगना ग	ग्राम कानाम	गाटा स .	रकवा	विवरण
1	2	3 -	4	5	6	7
—— कानपुर	- कानपुर	— कानपुर	स्त्रक्षण-			
शहर	ग्रहर	गहर	पुर	18	1-13-10	
				15	1-6-6	
				14	0-8-7	
				11	0-3-0	
				9	0-1-0	
				1	0-8-0	
				3	0-3-16	
				4	15-0	
				5 m	0-18-17	

[मं O-14016/6/84 जीपी]

S.O. 2377.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

Hajira Bareilly Jagdishpur Pipe Line Project

Distt.	Per- gana	Tehsil	Village	Plot No	Area Acquired	Re- mak
1	2	3	4	5	6	7
Kanpur	Kanpur	Kanpur	Kha-	18	1-13-10	
City	City	City	rgpar	15	1 <b>–6</b> –6	
				14	0-8-7	
				11	0-3-0	
				9	0-1-0	
				1	0-8-0	
				3	0-3-16	
				4	1-5-0	
				5m	0 18-17	
				INo.	O-14016/6/	84-GI

का मा 2378—गर पेट्रोलियम मीर खिनक पाइपलाइन (मूमि मे उपयोग क मधिकार का मर्जन) (मिपिनियम 1962) (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के मधीन भारत सरकार के उर्जा महात्र्य पेट्रोलियम विभाग की मधिसूचना का मा 4104 सारीख 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधिसूचना में सलग्न अनुसूची म बिनिदिन्ट भूमियों के उपयोग के मधिकार का पाइप साइनी को बिछाने के लिए भूजिन करने का मुपना धाष्य धाष्ट्रिक कर दिया था।

ग्रीर यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रीधनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्राधीन सरकार का रिपोर्ट दे दी है।

श्रीर भागे यस केन्द्रीय सरकार न उक्स निपार्ट पर विचार करने कं पश्चात् इस मधिसूचना स सलग्न धनुसूची मे विनिर्देण्ट भृमियो मे उपयोग का श्रिश्वनार भ्राजित करने का विनिश्चत किया है।

ग्रम, श्रतः उपन श्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) हारा प्रदन शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करनी है कि इस श्रधिसूचना में संलग्न धनुसूची में विनिविष्ट उपन भूमियों में उपयोग का ग्रधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा श्राजित किया जाना है।

श्रीर धागे उस धारा की उपधार। (4) द्वार। प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देनी है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिवकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस श्रायोग म नभी बाधाओं से मुक्त रूप म घोषणा के प्रकाशन की इस सारीख को निहित होगा।

श्रनुसूची हाजिरा बरेली जगवीशपूर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	परगना	ग्राम कानीम		लिया गया रक्ष <b>मा</b> गाटा म०	विवरण ,
1	2	3	4	5	6	7
 कानपुर	कानपुर	कानपुर	परसौली	360	0-1-0	
				359	0-13-13	
				361	0-1-19	
				358	1-0-02	
				371	0-1-0	
				223	0-1-7	
				372	0-3-18	
				221	0-13-19	
				220	0-13-6	
				213	0-2-5	
				216	0-19-17	
				217	0-9-0	
				205	0-3-0	
				203	0 <b> 7 6</b>	
				191	0-0-13	
				189	0-18-17	
				188	0-4-6	
				187	0-15-10	
				186	0-3-12	
				177	0 17 17	
				154	0-2-12	
				155	2-1-15	
				156	0-10-18	

158 1-0-03	203	0-7-6
146 0-16-5	191	0-0-13
	189	0-18-17
	188	0-4-6
134 0~1~6	187	0-15-10
1 <b>4</b> 5 0~3-5	186	0-3-12
133 1-2-12	177	0-17-17
222 0-0-2	154	0-2-12
218 0-0-7	155	2-1-15
	156	0-10-18
214 0-0-5	158	1-0-03
193 0-0-13	146	0-16-5
190 0-0-6	135	0-0-1
182 0-0-16	134	0-1-6
144 0~0-10	145	0-3-5
·	133	1-2-12
143 0~ !- 0	222	0-0-2
[सं. O-14016/6/84-र्जापी]	218	0-0-7
[4. O-140 tol ol o 4-411]	214	0-0-5
S.O. 2378.—Whereas by notification of the Government	193	0-0-13
of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum	190	0-0-6
S C A10A detect 1-12-84 under sub-section (1) of Section	182	0-0-16
3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of	144	0-0-10
Ducht of (See in 1 and Act., 1962 (50 of 1962), the	143	0-1-0
Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended	[No.	O-14016/6/84-GP]

Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

**SCHEDULE** traina-Bareilly-lagdishnur Pine Line Project

Distt.	Per- gana	Tehsil	Village	Piot No.	Area Acquired	Re- mark
$\overline{}_{1}$		3	4	5	6	7
Kanpur	Kappur	Kampur	Persoli	360	0-1-0	
City	City			359	0-13-13	
· ity				361	0-1-19	
				358	1-0-02	
				371	0-1-0	
				223	0-1-7	
				372	0 - 3 - 18	
				221	0-13-19	
				220	0-13-6	
				213	0-2-5	
				216	0-19-17	
				217	0-9-0	
				205	0-3-0	

का, भ्रा. 2379: — यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपल। इन (भूमि में उपयोग के मधिकार का मर्जन) (मधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के उर्जा मज्ञालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का. भा. 4104 तारी 1-12-84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए मर्जित करने का मपना माण्य धोषित कर दिया या।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उन्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ग्रीर भागे यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार ऋग्ने के परचात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों मे उपयोग का अधिकार अजित करने का विनिश्वय किया है।

मब, मतः उक्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) दारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में मंनग्न अनुसूची में विनिदिष्ट उत्तत भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाक्ष्म बिछाने के लिए एतवृद्वारा मर्जित किया जाता है।

और भ्रामे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केम्ब्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय गैस आयोग में सभी बाधार्मी से मुनन रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

धनुसूची									
हाजिरा बरेली जगदीमपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट									
— जिला	नहसील	परगना	ग्राम कानाम	लिया गया	रकवा	विवरण			
1	2	3	4	5	6	7			
कानपुर	—–⊶—— कानपुर	कानपुर	डाडेका पुरवा	7	1-2-4				
				10	0-2-0				
				11	0-1-0				
				12	2-0-18				
				14	0-1-16				
				15	1-0-8				
				16	0-7-16				
				37	0-16-12	:			
				49	0-15-06	;			
				52	0-8-34				
				53	0-0-12				
				100	1-16-0				
				103	0-1-3				
				104	0-0-11				
				105	0-13-6				
				106	0-6-0				
				107	0-1-6				
				50	0-0-15				

[सं. O-14016/6/84-यीपी]

S.O. 2379.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that noifitcation for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of usel in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Govoernment directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of ladda Ltd. free from encumbrances.

SCHEDTLE Hajıra Bareilly Jagdeshpur Pipe Line Project							
Distt.	Por- gana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- mark	
Kanpur	Kanpu	ır Kanpı	ır Denda	- 7	1-2-4		
City	City	City	yaka	10	0-2-0		
			Parva	11	0-1-0		
				12	2-0-18		
				14	0-1-16		
				15	1-0-8		
				16	0 7-16		
				37	()-16-12		
				49	0-15-06		
				52	0-8-14		
				53	0-0 -12		
				100	1 - 16-0		
				103	0-1-3		
				104	0-0-11		
				105	0-13-6		
				106	060		
				107	()-1 <b>-6</b>		
				50	0-0-15		
				[No	O-14016/6	/84-GP]	

का. था. 288 0: — यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) (अधिनियम 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत मरकार के उर्जा मंत्रालय पेट्रोलियम विभाग की अधिसूचना का आ. 4104 तारीख 1-12-84 द्वारा केन्श्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आस्य घोषिन कर विया था।

ग्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दें दी है।

श्रीर श्रामे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपार्ट पर विचार करने के पश्चात इस श्रधिसूचना से सलग्न श्रनुसूची में विनिदिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रधिकार श्रीजत करने का विनिष्णय किया है।

श्रम, श्रनः उनत प्रधिनियम नी धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गन्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में मेलग्न श्रनुसूची में विनिर्विष्ट उनत भूमियों मे उपयोग का श्रधिकार पाइपलाईंग बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदद्वारा श्रांजन किया जाता है।

त्रौर धागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयांग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती हैं कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के अजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घाषणा के प्रकाणन की इस तारीज को निहित होगा।

धनुसूची हाजिरा, बरेली जगवीशपुर पाइपलाइन प्रोजेक्ट

जिल।	पर्गन,	तहसील	ग्रॉम क। नॉम	गाट। स	रकव।	विवर्ण
	3	3	4	5	8	7
 कानपुर सिटी	कानपुर सिटी			11	0-2-16	
				15	0-12-0	
				16	0-9-11	

S.O. 2380.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Petroleum S.O. 4104 dated 1-12-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land, Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
Hajira-Bareilly-Jagdishpur-Pipe Line Project

Distt.	Per- gana	Tehsil	Village	Plot No.	Area Acquired	Re- maik
Kar pur	Kanpur	Kanpur	Oriya-	11	0-2-16	
City	City	City	na	15	0-12()	
				16	0-9-11	

[No. O-14016/6/84-GP]

कार्यार 2381.—यत पेट्रोलियम भौर खनिज पाइन लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का प्रजंत) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50 के धारा) 3 की उपधारा (1) के प्रधान भारत सरकार के पेट्रोलियम मंद्रालय के प्रधित्वना जार पार 3789 तार ख 27.10.84 द्वारा के ख मरकार ने उस प्रधिस्वना से मलग्म धनुसूच में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप माइनों की खिछाने के लिये धार्जित करने का प्रपता माणय घोषित कर विधा था।

और यतः सक्षम प्राधिकारं न उक्त अधिनियम के धारा 6 की उपधारा (1) के भव न सरकार को रिपोर्ट दे वा है।

भीर भागे यतः केन्द्र य सरकार ने उक्त लिगेट पर विचार करने के पण्चात् इस प्रधिमूचमा संसलग्न भनुमूचः मे बिनिर्विष्ट भूमियो मे उपयोग का श्रीधकार भणित करने का विनिश्चय किया है।

यन, प्रतः उक्त प्रिवित्यम कः धारा 6 कं उपधारा (1) द्वारा प्रदेश्त ग्रावित का प्रयोग करते हुए केन्द्र य सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रिधिसूचना में सलग्न धनुसूच में विनिधिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्द्वारा धाजित किया जाना है।

श्रीर मागे उस धारा को उप धारा (4) द्वारा प्रदश्य मिना का प्रपोन करने हुए केन्द्र सरकार निर्देश देता है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्र य सरकार में निहित होने के बजाप भारत य गैन प्राक्षिकरण नि में सना बाधा प्रांग नात का में पोपणा है । ताला के दिहत होगा।

श्रनृ**सूची** हाजिरा- बरल - ज्**गद शपुर पाइप लाइन प्रोजे**क्ट

जिला	तह्म	ल परगन	⊺ ग्राम	गाटा मा.	लिया गया रकवाएकड मे	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
मार्सा	मास	क्रांस,	लका7।	36	0- 02	
				37	0- 01	
				38	2-00	
				39	0-45	
				40	0- 54	
				51	0- 31	
				5.2	0- 02	
				54	0-05	
				5 5	0-30	
				56	0-30	
				5 <b>7</b>	0-29	
				58	0~ 02	
				62	1-16	
				63	0-01	
				64	1- 56	
				77	0-40	
				87	0- 01	
				88	0-32	
				90	1- 59	
				112	0- 31	
				116	0- 02	
				117	0- 01	
				118	0-02	
				119	0-40	
				120	1- 18	
				123	0-10	
				124	0-02	
				129	1-23	
				131	0- 15	
				223	0- 19	
				224	0-20	
				225	0- 13	
				227	0- 02	
				229	0-40	
				230	0-02	
				231	0-66	
				233	0-24	
				240	0- 02	
				244	0- 52	
				245	0- 60	
				248	0-12	
				368	0-72	
				382	0- 42	
				383	0 0 1	
				384 385	0-51	
				383	0= 0 1 0= 9 0	
				11/1/	16-40	

1	2	3	4	5	6	7			1	SCHED	ULE		
	ــــــ - م			389	0-02			Hajira	a-Baroilly-J	agdishpi	ar Pipel	ine Project	
				390	1- 12								
				391	0-93		Distt	Tohsil	Pargana	Village	Plot	Arag	Re-
				392	0-01		Disti	10/1511	Laignia	V III480	No.	Area Acquired	marks
				393	0-12								
				398	0-15		ŧ	2	3	4	5	6	7
				399	0-03		thansi	Thomas	Ibonsi	Lakara		0.02	
				430	0-02		Jhansi	Jhansı	Jhansi	Lokara	30 37	0-02 0-01	
				431	0-66						38		
				433	0-14						39		
				436	0-18						4(		
				437	0-01						51 52		
				438	0- 01						54		
				439	0- 23						5.5		
				440	0- 09						56		
				457	l- 50						51		
				459	0- 52						50 62		
				<b>4</b> 60	0- 40						6:		
				461	0- 01							<b>1</b> –56	
				462	0-75						7		
				463/1	0-12						81 81		
				474	0- 03						9(		
				482	3-03						11:		
				488	0- 66						11		
				491	0-51						11		
				492	0-42						1); 119		
				504	0-32						120		
				723	0-75						12		
<del>-</del>				[#. O-14	016/179/84	- जीपी]					12		
					. , 1	,1					12		
SO 23	201	Wheren	o bu n	otification of	f the Gove	******					13 22		
				Petroleum S							22		
				of Section							22		
ınd Mine Land, Ac				uisition of I <b>62),</b> the C							22	7 0-02	
leclared i	its in	tention	to acq	uire the rig	ht of user	in the						9 0-40	
or purpos				appended	to that not	ncation						0 0-02 1 0-66	
												3 0-24	
<b>A</b> — J —	1	41- 6	^	والمناسب والمتعادم المتعادم		C 1.					24	0 0-02	
				nt Authority the said Ac								4 0-52	
o the Go			_	<b>-</b>	.,						-	5 0-60	
											·-	8 0~12 8 0~72	
				Central Gov lockled to a								2 0-42	
				the schedul								3 0-01	
otificatio	n;											4 0-51	
<b>X</b> 1	1 £			-6 (l		1 . 4						5 0-01	
				of the po for the va								7 <b>0-90</b> 8 <b>0-0</b> 1	
Governme	ent he	ereby de	cclares	that the rig	tht of user	in the						9 0-02	
				edule appendig the pipeli		nutifica-						0 1-12	
	,	,		H billion	-,							1 0-93	
And fu	irther	in exer	cise of	nower confe	ried by sub	-section	l					2 0-01	
(4) of th	iai sec user	ction, the	n <b>e</b> Centr said la	ral Governm nds shall—ir	ent directs : istead of vi	inat the Sting or	!					3 0-1 <b>2</b> 8 0-15	
Central C	Govern	nment v	certs on	this date	of the pub	dication						8 0-15 9 0-03	
		tion in	the Gus	3 Authority	of India I	1d free					59.	, 0 05	

1 2 3 4 5 6 7 1	7 3 4 5 6 7
430 0-02	132 0~02
431 0-66	123 0-03
433 0-14	122 0-45
436 0-18	121 0-02
437 0-01 438 0-01	
439 0-23	
440 0-09	
457 I-50	117 0-03
459 0-52	116 0-02
460 0-40	115 0-22
461 0-01	114 ()75
<b>462 0</b> -75	111 0-02
463/1 0-12	110 1-25
474 0 03	108 0-02
483 0 03	107 0-03
488 0-66 491 0-51	106 0-15
492 0-42	105 055
504 0-32	104 0-10
723 0-75	
[No. O—14026/179/84-G.P.]	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
[140] (7—14020/175/04-0.1.)	102 0-08
	179 0-17
का,ग्रा, 21.82 : द्यंत पेट्रोलियम ग्रीर खनिजपाइप लाइन (भूमि मे	339 0-27
उपयोग के भ्रधिकार का श्रर्जेन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50)	338 0-90
की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम	337 0-03
मक्षालय की प्रधिसूचना का. भा. सं. 3455 तारीख 16.10.84	332 0-55
द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस भक्षिसूचना से संलग्न भनुसूची में विनिर्दिष्ट	334 0-48
भमियों के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिये	331 0-14
भूतिन करने का भ्रपना आश्रय घोषित कर दिया था।	330 0-30
	328 0~09
मीर यत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त मधिनियम की धारा 6 की उप	325 0-30
धारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।	299 1-60
1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	301 0-11
भौर भ्रामे यतः केन्द्रीय सरकार ने जक्त रिपोर्ट पर विचार करने के	304 0-25
पश्चात इस अधिमूचना से मलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग	
का <b>प्रधि</b> कार प्रक्रित करने का विनिश्चय किया है।	<u>-</u>
ग्रम, ग्रतः उक्त प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा	294 0-05
प्रवत्स मन्ति कार्प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनवृद्धारा घोषिन करती है कि	305 0-02
	292 0-30
इस प्रधिसूचना में संतर्ग प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग	306 0-45
का प्रधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एनव्हारा प्रजित	307 0-08
किया जाता है।	308 0-03
भीर भागे उस धारा की उपघारा $(4)$ द्वारा प्रदत्त गक्तियों का	309 0-30
त्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमिया मे	286 0-20
उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय	287 0-51
गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधार्थों से मुक्त रुप में घोषणा के प्रकाशन	285 0-03
गल प्राप्तिकरण । या. चालमा वासाधा ल मुक्त २५ म बाघणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित्र होगा।	278 0-31
का इन प्राराज्य का नगरन हाथा।	279 0-46
<del>प्र</del> नुसू <del>पी</del>	276 0-04
क्षाजिरा वरेली जगवीशपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट	
	272 0-10
जिला तहसील परगना ग्राम गाटा संख्या ग्रर्जिल क्षेत्र⊸ विवरण	273 0-33
फल एकड़ में	274 0-42
	270 0-06
1 2 3 4 5 6 7	255 0-65
<del></del>	
जांसी आसी कोटखेरा 13.1 1—6.5	268 0−10

274 0-42

1	2	3	4	5		7				SCHEDU	JLE		
				505	0-10			Наја	Bareilly	,-Jagdishp	our Pipe I	ine Project	
				ភីបិថ	0-08								
				507	0-11								<b>-</b>
				508	0-(14)		Distt.	Tehsil	Par-	Village	Plot	Area	Ro-
				509	0-03				gana		No.	Acquired	mar
				510	v n 3								
				512	0-20		1	2	3	.4	5	6	7
				513	0 - 25		Jhonsi	Jhonsi	Jhonsi	Kot-	124	I-65	
				514	0-10		314(3145)	JIIOISI	JHORISI	khera	131	0-36	
				521	0-63						132	0-02	
				522	0-09						123	0-03	
				533	0-45						122	0-45	
				536	040						121	0-02	
				537	0-15						119 118	0·02 0·02	
				535	0-21						117	0-03	
				569	0-54						116	0-02	
				568	() <del></del> 5 5						115		
				567	0 80						114 111	_	
				566	0-02						110	0-02 1-25	
				565	0-02						108	0-02	
				551	1-60						107	0-03	
				1	0→15						106	0-15	
				112	0→02						105	0 -35	
				269	0 - 0 6						104 1 <b>03</b>		
				119	( <del>)</del> () 2						102		
			· · · ·	[ma ()   100	alaslas <del>-</del>	ا مون ا					179	0-17	
				[40 O-1401	.6/65/84र्ग	10410]					339		
											338 337	0-90	
				otification of							332		
				f Petroleum		dated					334		
				l) of Section quisition of								0-48 0-14	
				52), the Ce	•						330		
				quire the rig							328	0-09	
	-			le appended	to that noti	fication						0-30	
. pu	rpose o	f laying	pipeline	e;								160	
												0-11	
And	l where	eas the	Compet	tent Authorit	y has unde	er Sub-						0-25	
			on 6 of	the said Act	, submitted	report						0-23	
the	Gove	nment;										0-10	
A 1				Control Con		64						0-02	
				Central Gov decided to a		•						0-30	
				n the schedul	•							0-30	
_	ation ;				,,							0-08	
												0-03	
				se of the po		_						0-30	
		-		of the said	-							0-20	
				that the righted								0-20	
				hedule appending the pipel.		TOTALICA-						0-02	
п	J. C. C. C. Y	quii vu	101 Idy	mg me pipel.	,							0-03	
												0-31 0-46	
				f power confe	-							0-46	
				tral Governm ands shall in									
				n this date								0-10	
	_			oe Authority							2/3	0-33	

of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free

from encumbrances.

1	2	3	4	5	6 7	_		स्टि	या⊸ को	ग्रनुसू• स्रो – '	<b>ों</b> क्यामीकार्य ए	ग्रह्म लाइन प्रोजे <del>क</del> ्ट	
				270 255	0-06 0-6\$								
							जि™।	कहाील	परगन्म	ग्राम	ब्लाट न	लिया गया रक्ता	निश्र
					0-06		1	2	3	4	5		7
				505	0-10								
				506	0-08		नांमी	असि	मोठ	एस	274	0-06	
					0-14						273	0-87	
				508	0-09						281	$0-02\frac{1}{2}$	
					0-03						275	1-59	
					0-05						282	0-50	
					0-20						279	0-28	
					0-25						280	0-54	
					0-10						285	v~v 1	
					0-63 0-09								
					0-45						300	1-46	
					0-40						302	0-02	
					015						303	(-02½	
					0-21						358	10-0	
					0-54						356	0-90	
					0-55						357	0-09	
				567	0-80						351	0-48	
				566	0-02						350	0-011	
				565	0-02						346	0-83	
				551	1-60						345	0-03	
				1	0-15								
					0-02						312	0-02	
				269	0-06						337	0-8G	
					14016/66/04 G.B.	1					341	0-32	
				[No. U	-1401 <i>6/65/</i> 84 G-P	.}					335	0-41	
											338	0-01½	
											339	0-05	
का प्र	मा. २३.४३	—यतः के	नोलियम और	स्विक्य	।इप लाइन (भूमि <b>स</b>	٤					340	0-56	

[मं. म्रो-14016/63/84- जी॰पी॰]

उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) के ब्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का, आ. सं. 3746 तारीख 30-10 84 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस शिवसूचमा से संसप्त धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के भक्षिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए प्रजित करते का अपना धाशय घोषित कर दिया था।

और यस सक्षम प्राधिकारी ने उन्त ग्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) के घंधीन सरकार को रिपोर्ट वे दी है।

भीर धामे यक केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस श्रधिसचना से सलग्न अनुसूची में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अभिन करने का विनिश्चय किया है।

**बा**स, ब्रातः उत्रत व्यधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रतोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार एनवृद्धारा घोषित करनीहै कि इस अधिसूचना में मैलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उस्त भूमियों सें उपयोग का अधिकार पाष्ठप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदहारा ग्रजित किया जाता है।

और भागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवटन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में नितित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी अर्घाभों से मक्त रूप में घोषणा के प्रकाणन की इस सार्रामा को सिहित होगा।

211 GI/85- 1

S.O. 2383.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3746 dated 30-10-84 under sub-section (1) of Sc. tion 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification :

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

			SCHED	ULE						2_0	अनु <u>भ</u> ्ची	<u> </u>	_
Gas Pip	e line fro	m. Hai	ira —Bar	eilly—Jago	dishpur Pr	oj <b>e</b> ct					। गर्द शापुर पाद्य		
Distt[	Tehasil		Village		Area Acquired	Re-	কিলা	तस्मान	परगना	ग्राम	गाटा सं.	लिक्षा गया रकबा <i>र</i> ,कड में	वितरण
1		3	4	5	6	7	1	2	3	4	ج	— — - ი	7
Jhansi	Moth	Moth	Aira	274	006								
				273 281	0–87 0–02-1	n	भासी	सांसी	झॉमी	<b>कर</b> ारी	243	0-04	
				275	159	14					265	0-17	
				282	050						266	1-16 0-27	
				279	0-28						267 268	0 -51	
				280 285	0-54 0-04						269	1-35	
				300	1-46						287	0-40	
				302	0-02						288	0 <del>-</del> 68	
				303	002-1	/2					290	0~ ₹7	
				358	0-01						291	0-01	
				356 357	0-90 0-09						380	0-17	
				351	0-48						381	0-10	
				350	0-01-1	/2					382	0- 0 s	
				346	0-83	,					409	0-12	
				345	0-03						410	0-03	
				312 337	0-02 0-86						411	0-06	
				341	0-32						412	0-04	
				335	0-41-1	/2					413	0-08	
				338	001-1	/2					451	0-70	
				339 340	0-05 0-56						453	0-24	
						No. of p.3					454	0′3	
				[No. O	14016/63	3/84-G.P.]					458	0- 60	
											459	0-04	
											456	0-54	
			•			लाइन (भूमि					577	0-08	
				अधिनियम,	,	1962 की					576	0 → 0 4	
,						कार के पेट्रो∼					575	0-09	
						14-12-84					567	075	
						में विनिदिष्ट					563	0-01	
						ग्रने के लि <b>ए</b>					565	0-07	
अजित य	करने का य	प्रपत्ता आ	सय भाषत	कर विया	था ।						566	0-75	
			ح هـــه		<u> </u>	^					1261	0-10	
						धारा 6 को					1277	0-30	
उपधारा	(1) #6	अधान स्	रकार का	रिपोर्ट दे व	ı ğı						1279	0~ 27	
	और आगे	यतः केल	यि सन्का	र ने उक्त	रिपोर्ट पर	विचार करने					1290	0-26	
						: भृमियों मे					1287	0 03	
					किया है।	¢. ,					1286 1235	0-00	
											1294	0~ 08 0~ 55	
3) 2	া, এাব. হ	मत अधि	नेथम की	धारा 6	की उपधारा	(1) द्वाग					1300	0-33	
प्रवस प	गक्तिका	प्रयोग कर	ते हुए केन्द्र	ीय सरकार ।	रतव्हारः घार	वेत फरती है					1262	0-09	
विः इस	। अधिसूत्रन	n में <i>सं</i>	नग्न अनुसू	ची में विश	नेदिट उक	<b>। भू</b> गियों में							
			म्लाइन बि	टाने के प्र	रोफस के वि	तए एतद्दारा					1299	0- 07 0- 14	
अभिन	किया आ	सा है।									1302 1301	0-14	
			_									0-31	
						शक्तियों का					1304	0-13	
	•					त भृमियो में					1306	0 2 5	
				-		जाय भारतीय					1307	0-03	
				से मुक्त र	प्प में घोषण	ा के प्रकाणन					1314	0-12	
की इस	म्नारे <b>णा</b> ं	को निश्चिम	होगा ।								1315	0-08	

		<del></del> -				<del></del>	·		<del></del>			
1	3	3	4	5		(4) of	that sec	tion, the	Central	Governi	ment direc	sub-section ts that the
				1313	0-06	Central	Govern	ment ves	sts on th	iis date	of the r	vesting in publication
				1312	0-10	of this	declarati	ion in tl	ne Gas A	Authority	of India	Ltd, free
				1316	0-19	mom e	ncumbra	nces.				
				1317	0-09							
				1318	0-03				SCHED	ULE		
				1056	0-18		Hajira	-Barellly-	Jagdishpu	ur Pipe	line Projec	st
				1108	0-26			_	- •	•		•
				1107	0-20	Distt.	Tehasil	Par-	Village	Plot	Area	Re-
				1057	0-52			gana	, mugu	No.	Acquired	marks
				1059	0-08			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				
				1051	0- 18	1	2	3	4	5	6	7
				999	0- 70	Jhansi	Jhansi	Jhansi	Karari	243	0-04	
				1049	0-04					265		
				1048	0-04					266		
				1000	0-08					267		
				1001	0-03					268 269		
				1002	0-10					287		
				1003	0-06					288	0-68	
				1006	0-01					290		
				)91	0-08					291	_	
				986	0-17					380 381		
				987	0- 01					382		
				935	0-20					409		
				934	0-10					410		
				933	0-04					411		
				909	0-32					412 413		
				910	0-41					451	_	
				911	0-35					453		
				921	<b>0-</b> 0 5					454		
				920	0-21					458 459		
				922	0-13						0-04 0-54	
				924	0-20					577		
				925	0-13					576	0-04	
				958	0-12						0-09	
				918	0- 01						075 001	
				108	0-83						0-01 0-07	
				802	0-62						0–75	
				820	0-02						0-10	
				379	0-49						0-30	
				[सं अ	T-1 3016/485/84-जीपी]						0-27 0-26	
60	2201	W/hara	. h. n	alillantion	of the Course					1287		
					of the Government i. S.O. 4666 dated						0-30	
14-12-8	34 unde	r sub-ce	ction (I	) of Section	on 3 of the Petroleum						0-08	
				the Ce	light of User in Land) niral Government					1294		
					right of user in the						024 009	
		laying p			ed to that notification						0-07	
•	-				eiter has senda. Cala					1302	0-14	
					rity has under Sub- Act, submitted report						0-31	
	Govern										0-12	
And	further	where	as the	Central G	overnment has after						0-25 0-03	
					acquire the right of dule appended to this						0-03	
notifica		oprot		1110 JUIL	appended to this						0-08	
Now	theref	ore, in	exercise	of the	power conferred by						0-06	
sub-sec	tion (I)	of the	Section	6 of the	said Act, the Central						0-10	
said la	nda spec	cifled in	the sch	mai me edule appo	right of user in the						0-19 0-09	
				ng the pip								

1	2	3	4 5	6	7					मनुसूची		
			131				ह्रा	जिरा <b>-ब</b> रे	लजगर्दः।	शपुर पाइप	लाइन प्रोजेक्ट	
			105 110	6 0-18 3 0-26					_			
				7 0–20		श्चिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा स.	लिया गया	विवरण
				7 0-52							रकवा एकड़	
			103 105	9 0-68 1 0-18							म	
				9 0-70								
			104			1	2	3	4	5		7
			104			स्रोसः	<b>स</b> ॉसं	सीसः	इंगरबाह्य	927/3	0- 30	
				0 0-08 1 0-03			,	.,,		⊎ 2 Đ	0-05	
				2 0-10						930/2	1-71	
				3 0-06						933	0-80	
				6 0-01						934/2	1-07	
				0-08						943	0-17	
				6 0–17 7 0–01						945/3	0-16	
				5 0-20						946/1	0-34	
				4 0-10						948	0-03	
				3 0-04						1108	0-02	
				00 0-32 0 0-41						1109/1	0-20	
				1 0-35						1109/3	0-60	
				1 0-05						1113	0-32	
				0 0-21						1114/2	0 - 15	
				2 0-13						1115/1	0 - 25	
				4 0–20 5 0–13						1116/2	0-58	
				8 0-12						1118	0-18	
				8 001						1119	0-03	
				0-83						1124/1	0-06	
				0-62						1135	0-30	
				0 0-21 9 0-49						1136/1	0 080	
			<del></del>							1137/1	0-30	
			[No. C	14016/-	185/84-G.P.]					1138/2	0-90	
										1139	0- 12	
a:T	ET Des	: = = यमः पेट	ोलियम मीर ख	निप्र गाइए	लाइन (भशि					1140	0-06	
			त) प्रधिनियम		(1962 का					1141/1	0- 60	
			ाधारा (1) के		*					1142/1	0-15	
	,		ाका. ग्रा. स							1143	(I- 70	
			स स्रक्षिसूचना र							1144/2	1-94	
			<b>ग्रधिकार</b> को प							1146/1		
			धाशय घोषित							1147/1		
_										1369/2		
			ने उनत भ्रधिनिय							1139/1		
उपधारा	(1) के ग	प्र <b>ध</b> ःन सरक	तर को रिपोर्ट	देदी है	1					1442/2	0- 60	
क्योज -	भागे गय∗	केटले स सर	कार ने उथत ि	रंघोर्ट पर '	किचार करने के					1 141	0- 0.5	
			आर ५ ७५ता. ग्रिमुसूर्वासे वि							1445/2	0-01	
-			ं अपुपूर्या साम ने <b>श्चय किया है</b>	-	441 1/ (441)					1446	0-60	
क्षाकाश्च	नुसर अन्य (जार) व	# (41 A) (41	त्रवय । यसः ह	1						1449	0 25	
			की धारा ६							1449	(- 05	
					ग घोषित है कि					1450/1	0-45	
					मयों में उपयोग					1451/1		
		लाइन बिछ	ाने के प्रयोजन	के लिए ए	रतद्क्षारा अजित					1462	0-02	
किया ज	नाता है।									1464/2	0-03	
श्रीर	र मागे उप	धारा की	उपधारा (4)	हारा प्रद	स गविभयों का					1515	0- 47	
			र निर्वेश देतः							1517	0-63	
			रफार में निहि							1535	1- 90	
			। धार्म्यों से मुक्त							1536	1- 00	
	तार्गःख को									1537	0- 08	

	2 3	4	5	6	7	1	2	3	4	5	6 	7
		~	1538	0- 80						943	0-17	
			1539	0-18						915/3	0-16	
			1546	0-15						946/1 948	0-34 0-03	
			1547	0 25						1108	0-02	
			1549/1	2-59						1109/1	0-20	
			1550/1	0-04						1109/3	0-60	
			1559	1-42						1113	0 32	
			1560/1	0~ 10						1114/2	0-15	
			1648/2	0- 03						1115/1 1116 2	0-25 0-58	
			1649/1	1- 10						1118	0-28	
			1651	0-95						1119	0-03	
			1655	0-15						1124/1	0-06	
			1658	0 45						1135	0-30	
			1659	0-90						1136/10 1137/1	0-30	
			1661	0- 15						1138/2	0-90	
			1369/2	0-40						1139	0-12	
			1463	0-10						1140	006	
			1589/1	0-01						1141/1	0-60	
			1657/1	0-01						1142/I 1143	0-15 0-70	
			1660	0- 07						1144/2		
			1663/2	0- 01						1146/1		
			1668	0 <del></del> 0 3						1147/1		
				1401//2						1369/2		
			[લ ગ	-14016/3	7/84~1 ₁ 4 ]					1439/1 1442/3	. 1-75 2 0-60	
r 0	310£ 11	71a 1		- 6 .1h - C						1141		
			oy notification of Petroleum.							1415/3		
-10-8	4 under s	ub-sectio	n (1) of Section	3 of the	Petroleum						0-60	
ineral;	5 Pipeline 62 (30 σ	сь (Асqu f 1962).	usition of Righ the Central (	i oi User Joveinmer	n Land,					1449		
	ention to	/,										
			the right of	user in	the lands						0-05 0-45	
ecifie	d in the	e schedu	le appended to	user in	the lands					1450/1	0-45	
ecifie rpose	d in the of laying	e schedu g pipeline	le appended to	user in that notif	the lands fication for						0-45 0-45	
ecifie rpose And	d in the of laying whereas	e schedu g pipeline the Con	le appended to ; iperent Authoria	user in that notif	the lands fication for under Sub-					1450/1 1451/1 1462 1461/2	0-45 0-45 0-02 0-02	
ecific rpose And ection	d in the of laying whereas	e schedu g pipeline the Con Section (	le appended to	user in that notif	the lands fication for under Sub-					1450/1 1451/1 1462 1464/2 1513	0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47	
ecified rpose And cation the	d in the of laying whereas (I) of Governm	e schedu g pipeline the Con Section ( ent;	le appended to b; nperent Authoria 6 of the said 1	user in that notified when the that notified with the that the the the the the the the the the th	the lands fication for under Sub- itted report					1450/1 1451/1 1462 1464/2 1513	0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65	
And ection the And onside	d in the of laying whereas (I) of Governm further ling the	e schedu g pipeline the Con Section ( ent; whereas said rep	le appended to  percent Authora  of the said  the Central Go  ort, decided to	user in that notified what the that the the the that the the the that the the the the the the the the the th	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of					1450/1 1451/1 1462 1464/2 1513	0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90	
And etion the And onside ser in	d m the of laying wherens (I) of Governm further the land	e schedu g pipeline the Con Section ( ent; whereas said rep	le appended to b;  nperent Authora 6 of the said the Central Go	user in that notified what the that the the the that the the the that the the the the the the the the the th	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of					1450/1 1451/1 1462 1461/2 1513 1511 1533	0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00	
And ction the And onside ser in ottfica	d in the of laying whereas (I) of Governm further the land then;	e seficidus g pipeline the Con Section cent; whereas said rep- ds specific	le appended to  percent Authoria  of the said  the Central Go  ort, decided to  ed in the sched	v has a ct, submi	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this					1450,1 1451/1 1460,2 1461,2 151: 151: 153: 153: 153: 153:	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-03 8 0-80	
And ection the And onside ser in otifica	d in the of laying whereas (I) of Governm further the land then; therefore	e seficidus g pipeline the Con Section cent; whereas said rep- ds specific	le appended to  percent Authora  of the said  the Central Go  ort, decided to	v has a control of that notification of the control	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by					1450/1 1451/1 1460/2 1461/2 1513 1531 1533 1533 1533 1533	0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18	
And ection the And onside ser in otifica Now	d m the of laying whereas (I) of Governm further ling the the land then the land then (I) ment he	e seficidus g pipeline the Con Section ( ent; whereas said rep- ds specific te. in e) of the Se (eby decl	le appended to b;  mperent Authorith of the said the Central Goort, decided to bed in the scheduction of the pection of the lates that the	user in that notified what a continuent acquire the appenrace of the continuent acquire that acquire the appenrace and Act.	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the					1450,1 1451/1 1462 1464,2 1513 1531 1533 1533 1533 1533 1533	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-03 8 0-80 9 0-18 6 0-15	
And ection the And onside ser in ottfica Now ab-sector in its and its	d in the of laying whereas (I) of Governm further aing the the landation; therefore the landation (I) ment he and specific of the specific of	e sefication of the Con Section of the Con Section of the Section	le appended to b;  mperent Authorite of the Suid the Central Goort, decided to ed in the schedule appearance of the pection 6 of the lates that the schedule appearance of schedule appearance to the lates that the schedule appearance of the person of the lates that the schedule appearance to	v has a control of that notified to the control of	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the					1450/1 1451/1 1462 1464/2 1513 1531 1533 1533 1533 1534 1544	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75	
And ection the And onside ser in ottifica Now ab-section had no he	d m the of laying wherens (I) of Governm further the land their contion; therefore the most specific and spec	e schedulg pipeline the Corr Section dent; whereas sand repr ds specific te. in export the Section declary fed in the gaired for	le appended to b;  special Authoria of the Said of the said of the said of the said of the cort, decided to ed in the schedule of the lates that the is schedule apper laying the pip	v has a control of that notification of the control	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notifica-					1450/1 1451/1 1462 1464/2 1513 1531 1533 1533 1533 1534 1544	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59	
And ection the And ordifica Now ab-vector in the And I are the And I are the And I of	d in the of laying whereas (I) of Governm further aing the land tion; therefor the description (I) ment he inds specific reby acquirither in the section of	e schedulg pipeline the Con Section ( ent; whereas sand rep- ds specific the Section ( the Section the paired for the section the tion, the	le appended to b;  mperent Authorith of the said the Central Goort, decided to bed in the schedule appear laying the pip se of power con Central Govern	v has a control of that notified to the control of	the lands fication for under Sub-tted report has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the					1450/1 1451/1 1460/2 1461/2 151: 151: 153: 153: 153: 153: 154: 154: 1549/ 1550/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04	
And colors the And consider in the Now Ab-section in the And ab-section in the And (1) of the absection in the And (1) of the absection in the	d in the of laying whereas (I) of Governm further the land atton; therefore the description (I) meent he made specific further in that seel of user	e schedulg pipeline the Com Section (ent; whereas said rep- ils specific ie. in e) of the Schedulged fied in the paired for in exercis tion, the in the schedulged in the schedulged for	le appended to b;  special Authorité of the said service of the section 6 of the section 6 of the lares that the section 6 of power corrected Governaid lands shall	v has a control of the control of th	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this conferred by the Central user in the his notification of the sub-section ets that the fivesting in					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1544 1549/ 1550/ 1550/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 9 1-47 1 0-10	
And critical And consider in the And consider in the And consider in the And t	d in the of laying whereas (I) of Governm further and the land tition; therefore the further in the further of the foreign further if the foreign further if the foreign further if Govern I Govern	e schedulg pipeline the Corr Section (ent; whereas sand report de specific the Section of the se	le appended to b;  mperent Authorith of the said the Central Goort, decided to bed in the schedule appear laying the pip se of power con Central Govern	v has a control of the transfer of the control of t	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the f vesting in publication					1450/1 1451/1 1460/2 1461/2 151: 151: 153: 153: 153: 153: 154: 1549/ 1550/ 1550/ 1648/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 9 1-42 1 0-10 2 0-03	
And ction the And onside ser in ottfica Now ab-vector had an of the And the And the fight fentra f this	d in the of laying whereas (I) of Governm further and the land tition; therefore the further in the further of the foreign further if the foreign further if the foreign further if Govern I Govern	e schedulg pipeline the Corr Section (ent; whereas said repr ds specific ie. in expecific ied in the Section in th	le appended to b;  special Authoria of the Said of the said of the said of the cort, decided to ed in the scheducture of the pection 6 of the lates that the se schedule appear laying the pip se of power for Central Governal distants on this date	v has a control of the transfer of the control of t	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the f vesting in publication					1450/1 1451/1 1460/2 1461/2 151: 151: 153: 153: 153: 153: 154: 1549/ 1550/ 1550/ 1648/ 1649/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 9 1-42 1 0-10 2 0-03 1 1-10	
And ction the And onside ser in ottfica Now ab-vector had an of the And the And the fight fentra f this	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the landition; therefore the description of user I Govern declarat	e schedulg pipeline the Com Section Gent; whereas said repuls specificates in expecification, the in exercistion, the in the said in the s	le appended to b;  appended Authorith of the Said is the Central Goort, decided to bed in the schedule appended to schedule appended to the lates that the beschedule appended to the laying the pipulate of power con Central Governal di lands shall state on this data to Gas Authoritical Contral Covernal Governal Govern	v has a control of the transfer of the control of t	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the f vesting in publication					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1550/ 1550/ 1648/ 1649/ 1650/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 9 1-42 1 0-10 2 0-03	
And ction the And onside ser in ottfica Now ab-vector and the And the And the And the fight fentra f this	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the land then (I) ment he made specific further if that see of user I Govern declarate encumbra	e schedulg pipeline the Corr Section (ent; whereas sand repuls specification the Section the Section the section the section the section in t	le appended to b;  special Authorition of the said of the said of the said of the cort, decided to ed in the schedule of the lares that the se schedule appear laying the pipulate of power cortail Governal Governal di lands shall state on this date Gas Authorition.	v has a vect, submit acquire the appenrous of the control of the c	the lands fication for under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notifica- sub-section ets that the f vesting in publication in Itd. free					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1550/ 1650/ 1648/ 1649/ 1650/ 1650/ 1650/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 5 0-47 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 9 1-47 1 0-10 2 0-03 1 1-10 1 0-95	
And ection the And onside ser in ottfica Now Library and the A	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the land then (I) ment he made specific further if that see of user I Govern declarate encumbra	e schedulg pipeline the Corr Section (ent; whereas sand repuls specification the Section the Section the section the section the section in t	le appended to b;  appended Authorith of the Said is the Central Goort, decided to bed in the schedule appended to schedule appended to the lates that the beschedule appended to the laying the pipulate of power con Central Governal di lands shall states on this date of Gas Authorities.	v has a vect, submit acquire the appenrous of the control of the c	the lands fication for under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notifica- sub-section ets that the f vesting in publication in Itd. free					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 1511/2 1511/2 153/153/153/153/153/153/154/1549/ 1550/1649/ 1649/1649/1649/1649/1649/1649/1649/1649/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-04 7 0-65 5 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 0 1-4 1 0-10 2 0-03 1 1-10 1 0-95 5 0-13 5 0-13 5 0-13	
And cition the And onside ser in otifica Now Lib-sec Government of this rom of the control of th	d in the of laying whereas (I) of Governm further and the land tition; therefore the foreign according to the foreign acc	e schedulg pipeline the Corr Section (ent; whereas said report de in expecification the solution the solution the solution in	le appended to b;  special Authorition of the said of the said of the said of the cort, decided to ed in the scheducture of the pection 6 of the lates that the se schedule appear laying the pipulate on this distribution of the lates of the lates of the lates that the se schedule appear laying the pipulate of power for laying the pipulate on this distribution of the lates of the l	v has a control of the control of th	the lands fication for under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- ted report  has, after he right of  ded to this onferred by  the Central  user in the  his notifica- sub-section  ets that the  f vesting in  publication  in Itd. free					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1150/ 1550 1648/ 1649/ 1650 1650 1650 1650 1650 1650 1650	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-04 7 0-65 1-90 6 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 0 1-4 1 0-10 2 0-03 1 1-10 1 0-95 5 0-15 9 0-15	
And cition the And onside ser in otifica Now Lib-sec Government of this rom of the control of th	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the land then (I) ment he made specific further if that see of user I Govern declarate encumbra	e schedulg pipeline the Corr Section (ent; whereas sand report de specific the So teby decl fied in the guired for in exercise in the se ment ves ion in the mees.	le appended to b;  special Authorition of the said of the said of the said of the cort, decided to ed in the schedule of the lares that the se schedule appear laying the pipulate of power cortail Governal Governal di lands shall state on this date Gas Authorition.	v has a vect, submit acquire the appenrous of the control of the c	the lands fication for under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under Sub- under report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notifica- sub-section ets that the f vesting in publication in Itd. free					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 151: 151: 153: 153: 153: 153: 154: 1549/ 1150/ 155: 1560/ 1648/ 1649/ 165: 166: 166: 166: 1369/	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-03 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 0 1-47 1 0-10 2 0-03 1 1-10 1 0-95 5 0-15 7 0-15 9 0-19 0 15 0 15 0 15 0 15 0 15 0 15 0 15 0 15	
And cation the And onside ser in ottifica Now ob-sec in the And 1) of the central of this rom of this rom of the central of th	d in the of laying whereas (I) of Governm further the land atton; therefore the land atton; therefore the declarate of user I Govern declarate encumbra	the Consection (ent; whereas sand reports specification the section of the School of the School of the section the in the section in exercise in the section	le appended to  inperent Authorit  f of the said  the Central Goort, decided to ed in the sched  cereise of the rection 6 of the lares that the les schedule apper r laying the pip use of power cor  Central Govern aid lands shall sts on this data les Gas Authorit  SCHEDULE  Hangira Baienly  Village Plot  No.	v has a cors.	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the f vesting in publication in Itd. free under the Project  Re- marks					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1150/ 1550 1648/ 1649/ 1650 1650 1650 1650 1650 1650 1650	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-03 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 0 1-4 1 0-10 2 0-03 1 1-10 1 0-95 1 0-15 1	
ecificarpose And ection the And onside ser in otifica Now Absection had a control of the And	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the landition; therefore the foreign acquired further if the second user I Govern declarate encumbra.  Gas pipe  Tehasil	e schedulg pipeline the Corr Section dent; whereas sand repr ds specific te. in export of the Sector declar fied in the guired for in exercis tion, the inners.  The sector declar in exercis tion and the sector declar tion and the se	le appended to b;  special Authorité of the said de la the Central Goort, decided to ed in the sched ceruse of the rection 6 of the lates that the le schedule apper laying the pipuse of power con Central Govern aid lands shall sits on this diffusion this continue Gas Authorite SCHEDULE  Hattyra Barelly  Village Plot  No.  4 5	v has a control of the trule appendix of trule appendix of the trule appendix of trule app	the lands fication for under Subted report has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the fivesting in publication in Itd. free in Project ————————————————————————————————————					1450/1 1451/1 1461/2 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1150/ 1555 1560/ 1648/ 1649/ 1655 1660 1660 1369/ 146	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-03 1-00 7 0-08 8 0-80 9 0-18 6 0-15 7 0-75 1 2-59 1 0-04 0 1-47 1 0-10 2 0-03 1 1-10 1 0-95 1 0-15 9 0-15 0 0 0-15 0 0 0-15 0 0 0-15 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	
And ection And onside ser in ottfica Now ub-vector aid langer had to office the control of this of thi	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the landition; therefore the foreign acquired further if the second user I Govern declarate encumbra.  Gas pipe  Tehasil	e schedulg pipeline the Corr Section dent; whereas sand repr ds specific te. in exported for the Section in the se	le appended to b;  special Authorité of the said de la the Central Goort, decided to ed in the sched eriche of the lates that the exchedule apper laying the pipulate of power con Central Govern aid lands shall sits on this diffusion this control of the lates and lands shall sits on this late.  SCHEDULE  Hatthra Barelly  Village Plot  No.  4  5  Dangar 9273	v has a control of the transfer of tra	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the f vesting in publication in Itd. free under the Project  Re- marks					1450/1 1451/1 1462 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1550/ 1648/ 1649/ 1655 1660 1660 1369/ 146 1549 1557/ 1667	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-03 1-00 7-0-08 8-0-80 9-0-18 0-0-15 7-0-75 1-2-59 1-0-04 0-1-42 1-0-10 2-0-03 1-10 1-0-95 0-15 0-15 0-15 0-15 0-15 0-15 1-0-10 1-0-95 1-0-10 1-0-95 1-0-91 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01	
ecificarpose And ection the And onside ser in otifica Now Absection had a control of the And	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the landition; therefore the foreign acquired further if the second user I Govern declarate encumbra.  Gas pipe  Tehasil	e schedulg pipeline the Corr Section dent; whereas sand repr ds specific te. in export of the Sector declar fied in the guired for in exercis tion, the inners.  The sector declar in exercis tion and the sector declar tion and the se	le appended to b;  special Authorité of the said de la the Central Goort, decided to ed in the sched ceruse of the rection 6 of the lates that the le schedule apper laying the pipuse of power con Central Govern aid lands shall sits on this diffusion this continue Gas Authorite SCHEDULE  Hattyra Barelly  Village Plot  No.  4 5	v has a construction of the construction of th	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the f vesting in publication in Itd. free under the Project  Re- marks					1450/1 1451/1 1462 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1550/ 1653 1648/ 1649/ 1650 1660 1660 1369/ 146 157/ 1663	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-03 1-00 7-0-08 8-0-80 9-0-18 0-15 7-0-75 1-2-59 1-0-04 0-1-42 1-0-10 2-0-03 1-10 1-0-95 0-15 0-15 0-15 0-15 0-15 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 0-15 1-0-04 1-0-05 1-0-05 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07 1-0-07	
And extion horides and horides	d in the of laying whereas (I) of Governm further ring the the landition; therefore the foreign acquired further if the second user I Govern declarate encumbra.  Gas pipe  Tehasil	e schedulg pipeline the Corr Section dent; whereas sand repr ds specific te. in export of the Sector declar fied in the guired for in exercis tion, the inners.  The sector declar in exercis tion and the sector declar tion and the se	le appended to b;  special Authorité of the said de la the Central Goort, decided to ed in the sched ceruse of the rection 6 of the lates that the le schedule apper laying the pipulate of power con Central Govern aid lands shall sits on this data on this data on this data of the Gas Authorite SCHEDULE  Harthara Barelly  Village Plot  No.  4 5  Dangar 9273  Baha 926	v has a construction of the construction of th	the lands fication for under Sub- tted report  has, after he right of ded to this onferred by the Central user in the his notification ets that the f vesting in publication in Itd. free under the Project  Re- marks					1450/1 1451/1 1462 1461/2 1512 1513 1533 1533 1534 1549/ 1550/ 1653 1648/ 1649/ 1650 1660 1660 1369/ 146 157/ 1663	0-45 0-45 0-45 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-02 0-03 1-00 7-0-08 8-0-80 9-0-18 0-0-15 7-0-75 1-2-59 1-0-04 0-1-42 1-0-10 2-0-03 1-10 1-0-95 0-15 0-15 0-15 0-15 0-15 0-15 1-0-10 1-0-95 1-0-10 1-0-95 1-0-91 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01 1-0-01	

का. ह्या. ४८८७ -- यतः पेट्रोलियम और वानिज पहुप लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) क धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रंध न भारत सरकार के पेट्रो-लियम मंत्रालय क ग्राधिसूचना का ग्रा. मं. ३४५६ तार ख 16-10-84 द्वारा केन्द्र,य सरकार ने उस प्रधिसुधना से सलग्न अनुस्की में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनो का विछाने के लिए म्रजित करने का ग्रपना श्रामय घोषित कर दिया था।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकार ने उक्त प्रधिनियम कः धारा ६ की उपधारा (1) के प्रधान सरकार को रिपोर्ट दे द है।

न्नौर ग्रागे यतः केन्द्र य सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचता स संलग्न अनुसूच में विनिधिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अजिम करने का विनियचय किया है।

ग्रव, प्रत: उक्त प्रधिनियम की धारा 6 का उपधारा (1) द्वारा प्रदर्भ मक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रें य सरकार एतद्द्रारा घोषित करती है कि इस ग्राधिसुधना में सलग्न ग्रनुसूच में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रविकार पाइपलाइन ब्रिष्ठाने के प्रयोजन के लिए एनदद्वारा श्रजित किया जाता है भौर ग्रागे उस घारा क उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त भक्तिया का प्रधोग करते हुए केन्द्र य सरकार निर्देश वेता है। कि उक्त भूमियों मे उपयोग का घधिकार केन्द्रीय सरकार मे निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन कं इस लार्रम्थ को निहित होगा।

हाजिरा-बरेली-जगर्दाणपुर पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जिला	तहमील	परभना	ग्राम	गाटा मं.	लिया गया रक्ष्या एकड में	विवरण
1			4	5	6	7
मांसी	झांमी	श्चांमी	रक्सा	120	0-32	
41,				121	0-33	
				122	0-35	
				123	0-32	
				127	1-15	
				150	0-16	
				128	0-03	
				143	0-13	
				144	0-32	
				145	0-01	
				147	0-65	
				149	0-02	
				155	0-06	
				371	0-12	
				371	0-16	
				373	() <del></del> 1 /5	
				375	0-04	
				376	0-32	
				390	0-01	
				381	0 - 22	
				352	0-16	
				381	n-() 4	
				185	n 37	
				388	11-25	
				396	0~11	
				400	16-0	

1	2	3	4	5	6	7
				401	0-12	
				124	0-02	
				560	0-70	
				398	0-90	
				399	1-50	
				410	0-10	
				509	0-69	
				510	0-02	
				513	0-17	
				514	0-54	
				515	0-16	
				519	0-66	
				522	0-62	
				523	0-49	
				524	0-81	
				640	0-95	
				642	0-80	
				682	0-61	
				683	0-37	
				684	0-18	
				688	0-32	
				690	0-75	
				692	0-06	
				689	0~46	
				693	0-32	
				694	1-53	
				627	0~08	
				628	0-08	
				629	80-0	
				411	0-30	
				 [मं.	O-14016/66/	८ 4-जीप

एम, एस, श्रीनियासन, उप सामान

S.O. 2386.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Patroleum S.O. 3456 dated 16-10-84 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas, the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further, where the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by subection (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said land; shall instead of vesting in Cential Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

#### **SCHEDULE**

Gas Pipe line from Hajira-Bareilly-Jagdishpur Project

Distt	Tehsil	Par- gana	Village	Plot Area No. in acres	Re- marks
1	2	3	4	5 6	7
		gana 		No. in acres  5 6  120 0-3? 121 0-33 122 0-35 123 0-32 1:77 1-15 150 0-16 123 0-03 143 0-13 144 0-32 145 0-01 147 0-65 149 0-02 155 0-06 371 0-12 372 0-16 373 0-16 375 0-04 376 0-32 380 0-04 381 0-22 382 0-16 384 0-09 385 0-37 388 0-25 396 0-11 400 0-91 401 0-12 124 0-02 560 0-70 398 0-90 399 1-50 410 0-40 509 0-69 510 0-07 514 0-54 515 0-16 519 0-66 5*2 0-62 5*2 0-62 5*2 0-62 5*2 0-80	marks 
				682 0-61 683 0-37	
				684 0-18 688 0-32 690 0-75 692 0-06	
				689 0-46 693 0-32 694 1-53 627 0-08	
				638 0-08 629 0-08 411 0-30	5/46/9A CI T

[No. O-14016/66/84-G.P.]

M.S. SRINIVASAN, Dy. Secy.

# नई दिल्ली, 17 महै, 1985

का आ. १६२७ - एत रेन्ट्रीय परकार हो यह प्रशीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक ^{के} कि ग्रायत राज्य में एत के 122 में जीजीएस-४ तक पेट्रांकियम के परिवर्डन के लिये पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैम आयोग होता बिछाई जीता चाहिए।

और यत यह प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों की विछाने के प्रयोजन के लिये एलद्पाबढ़ अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का आधेकार अजिन करना आवश्यक है।

अत अब पेट्रोलियम और खनिल पाउपलाईन (भूमि मे उपयोग के अभिनार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की भाग 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधियार अजिन करने का अपना आश्रय एतर्डाण घोष्टिन किया है।

बलर्से कि उनन भूमि में हिनबास कोई व्यक्तिन, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप सक्षय प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रमाग, सकरपुरा रोड, बहोबरा-9 को इस अधिसुकता की नारीख से 21 दिनों क भीतर बार सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हंट व्यक्ति विनिर्दिष्टत. यह भी कथन करेगा कि क्या यह यह वाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

# अनुसूची

एन. के. 122 से जीजीएस 3 तक पाइप लाइन बिछाने के सिदे राज्य--सुजरान जिला व नालुका--मेहसाणा

गाँव	ब्लॉक नं.	<b>हे</b> स्टेम •	एआर्र	्रोंटीअर —
धानपुरा	621	0	0.3	0.0
	कार्ट ट्रेक	0	01	44
	Fi. O-12		आरे एन	जी-हो 4ो

#### New Delhi, the 17th May. 1985

S.O. 2387.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NK-J22 to GCS III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of Paying, such pipeline, it is necessary to a quite the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makaipura Road, Vadodara (390009)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner

# SCHEDULE

Pipeline from NK-122 to GGS III.

State : Gujara	District & To	iluka : Me	hsana
Village	Block No.	Hect- are	Are Centi-
Dhanpura	621		03 00
	Cart track	0	01 44

[No. O- 12016/58/85-ONG-D-1]

का, जा. 2398. — यन केन्द्रीय सरशार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह आवष्य व है कि गुजरात राज्य में एम जी. डी. आर सं सीटी एम सोमोमण नक पेट्रालियम के परिवहन के लिये पाईन गाईन नेल तथा प्राकृतिक की जायोग होता विद्यार्थ जाने चाहिए।

आर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइना को विद्यान के प्रयोजन के लिये एकद्पाश्चाद अनुसूची में थॉणन भूमि में उपयोग का अधिकान अजित करना आवश्यक है।

अ 1. अब पेट्रोलियम और खिनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्थेन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की आरा 3 की उपधारा (1) वारा प्रदन एक्टियों का प्रयोग करते हुए कर्टीय सरकार ने उसमें उपयोग का रुधिकार अभित करने का अपना आणय एन्द्रहारा घोषिन किया है।

बगर्ने कि उनन भीम में हितबह नोई व्यक्तिः उस भूमि के तीचे पाइगफ्डिंग बिछ ने के लिए आक्षेप मक्षम प्रोदकारी, तल तथा प्राकृतिक मैं असोग, निर्माण और देखनाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बहोदरा-9 को इस अधियूनना की नारीज से 21 दिनों के भीनर कर नक्षमा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिन्दत. यह भी क्रयन करेगा कि क्या यह यह चाहना है कि उनकी मुनवाई व्यक्तिगत व्य से हो या किसी विधि व्यक्तियों की माकत।

अनुसुख

एस. के डि. आर. से मीर्टाएक भोषासण तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य--गजरात किया ये सालका--मेहसाना

ग्¹ँव	्लॉफ न	दे≉टेयर	एआर.६	पेटी अर
पुनामण	119	0	16	08
	118	0	0.8	76
	1 2 7	U	06	48
	126	u	02	04

S.O. 2388.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SBDR to CTF Sobhasan in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government bereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makaipuia Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Pipeline from SBDR to CTF SOB.
State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Block No	H.c.	Are	Centi- are
Punasan			10	08
	118	0	08	76
	<b>12</b> 7	0	06	48
	126	O.	(12	04
~	<del>_</del> _			

[No. Q = 12016/59/85-ONG-D 4]

## नई दिल्ली, 18 मई, 1985

का अर १४८१ - नान केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मो किस में यह आपण्यक है कि गुजरात राज्य में एस के. इ व्ही से एस हैं इ गु. तक पैट्रालियम के परिवहन के लिये पाइपलाइस तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

आंर यत: यह प्रसीत होता है कि ऐसी ताइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्वाबद अनुसूची में बर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अधित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज ग्रहालाइन (भूमि में उपधार के अधिकार का अर्थन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की भारा उ की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का अधार करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उनमें उपयोग का अधिकार आर्थित करने का अपना आण्य एतंद्रहारा घोषित किया है।

बणरें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के तीचे पाइप-लाइन विद्यान के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिनारी, तेल तथा प्राप्तिक गैसे आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा राड़, बड़ादरा-9 को इस अधिमूलना की नारीख से 21 दिशों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टन, यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उमकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप मे हो या रिभी विधि व्यवसायी की गार्कन ।

अनूसूची

ण्न. ये. इ. ऋीं से एन के इ. यु तक पाध्य लाइन बिछाने के लिये राज्य : गुजरान जिला : अष्ठमदाबाद तालुका : विरमगाम

·—	सं मं.	 हैक्टेथर	णुआर ई	<del></del> - सेन्टी-
				अर
मुजपुरा	7 6/पी	0	09	60
	82/1	0	03	84

[म. ऑ-12916/60/85-आ एन **जी-दी-**4]

# New Delhi, the 18th May, 1985

S.O. 2389.—Whereas it oppears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKEV to NKEU in Gujarat State pipeline should be laid by the Cil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petcolerm and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days form the date of this notification, object to the laying of the pipeline unde the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadedara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or hy lgal practitioner.

# SCHEDULE

Pipeline from NREV to NKEU

State : Gujarat District : Ahmedabad Taluka : Viramgam

Village	Survey No.	Hect- Are		Centi-	
Sujpura	76/P	0	09	60	
	82/1	O	03	94	

[No. O~ 12016/60/85-ONG-D 4]

का आ. 3390—यन : केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एन. के इ. एस. से एन. के. इ. एम तक पैट्रोलियम के परिषहन के लिये पाक्ष्यलाहा तेल तथा प्राष्ट्रितक गैम आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्यावक अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार केजित करना आवश्यक है।

भन : अब पैट्रोलियम और असिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा, 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार ऑजिन करने का अपना आग्रय एनद्रशार/ मोविन किया है।

संशतें कि उनत भूमि में हिनबंद्ध कोई स्थक्ति, उस भूमि के नीचे गाइप लाइन बिछाने के लिए अक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल सथा प्राफ्र-निक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा 9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने बाला हुर अविक्ति विनिर्दिष्टनः बहु भी कथन करेगा कि क्या बह यह चाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो यो किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

अनुम् ची

एत. के. ड एल. मे एत. के. ड. एम. तक पादा लाइन बिछाने के लिये राज्य—गुजरात जिला—मेहनाता साल हा—कडी

·	-r				
गांस	मं. न.	हैक्टेयर 🔻	, आई. ई.	सेन्टीअर	
सुरज	654	0	08	88	
	655	0	0.5	53	
	कार्ट द्वेच	0	01	44	
	716	0	09	36	
	715	0	07	68	
	714	0	04	08	
	7 o <b>7/</b> पी	0	05	76	
	7 0 <b>7/पी</b>	0	07	80	
	708	0	0.6	72	
	700/2मी	0	07	44	
	700/1पी	0	07	<b>5</b> G	
	700/1पी	0	12	72	
	693	0	06	48	
	694/1	0	0.6	12	

[मं. **O**---12016/61/85-ओ,एन जी.-डी.4]

S.O. 2390.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NKEL to NKEM in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission; And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodare (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner

------

#### SCHEDULE

Pipeline from NKEL to NKEM

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hect- are	Are (	Centi- are
Suraj	654	0	08	88
•	655	0	05	52
	Cart track	0	01	44
	716	0	09	36
	715	0	07	68
	714	0	04	08
	707/P	0	05	76
	707/P	0	07	80
	708	0	06	72
	700/ <b>2</b> P	0	07	44
	700/1 P	9	07	56
	700/lP	0	12	72
	693	0	06	48
	694/1	0	06	12

[No. O-12016/61/85-ONG-D 4]

मा आ 3:9 - यत में हीय संस्वार को यह प्रतीत होता है कि लंकिटिन में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस. के. 141 से एस के जी जी एस. तक पेट्रालियस के परिवहत के लिये पाईप लाइन तेल तथा प्रावृक्तिक गैरा आयोग द्वारा बिछ ई जानी चाहिए।

भीर यत . यह प्रतीत होता है किसी लाइनो को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपाबद अनुसूची में अणित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्दित करना आवश्यक है।

अतः अस पैट्रालियम और खिनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्गन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपसारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केव्हीय करकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आश्रम एनद्द्वारा बोधित किया है।

बशर्ते भि उत्तर भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के तीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप मक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राष्ट्रतिक गैम आयोग निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बड़ोदरा-१ को इस अधिमूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सक्षा।

और ऐसा आक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि भ्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी भी मार्फन।

अनुसूची

गाज्य--गाजरात

एत. के (141) से एन के जी की एस III तक पाइप लाइन बिछाने के लिये

जिला व तालुका--मेहसाना

- <del> </del>	 			•
धानपुरा	. 297 कार्ट ट्रंक	0	04	56 08

[मं. O---12016/62/85-ओ एन. जी-की 4]

S.O. 2391.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from NK-141 to NK. GOSIII in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And hereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laving of the pineline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

SCHEDULE
Pipeline from NK-141 to NK GGS III.

State: Gujarat District & Taluka: Mehsana

Village	Block No.	Hect- are	Are	Centi- are
Dhanpura	297	0	04	56
	Cart track	0	01	. 08

[No. O-12016/62/85/ONG-D 4]

का. आ. 2392—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि कोकद्रित में यह शवण्यक है कि गुजरात राज्य एम. एन. ए क्यू. से बलोल-3 तक पैट्रोपियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन सैल तथा प्राकृणिक गैम आयोग हास विछाई जानी चाहिए।

और ग्याः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है।

अत: अब पैट्रोलियम और खनिज पाइप इन (भूमि उपयोग के अधि कार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश काकिनयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसने उपयोग का अधिकार अजित करने का अपना आक्षय एलद्द्वारा घोषित किया है।

बर्णने कि उन्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप नअम प्राधिकारी, तेल तथा प्राद्धितिक गैम आयोग, निर्माण और देवभान प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बडोदरा-9 को इस अधिपुवना की नारीव में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ट्रेमा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा ि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन

अनुसूची

एस. एन. ए. क्यू. से बलोल---3 तक पाइप लाइन बिछाने के लिये राज्य--गुजरात जिला व सालुका---मेहमाणा

गांव	ब्लाकर्न. ई	क्टेयर ए.आ	र.आई.	सेन्टीअर
1		3	4	5
संधाल	551	0	05	52
	552	0	08	
	555	250	08	04

1	2	3	4	5
-	4	<u>_</u>	· <del></del>	
	557	0	09	16
	5 <del>9 3/पी</del>	0	15	40
	कार्ट द्रेक	0	0.0	40
	5 <b>9 4/</b> पी	0	20	52
	595	0	04	68
	कार्ते ट्रैक	0	00	48
	313	0	09	± Q
	312	0	08	1 2
	311	0	0.1	92
	कार्ट ट्रैक	0	02	40
	622	0	02	16
	623	0	04	63
	624	0	09	7.2
	कार्टट्रेक	0	01	44
	5 <b>8</b>	0	00	6 <b>6</b>
	57	0	10	80
	56	0	10	56
	5 5	0	08	28
	54	0	00	60
	45	0	02	5 2
	46	0	08	23
	47	0	11	52
	कार्ट ट्रेक	0	01	20
	<b>7</b> 7	0	0.5	54
	78	0	04	02
	81	0	0.8	60
	82	0	09	74
	कार्ट ट्रेक	0	01	50
	20/2	0	02	34
	20/3	0	09	66
	20/5	0	11	83
	20/ 6/पी	0	03	60
	20/6/पी	0	04	36
	<u> </u>			7. 44.

[सं. O-12016/63/85-मो एन जी धी-4]

S.O. 2392.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SNAQ to Balal-3 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said and may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

**SCHEDULE** 

Pipe line from SNAQ to BALOL-3.
State: Gajarat District & Taluka: Mehsana

Village	Block No.	Hect- are	Are	Centi- are
	2	3	4	5
Sar(bal	551	0	05	52
-	552	0	08	52
	555	0	08	34
	<b>5</b> 57	0	09	36
	<b>5</b> 93/ <b>P</b>	0	15	48
	Cart track	0	00	48
	594/P	0	20	
	595	0	04	
	Cart track	0	00	
	313	0	09	12
	312	0	08	22
	311	0	01	92
	Cart truck	0	02	40
	622	0	02	
	6 <b>2</b> 3	0	04	68
	621	0	09	72
	Cart track	0	01	44
	58	0	00	66
	57	0	10	80
	56	0	10	56
	55	0	08	28
	54	0	00	60
	45	0	02	52
	46	0	08	23
	47	0	11	52
	Cart track	0	01	20
	77	0	05	54
	78	0	04	02
	81	0	03	60
	82	0	09	74
	Cart track	0	01	50
	20/2	O	02	34
	20/3	0	09	66
	20/5	0	11	83
	20/6/P	0	03	60
	20/6/P	0	04	36

[No. O-12016/63/85-ONG-G 4]

नई दिल्ली, 20 मई, 1985

का. प्रा 2393—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह धानक्यक है कि गुजरात राज्य में जे. एन. ए. सी. से जोटणा नी जी एस. -1 तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

प्रीर यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्गाबद्ध घनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का ध्रधिकार धर्जित करना धावस्यक है।

मत: भव पैट्रोलियम भौर खनिज पश्चिपलाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का भजेंग) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिलत्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का भिधिकार भिज्ञत कर ने का भपना भागय एतबुद्वारा भोषित किया है।

बशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए माओप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राक्वतिक गैस प्रायोग, निर्माण भीर देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड़, बड़ोदरा-9 को इस प्रशिस्त्रना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा। भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह सी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तित कप से या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

धनुसूची जे. एन. ए. सी. मे जोटाणा जी जी एस-1 तक पाढा लाइत विछाने के लिए

राज्य—-गुुजरात जिला व तालूका-—मेहरा≀गा					
गांव	<del></del> सं	. नं.	<u>ई</u> क्टेयर	ए °शर ई	सेन्टा <b>आर</b>
मोदीपुर	182			0 20	04
	179			0 09	48
	177			0 9	12

[सं.O --- 12016/65/85-म्रो एन. जी. बी-4]

New Delhi, the 20th May, 1985

S.O. 2393.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for transport of petroleum from JNAC to Jotana GGS 1 in Gujavat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Con mission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in tle Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Governmen hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Markarpura Road, Vadodara (390009.)

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

# SCHEDULE

Plpeline from JNAC to JOTANA GGS I. State: Gujarat Dietrict & Taluka: Mehsa-a

Village	Survey No.	Hoct- Ar	re Centi-
Modipura	182	0	26 04
	179	0	09 48
	177	0	09 12

[No. O-12016/65/85-ONGD4]

का. आ. २३९४---यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतित होता है कि लोक-हित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में एस एन ए. जेंड से एस. एन ए. आई. तक पेट्रोलियम के परिवहन के तिये पाएपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी काहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिशने के प्रयोजन के लिये एतक्पायक अनुसूची में निष्त भूमि में उपयोग का अधिकार अजित करना आवश्यक है ।

अत: अब पेट्रोलियम और खनिज वापहेलाइन (भूमि में उपयौग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) ो प्रारा 3 की उपयोग परते कुए केन्द्रीय सरकार ने उनमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बणर्ने कि उनने भूमि में हिन्ता कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन विछाने के लिए आक्षेप संअम प्राधिकारों, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखमाल प्रभाग, मकरपरा रोख, बडोवरा-9 को इस अधिपुषना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर तकेगा । और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी न मन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत कप में क्षा या किमा विश्व व्यवसायी की मार्फत ।

# अनुसूची

एस एन ए झाड,से एस एन ए आई,तिक्रपाइय नाधन विकास के लिये।

राज्य-गुजरात जिला व तालका---भेहमाणा

सं न	हेक्टेक्टर	गुंशार <b>ई</b> ने	 (न्टी <b>अ</b> र
2	კ	4	5
448	0	17	70
469	0	04	٩0
469	0	1 3	80
470	0	04	90
	2 448 469 469	2 3 448 0 469 0	2 3 4 448 0 17 469 0 04 469 0 13

[स. O- 12016/64/85-भा एन जी-ही-4)]

पी के राजगातालन, डैस्क अधिकारी

5.0 2394—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest for the transport of petroleum from SNAZ to SNAI in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in schedule annexed hereto,

Now, theretore in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerala Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to assume the right of user therein

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance Division Makappira Road Vadodara (390009)

And every person naking such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by legal practitioner

#### SCHEDULE

Pipeline from SNAZ to SNAI

State Gujarat District & Taluka Mehsana

Village	Survey No	Hect- are	Ate	Centi- are
				-
Santhal	448	0	17	70
	468	0	04	80
	469	0	13	80
	470	0	04	90

[No O-12016/64/85-ONG D 4] P K RAIAGOPALAN, Desk Officer

# कृषि और ग्रामीण विकास मजालय कवि और सहकारिता विभाग

नई दिल्ली, 18 मई, 1985

संकिप्त नाम और प्रारम्भ 🛶

- (1) इन नियमो का संक्षिप्त नाम तटीय मस्स्यन इंजीनियरी कन्द्रीय संस्थान (ज्येष्ट ग्राधिक अन्वषक) भर्ती (समोधन) नियम, 1985 है।
- (2) ये र जपका में प्रवाशन की तारीका का प्रवृत्त होंगे।
- 2 मस्य बदरा हु विनिधानपूर्व सर्वक्षण (ज्येष्ट माधिक भन्वेषक) भर्ती नियम, 1983 की भनुसूर्या म, स्तभ 13 में निम्निलिखन प्रविद्धि क नाप किया अरुगा, भर्यानु ---

"5 सम्बद्ध ध्रधानस्य कामालय का समुन्तित स्तर का ध्रमुमूचित जाति ध्रमुमूचित जनजाति का ध्रधिकारी या ऐसा कोई जो उसी स्थान पर स्थित किसी दूसरे कार्यालय में कार्य कर रहा है---सदस्य

> [तं. 11-6/80- एफ वाई (प्र )] एस. बालन्कृष्णम, अवर सचित्र

# MINISIRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVFLOPMENT

(Department of Agriculture & Coopn )

New Delhi, the 18th May, 1985

- SO 2395—In exercise of the powers conferred by proiso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules to amend the Pre-Investment Survey of Fishing Harbour (Senior Economic Investigator) Recruitment Rules 1983, namely —
- 1 (1) These rules may be called the Central Institute of Coastal Engineering for Fishery (Senio, Economic Investigator) Recruitment (Amendment) Rules, 1985
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2 In the Schedule to the Pie investment Survey of Fishing Harboui (Senior Economic Investigator). Recruitment Rules, 1983, in column 13, the following entry shall be omitted namely.—

Scheduled Casic Scheduled Tithe Officer of the appropriate Rank either belonging to the Attached/Subordinate Officer concerned or such an officer working in another office situated locally—Member"

[No 11-6/80-Fy(Admn)] S BALAKRISHNAN, Under Secy

# सस्कृति विभाग भारतीय परात्तव सर्वेक्सस

नई दिल्ला, 18 मई, 1955

(पुरातस्व)

का प्रा 2:196 — प्राचीन स्मारक तथा पुरानत्वीय स्थल भीर भवभेष नियमावली, 1959 व नियम 4 द्वारा प्रदल शिवस्या कः प्रयाग करते हुए मैं, एम ही खर, निदेशक (स्मारक) एतद्खारा यह निर्देश देना ह कि नत्वाल से उत्तर प्रदेश राज्य में भागरा स्थित सरक्षित स्मारक जिसे नाजमहल के रूप में जाना जाना है, के मकबरे का भीतरी कथा पुरातत्व प्रश्चिनारी, उसके प्रतिनिधियों प्रधीनस्थ कर्मचारियों भीर अभिको प्रथवा स्मारक म इयूटी पर तैनात किसी श्रव्य सरकारी वर्मचारी को छोडकर अगले आदेशा तक सूयारत के बाव किसी स्थित क लिए नहीं खोला जाएगा।

> सि 2/10/५5-स्भारक] तहा कर १८८० स्थान

## DEPARIMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India) New Delhi, the 18th May, 1985

#### (ARCHALOLOGY)

S.O. 2396.—In exercise of powers conferred by Rule 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remain sRules, 1959. I. M. D. Khare, Director (Monuments) do hereby direct that with immediate effect the inner chamber of the mausoleum of the protected monument known as Taj Mahar located at Agra, Uttar Pradesh State shall not be open after sun-set to any person other than Archaeological Officer, his agents, subordinates and work men or any other Government Servant on duty at the monument until further orders.

[No. 2/10/85-M] M. D. KHARE, Director (Monuments)

## स्चना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 मई, 1985

का. आर. 2397 केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयाजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के धनुमरण में, फिल्म प्रभाग के शाखा कार्यालय, लखनऊ का. जिसके कर्मवारायृन्द न हिंदी का कार्यमाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, प्रधि सुचित करती है।

[सख्या ई. 11011/35/83-हिंदी] मृति लाल, उप निदंशक (राजभाषा)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING New Delhi, the 14th May, 1985

\$ O 2397—In purstance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby nonfics the Branch Office, Lucknow of Film Division, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hinds.

> [No. E. 110!1/35/83-Hmdi] MUNI LAI. Dy. Director (O.L.)

## संचार मंत्रालय

## (डाक कार बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 मई, 1985

का. था. 2398—स्थायी श्रावेण मच्या, 627, दिनाक 8 मार्थ, 1980 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खड़ III के पैरा (क) के अनुसार आफ-नार महानिदेशक ने कालाशीर/मातूल/सक्यूयारा टेलीफोन केन्द्र में दिनाक 1-6-85 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निण्चय किया है।

[सन्त्या 5-9/85-पी एच घी] क्रजराम सिंह, सहायक महानिदेशक (पी०एक०बी०)

## MINISTRY OF COMMUNIC ATIONS (P&T Board)

New Delhi, the 15th May, 1985

S.O. 2398.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specified 1-6-1985 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Mattol/kolassen/Mukkoottuthara Telephone 1 xchanges Kerala Circle.

[No. 59/85-PHB]

B. R. SING, Assit. Director General (PHB)

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 मई, 1985

का.श्रा. 2399.—औद्यागिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रोय सरकार मैंससं वैस्ट्रन कोलफोल्ड लिमिटेड, पेन्च एरिया के प्रबध्नत से सम्बद्ध नियाजका और उनके कर्मकारों क बीच अनुबध में निर्दिष्ट आद्यागिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आद्यागिक श्रिधकरण, नं 2, वस्त्रहंके पचाट को प्रकाशित करती है, जा केन्द्रीय सरकार का 8-5-1985 का प्राप्त हुआ था।

## MINISTRY OF LABOUR New Delhi, the 10th May, 1985

S.O. 2399.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Pench Area, and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM LABOUR COURT NO. 2, BOMBAY

(CAMP AT JABALPUR)

Reference CGIT-2(12) of 1985 (Bombay) Reference CGIT|LC(R) (27) of 1983 Jabalpur

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Western Coalfields Lanted, Pench Area, P.O. Parasia, District Chindwara and then workmen represented through the M.P. Rashtriya Koyala Khadan Mazdoor Sangh (INTUC) P.O. & District Chhindwara (M.P.)

## APPEARANCES:

For Union-Shri S. K. Rao, Advocate,

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY: Coal. DISTRICT: Chhindwara (M.P.)

#### AWARD

Dated, 19th March 1985

By their Order No. L-22011|57'82-D.III(B) dated 1st July, 1983 [transferred vide Order No. S-11025 (1)|85-D.IV(B) dated 8th February] the Central Government has referred the following dispute for adjudication under Sec. 1071)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the action of the management of WCL, Pench Area in relation to their G. M. Office in not regularising Shri Santosh kumar as Water Mazdoor and paying him less than Cat. I wages as per recommendation of the Central Coal Wage Board followed by NCWI & II justified? If not, to what relief the workman is entitled for?"

- 2. The very nature of the dispute indicates that it centres round the question whether Shri Santosh Kumar was a contractor supplying the water on contract basis or was an employee in the regular service of the Western Coalfields Limited Parasia, District Chhindwara,
- 3. By their statement of claim the Union who is espousing the cause of the workman contends that the supply of water from the well was not on contractual basis but as an employee of the management of the industry.
- 4. Against this by their written statement the iclationship is as already indicated has been denied and it stated that it is a job which requires hardly one and a half hours or two hours and theerefore not a full time job.
- 5. To substantiate this contention the workman has examined himself where he has stated the facts that he has received no appointment order. In the absence of any appointment order and in the absence of payment as salary it would be difficult to hold the relationship established particularly when even at the time when Union intervened it merely resulted in the augmentation of the charges from Rs. 3.50 and Rs. 2]- to Rs. 4.40 and Rs. 2.50 P. respectively. It is, therefore, not possible to accept the plea of the workman or the Union
- 6. This should normally dispose of the case, but having regard to the history as narrated by the workman and considering that consistently he is doing the work for the office since 1975, it is felt that it would be inhuman on the part of the management to continue the present arrangment and that it is not expected of a raudent employer like a Corporate Sector. Whatever may by the past there, the management should consider the appointment of the workman as a water supplier. By what designation he is employed is immaterial since the work is a noted work viz., supplying of water. There is a dispute as to whether the workman is working as a part time or full time, But if he is to be employed then the management is very likely to expect his services of regular hours, i.e. 8 hours for which the payment would be made as per the various award. In that case the workman cannot insist upon working as part time only since he is to get the benefit of full wages. I hope that the management pays beed to these observations and removes injustice which is being caused to the workman con-cerned. Award accordingly,

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer [No. L-22011]57[82-D.HI(B)]D.V]

Date: 19-3-1985.

का. आ. २४०० — श्रीकोशिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनसरण में, केन्द्रीय सरकार में. वैस्ट्रन कोल फील्ड लिमिटेंड के उमरेर प्राजिक्ट उमरेर, नाशपुर के प्रवधतंत्र से सम्बद्ध नियाजको श्रीर उनके कर्मवारा ने बीच अनुबंध में निविष्ट श्रीलोगिक विवाद में विद्यास सरवार अधिनिया अधिनिया ने प्रवाणित करवीय सरवार के पंचार की प्रवाणित करती है, जो बन्द्रीय सरकार को 9.5.85 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 2400.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Umrer Project, Umrer of M/s. W.C. Ltd., Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

## PRESENT:

Shri M. A. Deshpande Presiding Officer

Reference No. CGIT-2|9 of 1985

Jabalpur No. CGIT|LC(R)(15) of 1983

## **PARTIES**

Employers in relation to the Management of Umrer Project, Nagpur

#### AND

Their Workmen

#### APPEARANCES

For the Employers—Shri Rajendra Menon, Advocate

For the Workmen-Shri S. K. Rao, Advocate

INDUSTRY—Coal Mines STATE—M.P.

Bombay, dated the 10th April, 1985

## AWARD

By their order No. L-22011/13/82-DIII(B) dated 11-5-1983 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, which was subsequently transferred to this Tribunal under Order No. S-11025 (1)/85-D.IV(B) dated 8-2-1985:—

- "Whether the action of the management of Umrer Project W.C. Ltd. Umrer not to treat Smt. Tewaribai, Smt. Rambai, Smt. Tanabai, Smt. Rajula Bai and Smt. Gangubai, Clay Cartridge makers at Umrer Colliery as their workmen is justified? If not, to what relief the workmen are entitled and from what date".
- 2. The contention of the workmen who themselves are agitating the present dispute by their statement of claim is that they are working as Clay Cartridge makers since 1975 at Umrer Colliery, who were being paid Rs. 8|- per thousand of Clay Cartridges size 14" dia and 6" long for use of stemming material for short firing work. It is the contention of these workmen that although they are entitled to wages of Category No. 1 as defined and designated in N.WA.I

for clay cartridgemarkers, the management is not paying accordingly and also not treating them their employees and hence the dispute.

- 3. By their written statement the W.C.Ltd are disputing the claim, they dispute the relationship of employer and employee between the parties and state that these ladies are in fact independent contractors who are being paid Rs. 10 - per thousand clay cartridges.
- 4. There are rejoinders on record where the same contention but made in details are advanced. On behalf of the employees it is contended that the work of these workmen is being supervised once or twice a week, that they work in Tinshed especially made for them, which shed is situated just above the pit-mouth, that the material is supplied by the management and this way it is alleged that there exists the relation-ship of employer-employee.
- 5. On the strength of these pleadings the following issues arise for determination and my findings thereon are :~

Issues

Findings

- 1. Whether the workmen stated namely. In the service of the Smt. Tew ribai and others were inde- employer. pendent contractors or whether in service of the employer?
- 2. If they are working as independent Does not arise. contractors on contract basis have they any right to claim service rights?

3. If not, are they entitled to any relief? They are entitled to relief.

4. What Award?

As per order.

## REASONS

- 6. Although the management has produced on record voluminous material to show that tenders are being invited and that only the contract is given to these workmen, certain facts are evident which ultimately would swing the balance one way or other. The oral evidence of the workman consists of statements of Smt. Rambai, Smt Tewaribai, Smt. Rajula Bai, Smt. Tara Bai, Smt. Gangu Bai, and Rageshwar Mahadure from which evidence it is clear that the workmen are carrying out the work in the Tin-shed provided by the management, they are also supplied with raw material and that there is supervision. It is further evident that atleast since last 8 to 9 years the very ladies are performing the job. Not only that but the witnesses complain that they are required to do sundry jobs like taking the explosives, bringing the drinking water, cleaning the office, and lamn room and carrying earth from one place to another and loading them.
- 7. Against this evidence there are statements of Superintendent Manager Umrer Colliery and Assit Colliary Manager who have supported the stand of the management that the work is being performed by the female workmen on contract basis. The work is such that require minimum supervision but the fact remains that the right to reject the goods rested with the management.

- 8. Here is therefore a case where the management has supplied a shed in the mining area near the mouth of the pitch, his supplied taw material and engaged these workmen offeast for the last 8 to 9 years. In the light of this can it be said that these are not the employees of the Western Coalfields Ltd. In this connection In Silver Jubilee Tailering House case reported in 1973 (II) LLJ, page 495 it has been held by the Supreme Court that during the last two decades the emphasis in the field has shifted and no longer rests so strongly upon the question of control. It is also held that it is wrong to say that in every case it is decisive. It is further held that the degree of supervision and control would be different in different types of business and that it an ultimate authority over the worker in the performance of his work resided in the employer than he was subject to latter's direction and that would be sufficient.
- 9. The workmen have also brought on record copy of arbitration Award where similarly placed Mud Pallet Makers were held to be employees of the company. This arbitration award is dated 31-3-1983 where the direction was that all such workers engaged by the management should be taken on company's rolls and he paid wages of category of piece rated workers with all the incidental benefits. In workmen of Food Corporation of India Vs Food Corporation of India in Civil Appeal No. 1055(NL) of 1981 when intermediary contractor was removed, and there was direct relationship between the workmen on one hand and the management on the other, the workmen were held to be workmenlemployees on piece rated basis. In Special Leave Petition 1853 of 1978 the test to be applied in such cases was laid down and it was laid down by the Supreme Court that where a worker or group of workers labour, to produce goods or services and these goods or services are for the business of another, that other is, in fact, the employer and he has economic control over the workers' subsistence, skill and continued employment.
- 10 The only effect of the arrangement would be that though the workmen are held to be in the cmployment of Western Coalfields Itd., their employment is on piece rate basis a category even recognised in the Award All India Industrial Tribunal (Colliery Disputes) Vol. II at page 75, category No. 29. These Clay Cartridge Makers are to be put in category No. 1 for whom wages are fixed .Since they are to be treated as piece rated neither daily rated nor monthly rated the management will have to fix daily quota in such a manner that within a span of eight hours they can complete the work and earn the wages fixed for Category 1 employees. Untill now the arrangement as was in vogue from the beginning but from the date of award the workman shall be entitled to wages of category No. 1 employees under the award stated with all other benefits as the employees of the Colliery, Award accordingly

M A DESHPANDE, Presiding Officer [No. L-22011/13/82 D/HI(B) D VI

का आ. 2401.—मीलोगिक विवात अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 1 के अनुसरण में, केस्द्रीय सरवार के बैरट्स कोल्फ्लिड पिनिटेंड, पेन्च परिया के प्रबंधतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों भीर अनके कर्मकारों के बीच अनुबंध मितिष्ट घोद्यांगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार भ्रोद्योगिक अधिकरण न. 2 बम्बई के पंचाट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8.5.1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2401.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Pench Area, and their workmen which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUMLABOUR COURT NO. 2, BOMBAY (MAHARASHTRA) (CAMP AT JABALPUR)

Reference No. CGIT-2(11) of 1985 (Bombay) Reference No. CGIT/LC(R) (26) | 1983 (Jabalpur)

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Pench Area, P.O. Parasia, Distr. Chhindwara (M.P.) and their workmen represented through the Chhindwara Zila Koyala Khan Karamchari Sangh, P.O. Parasia, District Chhindwara (M.P.).

## APPEARANCES:

For Union-Shri S. S. Sharma.

For Management—Shri S. M. Singh.

#### INDUSTRY:

Coal-

## DISTRICT:

Chhindwara (MP)

## **AWARD**

Dated: 19-3-1985

By their Order No. L-22011(5) 82-D.III(B) Dated 1st July, 1983 (transferred vide Order No. S-11025 (1) 85-D.IV(B) Dated 8th February, 1985) following dispute has been referred by the Central Government for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act:—

- "Whether the action of the management of Western Coalfields Limited, in relation to their Rawanwara Khan Colliery in not accepting the recommendations of the Distt, Medical Board Chhirdwara and declaring Shri Paremdas. Compounder unfit for service and not regularising Shri Nazrul Hussan as Traffic Incharge and paving his difference of wages from 1-1-1981 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled for?"
- 2. The Union who was espousing the cause of these two workmen viz., S'Shri Hazrul Hussan and Prem Das Compounder by the statement of claim has contended in the case of first named that he was working as a raising and loading mate initially when by an

order dated 1-1-1981 passed by the Manager, Rawan-wara Khas Colliery Nazrul Hussan was appointed and authorised to work as Traffic Incharge and was made responsible for duties like setting the shifts, movement of tubs, and standard of loading etc. It is alleged that though from the said date onwards he continued to work as Traffic Incharge, he was not paid his wages of the said post namely as a workman Grade II, and it is therefore prayed that legal relief be granted and all the arrears including the annual increments etc. be ordered to be paid.

Regarding Prem Das Compounder the version of the Union is that he who was a permanent employee, was suffering from serious type of diseases and was completely disabled to perform his natural duties and therefore was sent to Barkui hospital for medical examination. It is contended that the Medical Officer demanded a sum of Rs. 1500 to declare him unfit, which amount was refused to be paid and, therefore, he was not declared unfit. The matter was, therefore, taken to the Collector, Chhindwara, who is a Director of Western Coalfields as a nominee of Government, at whose instance the matter was referred to the District Medical Board with the Civil Surgeon of the Government Hospital as the Chairman of the Bank which Board examined the workman and declared Prem Das unfit for normal duties. Despite these declarations the management refused to accept the certificate of the Board and declined to declare him unfit or to the appointment of his son in his placed, as per the provisions in N.C.W.A. II. It is, therefore praved that the workman be declared unfit and suitable reliefs be awarded.

- 4. The contentions are opposed by the management by their written statement whereby the right of Chhindwara Zila Koyala Khan Karamchari Sangh, Parasia to represent the cause of the workmen is itself being challenged on the ground that this Union has no membership in the Colliery and that invidual workmen are not the members and therefore they have no right to espouse the cause. As to the facts the contentions of the management is that Nazrul Hussan acted as a Traffic Incharge only for 17 days and that thereafter he continued to work as a load mate and therefore disentitled to claim the wages of the post of Traffic Incharge.
- 5. Regarding the second workman the plea of the management is that when once the Medical Officer of the Barkui Hospital found the workman to be medically fit, the said certificate is binding on the workman and the management, and therefore the Civil Surgeon's Certificate was not acceptable to the employers. It, however, seems that on 28-3-1983 the workman was again referred to Barkui Hospital who declared him to be unfit and therefore in his place his dependent is absorbed in service.
- 6. There are also rejoinders on record reiterating the respective contentions, therefore requiring no further reference.
  - 7. On the strength of these pleadings following

issues arise for determination and my findings thereon are as under :--

Issues	Platings
1. (a) Whether the Union espousing the cause of the workman has substantial following in the industry?	• -
(b) If not, whether the present dispute becomes an industrial dispute?	No
(c) If not, are the workmen or the Union entitled to any tell f?	No (Had the first two points gone in favour of Union, Nazrul Hasan would have been entitled to the relici as prayed for like payment of difference of wages from 1-1-1981)

#### Reasons :-

- 8. Since the right of the Union to espouse the cause of these workmen so as to convert the individual dispute into an industrial dispute was challenged, it was necessary for the Union to establish that they have substantial following in the industry and further that a decision was taken either by resolution or by other means supporting the espousal. In this regard mere sponsoring of dispute by the Union is not enough but it becomes necessary to enquire whether the Union which has sponsored the dispute can fairly claim a representative character in such a way that there would be a conversion of individual dispute into an industrial one. For the purpose of representative character, it can be gathered from the strength of the actual number of workers sponsoring the dispute and that the fact that the dispute is supported by the workmen or co-members will have to established either in the form of resolution of the Union or of the workmen themselves who are supporting the same.
- 9. If we turn to the record for determining these factors, what the Union has done is that they have produced their registers of members for the years 1981-82 and 1983. It, however, seems that these registers do not bear the signatures of any of the members for having acknowledged the payment of membership fee. Absence of these signatures or thumb impressions therefore has attracted the criticism that these registers are fake one prepared for the purpose of record only and that they do not display the correct victure. The Union should have produced some authentic second whereby the proof of membership could have been accepted like verification by the competent authority which proof is lacking in the matter.
- 10. Not only that but there is absolutely nothing to indicate that the members, assuming them to be so had supported the cause of these workmen either by resolution or otherwise and therefore in the absence of vital proof on this material points, it is not possible to conclude that the dispute which is in the nature of individual dispute assumes the character of industrial one

- 11. But assuming that it is an industrial dispute still the question would be whether the facts as contended have been established. In the case of Nazrul Hussan the case of the Union is that he was appointed to work as a Traffic Incharge on 1-1-1981 and that since the said date he is continuously working in the said capacity. In this regard when examined Nazrul Hussan states that he was appointed as a Traffic Incharge in the vacancy of Hira Singh who was appointed as a C'erk and that one Suraj Narayan was posted in the vacancy of Bharatari Singh. It seems the case of the management is that when Hira Singh was promoted two persons were appointed on trial basis viz. Nazrul Hussan and Surai Narayan and that Suraj Narayan was confirmed as Traffic Incharge but not Nazrul Hussan. In the cross-examination the witness admits that Bharatari Siogh was a loading Superintendent working from previous to 1978 which post is a promotion post of Traffic Incharge and he wants to suggest that nobody was working in place of the said Bharatari Singh. When there were two vacancies namely one of Hira Singh who was admittedly promoted in the month of January 1981 and also a vacancy of Bharatari Singh, it is impossible to believe that in one vacancy there would be two posting and therefore the plea of the management and the witness V. K. Virthay on their behalf can never be accepted and the only conclusion possible is that in place of these two workmen viz. Hira Singh and Bharatari Singh there were two postings. Had the management's case been really true in the order itself dated 1-1-1981 we would have noticed the names of two incumbents but we find the name of Nazrul Hussan and not that of Suraj Narayan. Why the letter of appointment is worded accordingly is not at all explained.
- 12. In his evidence Nazrul Hussan says that he was continuously working, thereafter in his capacity as Traffic Incharge but was never paid the higher wages. This fact is disputed by the management. Now had the workman really worked for 17 days only as tried to be contended there would have been no occasion for Nazrul Hussan to submit applications dated 7-12-1981, 4-3-1983 and 2-2-1982 demanding the wages of the post of Traffic Incharge. Further more had the contention of the management that he worked for hardly 17 days and thereafter was repatriated to the original post, been really true, we would have immediately noticed the reaction of the superiors in the shape of rejection of these applications forthwith. On the application dated 7-12-1981 there is an endorsement "Please discuss" and there is also endorsement "Please check and report". What was the result of checking and discussion is not known. Second application bears no endorsement and might be because it was a copy of the original submitted to the management and the original remained with them. Third one bears an endorsement of "for comments". Now even assuming that these two applications namely first and third were returned back otherwise they would not have borne the endorsement of the colliery officers, still it does not mean that they were rejected. Some such reaction was essential and also its proof which is totally absent. Then as a loading mate there was no need for the workman to work in three shifts but it would have been restricted to his own shift only. The case of the workman

in this regard is that in all four Traffic Incharge were working at the relevant time, three were attached to the individual shifts while the fourth one Nazrul Hussan was looking after all the three shifts which he continued to do till 25-2-1983 when by a letter of even date this arrangement was ordered to be discontinued. Having regard to the letter of appointment, having regard to the vacancies postings and having regard to the absence of the reaction which normally be there had the plea of the Union to be false, I am not prepared to accept the plea of the management and I am convinced that the workman just have worked as a Traffic Incharge from 1-1-1981 to 25-2-1983 at least. I cannot believe the statement in this regard by the management's witnesses. There is a corroboration to this conclusion from the report dated 2nd January 1979 of the Regional Labour Commissioner who has observed that the workmen are employed and assigned jobs of even higher categories and therefore he has referred to a decision take to regularise the post when a workman works in higher category for more than 190|240 days. Unless there was a practice of paying at the lower rate but extracting work in the higher category we would not have found a reference to the practice in the Labour Commissioner's Report. Concluding therefore I hold that the plea of the wokman is established and had the dispute been held to be an industrial dispute the suitable relief could have been granted which, however, is not possible because of the adverse finding on the relevant issue.

13. In the case of the second workman the Medical Officer had declared Prem Das to be fit and in the absence of any circular or regulation making the decision of the Civil Surgeon binding on the management, merely because the Board differed from the decision of the Medical Officer, it cannot be said to be a malafide decision nor can it be said to be wrongly ignored. The record speaks that ultimately when Prem Das's case was again referred to the Medical Board he was declared unfit on 23-8-1983 and as per the rules his dependent was given employment in the industry. As the records stand there is nothing to hold that the first decision was malafide or that the action of the management in taking cognizance of the said decision to be wrong and therefore no relief is possible. Award accordingly.

# M. A. DESHPANDE, Presiding Officer. [No. L-22011/5]82-D.III(B) [D.V]

## नर्ट दिल्ली, 17 मर्ट 1985

का. आ 3402.- -श्रीधोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. जैस्ट्रेन कोल फील्ड लिमिटेड, केन्य माजरी कोयलरी सब एरिया नं० 1 के प्रबंधक्त से सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निद्दिष्ट श्रीद्योगिक अधिवरण नं० 3 यम्बर्ड के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-5-1985 को प्राप्त हुआ था।

## New Delhi, the 17th May, 1985

S.O. 2402.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New Majri Collicry of Sub-area No.

I of M|s. Western Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

## PRESENT :

Shii M. A. Deshpande, Presiding Officer. Reference No. CGIT-2|31 of 1985

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Western Coalfields Limited.

## AND

## Their workmen.

## APPEARANCES:

For the Employers.—Shri Rajendra Menon Advocate.

For the workmen.—Shri S. R. Pendra, General Sceretary, Lalzenda Coal Mines Mazdoor Union.

INDUSTRY: Coal Mines. STATE: Maharashtra. Bombay, the 12th April, 1985

#### AWARD

The following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, vide order No. L-22012(37)|84-D.V dated 14-2-1985, the conciliation proceedings having failed:—

- 'Whether the action of the management of New Majri Colliery of Sub-Area No. 1, of WCL in terminating the services of Shri Mandala Kishya Mallaya Loader with effect from 23-3-1981 is justified? If not to what relief the workman is entitled to?"
- 2. The Union who is espousing the cause of the workman by the claim statement contends that Shri Mandala Kishya Mallaya the workman concerned was removed from service without holding any enquiry and without giving any notice, which rendered the termination void.
- 3. The management pleads that the workman was a underground Loader who was in the habit of remaining absent without leave and without permission and therefore he was charge-sheeted on 23-2-1980, whereafter a departmental enquiry was held in which the misconduct namely habital absenteeism was prov-The workman by the letter dated 16-6-1980 admitted the mistake, sought opportunity of further chance giving an undertaking that in case he remained absent without leave in future his services may be straightaway terminated and therefore by letter dated 20-6-1980 he was permitted to join duty with a warning. It is complained that even thereafter the workman continued to remain absent without leave. that even in the entire year 1980 he worked only for eight days, in the year 1981 he did not work even for a day and therefore there was no option left but to terminate his services by order dated 18/23-3--1981. The management admits that

enquiry was held and sought permission to establish the misconduct before the Tribunal at the same time expressed apprehension even if the workman is reinstated he would not leave his habit of remaining absent.

- 4. Since no enquiry was held though according to the management the absence without leave amounts to misconduct, their request for opportunity to prove the misconduct was given and the evidence has been adduced in the matter.
- 5. In view of this development the following issues arise for determination and my findings are:—

Issues	Findings
(1) Whether the management prove the misconduct as alleged?	Yes
(2) If yee, is the order of termination justified?	Yes
(3) What Award?	As per award,

#### REASONS

- 6. Attendance Clerk Shri A. K. Naxne speaks of the absence of the workman from 4th July onwards till the time his services were terminated by order dated 18|23-3-1981, a fact further corroborated by Shri W. M. Kamgar a Clerk in the employment of the management. He says that in the month of July, 1980 because of less number of attendance no house rent was paid to the workman. Against this there is the statement of the workman who says that because he was sick, suffering from swelling of both ankles he could not attend the work but barring this oral testimony there is nothing to support the same. Here is a workman who in the past escaped the penalty because of his undertaking whereby he had agreed not to remain absent at any time and further agreed that in case he so remained absent he may be removed from service, but shortly thereafter for one reason or other indulged in the same misconduct the warning dated 19|20-6-1980 at the time reinstatement and remained away from work from July, 1980 to March, 1981. Had he been really sick suffering from any ailment the worknan certainly would have approached the Colliery Medical Officer and would have obtained a medical certificate on production of which the absence would have been easily explained. Why the workman failed to do so is not at all explained.
- 7. Had the direction been bad or illegal we would have immediately noticed the re-action but such reaction is conspicuously absent. There was no protest and on 26-10-1983 the workmen merely asked for payment of gratuity 10 months CDS etc. It seems that he was agreeable to the order of termination which amounted to dismissal and it might be after the arrival of the Union on the secne that we notice change in the stand. Whatever may be the reason one fact is certain that the workman remained continuously absent for latter part of 1980 and beginning of 1981, failed to explain the absence despite the previous undertaking and the history and although the dismissal is held to be severe punishment, such workman who does not work but constantly remained absent can never be foisted on the management

and the termination on account of misconduct in this particular case is held to be justified and legal.

Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer. [No. L-22012|37|84-D,V.]

का.आ 2401. प्रीधार्गिक विवाद अधिनियम 1917 (1947 का 11) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, चुणुस कामनण (आर आई एवं वी. आई) के वैस्ट्रन कोलफील्ड लिमिटेंड के प्रवयतात में सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निविष्ट आंद्यारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आंद्योगिक अधिकरण न 2, वस्त्रई के पचाट को प्रकारित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को ५ 5,1985 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2403.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chugus Colliery (RI & BI) of Western Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

## PRESENT:

Shri M. A. Deshpande, Presidin Officer. Reference No. CGIT-2|30 of 1985

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Chugus Colliery (RI & BI) of WCL.

#### AND

Their workmen.

## APPÉARANCES :

For the employers.—Shri Rajendra Menon, Advocate.

For the workmen.—Shri S. R. Pendre, General Sccretary, Lalzenda Coal Mines Mazdoor Union.

INDUSTRY: Coal Mines. STATE. Maharashtra. Bombay, dated 11th April, 1985

## **AWARD**

By their order No. L-22012(18) 84-D.III(B) D.-V. dated 9-1-1985 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act on receipt of the tailure of conciliation report from the Conciliation Officer:--

"Whether the action in demoting the workman, Shri Devendra Gopal Chatti, from the post of Trammer-cum-Loader to Badli workman with effect from 10-11-1983 taken by the Manager, Chugus, Colliery (R1 & B1), M s. WCL, P.O. Chugus, District Chandrapur, is justified? If not, to wnat relief the concerned workman is entitled?"

- 2. The contention of the Union who is espousing the cause of the workman is that the workman who was in the service of the Colliery from 9-4-1976 in the month of July, 1983 had proceeded on 10 days leave and had returned to his village where he fell sick and therefore on return from his village he submitted medical certificate of the Doctor under whose treatment then he was. However, he was not allowsubsequently by a letter ed to work and 24-10-1983 a notice to show-cause was issued which was replied by him on 25-10-1983 but since management was not satisfied with the said reply by order dated 19|20-11-1983 he was converted into a Badli workman. The grievance of the Union is that this action of the management is illegal as the action is taken without holding any enquiry therefore the workman is entitled to various reliefs.
- 3. The facts are not much in dispute but the contention of the management is that the action taken was in pursuance of clause 7F of the Standing Orders applicable to the establishment whereby when workman remained absent beyond the period leave he shall lose his lien on his appointment unless he returns within ten days of the expiry of his leave and explains to the satisfaction of the Manager, his inability to return in time. The standing order also speaks of the result namely on losing of lien on the appointment, the workman shall be entitled to be kept on the Badli list. It is alleged that the management could have chargesheeted the workman and taken disciplinary action for his absence particularly in the light of his habitual absenteeism but despite repeated absenteeism, a sympathetic attitude taken and the action of converting his service into that of Badli was taken. It is further stated that although the order dated 20-11-1983 speaks of demotion in fact, it is stated, it does not amount any demotion but the workman is performing the same duties.
- 4. The issues which arise for determination and my findings thereon are:—

Issues	Findings	
(i) Whether the action of the management amounts to retrenchment?	Yes	
(ii) If yes is it legal and justified	No	
(iii) If not to what relief the werkman is entitled?	As per the order.	

## REASONS

As already stated the facts are not much in dispute. The records show that because the workman remained absent after he proceeded on leave from 6-10-1983. On 24-10-1983 a notice to show cause was issued which was replied on 25-10-1983 and ultimately order dated 19|20-11-1983 was passed converting the services into that of Badli. The order says that "keeping in view all the above, you are hereby kept on Badli for a period upto—your satisfactory improvement in attendance i.e. completion of 190 days of attendance. This demotion is done as per the provisions of our certified standing order." Now when the workman was in the service from 1976 which fact is not denied. We had

right to continue in the service and the effect conversion into Badli service is that he will appointed in case anybody is absent and if the post is vacant. In other words the guarantee of service is affected. For the said purpose reliance is placed on the Standing Order but as held in Naresh Chandra Das case reported in 1982 (II) LLJ, page 64 such automatic termination amounts to retrenchment and the management must follow the provisions of Section 25F of the Act. On page 70 it is held even if the termination is effected not any voluntary action on the part of the employer such termination also becomes retrenchment within the meaning of S. 2(00). In view of the decision of the Calcutta High Court and similarly decision of the Andhra Pradesh High Court in Mohd, Abdul Khader case reported in 1984 LAB, I. C. 90, the order passed by the management is nothing but termination of ptrmanent service although it is followed by an officer of Badli service, and since it amounts to retrenchment, the procedure under Section 25F of the Act must be followed which having not been done the termination is void and illegal and the workman is entitled to relief of reinstatement to his original post with all back wage less what is paid, In case during his subsequent service that is from 20-11-1983 the workman was found to be absent without leave he will not be entited to wages for those days. This however, would not govern the days when because there was no vacancy on a particular day or days the workman could not be provided with work and on such days the workman shall be deemed to be on duty and all the back wages shall be payable.

Award accordinly.

M A. DESHPANDE, Presiding Officer. [No. L-22012]18[84-D.III(B)]D.V.]

का. आ 2404.—श्रीद्यागिक विवाद अधिनियम 1947 (1917 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय गरकार में पैस्ट्रन कोल फील्ड लिमिटेड, पेन्स गरिया के प्रवधनव में सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच अनुवध में गिविष्ट योद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार भ्रीद्योगिक अधिकरण न 2 सम्बर्ध के पचाट को प्रकाणित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को ८ 5 1985 का पान सुआ था।

SO. 2404—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Pench Area, and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 2, BOMBAY (CAMP AT JABALPUR)

Reference No. CGIT-2(21) of 1985 (Bombay) Reference No. CGIT|LC(R)(49)|1983 (Jabalpur) PARTIES:

Employers in relation to the management of Western Coalfields Limited, Pench Arca, District Chhindwara (M.P.) and their workmen represented through the Chhindwara Zila Koyla Khan Karamchari Sangh, P.O. Parasia, Chhindwara (M.P.).

#### APPEARANCES:

For Union,-Shri S. S. Sharma.

For Management.—Shri P. S. Nair, Advocate and Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY: Coal. DISTRICT: Chhindwara (M.P.)

#### **AWARD**

Dated: March 19, 1985.

By their Order No. L-22011₁88 82-D. III(B) dated 23rd August, 1983 (transferred vide Order No. S-11025(1)|85-D.IV(B) dated 8th February, 1985) tollowing dispute has been referred by the Central Government for adjudication under Section 10(1)(d) of I.D. Act, 1947 on receipt of the failure report from the Labour Commissioner:—

"Whether the action of the management of WCL Pench Area in relation to their C. M. Stores in discharging the following 15 workmen in 1977 without giving any notice or compensation in lieu thereof is justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

- 1. Shri Chatar Lal.
- 2. Shri Shiv Prasad.
- 3. Shri Man Singh.
- 4. Shri Somarlal.
- 5. Shri Gondu.
- 6. Shri Hari Prasad.
- 7. Shri Sarman.
- 8. Shri Basant.
- 9. Shri Rama.
- 10. Shri Ramdin.
- 11. Shri Bhaiyalal.
- 12 Shri Jhaonlal.
- 13. Shri Komal Prasad.
- 14. Shri Dhondu.
- 15. Shri Bhola.
- 2. The whole dispute centres round the question whether the 15 workmen named in the Schedule in fact were in service of the Western Coalfields Limited in Pench Area as averred by the workmen. The contention of the Union who has espoused the cause of these workmen is that these mazdoors were permanently employed by the management sometime in 1974-75 on the job of Timber loading in Western Coalfields Limited Trucks and then unloading the same in the conferies of W.C. Ltd., Pench Area

Parasia, on piece rate basis of Rs. 36 per truck per trip in a group of six persons. It is alleged that although these mazdoors are placed in Cat. I as per N.C.W.A. II and as such entitled to receive the wages of the said category, they were paid at the piece rate of Rs. 36 per truck per trip, as a result their earnings fell far below Rs. 6 per day and therefore they received much less than the minimum wage fixed for the concerned category. It is alleged that in this way they have worked from 1974 to December 1977 but sometime from 1st January 1978 when the work of timber was entrusted to the of transporting contractors, the services of these workmen terminated without any notice or rayment of com-pensation, in violation of the provisions of Section 25 of the I.D. Act. The said termination therefore is alleged to be illegal and the prayer is that these workmen should be reinstated in service without continuity, they should be paid full back wages from 1-1-1978, they should be paid the balance of wages for the period from 1974 to 1977 and such other relief as may be awarded.

- 3. The management by their written statement contest, the locus standi of the Union to raise the dispute on behalf of these individual workmen on the allegation that the said Union had neither any membership nor they have got any substantial backing and therefore cannot convert the individual dispute into an industrial one. The management further denies the relationship of employer and employee between the parties and their version is that these workmen were never in their service but in the service of the contractors and therefore there was no question of W.C. Ltd. terminating their services or paying any compensation in lieu of termination.
- 4 On the above pleading, the following issues arise for determination:—

	173(103	1.111/11/11/82
-		
J.	Whether the section of the management of W.C. Ltd. Pench Area in relation to their C.M. Stores in discharging the 15 workmen whose names are given in the Schedule in 1977 without giving any notice or compensation.	be the action of the

2. If not, relief and costs.

sation in licu thereof is justified?

Terms

As pc1 award.

Findings

## **REASONS**

5. An objection has been raised that because the Union who had espoused the cause does not command substantial backing, any dispute raised by them cannot after the nature of individual dispute into an industrial dispute. However, since the matter relates to the termination of service, normally if other factors are established, the proceeding would be governed by Section 2A of the Industrial Disputes Act, and when this is appreciated, the espousal by the Union may not be necessary nor other factors which are relevant while deciding the dispute not governed by Section 2A of the Act.

- 6. The espousal is by the aggrieved workmen themselves is evident from the three witnesses—whose names are appearing in the list of employees tacing termination. It is therefore, evident that the case cannot suifer any defect on this count.
- But even finding that there is no difficulty from this corner and that espousal is legitimate one, still there is another hurdle in the path of the Union or the workman concerned before they can seek relevant relief. The main question still whether the 15 workmen were in the employment of the management. For the said purpose there is the evidence of S|Shri Chatarlal Yadav, Shiv Prasad and Man Singh who have come forward to state that these workmen were the employees of the Western Coalfields Limited. They are also supported by Shri Sheo Murat Yadav a Driver in the service of the Western Coalfields Ltd., Colliery. Now peculiar feature of this evidence is that admittedly before 1975 and subsequent to 1977 the work of transport of timber from the forest to the Colliery was entrusted to the contractors and it was never departmentally done by the Colliery. The question, therefore, remains as to what happened during the relevant years viz. 1974 to 1977 which required change in the mode of arrangement and there is no answer to that. Witnesses admitted that there were no fixed hours of work, that ther attendance was not being marked, that they were not required to obtain any leave when they did not want to attend, that they were never treated by the Colliery Doctor and that no receipts were obtained for the payment made to them. Shri Chatarlal Yadav, however, further corrected when he stated that this thumb impressions were being taken on vouchers but no such voucher has been called from the management. Shiv Prasad stated that the employment in Western Coalfields Ltd. is through the Employment Exchange but no proof has been adduced to show that their names were sponsored by the said organisation. He made that when they absented nobody ever questioned about their absence and that during the period from 1975 to 1977, they had no occasion to meet any officer of the Collicry. The third witness namely Man Singh in the beginning stated that in the year 1975 he worked on Thekedari Trucks i.e. truck of contractor and corrected when he stated that such practice was before 1975. He is not in a to state to whom the trucks belong and his assumption to this effect is because some en ployees of W.C. Ltd., were accompanying the truck. It was really necessary to prove the ownership of these trucks without which no conclusion one way or the possible. He then admits that even if absent without leave nobody was questioning or asking for examination and that even if the trip required more than two or three days no extra money was being paid. Absence of any record, absence of availability of normal facilities extended to the employees, absence of usual reconnection when somebody remained absent all go to indicate only one thing namely that these workers must not be in the employment of Western Coalfields Ltd., but in the employment of the contractors when whom they entered into the contract of payment of Rs, 36 per truck per trip, otherwise all these admissions cannot be explained.
  - 3. Only one witness who is admittedly in the

- employment of W. C. Ltd., has come forward to support the case of these workmen who says that he was working as a Driver but then reduced to the post of a Conductor. The statement of this witness, however, cannot be believed from his assertion that the contractors system prevailed after 1983 and that till 1973 to 1983 the work was done departmentally which statement is diagonally opposite to that of other witness. They admit that before 1974 and after 1977 the contract system was working. The witness namely Shri Sheo Murat Yadav speaks of the ownership of the truck of Western Coalfields Ltd, but in the cross-examination he admits that his assumption is based because the trucks were being unloaded at Rawanwarakhas. His version therefore in this regard cannot be accepted and the could have very well cited the record of R.T.O. to prove the colliery ownership which they failed to do. There is, therefore, no evidence that these trucks belonged to the management and not to the contractors. There is no proof that these workmen were engaged by the Colliery, there is no proof that they were in their service and when the very relationship of employer and employee stands not established, there is no question of any relief on the ground of wrongful termination. The termination if there be any must have been by the contractors with whom these workmen were working and therefore the relief can be claimed against them and not from the Western Coalfields Ltd. The result is that both objections raised on behalf of the management prevailed. It seems that the workmen from the year 1980 started agitating and presented various applications but why they should remain quiet for three years when to their knowledge the termination had occurred at the end of the year 1977 has remained unexplained. I, therefore, hold that the action was not by the management though the order of reference presupposes the same.
- 9. When the action is not by the management, then the workmen were never in the service of the Western Conffields Ltd. there cannot be any relief much less the relief of reinstatement, back wages etc.
- 10. Considering, therefore, the case from any point no relief is permissible. Award accordingly.
  - M. A. DESHPANDE, Presiding Officer. [No. L-22011;68[82-D.III(B)]D.V]
- का. आ. 2405 ब्रांग्रीसक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, खनवारा कोयलरी 11, 12 इनकलाइन के मैं. वैस्ट्रन कोलफील्ड लिमिटेड, पेन्च एरिया के प्रबंधतंत्र में सम्बद्ध नियोजकों धीर उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निविष्ट धीर्ग्रोशिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीग्रोशिक अधिकरण न. 2, बस्बई के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9.5.1985 को प्राप्त हुआ था।
- S.O. 2405.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rawanwara Colliery, 11, 12 Incline of Western Coalfields Limited, Pench Area and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th June, 1985.

# BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

## PRESENT:

Shri M. A. Deshpande,

Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2|14 of 1985 (Jabalpur No. CGI1|LC(R) (32) of 1983

#### **PARTIES**

Employers in Relation to the Management of WCL, Pench Area in relation to their Rawanwara Colliery

#### AND

## Their Workmen

## APPEARANCES:

For the Employers—Shri S. M. Singh, Dy. Chief Personnel Manager,

2. Shri C. L. Jaiswal,

Sr. Personnel Officer.

For the Workmen—Shri S. S. Sharma, President,

Chhindwara Zilla Koyala Khan Karmachari Sangh.

STATE: M.P.

INDUSTRY: Coal Mines

Bombay, dated the 19th April, 1985

#### AWARD

By their order No. L-22011|9|82-D.III(B) dated 28-6-1983 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, on receipt of the failure of conciliation report from the Conciliation Officer. This reference was originally referred to the Central Govt. Industrial Tribunal at Jabalpur but subsequently transferred to this Tribunal vide Ministry's order No S-11025(1)|85-D.IV(B) dated 8-2-1985:—

- "Whether the action of the management of WCL, Pench Area in relation to the 11-12 incline of Rawanwara Colliery in not regularising Shri Munshi Shah tub loader as a Loading made on the basis of more than 100 days attendances put by him on the job during the year 1980, with protection of Wages of Rs. 24.14 per day is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"
- 2. The grievance of the Union who is espousing the cause of the workman is that Munshi Shah who was permanently employed as a Tub Loader in No. 11/12 incline of Rawanwara Colliery was classified in the category of piece rated workers and was paid group VA wages minimum of Rs. 24.14 per day. It is alleged that the workman has completed primary education and can read and write Hindi and is capable of maintaining tub loading account and therefore he was selected as a loading mate with effect from January, 1980 as there was a shortage of educated loading mates in the colliery, but even on selection as loading mate the management continued to pay piece rated group V A wages of Rs, 24.14 per day

although for the new category which falls in Category IV the basic wages are Rs. 17.75 per day and it is a time rated job. It is alleged that this change from Tub Loader to Loading Mate was without the consent of the workman Therefore violated section 9A of the Industrial Disputes Act. It is complained that on appointment as Loading mate where the workman worked for more than 190 days his pay should have been protected but here again the management Jechned to do so. It is alleged that similarly placed two workmen S|shri Suraj Deo and Ballister appointed as Loading Mates were still being paid the earlier wages of Tub-Loaders though they are placed in Category V A. It is therefore urged that the workman be deposted as Loading Mate and his higher pay be protected.

- 3. The claim is being contested firstly on the ground that the Union concerned has no substantial following in the colliery and they have no locus standi in the matter and therefore the dispute which is an individual dispute cannot be converted into an industrial dispute. It is then contended that Shri Munshi Shah was appointed as Loading Mate at this request on trial basis and at the time of regularisation when he was not prepared to accept the wages of the said post, he preferred to go back to the original category. It is stated that the management is prepared to regularise the workman as I hading Mate provided he accepts the wages of the post.
- A The fact that the Union has no locus standi is contested by the Union in their rejoinder, so also the contention that the change was done at the request of the workman.
- 5. By their rejoinder the management has reiterated the earlier stand and further stated that the cases of Suraj Deo and Ballister were totally different on facts and circumstances.
- 6. On these pleadings the following issues were framed by my learned predecessor for determination. My findings thereon are:—

Issues Findings

- 1. Whether the action of the management of W.C.L. Pench Area in relation to 11-12 incline of Rawanwara Colliery in not regularising Shrit Mushi Shah tub loader as Loading Mate, on the basis of more than 100 days attendances put by him on the job during the year 1980, with protection of wages of Rs 21 14 per day is justified 7
- 2 If not, relief and costs ?

Does not arise.

#### REASONS

7. The main question in this case is whether the dispute which is in the nature of individual dispute has been converted into an industral dispute. For the said purpose it is the contention of the Union that when the cause has been espoused by a trade union tegistered under the Trade Union Act, even though it is a minority Trade Union and not a recognition.

mised one, still the dispute would be an industrial dispute. Such trade union may not be recognised nor need it be a majority union. At the same time it is the duty of the Union to prove that it has got significant backing. For the said purpose besides the oral evidence of Shri Munshi Shah the Union has brought on record a register said to be the membership register of 1982 where the names of certain persons are shown. No thumb impressions or signatures are taken in the register and the management seriously challenges the voracity of the same. It is the case of the Management's witness that only two unions are functioning namely B.M.S. and INTUC who have got a membership of 670 each and that the total strength of the workers including the officers and staft is 1565. In view of this assertion therefore it was necessary for the union to adduce the proof of verification of membership by some authority having right to do so which the Union failed to do. Since the register does not bear any thumb impression or the signature, it is not known from the list prepared whether in tact the persons concerned are members of the Union and therefore since there is no proof that the Union has significant backing the espousal of the cause by such a Union cannot convert the dispute into an industrial one.

But had there been no hurdle on this count in my view the workman deserves the relief. He was in the service of the same Colliery although being a Tub Loader and when he was promoted to the post of Loading Mate, where he worked for more than 229 days as stated by the witness, whether there was promotion or no promotion it was the duty of the management to protect the wages. It was not a new appointment but on promotion of the workman working in the same Colliery. Consequently on promotion of the workman the management could not have asked him to accept something less than what he was getting though there was a change in the nature of rating. It is not that the workman was asking something which was not known to the company. On 6-2-1981 by office order the two workmen whose cases were similar namely Suraj Deo and Balister appear to have been paid the same wages as they were drawing as Tub Loader. Merely because the case was sponsored by another Union there could not have been any difference made and this is nothing but discrimination. An attempt was made to suggest that the cases of those two workmen were different but what is the difference is not at all made known. The witness of the management namely the Colliery Manager tried to state that the wages are protected when the vacancy of Loading Mate is temporary but when it becomes permanent the promotee gets the wages of the post and not his earlier wages. For the said purpose my attention was drawn to the notice dated 13-10-1980 but had this rule been strictly followed, the cases of Suraj Deo and Balister would not have been treated differently but this is not being done. The observance of the rules cannot be left to the funcy of the supervisory staff but if they want to follow they must follow in all similar cases.

9. It was tried to be suggested that Shri Munshi Shah does not possess knowledge of Hundi but had this been really true he would not have been allowed to work even for a day but the record speaks that he continued in the post of Loading Mate for more

than 200 days which itself would negative the plea of the management.

10. The result however is that had the dispute been an industrial dispute the workmen in my view would have got the relief which he failed to do so because of invalidity of the reference.

Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, INesiding Officer. [No. L-22011]9[82-D.HI(B)]D.V.] A. V. S. SARMA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 17 मई, 1985

का आ 2106. — श्रोबोिग्य विवाद अधिनियम 1917 (1917 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में कन्द्रीय सरकार सिडीनेट बैंक के प्रवक्षणत से सम्बद्ध नियोजको भीर उनके कर्रकारों के बीव अनुवंध में निद्धिट श्रीबोिग्क विवाद में श्रीबोिग्क अधिकरण बंगतीर के प्रवाद की प्रकाणिक करती है, जो के द्रीय सरकार का 8 5 95 की प्राप्त हुआ था।

## New Delhi, the 17th May, 1985

S.O. 2406.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishers the award of Central Government Industrial Tribunal; Bangalore, as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

## BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL IN KARNATAKA, BANGALORE

Dated this the 22nd day of April 1985 PRESENT:

Sri R. Ramakrishna, B.A., B.L., :— Presiding Officer

Central Reference No. 3 of 1984.

## I PARTY.

The General Secretary, Syndicate Bank Staff Union, 5, Muran Sahib Street, Mount Road, Madras-600002.

Vs.

## 1 PARTY

The Chairman-cum-Managing Director, Syndicate Bank Head Office, Manipal-576115.

## APPEARANCES:

For the I Party:—Sri M.S.N. Rao, General Secretary, Syndicate Bank Staff Union, Madras.

For the II Party:—Sri S. Manchar, rised Representative, Syndicate Bank, Manipal.

## REFERENCE

[Government Order No. L-12012 (51)|83-D. 11(A) dated Nov. 1983]

## **AWARD**

The Central Government after forming an opinion that an industrial dispute exists between the above parties has referred this dispute for adjudication

under Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 on the following Schedule:-

#### THE SCHEDULE

- Whether the action of the management of Syndicate Bank in relation to their Data Processing Department, Head Office, Manipal in withdrawing the payment of special allowance to Shri Ranga Poojari, Machine Operator, with effect from 5th June ,1981 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?
- 2. Consequent to this reference this Tribunal has issued notices to both the parties and they have failed their claim statement, counter statement and rejoinder. Before adverting to the stands taken by the above parties in support of their actions it is necessary to advert to some of the undisputed facts in this dispute.
- 3. Sri Ranga Poojari, hereinafter referred to as workman, has joined the services of the II Party, hereinafter reffered to as Bank, as a probationary clerk on 12-7-1969 and after about six months his post was confirmed and he has been asked to work as Punch Card Operator with effect from 1-3-1970 thereby allowing him to draw a special allowance of Rs. 23|- per month. The workman has continued to do the work entrusted to him until 27-5-81. as from that date he has been transferred to West Coast Zonal Office, Manipal and by a letter dated 4-6-81 he has been informed that the operator's duty entrusted to him was withdrawn with effect from 5-6-81. Before this transfer, the workman has been deputed to attend the training progsystem from 11-6-79 at ramme on unit record This special allowance which was started from Rs. 23 - per month was increased from time to time due to several bi-partite settlements and at the time of his transfer he was getting a sum of Rs. 249'- per month. Due to this transfer, workman has suffered the monetary loss to this extent, hence this reference has been made to give adjudication on this point.
- In the Claim Statement the workman has contended that after his selection he was posted to the Accounts Department (Data Processing) Department since he had acquired certain technical qualifications having under-gone IBM Card Punching Training Course, the punch card operator work was entrusted and in fact this selection was made taking consideration his IBM qualifications. he contended that he did not undergo any industrial training course which the Bank used to conduct at that time hence his appointment was made on the basis of his technical qualifications. He has further contended that he continued to discharge the duty of machine operator for the over 11 years and 3 months and also undergone training course and therefoe his functions and duties with them had become an integral part and purcel of the service conditions and hence his transfer and withdrawing the entrustment as a machine operator and the non payment of the special allowance is not legally sustainable.
- He has further contended that the previous awards, namely; Sen Award and Sastri Tribunal Award were not recognised the special allowance for machine operator as at that time it was unknown in the banking industry hence on the direction of the Desai Award this case to be implemented. He has further contended that the Sastri Tribunal in dealing with transfer gave direction that an employee transferred from higher area to a lower area would continue to get the benefit of the higher scale even though he is transferred to a lower area might have resulted and some advantage in terms of cheaper living. The underlying reason was to protect the employee from victimisation under the guise of transfers. The protection of emoluments of a workman transferred from a higher area to a lower area acted as a check and dampener against the possible mis-use or abuse of power by the management of the Bank. similar protective clauses have been in built in the provisions of the Desai Award in the matter of special allowance payable to certain employees entrusted certain types of duties and responsible duties. He has further contended that in fixing the special allowance for the workmen operating accounting machines the Desai Tribunal took note of the demand that the special allowance fixed by the Tribunal should relate only to such period during which the workman was required to perform such duties which ceased to be payable when the employce ceased to perfom the special duties for any The special allowances were not intended to be paid for casual or occasional performance of such duties or discharge such functions whole time. mandatory direction that it was not clear and necessary that a person should continue to perform such duties or discharge such functions whole time He has further contended that when a person can be asked to cease to do such work or cease to discharge such duties depend on the terms of his employment, and person who is employed permanently as a head clerk or stenographer cannot be deprived of such allowance at the sweet will and pleasures of the bank by asking him to work as an ordinary clerk and the Desai Tribunal gave further direction that a special allowance could continue to be drawn by a permanent incumbent while he is on leave also.
- 6. He has further contended that even though the order of appointment stated as a probationery clerk, it was not the nomenclature which really matters but on the other hand the duties of the employee was required to perform. The real nature of employment was attached to the accounting machine and the special allowance being a functional allowance it is directly related to the duties of a workman which become an integeral part of the service conditions as he performed the duties for 11 years and 3 months and hence he is entitled to the same as a matter of customs, usage and practice.
- 7. He has further contended that the special allowances can be withdrawn if the workman refuse to perform the duties entailing the special allowance or he is requested to be relieved of such duties or as a consequent of disciplinary action and all the three things not being present in this case it is victimisation on the part of the management. He has

further contended that the Bi-partite Settlement dated 19-10-66 did not list out the duties and performance by the workman entitled to the special allowance and also depend upon the scope of temporary employment and he being a permanent employee should continue to draw the special allowance even if he is transferred to some other job. The bank awards and the settlement for the purpose of securing benefits to the bank employees which have stated beyond the shadow of doubt that a workman did not perform the duties attractive special allowance all the time are confinued. Th action of the management in transferring him was only an act of colourable exercise of power with a view to deprive him of the special allowance, hence the bank is bound to restore the special allowance retrospectively with effect from 5-6-81 together with all other attendant and consequential benefits. This withdrawal of special allowance amounts to a measure of punishment for misconduct which is not applicable in the case of this workman as he has not committed any misconduct.

- 8. He has further contended that the contract of employment as represented in the order of initial appointment does not refer to the contract of service throughout his service. The contract of employment gets modified through subsequent collective contracts and the sum total of all these which represents the contract of service. Thus the workman is entitled to the post of a permanent machine operator and he cannot be disturbed from that position and this withdrawal of special allowance amounts to a change in the conditions of service applicable to him and attracts the provisions of Section 94 of the Industrial Disputes Act.
- 9. He has prayed for an order directing the II Party to release the special allowance together with all attendant and consequential benefits with effect from 5-6-1981 with a further direction that the said special allowance shall continue to be paid to the workman with such modification as may be brought about in any subsequent collective contracts with costs of this petition.
- 10. The II Party after denying all the allegations made in the claim petition have initially contended that the reference made is not in accordance with law and does not constitute an industrial dispute and therefore liable to be rejected. They have further contended that the workman was appointed as a clerk and subsequently directed to perform the duties of punch card operator and was given special allowance in accordance with Bi-partite Settlement. It is further contended that the entrustment of said duty was only till further orders when the questions of paying emolument as having been applicable to the machine operator does not arise. The special allowance was continued as he has discharging the duties of machine operator and the fact that he had continued for more than 12 years does not cloths him with a right to claim the same even after he was relieved of the said additional duties of the machine operator. It is further contended the circumstances under which the management cannot under the guise of transfer disallow the payment of special allowance is retricted to the categories. such as, head clerk, cashier, etc., and it is not appli-

cable to the entrustment of temporary nature and that to the category which is no enumerated such as machine operator, etc. It is turther contended that if the contention of the workman is accepted it will be a great burden on the management hence the Bank will have to go on paying the special allowance to all the employees who have put in charge of the duties of machine operator temporarily or otherwise for a fixed period and subsequently who are transferred to other places which clearly show thart the management will be obliged to pay the special allowance even for a person who is not actually working as a machine operator and the same cannot be the intention of any settlement or award. The special allowance being a functionary allowance is directly related to the function of the duties is bascless and untenable. The said Ranga Poojari was appointed only as a clerk and the management have all the authority to transfer him to the said post which will in no way amounts to arbitrary, capricious and vindictive action on the part of the management. Sri Ranga Poojari was transferred from Accounts Department to Premises and Maintenance Department on 13 6-1981. Consequent to his transfer from Accounts Department, the duties of machine operator entrusted to him in terms of clause 5.2 and 5.11 of bipartite settlement was withdrawn. It is further contended whether a workman can be asked to cease to do such work or discharge such duties and consequently ceased to draw such allowance will depend upon the terms of his employment and for instance a workman who is employed permanently as a head clerk or stenographer cannot be deprived of such special allowance by directing him to work as an ordinary clerk or asking him not to work as a Head Clerk or Stenographer which clearly shows that in other cases wherein the assigning of other duties was of a temporary nature, the bank has right of discontinue the payment of allowance if once an employee ceased to do the said work either by transfer or on account of posting some other person to do the said job.

- 11. It is further contended that the entrustment of the duties of machine operator to Ranga Poojary was made until further orders and it was also made known to him. His continued service for more than 11 years does not clothed him with any right to continue to receive the same allowance even after his transfer to his original appointment as a clerk even he is not doing the duty of a machine operator. The payment of allowance is in respect of the post concerned and the duties actually discharged and not attached to the person. Hence the allowance could be paid only to the person who is actually doing as a machine operator and hence there is no merits or claim made by the workman and the reference is liable to be rejected.
- 12. In view of the above pleadings, the following additional issues have been framed for consideration along with the points of disputes:—
  - (1) Whether the II Party proves that performing the functions and duties of a Machine Operator is not an integral part and parcel of the service conditions of the service conditions of the I Party-workman?

- (2) Whether the II Party further proves that the work of the I Party workman was an entrustment of a temporary nature and hence he is not entitled to pay special allowance after his transfer?
- (3) Whether the I Party proves that his work as a Machine Operator for 11 years and 3 months made the nature of his employment as a Machine Operator?
- (4) Whether he further proves that depriving him of special allowance to do another job when the Data Processing Department continue in the Head Office amounts to victimisation and cannot be sustained?
- (5) What order?

## 13. FINDINGS:

- (2) Issue No. 2--No
- (1) Issue No. 1-No
- (3) Issue No. 3—Yes
- (4) Issue No No. 4-Yes
- (5) Issue No. 5—As per final Award.

## 14. REASONS :-

Issues Nos. 1 to 4.—To prove the above issues the parties have placed both oral and documentary evidence. The II Party Bank have examined one Deputy Personnel Manager to show that the duties which have been performed by the I Party workman was only an entrustment with a right to the management to withdraw such entrustment when it is felt to do so thereby discontinuance of special allowance which was being paid all these years to the workman. Their main contention is payment withdrawal of the special allowance mainly depends on the conditions of service in which a particular employee is appointed in the Bank.

15. The witness A. S. Kanak, the Deputy Personnel Manager has deposed that his functions are mainly relating to the Personnel Administration in respect of officers and employees working in Bombay, Coast Zone and their Head Office. He has further deposed that Mr. Ranga Poojary was appointed as a probationary clerk in the year 1969 as per Exts. M-1 and M-2 is a condition of appointment order. It is his further evidence that Ranga Poojary was not appointed as a specialist and a specialist means any person requiring to perform and possessing technical skill, such as, punch operator, stenographer, etc. For the appointment of the specialist some norms have been, prescribed, such as conducting the test etc., and such norms had not been aplied in the selection of Mr. Ranga Poojary. He has further deposed that if not specialist is available to do the technical job, a clerk will be assigned to do the work and he will be paid special allowance and such procedure does not conform to such workman to claim that he is specialist and thereby to make a claim that he cannot be transterred to other department. This special allowance will be withdrawn when a particular person ceased to do the job in view of entrusting him other type of job and and special allowance was withdrawn in view of the change of the nature of work. He has further deposed that there are instances where persons worked in technical work drawing special allowance being transferred to other departments withdrawing the special allowance and there are instances that such transfers were made even in case of persons working upto 7 years and drawing special allowance in technical work. Sri Ranga Poojary is not entitled to claim that he is specialist hence he should not be transferred to other departments where special allowance facilities are not available.

16. It is elicited in the cross-examination that at the time of his transfer there are 4 to 5 persons working as punch card operators and Mr. Ranga Poojary may not be the junior most out of that 4 to 5 persons. At the time of transfer of Ranga Poojary the other punching card operators have not been transferred from that place and the Ranga Poojary has been entrusted to work from 1-3-70 and he has also been sent to have the training at Madras. It is further elicited that the transfers from special duties to other departments were made sometimes on request and sometimes due to exigencies of work. Mr. Ranga Poojary worked about 12 years as a punch card operator drawing special allowance and no notice was issued before his transfer order as it does not amount to alteration of service. He has further stated that according to them the punch card operator's work was temporarily entrusted which was withdrawn and the special allowance in case of stenographers, drivers cannot be withdrawn when they have been entrusted to do the duties other than what they were performing as they have been appointed or entrusted on fulfilment of qualifying norms. It is further elicited that there was no complaint against Ranga Poojary with regard to work and his behaviour. and he has denied that as vindictive attitude Mr. Ranga Poojary was transferred. He has further deposed that since Ranga Poojary was appointed as a clerk and as per the terms and conditions of appointment he was liable for transfer to any other department and the work of machine operator was only an entrustment and he has denied the suggestion to accommodate somebody to have the benefit of special allowance when Mr. Ranga Poojary was transferred to a section where special allowance is not available.

17. Against this evidence Mr. Ranga Poojary deposed that he joined the Bank as a probationary clerk on 16-7-69 which was confirmed after 6 months and soon after he has been asked to do the work as punch card operator and at the time of his appointment officials of the Bank conducted the test of a machine operator then appointed him. Before joining he has undergo training in IBM and obtained a certificate and he has worked as a punch card operator and machine operator without any break, from 1970 upto June 1981 and he has undergone training at Madras having sent by the Bank.

18. He has further deposed that he has been transferred from the post of machine operator to the post of a clerk from June 1981 due to which he has been deprived of a sum of Rs. 152|- per month which he was getting as a machine operator and at present the special allowance is enhanced from Rs. 249|- per month. He has further deposed that since he was not knowing the reasons for his transfer from the post of machine operator, he asked for a reason and no sufficient reason was given and he is not in a position to understand the reasons for his transfer as he was doing his duties efficiently. Due to his transfer be sustained a monetary loss of special allowance which he was

continuously getting for a period of 11 years and hence he raised a dispute through the union.

- 19. It is elicited in the cross-examination that prior to joining the work he has not worked as punch card operator in any place and he has not applied specifically for the post of machine operator. He has further stated that the Bank has conducted a test in the machine operation then he has been appointed as a clerk and he does not remember having received a letter Ext.M-7 intimating that he has not succeeded in the test of machine operator.
- 20. Ext. M-1 is an appointment order dated 12-7-69 appointing Mr. Ranga Poojary as a probationary clerk as per the terms and conditions Ext. M-2 Ext. M-2 contains several conditions and for the purpose of this case Condition No. 7 is relevant, accoding to which the Bank is liable to transfer the candidate from department or office of the Bank to another. Ext. M-3 is an order dated 25-2-70 addressed to Mr. Ranga Poojary requiring him to perform duties of punch card operator with effect from 1-3-70 and to draw a special allowance of Rs. 23|- per month and the duties are in addition to any other duties that may be entrusted to him. Ext. M-4 dated 27-5-81 is a transfer order to West Coast Zone Office, Manipal, to work there unitl further orders. Ext. M-5 is a letter addressed to the workman dated 4-6-81 intimating him that the machine operator's duty entrusted to him is withdrawn with effect from 5-6-81. Ext. M-6 is a letter dated 8-2-82 calling upon Ranga Pooiary to attend Refresher Course for experienced clerks at Staff Training Callege, Udupi from 18-2-82 to 3-3-82. Ext. M-7 is a letter addressed to Ranga Poojary dated 12-6-69 informing him that they are unable to consider his application dated 7-4-69 favourably after a test conducted at the head office, Manipal,
- 21. On the material available on record, the learned authorised representative for Mr. Ranga Poojary has submitted that the II Party have failed to justify the action taken by them in transferring Ranga Poojary, thereby depriving the monthly benefit the workman was getting for a period of 135 months and under the guise of transfer they cannot deprive the monthly benefit and though the work was entrusted the workman has acquired a right to continue to get the special allowance in view of his long service he has put in as a punch card operator and he has also acquired a special knowledge and undergone training in that particular branch hence the management are not justified in depriving such a benefit in the guise of a transfer to a place where there is no scope for the workman to perform the special skill acquired by him which was entitled for drawing a special allowance throughout. The learned representative further submitted the term used until further orders applies in case of the nature of work which was given on a rotation basis, such as cashier and it is not applicable in case of Mr. Ranga Poojary. The learned representative further submitted that transfer and withdrawal of special allowance is violative of Section 9A of the Industrial Disputes Act and no notice has been served on him when the management wanted to effect a change in the work which resulted in deprivation of drawing special allowance every month which form part of the wages of Mr. Ranga

- Poojary. He has further submitted that this act of the management amounts to unfair labour practice and further it is evident that there was no allegation against Ranga Poojary about any misconduct or oinciency and the transier depriving him the special allowance is a colourable exercise on the part of the management and though his juniors have been retained to continue their work as machine operator, it is a clear case of deprivation of special allowance when they have transferred Ranga Poojary to a department were there is no Data Processing Unit.
- 22. Against this submission, the learned representative for the II Party Bank has submitted that the manner of employment and the conditions of service is the chief criteria that has to be taken into consideration by this Tribunal to decide the points at issue and Ranga Poojary has having appointed as a probationery clerk cannot claim it is a right to a duty entrusted to him which is meant for spacialist groups to claim special allowance. The learned representative further submitted that it is the right of the management to transfer its employees to any other branch depending upon the exigencies of work and if any interference is made to their discretion it will become difficult for the Bank to perform their duties and hence the reference is liable to be rejected on this score alone. He has further submitted that the cases of stenographers, drivers and machine operators directly appointed to that posts cannot be equated to the case of Ranga Poojary as it is a clear case of entrustment and subsequent withdrawal depending upon the exigencies of work of the Bank. The learned representative has filed a written arguments reiterating the stand taken by them in their statements filed in this dispute.
- 23. On a perusal of the document it can be seen that Mr. Ranga Poojary was appointed as a probationery clerk and his services are confirmed within 6 months and immediately afterwards he has been asked to perform the duties of punch card operator with effect from 1-3-70 allowing him to draw special allowance from that date. It was specifically stated in that latter that these duties are in addition to any other duty that may be entrused to him. It is also in evidence that Mr. Ranga Poojary had acquired a special knowledge having undergone training in IBM and obtained a certificate before is appointment as a probationery clerk which has not been disputed by the II Party. It is also not in dispute that at the time of this entrustment Mr. Ranga Poojary was working in Data Processing Department which is evident in Ext. M-3 in the address of Ranga Poojary. The II Party have not placed any material that immediately after the appointment of Ranga Poojary under Ext. M-1 until completion of the probationery period what type of work was entrusted to him. Looking at these backgrounds it is quite evident and crystal clear that though Mr. Ranga Poojary was appointed as a clerk, the clerical duties are not entrusted to himand on the contrary he has been working in the Data Processing Department during his probationery period. Hence the contention of the Bank that his service conditions are governed by the appointment order Ext. M-1 will not strictly applicable in view of entrustment of a duty other than clerical duty given to Ramnga Poojary from the date of his joining the service. With

regard to the power of management to transfer its employees from one place to another and from the department to another department depending upon the exigencies of work and allotment of work this Tribunal cannot interfere with their power to transfer but it should be distinctly understood that there should not be any scope in reduction of their emcluments due to their transfer. In the case of Mr. Ranga Poojary there is unequitable evidence to show that the workman was doing his duty efficiently all these years and his transfer is not due to abolition of a post in which he was working and it is admitted by the witness for the Bank that his juniors have been allowed to continue the work that was entrusted to them as machine operators and it is a clear case of unfair labour practice committed by the Bank.

- 24. But if we peruse the history of the various settlements and awards passed from time to time the special allowance is adopted in the Desai Award which was raconsidered in Bipartite Settlement arrived on 19-10-1976. Chapter V deals with the categories of workmen who are entitled for special allowances.
- 25. The learned representative for the II Party drew the attention of this Iribunal to para 5.9 of the Bipartite Settlement and submitted that the workman being entrusted to do a specialised job which entitled for special allowance the management is at liberty to withdraw the special allowance when the workman has ceased to do the works specified in Appendix in the said settlement. For proper depreciation para 5.9 reads as follows:—
  - 5.9 A workman will be entitled to a special allowance only so long as he is incharge of such work or the performance of such duties which attract such allowance. Whether a workman can be asked to cease to do such work or discharge such duties and consequently cease to draw allowance, will depend upon the terms of his employment. For instance a workman who is employed permanently as a Head Clerk or Stenographer canot be deprived of him special allowance by asking him to work as an ordinary clerk or asking him not to work as a Head Clerk or steno-It, however, a recipient of a grapher. special allowance wants to give up the work or duties which entitle him to the special allowance, he shall if his request is granted, cease to draw the special allowance.
- 26. On a plain reading of the above, a workman can be asked to do such duties which attract special allowance will depend upon the terms of his employment. However, a Head Clerk or Stenographer who has been employed permanently cannot be deprived of his special allowance by asking him to work as an ordinary clerk or not to work as a Head Clerk or Stenographer. The cession of withdrawal is mainly depended upon the terms of the employment. Admittedly, Mr. Ranga Poojary has been appointed as a clerk as per Ext. M-1 enjoining to do the duties of a clerk as per the conditions of service Ext. M-2. Obviously, this leads to draw a conclusion

- that Mr. Ranga Poojary was not appointed as a specialist to do the work as a punch card operator. But the facts and circumstances of this case will fall on a different footing as it is not the case of the management that a specialist was not available thereby they entrusted this special work to Mr. Ranga Poojary. The nature of work entrusted to him itself show that he had a specialised qualification to do the work of a punch card operator when he has been asked to do the said work though he has not been oppointed in that category. The evidence of the workman shows that before his appointment he has undergone training in IBM which fact is corroborated by Ext. M-7 when the management has not selected him for specialist post. But he had specialised qualification when he was entrusted with this specialised duty hence the terms of his employment should be governed to the conditions prescribed for specialist group and not for the ordinary group. Added to this, the workman has did this specialist duty without any interruption for a period of 135 months wherein he was enjoying the special allowance as part of his wages and the management, under equity, was not justified in depriving the said special allowance under the guize of terms of employment.
- 27. The Bipartite Settlement para 5.6 prescribes that the special allowance is payable for additional duties and functions requiring greater skill or responsibility which constitute the normal part of the duties and functions and the special allowance are not intended to be paid for casual or occasional performance or discharge of such duties functions. This makes it clear that if a person continuously discharge a specialist work requiring a greater skill the special allowance should not be withdrawn.
- 28. The learned representative for the I Party nextly submitted that there is violation of Section 9A of the Industrial Disputes Act by the management as the transfer of Mr. Ranga Poojary to a place withdrawing the special allowance and preventing him from doing the specialist work amounts to a change in the conditions of service which affected the wages of the workman and hence this transfer as contravened the above section and not legally sustainable. Against this submission, the learned representative for the II Party has submitted that Mr. Ranga Poojary has been transferred in a normal atmosphere in accordance with his terms of employment hence there is absolutely no violatice of Section 9 A of the Act. Section 9A reads as follows:—
  - 9-A. Notice of change.—No employer, who proposes to effect any change in the conditions of service applicable to any workman in respect of any matter specified in the Fourth Schedule, shall effect such change;
  - (a) Without giving to the workmen likely to be affected by such change a notice in the prescribed manner of the change proposed to be effected; or
  - (b) within twenty-one days of giving such notice.
- 29. It is undisputed that M₁ Ranga Poojary has worked as a specialist due to an entrustment as a punch card operator for a period of 135 months and this transfer to work as an ordinary clerk in view of

the service rendered by him as a punch card operator amounts to change in the conditions of service as it is obviously deprived him the special allowance which he was drawing for such a length of period. It is also in evidence that there are 4 to 5 punch card operators who are junior to him and they have not been transferred to do any clerical jobs or there is evidence that they have been appointed as specialist to work in that category. Though MW-1 has stated in his evidence that they have withdrawn this special allowance in case of employees who have put up in that category. he has not substantiated the same by giving the names and other particulars of such category of employees who have been deprived of the special allowance after such a long period of service. At this juncture, it is pertinent to note a decision reported in 1962 II L.L.J. 136 (Tamilnad Electricity Workers' Federation vs. Madras State Electricity Board) wherein His Lordshop Sri Veeraswami J, as he then was, speaking about the scope of Section 9A sub-clause (a) held as tollows :-

> "It is clear from Clause (a) of Sec. 9A of the Act that the requirement of a notice to workn.cn would arise only if they are likely to be affected prejudicially. A change in the conditions of service contemplated by the section should be understood in that sense It is intended to cover a case where the proposal is, for instance, to enhance the pay scales or to better the other terms by a unilateral decision of the employer. The whole object of the section is apparently to prevent a unilaterial action on the part of the employer changing the conditions of the service to the prejudice of the Further when the change workmen. becomes only effective by the concerned workmen agreeing to the same or opting for the same, the provisions of S. 9A of the Act could not have any application. Any proposed alteration by an employer in the conditions of service which does not automatically come into effect after 21 days, does not fall within the ambit of S. 9Å. What it prohibits is the unilateral action on the part of the employer changing the conditions of service affecting the workmen concerned.'

In the instant case this change of conditions of service has prejudicially affected the workman. Hence there is a clear contravention of Section 9A of the Act by the management, Hence I hold the Issues Nos. 1 and 2 in the negative and Issues Nos. 3 and 4 in the affirmative.

30. In the result, the following award is passed:--

## **AWARD**

The Management of Syndicate Bank are not justified in withdrawing the payment of special allowance to Sri Ranga Poojari, Machine Operator, with effect from 5th June 1981. It is directed that the management shall pay to Sri Ranga Poojari the special allowance and all other consequential benefits retrospectively from June 1981 and to continue to pay the same to him until such time he is entrusted with

duties carrying higher special allowance or until such time he is promoted to the next higher cadre. The Management is at liberty to transfer him within that area where there are facilities to do the specialised work to Sri Ranga Poojari. Parties shall bear their own costs.

(Directed to the Stenographer, transcribed and typed by him and corrected by me).

R. RAMAKRISHNA, Presiding Officer [No. L-12012|51|83-D.II(A)]

का था 2107 - - फ्रोबोरिक निवाद अधिनियन, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्राय सरकार, सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रवधतन्न से सम्बद्ध नियोगका धार उनि कोनेकारा के बोज, अनुबंध में निविष्ट खोद्यांगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार खोद्यांगिक अधिकरण चर्छागढ़ के पत्राट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-5-85 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 2407.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th May, 1935.

BEFORE SHRI J. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUS-TRIAL TRIBUNAL, CHANDIGARH

Case No. I. D. 115 of 1981 (DELHI); 26 of 1983 (CHANDIGARH)

PARTIES:

Employers in relation to the management of Central Bank of India

AND

Their Workman-K L. Jain

APPEARANCES:

For the Employers—S, Sh. D D. Kapoor and S, B. Kapoor

For the Workman-Sh. Mangat Sharma,

ACTIVITY: Banking STATE: Haryana

## AWARD

Dated the 1st of May, 1985

The Central Govt., Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947, hereinafter referred to as the Act, per their Order No. L-12012 181 80 D.H.A dated the 10th of August. 1981 read with S.O. No. S-11025(2) 83, dated the 8th of June, 1983 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Central Bank of India in not treating Shri K. L. Jain, in service with effect from 6-3-69 for the purpose of total length of his service is justified? If not, to what re-

## lief is the said workman concerned entitled?

- 2. Brief facts of the case according to the petitioner workman are that he joined service against a permanent vacancy, though as a temporary hand, under the Respdt, Bank at their Karnal branch in the clerical cadre on 63-1969 and even though it was a fixed tenure appointment, he was allowed to continue from time to time upto 14-6-1969, it is besides the point that during the meanwhile the Management manipulated a fictitious break of 2 days i.e. 6th and 7th of May 1969. It was pleaded that on 14-5-1969 he was asked by the concerned Branch Manager, to proceed to Rohtak office for collection of his probation letter, and thus after obtaining the necessary orders from there he returned to his parent branch at Karnal and resumed duty on 20-6-69; obviously there after he continued serving the Respdt. Bank on various assignments and was ultimately confirmed in due course of time.
- 3. The petitioner's grouse was that the Management had introduced some fictitious breaks in his service before he was placed on probation and in this manner they deprived him of claiming continuity of service from the initial date of recruitment 1 e. 6th of March, 1969 which adversely effected his service prospects on the point of gaining increments, seniority and other attendant benefits. He, therefore, tried to impress upon them the desirability of treating him in service w.e.f. 6-3-69 for all intents and purposes. But his demand and entreaties fell on deaf cars despite the intervention of the ALC(C) during the Cenciliation stage, hence the Reference.
- 4. Resisting the proceedings on all counts the Management pleaded that initial appointment of the petitioner was for a limited temporary tenure which came to an end with the afflux of time and there after he was casually engaged from time to time to meet the fluctuating work load.

Allegation of manipulating or introducing any fictitious service-breaks was vehemently denied. It was, however, admitted that he was placed on probation w.e.f. 20-6-69 and then confirmed against a permanent post in due course of time. In the same sequence they questioned the validity of the reference on the ground that the petitioner was neither a workman nor his cause properly espoused and that otherwise also is claim was quite stale.

- 5. The parties were taken to trial on the following issues frame over and above the terms of reference:—
  - (i) Whether the petitioner workman has locusstandi to invoke the jurisdiction of this Tribunal? OPP.
  - (ii) Whether the cause of the petitioner is not properly espoused? OPR.
  - (iii) Whether the alleged delay has any bearing on the case of the petitioner, if so what?

    OPR
- 6. In support of their respective versions the parties adduced verbal as well as documentary evidence which I have carefully perused and heard them at length. My issuewise discussion and findings are as follows:—

## ISSUE NO. 1

7. On behalf of the Management it was argued that since, even on his own admission, the petitioner has now been promoted to the Officer Cadre w.c.f. 28-2-81, therefore, he was no longer a "workman" to seek adjudication of his alleged rights in the instant proceedings. I am not impressed with the effort to knock out the petitioner on the mere technicalities of law because at the crucial moment he was a workman as defined by the Section 2(s) of the Act is. when he joined service at the lowest level in the clerical cadre. And it hardly requires any repetition that the controversy revolves around the service tenure of the petitioner from 6-3-69 upto 19 6-69 when he was still placed as such; it is an entirely different matter that the determination of his vested rights at that stage n av have some bearing on his future career. Hence, on sustaining the petitioner's "locus-standi" I answer the issue in his favour.

## ISSUE NO. 2.

8. In all fairness to them the learned representatives of the Management did not seriously contest the proposition that regardless of the merits of the controversy involved, the petitioner's cause was espoused by a Regd and recognised Union of the Bankemployees on a point concerning his service conditions which could be adjudicated upon by the Tribunal. In view thereof I return the issue against them.

#### ISSUE NO. 3.

- 9. It was argued that the cause of action accrued to the petitioner in the year 1969 when the Management declined him the so called benefit of his temporary tenure, and hence the very fact of his sleeping over the issue for all this while should be indicative of his lack of enthusiasm to persue a stale, if not altogether lost, cause
- 10. The submission deserves summary rejection because it is neither based on facts nor is supported by any judicial precedent or specific provision of law. On the other hand a bare perusal of the parties' correspondence consisting of the letters Ex. M4, M7, M8, W4 and W5 would leave no manner of doubt that right from August 1970 the petitioner was agitating his view point for the inclusion of temporary ten nure in regular service for all intents and purposes. I. therefore, answer the issue in his tayour.

## TFRMS OF REFERENCE

11. For the proper appreciation of the point in issue it would be in the fitness of things to reproduce the relevant provisions of the Bipartite Settlement Agreement dated 23-12-71 relied upon by the petitioner. It goes without saying that it was his Magna Carta and as such the very foundation of the case. It is incorporated, in Part-II of the document Exb. M13 and reads as below:—

## "TERMS OF AGREEMENT"

(1) The employees who have been appointed in the Bank's service originally on or after 1-7-1966 and were given break in the service not exceeding three days excluding Sundays and Bank Holidays. will be considered as having been confirmed on the permanent staff after six months from the date of

their original appointments. Such members of the clerical and sub-ordinate stail will also be entitled to contribute towards provident fund from the date of their confirmation as per this agreement, and the due dates of their graded increment, will be adjusted accordingly. (Emphasis supplied)

- (2) In the cases of such members of the clerical and sub-ordinate staff who were continued to be temporary beyond the period of six months prior to 1-7-1969 and not earlier than 1-1-1959 without any break will also be allowed to contribute towards provident fund, six months after the date of their original appointment and they would be treated as confirmed from the end date.
- (3) It is also agreed that the cases of the employees who were taken on temporary basis prior to 1-7-1966 and not earlier than I-1-1959 but continued to work against permanent vacancies for more than six months will also be confirmed in service, six months after the date of their original appointment and will be allowed to contribute towards provident fund as per para (2) above".
- 12. From our angle clause 2 and 3 of the aforesaid Agreement are irrelevant since it is only clause 1 which regulates the fate of the clerical staft joining service after 1st July, 1966, and surely the petitioner's initial appointment started w.e.f. 6-3-69. On behalf of the Management it was rightly pointed out that only such employees who had suffered service breaks only upto 3 days excluding Sunday and Bank holidays) could claim the benefit of temporary tenure whereas in our case there was a total break of as many as 7 days before the acceptance of the regular appointment by the petitioner.
- 13. At this stage it may also be worthwhile to have a glance into some of the admitted facts and documents of the Case Exb. M3 relates to the initial appointment granted to the petitioner for a fixed tenure of one month from 6-3-1969 to 5-4-1969. It was accepted by him under his own endorsement followed by the formal order Exb. M2; then he was granted extension for one month per Order Fxb. W2 After that there was no renewal of service for 2 days i.e. 6th and 7th of May, 1969 but on his prayer another tenure of one month was granted w.e.f. 8-5-69 per Order Exb. W3 M15; obviously this tenure ended on 7-6-69. There is yet an other material document on record consisting of the petitioner's own letter Exh M4 which contains the entire history of his service, it reveals that even though no formal orders were issued to him yet he continued working in the Bank upto 14-6-69 inclusive, and it was only on that day, that he was asked by the Local Branch Manager to go to their Robtak Office for bringing his probation letter as meanwhile some permanent vacancy was found evailable. Accordingly, on 18--6-69 the petitioner went to Rohtak and brought the appointment Order Fxb M1 Its closing part would show that the netitioner was given an option to accept the vacancy on reporting for duty at Karnal on 20-6-69 and on his such accontance the formal order Exh. MI'A was transmitted to the Karnal Office
- 14. From the above data it surely emerges that there was a continuous break of at least 5 clear days between the termination of the petitioner's temporary

- assignment by afflux of time and absorption into regular cadre by way of probation; it is besides the point that there had been another break of two days at the time of renewal of the temporary assignments between 5th and 8th May, 1969 Thus, in all the petitioner had 7 days break in his temporary tenure and, as such, was beyond the protective umbrella of clause (1) of the above quoted Bipartite Settlement Agreement
- 15 On his behalf it was argued that in two similar cases the Management had condoned 6 days break and allowed retrospective confirmation to SISh Brij Mohan Gupta and T. P. Singh, Brij Mohan Gupta was examined before the Tribunal as a witness whereas the matter of T. P. Singh was high lighted with the production of Exb. W6 containing the minutes of the relevant Joint Discussion Meeting dated 8th|9th Sept. 1980.
- 16. In my considered opinion the effort to invoke the precedents of Brij Mohan Gupta and T. P. Singh is mis-conceived because the very opening part of the Minutes Exb W6 clearly establishes that before suffering any break in his temporary tenure, T. P. Singh had put in a continuous service of more than six months at a stretch; and it was precisely for this reason that his precedent was applied to the case of Brij Mohan Gupta, who under the weight of cross-examination stated that he had continuously worked from 24-7-67 to 23-1-68 before going through a break upto 30-1-68. To put in plain words, both these gentlemen had, at one stage, put in a continuous service of six months and had thus become entitled for including their temporary service in their permanent tenure for all intents and purposes
- 17. Against this back drop. I cannot possibly resist the conclusion that if an employee attains the minimum standard of eligibility on putting in the requisite service of six months uninterruptedly and is ultimately absorbed in the regular cadre even after suffering a bit larger break he can legitimately claim the benefit of the aforesaid agreement. Of course the intervening break has to be kept up within a reasonable proximity of time; say around a fortnight or so, but since our petitioner had not attained the requisite qualification, therefore, he could not complain of any impropriety, irregularity or illegality in the Management's action Accordingly. I return my Award against him.

Chandigarh

Dated 1-5-1985.

# I. P. VASISHTH, Presiding Officer [No. L-12012|181|80-F-IJA]

का अ। 2408 — भीषोगिक विवाद अधिनियम 1917 (1947 क। 14) की धारा 17 के अनुपरण में केन्द्रीय सरकार, स्टेट वैंक आफ इंडिया के प्रबन्धसंत्र में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के त्रीच अनुबंध में निर्विष्ट भौद्योगिक निवाद में केन्द्रीय सरकार भौद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाणिन करती है जो केन्द्रीय सरकार को २-5-95 पार्क हुआ था।

S.O. 2408.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act. 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in

the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May. 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUST-RIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT KANPUR

Industrial Dispute No. 21 of 1984
In the matter of dispute between

Shri Ashok, S_lo Shri Baboo Lal, C_lo Shri O. P. Nigam, 295|387 Din Dayal Road, Lucknow.

## AND

The District Manager, State Bank of India. Near Stadium Hazrat Ganj, Lucknow.

Shri O. P. Nigam, representative—for the workman.

Shri Mahesh Chand—a representative for the management.

## **AWARD**

The Central Government, Ministry of Labour, vide its order no. L-12012|277|83-D.II(a) dated 25th February, 1984, has referred the following dispute for adjudication:

"Whether the action of the management of State Bank of India in relation to their Chowk Branch, Lucknow, in terminating the services of Shri Ashok Kumar, Part time Sweeper with effect from 23-3-80 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?"

It is common ground that the applicant was appointed in Chowk Branch in the bank management as part time sweeper in the month of February. 1976 and remained serving the bank upto 23-3-80. According to the workman he was working on permanent post of Part time Sweeper and was getting privilege as medical leave, uniform, bonus etc. The management called the workman as temporary part sweeper against purely temporary ad-hoc ments. According to the management the workman left the services of the management of his own accord on 31-12-78 after settling his dues by way of full settlement. The management averred that on 19-1-79 the workman again approached the management for fresh temporary appointment and the management keeping in view his past services reappointed him a fresh as temporary part time sweeper w.e.f. 19-1-79, and worked till 23-3-80 when his services were terminated as no longer required.

In the claim statement it is averred on behalf of the workman that in the year 1979 and January, 1980, the workman remained ill and submitted medical certificate but he was not paid any salary for the period nor leave was sanctioned inspite of the fact that he has put in more than 3 years service and was entitled to privilege of medical leave and that during his absence his wife was working at his place as his substitute but she was paid only 1'3 salary. That after the 211 GI/85—17

termination of the service of the workman a new hand was appointed and made permanent. That the services of the workman were terminated without. notice or retrenchment compensation. That no appointment or termination letter was issued to him. That no retrenchment compensation was paid to him.

The management on the other hand has averred that the past services and work of the workman concerned was unsatisfactory and he habitually absented himself unauthorisedly without prior permission and thereby causing dislocation in the work and has been wrongly marking in the attendance register. 12-5-79, the workman gave an apology letter and again on 1-7-79 an apology letter was given to the management by the workman. It is further averred that on 22-3-80 a 10 rupce currency note of the bank while in the custody of Cashier accidently slipped out and fell down in the banking hall. The branch manager circulated a notice that in case any of them have found the said currency note he may deposit the same with the branch manager. Sri Asok admittedly had got it but avoided to deposit the same with the branch manager, Individually a search was made of the workman in the presence of all staff members of the bank and the said currency note was recovered from the pocket of the workman. The workman admitted his guilt in presence of all the staff members which clearly established his malafide intention and attempt to misappropriate the same. The workman ultimately admitted his guilt and returned the said currency note to the branch manager. All this goes great doubt about his integrity and the management lost confidence in him and in view of lost of confidence his services were terminated w.e.f. 23-3-30.

The management has filed an apology letter of the workman dated 12-5-79 wherein he admitted that he did not come for duty from 1-1-79 to 12-5-79 with breaks without information and without previous sanction of the leave which was unauthorised absence. In the month of January, 80 he again absented himself from 4, 8, 14, 15, 20, 21 and 23rd January to 31st January, 1980. He has expressed regret for the same and assured not to absent himself in future. There is another regret letter dt. 1-7-76 in which he regretted his behaviour with the members of the staff. The management has filed an office order issued by the branch manager on 22-3-80, mentioning that a 10|- rupee currency not had fallen somewhere in the banking hall and that whose amongst the staff happens to get it may deposit it immediately with the branch manager. This office order was circulated and it is signed by the workman also. On the back of that office order there is an endorsement signed by several staff which reads to the effect that at about 12 in the noon workman was called in the cabin of the branch manager and was enquired if he got a ten rupee note in the bank premises on which the workman replied in negative and on being told by Mr. Gupta that the note was duly signed and its number was noted by me, the workman blust and produced the ten rupee note stating that he committed a mistake. In this way the workman first denied having got note and later realising that he may got implicated admitted having got it and returned the same. It was on this that the branch manager issued him a memo that very day charging him that he did not deposit a ten rupee note which the workman found in te bank premises and when his pocket was searched the said

ten rupee note was recovered from his pocket. Before the members of the staff he admitted that he got it lying in the banking hall. This shows that he was not honest towards bank and in that connection he should submit his explanation to the branch manager by 5 p m, failing which it will be deemed that he has nothing to say and that is temporary services would be deemed to be terminated after the close of the banking hours that day.

The workman has filed 4 documents which shows total number of days of the work done by the workman in the bank. The workman has also filed his medical certificate dt. 10-8-79 and copy his original appointment application dt. 22 1-76 whereby he moved for appointment in the bank management. The workman summoned certain documents from the management. The management by way of affidavit of of Shri V. C. Bajpai, the branch manager of Chowk Branch, replied that inspite of all best efforts the attendance register and leave record could not be traced out and they however produced two attendance register from December 78 to March 79 and April 79 to July 79 and leave record register from 25-5-77 to 14-7-79. Regarding the termination letter they said that they have not field the same.

The averments made above show that the management was itself satisfied with the past working of the workman and unauthorised absence of the workman lastly on the point of rupee ten note the management got suspicion and after preliminary enquiry given him a memo to be replied on that very day by 5 p.m. The memo is in the nature of charge and giving just few hours to reply the same would be unjust and malafide if the management was satisfied about the misconduct of the workman in having misappropriated the ten rupee note a proper charge sheet should have been given to him and enquiry made examining all those persons before whom the recovery was made after service of general office order to produce the same and thus proved the malafide of the workman and it was only proof of mistake that the services could have been terminated by way of punishment. The test of discharge simplicitor is;

"Whether the same is bonafide or malafide"

All that transpired on that day when the note was lost and produced and memo given shows that the management was itself satisfied with the conduct of the workman. It is not disputed that the management has two powers of dispensing with the services of the workman (i) his termination after proof of mistake by way of punishment and (ii) his discharge simplicitor under para 522(i) of the Shastri Award i.e. termination of the services of the workman without any malafide and colourable exercise of powers. It is true that it is not always necessary to resort disciplinary proceedings before terminating the services. In Bombay Municipal versus P. S. Malvenkar 1978 (1) LLJ page 168 it was observed by Supreme Court thus:

"The question whether any particular order terminating the services of the employee is by way of punishment or not has to be determined on the facts and circumstances of each case and the form of the order is not decisive of the matter. If services of a workman suspected or misconduct, misbehaviour, negligence or insubordination is allowed to prevail it would naturally result.

in the order of termination if passed on the subjective satisfaction of the appropriate authority. The court can always examine whether discharge simplicitor would bonafide or not".

In the Air India Corporation Vs V. A Rabailo 1972(1) LLJ page 509, it was held:

"If the termination of the services is colourable exercise of the powers vested in the management or as result of victimization or unfair labour practices, the industrial tribunal would have jurisdiction to interfere and set aside the termination. In order to find out this the Tribunal has ample jjurisdiction to go into all the circumstances which lead to the termination simplicitor."

In the instant case the management was lead away that the workman was habitually absenting himself without prior sanction or leave. His behaviour with the staff members was not proper and lastly the workman found ten rupee note on the floor of the banking hall which he kept in the pocket and after enquiry he returned the same. It has not come in evidence that the note belong to the bank. Even if it belong to the bank, there is no cogent proof that the recovery was made from his pocket in the manner stated by the management bank and not returned in the mansuggested by the workman. This have been settled only after a proper enquiry. Further the workman was not one of the staff dealing with the customers or handling cash and it could not be said that keeping such an employee in the bank would not be in the interest of the bank dealing with cash fransaction.

Under these circumstances, I am of the opinion, that the lost of confidence in the instant case was not bonafide on the part of the bank management but a colourable exercise of the powers and hence the discharge simplicitor can not be allowed to stand.

Further discharge simplicitor is also termination and sec. 25-B of the Industrial Dispute Act is attracted. Admittedly no notice or notice pay was given to the workman, the termination becomes illegal on that count also.

In view of the dicussions made above. I consequently hold that the action of the management of State Bank Of India in relation to their Chowk Branch. Lucknow, in terminating the services of Shri Ashok Part time Sweeper w.e.f. 23-3-80 is not justified.

The result is that he will be reinstated with all full back wages

I therefore, give my award accordingly. Let six copies of this award be sent to the Government for publication. Date 1-5-85

R. B. SRIVASΓAVA. Presiding Officer [N. L-12012|277|83-D.IIA]

का. आ 2409— भी सोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार इलाहबाद वैक के प्रबंधनंत्र से सम्बद्ध नियोजको भी र उनके वर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्विष्ट श्रीधोमिक थिवाद में केन्द्रीय सरकार भौ सोगिक अधिकरण नं 2, बस्बई, के पंचाट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 8-5-85 प्राप्त हुआ था।

S.O. 2409.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), teh Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay as shown in the Annevure in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May 1985.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NO. 2, BOMBAY (M.S.)

(CAMP AT JABALPUR)

Reference No. CGIT-2|8 of 1985(Bombay)
REFERENCE NO. CGIT|LC(R)(13)|1985 JABAL-

## **PUR**

## PARTIES:

Employers in relation to the management of Allahabad Bank, Raigarh and their workman represented through the M.P.B E. Association, CO Punjab National Bank, Raigarh (M.P.)

## APPEARANCES:

For Union—Shri L. N. Mahotra, Advocate. For Bank—Shri P. S. Nain, Advocate.

INDUSTRY: Banking DISTRICT: Raigarh (M.P.)

## **AWARD**

Dated: March 20, 1985.

By their Order No. L-12012(120)[82-D.II(A) dated 7-5-1983 (transferred vide Order No. S-11025 (1)[85-D.IV(B) Dated 8th February, 1985 the Central Government on receipt of the failure report from the Labour Commissioner has referred the following dispute for adjudication:—

- "Whether the action of the management of Allahabad Bank in relation to their Raigarh Branch in terminating the services of Smt. Shaila, Part-time Sweepress with effect from 27-1-82, is justified." If not, to what relief is the workman concerned entitled?"
- 2. As the dispute stands it has arisen because of the alleged illegal termination of the services of Smt. Shaila stating to be working as a part-time Sweepiess with effect from 27-1-1982. The contention of the Union who has espoused the cause of the workman is that though a part-time workman she was required to work for more than six hours per week but was being paid at the rate of Rs. 25 per month only when in fact she was liable to be paid at the rate of 1'3rd wages of the pay scale. It is alleged that when there was a demand in this connection the management did not respond but terminated her service on 27-1-1982 and though wages were paid from June, 1980 to December, 1981, the wages for the month of January, 1982 remained unpaid. The Union, therefore, challenges this termination and seeks various reliefs.
- 3. The management has opposed the claim firstly on the ground that the appointment of the workman

was not regular but done by the Branch Manager without authority and without getting her name cleared by the competent authority. It is further stated that the termination occured because the workman refused to perform her normal duties like cleaning the latrines, bath room etc. and further there is an assurance that the magement has no objection to take her back in service provided the workman gives an undertaking to abide by the terms of employment and perform all the duties.

4. The points which therefore arise for determination in this reference and my findings thereon are as under:—

Issue	5
taken by clean the other duti or the wo tures, ban	the nature of work under- the workman whether to latrines, bath rooms and res assigned to the Sweeper rk was only to clean furni- k premises and utensils and ater for drinking and other?

To clean the latrines both rooms and to other duties assigned to the sweepers.

Findings

2. Whether the appointment of the workman by the Manager without the authority or jurisdiction and without getting her name cleared by the competent authority, creates any infirmity in the relationship of employer and employee?

No

- 3. If the appointment by the Bank is for the workman shall, the purpose of cleaning the latrines and bath rooms etc. as contended by those duties and them, what is the effect of the refusal give undertaking to of the workman to perform those do so, duties on her rights?
- 4. Whether the workman, in that case, Yes, only on giving is entitled to seek reinstatement the undertaking.
- 5. If not, is she entitled to any other relief?6. To what Award?

## **REASONS**

- 5. Although there is an accusation or indictment of non-performance of the duties, as the record stands the management did not hold any enquiry, neither there was a chargesheet nor any enquiry report and therefore the termination is nothing but the retrenchment in violation of Section 25F of the Industrial Disputes Act. There is also no proof before the Fribunal about the alleged misconduct. Now the immediate result of this finding would be that the termination is bad and the workman would be entitled to be reinstated.
- 6. Normally the norms would be the payment of full back wages but in this regard it seems that the workman hereself was under the impression that she was to perform duties of a peon or Farrash, namely cleaning the Bank premises, utensils, furnitures etc. and in the rejoinder the Union has contended that the workman was never engaged to do the sweepers work nor was required to clean latrines, bath rooms etc. In view of the impression which the Union and the

THE GAZETTE OF INDIA: JUNE 1, 1985/JYAISTHA 11, 1907

workman are carrying therefore the payment of full compensation would not be possible and the only relief therefore would be that the termination being wrong and illegal the workman shall be entitled to reinstatement from the date when she assumes the duties or the charge. The workman during the period from termination till she assumes the charge would be entitled to 1|3rd of what she would have got had she continued is service. This order of reinstatement is being passed on account of the undertaking by the workman to perform all the duties of a sweeper. In case she is not willing to perform those duties and does not give an undertaking to that effect at the time of comemncement of service on reinstatement the Bank would be absolved from their duty to reinstate her.

Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer. [No. L-12012(120)|82-D.II(A)]

का. धा. 2410:-- भौधोगिक विवाद श्रक्षित्यम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के धनुसरण में, केन्द्र य सरकार, स्टेट बैक ऑफ इंबिया के प्रबंध तथ से सम्बद्ध नियोज को धीर उनके कर्मकारों के बीच, धनुबंध में निर्दिष्ट धौधोगिक विवाद में केन्द्र य सरकार भौधोगिक धधि-करण, जबलपुर के पंचाट का प्रकाशित करते? है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-5-85 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 2410.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE (RETD.), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERN-MENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR

> COURT, JABALPUR (M.P.) Case No. CGIT|LC(R) (10) |1983

## PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India, Raipur and their workmen, S|Shri Yamuna Kumar Yadav and Mohanlal Yadav.

## APPEARANCES:

For workmen.—Shri D. P. Tiwari and Shri S. D. Phadke.

For management.—Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY: Bank DISTRICT: Raipur (M.P.)

AWARD

Date: April, 25, 1985

'The Central Government in exercise of its power under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the followin dispute for adjudication vide Notification No. L-12012(117) |82-D.II (A), dated 8th April, 1983.

"Whether the action of the manaen.ent of State Bank of India in relation to their PhaphadiBranch under Control of Chief Regional Manager, Raipur in terminating the services of S|Shri Yamuna Kumar Yadav and Mohanlal Yadav temporary, sub-staff is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?

2. The workman was temporarily employed in the State Bank of India. They had put in services in the Bank from time to time but have not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute. During the pendency of the dispute the parties have come to a micable settlement which is filed before me. The Agreement is fair and just and I am of the opinion that the terms of the settlement would be in the better interest of the workman, I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon between the parties under a settlement.

## ORDER:

- (i) The employee workman shall forego all claims to back wages.
- (ii) That the management will provide an opportunity to the workman to work in the Bank in the same capacity  $a_8$  he was before the termination of services. The Bank shall for giving the workman an opportunity for his permanent absorption in the Bank interview the employee and the appointment would be subject to their selection.
- (iii) That the workman will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the interview taken for the purpose. Their character, credentials and antecedents shall be verified as required for the Bank services and the absorption shall be subject to the reports in this regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employment in the same capacity as have completed more than 90 days temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons forego their claim for back wages during the period they have remained unemployed.

This closes the present dispute. There shall be no order as to costs.

K. K. DUBE, Presiding Officer.
[No. L-12012|117|85-D.II(A)]

का. भा. 3411:--भीकोगिक विवाद प्रशिविधम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रिय सरकार, बैंक आंक इंडिया के प्रबंधतित से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रमुखंध में निर्दिष्ट धौधोगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार धौधागिक प्रशिवरण, कानपुर के पचाट को प्रकाशित करने हैं, जो केन्द्रिय सरकार को 8-5-85 प्राप्त हुआ था।

S.O. 2411.—In pursuance of section 17 of the Industral Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

BEFORE SHRI B. D. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT,

## KANPUR

Industrial Dispute No. 80'1981

In the matter of dispute between

Shri Virendra Kumar Agrawal, Clo. General Secretary, Bank of India Staff Union, Clo. Bank of India, LIC Building, The Mall, Kanpur. ... Workman

#### AND

The Assistant General Manager, Bank of India, Hazratganj, Lucknow. ...Management

## AWARD

- 1. The Central Government Ministry of Labour vide its Order No. 12012/72-/80-D-II-A dated 17th June, 1981 has referred the following dispute for adjudication:
  - "Whether the action of the management of Bank of India, Regional Office Lucknow, in terminating the services of Shri Virendra Kumar Agarwal, Clerk of their Kasturba Marg Branch, Kanpur, with effect from 9-10-1979 is justified? It not, to what relief is the workman entitled?
- 2. It is common ground that the workman was initially appointed in the services of the management bank for a period of one month in January, 1974, after being selected in interview and which was held by the bank. According to the workman he was appointed on 30-1-1974, but according to the management he was appointed on 21-1-1974. Initially the appointment of Shri Agarwal was continued till 16-3-1974 and thereafter Shri Agrawal worked as temporary employee during the following period:

16-4-74 to 15-6-74. 19-6-74 to 27-7-74. C2-8-74 to 21-10-74 & 28-10-74 to 17-02-75 & 19-2-75 to 14-03-75.

The appointment of the workman which was purely on temporary basis was terminated on 15-3-1975. According to the workman though he was temporary clerk but he was engaged against the clear permanent vacancy of clerk. It is admitted that the appointment of temporary employees depends upon the exegency of the work in the bank and the workman was appointed as temporary because of the branch exorusion programme. According to the management Shri Agrawal appeared in the written test but failed and as such was not called for interview for appointment in the clerical cadre in the bank. The workman reised in industrial dispute in which a settlement was drawn on 3-6-1978 and in rersuance of the same the workman was reinstated on 5-6-1978. The workman thereafter worked for more than six months in a permanent vacancy when on 5-4-79 he was required by the Regional Manager to apply for the post advertised by BSRB (hereinafter called Banking Service Recruitment Board). The workman again protest through union as appearing in the test of BSRB was not one of the condition in the agreement. The management has however disputed that the workman ever worked in a permanent vacancy. Further the management bank asked him to apply BSRB for being absorbed in regular permanent cadre. The workman did not apply for the post advertised by the BSRB for which the Regional Manager called for his explanation. The workman replied the same that BSRB test was not departmental tests as stipulated in the softlement. He further mentioned that he was not clubic to appear as per torms of the advertisement of the boRB. When threatened by the management to terminate his services in the event of his not applying for test, Shri Agrawal sent his application but could not appear in the examination due to illness. On this the A.G.M. issued him show cause notice as to why he did not appear in the test conducted by the Banking Service Recruitment Board. The management after about 4 months of receiving Shri Agrawal's explanation abruptly terminated his services w.e.f. 9th August 1979 after giving him notice pay and retrenchment compensation. The management bank stated that though the workman was not entitled to notice pay and retrenchment compensation yet the same was paid and also did not believe that the workman could not appear in the bank's examination on account of his illness. The union protested against the termination to Asstt. General Manager who once again turned down the demand. The management took the stand that after the constitution of the Banking Service Recruitment Board the appointment in the bank could only be made after passing the test from BSRB. On behalf of the workman it is contended that if the bank wanted to change or modify the terms of the settlement dated 3-6-1978 they could have done so by terminating the settlement as required under section 19 and 9-A of the I.D. Act.

- 3. On behalf of the workman it is contended that else the workman worked in permanent clerical vacancy for beyond three months under clause 20.8 of Bipartite settlement, he acquired the status of a permanent employee and that his employment did not fall in any of the three types of temporary employee defined in clause 20.7 of the said settlement. The workman has also contested that he was not paid full amount of compensation and on this ground the termination is illegal.
- 4. No preliminary objection was pressed at the time of framing issues hence only following issues were framed.
  - (a) As in terms of reference?
  - (b) Relief?
- 5 The management examned Shii M. N. Bhatt, Regional Manager Ghaziabad as its witness to support its contention. He had admitted the bank did not held any test for three months after 3-6-1978, the date of settlement in the conciliation proceedings though he was required to appear in departmental bank's test for permanent absorption in the bank's service. Normally the bank

should have conducted the departmental test for the workman soon after the conclusion of the agreement and not waited for three months for BSRB to be formed and intervene in the recruitment of the permanent bank employee. He further that pay scale revision took place in view of settlement at Bombay on 1-8-1979 revising pay scales of clerk cadre w.e.f. 1-9-1978. The date of termination of Shri Agrawal is 9-10-1978, thus his pay would be effected in view of the revision. Admittedly the basic pay of the workman on 9-10-1979 was Rs. 604 as shown in para 19M of the claim statement. The management paid the difference amount after implementation of the revised scale on 19-1-1983 amounting to Rs. 191.13 paise. He further stated that retrenchment compensation amounting to Rs. 2398 was paid to the workman on 9-10-1979 was not less than what he was entitled to under the second Bipartite Settlement. He gave a chart of calculation as paper no. M-8-I-. According to this chart the pay of the workman in August and September, 79 comes to Rs. 604 which is admitted. In July 79 his pay was only Rs. 586 and the D.A. in July 1979 was only Rs, 342 and in this way three months pay comes to Rs. 174! and one months pay of October 1979 is Rs. 604 total amounting to Rs. 2398. For the purposes of retrenchment compensation the workman has to be paid one months pay for notice being wages for the period of notice which would come to Rs. 604 and for the purposes of compensation average pay at the rate of Rs. 156 pay for every concluded year of continuous service. Thus in any event the amount of refrenchment compensation from October 1979 would not come to more than 1794. The balance amount was made good on 19-1-1983 amounting to Rs. 191.13 paise as period for payment of difference amount was time after revision w.c.f. extended from time to 1-8-1978 and difference was paid in time.

6. The management has not filed the terms and condition of the Banking Service Recruitment Board when it was created some times in later half 1978. In the absence of such government notification creating BSRB for recruitment in permanent clerk cadre of banks it is not clear whether further vacancy were to be filled in through Banking Service Recruitment Board and the banks right to hold test and interview for appointment in clerical cadre was not seized altogether. In view of the agreement dated 3-6-1978, test for the recruitment of the workman was to be taken by the bank concerned and not by any out agency to be created in future. It has come in evidence that even at the time when the agreement was in completion and was actually signed the creation of the BSRB was likely in that event and it could have been stipulated in the agreement that the workman will have to appear in departmental bank test or test by any other agency created by the government for the recruitment in clerical cadre. This having not been stipulated and the terms and condition under which the BSRB was constituted being on record I am not inclined that the right of the Bank Management to hold departmental test particularly in the case of the workman in view of the agreement was taken away.

- 7. In these circumstances non appearing the BSRB test will not to be in contravention of the agreement dated 3-6-1978 and the termination of he workman's services on that account would be illegal. Further in consonence that the agreement dated 3-6-1978 in the conciliation proceedings the workman was given a letter of appointment dated 5-6-1978 Annexeure W.B., in which it was mentioned as under:
  - "Picase note that for being absorbed permanently in regular cadre in the service of the bank on merit you will have to appear and passed the test when so held for the purpose next."

In this letter also there was no mention that the workman will have to appear in the test held by BSRB and that no deptt, test for recruitment will be held.

- 8. Even if it is conceded for the sake of arguments that the bank had a right to ask to workman to appear in BSRB test for which the workman did apply but on the date of examination fell ill and in support of his illness files medical certificate. In the absence of a proof that he was really not ill and was taking merely a pretext not to appear in the examination it could be held that he was not really ill and his services may be terminated on that ground. But his services may be terminated on that ground. But this has not been done hence on this ground the termination is illegal.
- 9. Thirdly it is not disputed that in view of the Bipartite settlement at Bombay on 1-8-1979 there had been a wage reveision for the workman of the banks and consequently the pay of the workman was also effected. Retrenchment compensation was paid to the workman according to his pay at that time on 9-10-1979 which according to the calculation M-B-I come to Rs. 2398. For compliance of the agreement two months time was given which was extended from time to time. The difference amount having not been paid within the extended time but paid on 19-1-1983 when agitated shows that the management was not keen to make the retrenchment compensation in time.
- 10. After the agreement on 3-6-1978, the management had three month time to held departmental test before Banking Service Recruitment Test and being interviewed. This circumstances also shows that the management was not keen in c mplying with the terms of agreement dated 3-6-1978 and holding departmental test as early as possible thereafter.
- 11. In view of the discussions made above, I hold that the action of the management of the bank in terminating Shri V. K. Agrawal workman of their Kasturba Marg Branch with effect from 9-10-1979 is not justified.
- 11. The result is that the workman will be reinstated and shall be entitled to back wages from 9-10-1979 till the date of reinstatement with this condition that the pay of Rs. 500 drawn by him as clerk in the Bank's Cooperative Society from June 1983 till the date of reinstatement will be adjusted.

I, therefore, give my award accordingly.

Let six copies of this Award be sent to the Government of Publication.

# R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer. No. L-12012(72) [80-D.II(A)]

—<u>---</u>

वा. था. 241: --श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) क धारा 17 के श्रनुसरण में केन्द्र:य गरकार स्टेट बैंक अपि इंडिया के प्रबधनक से सम्बद्ध नियोजकों श्रीर उनके कर्मकारा के बीच, श्रनुबध में निर्दिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्र:य सरकार श्रीद्योगिक अधिकरण, म. 2, यम्बई के पचाट को प्रकाशित करन है, जाकेन्द्रीय सरकार को 8-5-85 प्राप्त क्षमा था।

S.O. 2412.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NO. 2 BOMBAY (CAMP AT JABALPUR)

Reference CGIT-2(7) of 1985 (Bombay) Reference CGIT/LC(R)(5) of 1983 (Jabalpur)

## PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India, Bhopal and their workman represented though the State Bank of India Employees Union, Bhopal Circle, 8, Vasandhara, State Bank of India Housing Colony, Bhopal (M.P.)

## APPERANCES:

For Workman-Shri P. S. Nair, Advocate.

For Management—Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY: Banking DISTRICT: Bhopal (MP)

## **AWARD**

Dated March 19, 1985

By their Order No. L-12012[†]32[†]82[†]D-11(A) dated 17th March, 1983 (transferred vide Order No. S-11025(1)[†]85-DIV(B) dated 8th February, 1985) the Central Government has referred the following dispute for adjudication under Sec. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947:—

"Whether the action of the management of State Bank of India Hamidia Road, Bhopal in dismissing Shri P. N. Halviya, Official-incharge of Pipariya Branch of the Bankfrom service from 12-2-30 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

- 2. In support of the contentions there is a statement of claim filed on behalf of the workman which has been replied to by the management denying each and every contentions. However, at the time arguments only three points we raised viz, that Shri Malviya, the employee concerned, was not permitted to have a legal aid. Secondly it was contended that the chargesheet which was served on the workman was not signed by the disciplinary authority but by the Branch Manager which has invalidated the whole thing. Thirdly it was urged that the decision as required under paragrap 521.9 of the Sastry Award having not been communicated within three days from the date of decision, on this count also the enquiry is vitiated and therefore whatever ill effects are there by the workman having not challenged the oral evidence adduced against him during the enquiry stand vanished and the workman deserves relief as prayed for.
- 3. The points which therefore arise for determination in this proceedings and my findings thereon are as follows:—

Findings

Whether the enquiry suffer infirmities as stated in parastatement of claim?	
2. Whether the workman wa ted from adducing the defedence.	=
5. Was the enquiry fair and are the findings of the Enquirement of the	uiry Officer (ii) No
4. Whether the punishement i portionate and harsh?	s dis pro- No.
5. To what relicf the workma led?	n is entit- Nil

## Reasons:

Issues

4. As already stated although various contentions were raised on behalf of the workman against the enquiry and the subsequent actions and although all of them were denied by the management by their statement of claim and written statement respectively only three points were urged at the time of the arguments and therefore we can concentrate on the same, Now as the facts stand the charge against the workman was as follows:—

"Under instructions from the Regional Manager, Region II, you are hereby required to showcause as to why disciplinary action should not be taken against you on the follow charges:—

## CHARGE I

While working as the Official-in-charge of the Bank's Bankbedi Sub-Office in the year 1977 you had made a large number of fictitious entries in the Registered Leeters despatch register|Pstage Register of the Sub Office, as detailed in the attached Annexure I and II and thereby misappropriated Bank's money.

## CHARGE II

It is reported that during you aloresaid incumbency you had also resorted to the tollowing malpractices at the Sub-Office.

- (i) You used to pay Rs. 5 per mouth to Shri Bagilal Sub Office sweeper. You were, however, debiting petty cash with Rs. 7.50 per month on account of monthly payment to the sweeper, since the mouth of June 1977. You were thus fradulently debiting petty cash by more amount than what was actually expended by you on Bank's account by preparing the veuchers for higher amounts.
- (i) You paid wages to the Badli watchman, Shri Halkebir for 2nd, 9th, 10th, 23rd, and 24th July, 1977 although from the Sub-Office attendance register he does not appear to have performed Watchman's duties on those days.
- (iii) Although you showed weekly payments of daily wages to the temporary employees in the petty cash book of the Sub-Olfice, in fact you did not pay the wages to these employees every week. For example, in the case of Shri Halkebir for performing duties as Badli Watchman Temporary Watchman for 10 days in July 1977, you paid him at the end of the month only Rs. 92 against the wages of Rs. 134.40 actually earned by him .......you debited the Bank's charges account with Rs. 134.40."
- 5. On going through the evidence as adduced before the Enquiry Officer it was concluded by him that Charge No. 1, II(i) to (iii) as contained in the chargesheet dated 26th August, 1978 was proved beyond doubt. At the same time he noted a finding in the negative on Charge No. II(ii), The Enquiry Officer, however, curiously enough further went on to denote that the charges in question as proved by the presenting officer were not acts of misconduct but were offences in terms of para 521(1) of All India Industrial Tribunal Award 1953. Of course, it was his own conclusion with which the disciplinary authority may or may not agree and the evidence indicate that on 24th of April 1979 the Disciplinary Authority agreed with the conclusions regarding the proof of the charges that disagreed with the observations that they did not amount to misconduct, held that it was a misconduct for which the workman liable for disciplinary action in terms of para 521(5) and accordingly issued the notice. The statement therefore of the Enquiry Office was the conclusion that the points in question though proved did not amount to misconduct, no longer can carry any importance and ultimately whether it amounted to misconduct will have to be seen from the definition of the misconduct as laid down in para 521(4) of the Award and further whether the disciplinary authority was satisfied or not.
- 6. During the course of the enquiry the workman sought the help of a legal aid but it was not granted. Now it is an admitted fact that the discretion whether the legal aid was to be given or not vested in the

Bank and therefore if the said discretion was used against the workman, no grievance can be raised against him.

- 7. It was then urged that the chargesheet was signed by the Branch Manager when the Bank has declared Regional Manager to be disciplinary authority and therefore it was contended that the chargesheet is illegal, void and vitiates the entire enquiry. Under para 521(12) it is necessary for the Bank to decide which officer shall be empowered to take disciplinary action in the case of each office or establishment and that it should also make provicion for appeals against the orders passed in disciplinary matters. It is not a point of dispute that it was the Regional Manager of the region who was appointed. Accordingly he was the disciplinary authority for the said region in which Shri Malviya was then serving. It is also not disputed that the chargesheet was signed by the Branch Manager and not by the Regional Manager viz, the Disciplinary Authority. The question, therefore, is whether the enquiry is vitiated. In this connection the Bank has produced on record a copy of the letter dated 24th March addressed by the Regional Manager to the Branch Manager, State Bank of India, Piparia Branch whose jurisdiction the workman then was working. In that letter the decision to chargesheet the workman was communicated because the wording of the letter is as follows:-
  - "Appropose to your letter No. HO|PI|15|110 dated the 2nd November 1977 in reply to our letter No. RI|AS|22128 dated the 21st September 1977, we have decided to charge-sheet the above named employee. Please, therefore, serve upon Shri Malviya charge-sheet on the lines of the attached draft against proper acknowledgement and after satisfying yourself beyond doubt that the particulars mentioned therein are correct and confirm to facts and forward a copy of the chargesheet for our information.
  - Please, confirm compliance and forward his explanation for further necessary action, at an early date."
- 8. By paragraph 1 of the letter the Branch Manager was asked to prepare the charge-sheet on the lines of the draft annexed to the said letter and by para 2 he was asked to confirm the compliance. Now the charge-sheet which was ultimately served on the workman was the same as the draft and there is no change whatsoever. The question, therefore, which poses for determination is whether there is any illegality committed or violation of the Award which is binding on both the parties, by the Branch Manager signing the charge-sheet. We have already seen that even in the opening part of the letter dated 24th March 1978 the fact that the Regional Manager has arrived at a decision to chargesheet the workman is enunciated. Naturally what was left to the Branch Manger was merely manual action, namely to copy the draft charge-sheet, in case necessary to supply the material dates but this was not required to be done and to serve it on the workman. The initiation of the enquiry therefore as required by para 521(12) was by the Disciplinary Authority and can never be said to be by the Branch Manager and as such if

the Branch Manager merely communicated the charge-sheet under his signatures which was the act of the Disciplinary Authrity and nobody else, the subsequent communication of the service of the charge-sheet under his signatures would not reflect upon the action of the Regional Manager nor would it render the charge-sheet illegal. It still remains the decision of the Regional Manager and renders the Branch Manager to be merely a communicating authority. Therefore the contention that the charge-sheet itself having been signed by the Branch Manager is illegal, carries no force because it is a charge-sheet and a decision to launch a charge-sheet of the Regional Manager who was fully competent to do so.

- 9. Under one impression of the other Shi Malviya did not actively participate in the enquiry, and though he was phyisacally present did not challinge the evidence adduced against him, allowing the whole material to go unchallenged. Certainly in the light of these circumstances he still would be entitled to point out the illegalities but having failed to challenge the evidence now he cannot dispute the correctness of the findings noted by the Fnquiry Officer. Once it is held that the decision to launch the chargesheet was by the regional Manager, the whole force behind the arguments about the illegality on account of the signatures of the Branch Manager is taken away and the findings shall have to be read as they are.
- 10. It was then contended that under para 521(9) the decision to take disciplinary action has to be communicated within three days. It was contended that since the Regional Manager had taken the decision to launch actio on 24th March 1978 when the chargesheet was served on 31-8-1978 there is a gap of almost four months and therefore there is a breach of para 521(9). However, the decision which contemplated by the relevant clause is not an initial decision but the ultimate decision based on the findings and the report of the Enquiry Officer and therefore the alleged gap of four months carries no force. Further more, though the Award speaks of three days, it is not a period of limitation as laid down under Limitation Act and ultimately everything would be governed by it any prejudice caused to the workman. If there is no prejudice then at best it would amount to an irregularity not vitiating enquiry or the order and since there is no proof of any prejudice before me, assuming that that there is some irregularity, it would not be of any use to the workman.
- 10. As indicated earlier the workman having not challenged the evidence of the witnesses, having not challenged the record produced on behalf of the Bank and having allowed the material to go on record as it was, it is now not possible to depart from or disagree with the findings noted by the Enquiry Officer and whatever is held by him and which hiltimately weighed with the disciplinary authority shall have to be accepted. This then shall brine us to the question of punishment because even if the Bank had awarded punishment of dismissal still under Sec. 11A of the ID Act it will have to be seen whether it is a proper purishment or hatch or disprepartionate. When we peruse the chargesheet 211 G1/85-13

there is the case of dishonestly attributed to the workman and acts of misappropriation of the Bank's money, when he was in service of the Bank and therefore duty bound to protect the property of the Bank, and so on proof or establishment of the charges, no other punishment could be said to have been legal. If on the strength of the material before him the disciplinary or the appellate authority ultimately decided to part with the services of Shri P. N. Malviya and passed an order of dismissal, in the light of the whole history, nature of the chargesheet and the proof of the charges, the said action of punishment can never be said to be harsh or disproportionate as such my findings would be that the Bank is justified in awarding the same. Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer.

ΓNo. L-12012[32[82-DII(A)]

का या १413 - श्रीद्योगिक विवाद यक्षितियम, 1947 (1947 का 14) क धारा 17 के प्रतृत्यरण में केन्द्र य सरकार, यृतियन वैंक आंफ रिडिया के प्रवधतत्व से सम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बच, प्रतृत्य में निर्दिष्ट प्रोद्योगिक विवाद में केन्द्र य सरकार श्रीद्योगिक प्रधिक्र करण, कानपुर के पचाट का प्रकाणिन करन है, जी केन्द्र य सरकार को 8-5-85 प्राप्त हुआ था।

S.O. 2413.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Union Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 8th May, 1985.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUS-TRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT

## KANPUR

Industrial Dispute No. 13|1983

In the matter of dispute between Shri:

Shri Anil Kumar Mishra Clo Asstt. General Secretary, UP Bank's Employees Union 165 Sohbatia Bagh, Allahabad.

#### Versus

The Assistant General Manager, Union Bank of India, Hotel Clarks Awadh Hazratgenj, Lucknow.

## PRESENT:

Shri Harmangal Prasad—for the workman & Shri S. L. Verma, representative—for the management.

## AWARD

The Central Government Ministry of Labour vide its order No. L-12012|303|81-D-II(A) dated 2-12-82 has referred the following dispute for adjudication:

"Whether the action of the management of Union Bank of India, in relation to their Naini Branch Allahabad in not absorbing Shri Anil Kumar Mehrotra elerk in the bank cervice but terminating his services w.e.f. 11-11-78 is justified. If not, to what relief is the work-man concerned entitled?"

The applicant filed his statement of claim complaining that he worked for 336 days as temporary clerk at Naini branch of the management bank at Allahabad between 20-12-76 to 24-12-77 with breaks and as his termination was without giving him notice, notice pay or retrenchment compensation his termination was abinitio and he was entitled to be reinstated with full back wages.

The management contested the claim statement of the workman and averred that the workman concerned had not put in 240 days service or more within the preceding one year from the date of his termination which was 11-11-78 and not 24-12-77. After rejoinder by the workman the management filed documents but at the stage of evidence none appeared for the workman and his representative Shri V. N. Sekhn stated that he had no instruction from the workman.

Thus in these circumstances there being no evidence to substantiate the statement of the workman the reference is answered in negative namely that the action of the management of Union Bank of India in relation to their Naini Branch Allahabad in not absorbing the workman Shri Anil Kumar Mehrotra clerk in the bank's service but terminating his service w.e.f. 11-11-78 is justified, and the workman concerned is entitled to no relief.

I, therefore, give my award accordingly.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer [No. L-12012[303[81-D II(A)]

नई दिल्लं, 20 मई, 1985

का ग्रा. 3414.— ग्रीबोगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) क धारो 17 के प्रतुमरण में केस्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक अफ़ं इंडिया के प्रवक्षतंत्र से सम्बद्ध नियाजको भीर उनके कर्मकारों के बीच, प्रतुष्ध में निर्दिष्ट ग्रीबोगिक विवाद केस्ट्रीय सरकार ग्रीबोगिक ग्रधिकरण, जबलपर के पचाट को प्रकाणित करती है, जा केस्ट्रीय सरवार को 9-5-8-5 प्राप्त हुया था।

New Delhi, the 20th May, 1985

S.O. 2414.—In pursuance of sectin 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBF (RETD.).
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMEN'T INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT|LC(R)(39)|1983

## PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India and their workman Shri Mothiram Sahu, Messenger-cum-Watchman Bemetera Branch Raipur (M.P.).

#### APPEARANCES:

For Workman

Shri D. P. Hiwari and Shri S. D. Phadke.

For Bank

SHRI G. C. Jain, Advocate.

 $INDUSTRY: Bank \qquad DISTRICT: Raipur \ (M.P.) \, .$ 

## **AWARD**

Dated: April 25, 1985

The Central Government in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication vide Notification No. L-12012(302) 82-D. II(A), dated 30th July, 1983.

- "Whether the action of the management of State Bank of India in relation to its Bemetera Branch under control of Chief Regional Manager, Raipur in terminating the services of Shri Mothiram Sahu, Messenger-cum-Watchman with effect from 25-8-1981 and not offering him re-employment in service is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"
- 2. The workman was temporarily employed in the State Bank of India. They had put in services in the Bank from time to time but have not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute. During the pendency of the dispute the parties have come to amicable settlement which is filed before me. The agreement is fair and just and I am of the opinion that the terms of the settlement would be in the better interest of the workman. I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon between the parties under a settlement.

## ORDER:

- (i) The employee workman shall forego all claims to back wages.
- (ii) That the management will provide an opportunity to the workman to work in the Bank in the same capacity as he was before the termination of services. The Bank shall for giving the workman an opportunity for his permanent absorption in the Bank, interview the employee and the appointment would be subject to their selection.
- (iii) That the workman will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the interview taken for the purpose. Their character, credentials and antecedents shall be verified as required for the Bank services and the absorption shall be subject to the reports in this regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employment in the same capacity as have completed more than 90 days temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons forego their claim for back wages during the period they have remained unemployed.

This closes the present dispute. There shall be no order as to costs,

K. K. DUBE, Presiding Officer [No. L-12012(302)₁82-D-III(A)]

था ग्रा. १415.- ग्राद्यानिक विश्वाद ग्राधितयम, 1947 (1947 का 14) क धारा 17 के भ्रत्मरण में केन्द्र य सरकार, रटेट बैंक आंफ इश्चिम के प्रबधतन्न से सम्बद्ध नियोजका ग्रीर उनके कर्मकारों के बीध, श्रत्वध में निदिष्ट श्रीद्योगिक विश्वाद में केन्द्र य सरकार श्रीद्योगिक श्रिध-करण, जबलपुर के पचाट को प्रकाणित करता है, जो केन्द्र य सरकार का 9-5-85 प्राप्त हुआ था।

S.O. 2415.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and then workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE (RETD.), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERN-MENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR

COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(9)/1983

## PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India, Raipur and their workman S|Shri Pannalal, Bhushan Kumar, Virendra Kumar, Gopi Chand Swarnkar, T. P. Pandey and Kamal Rai.

## APPEARANCES:

For Workmen

Shri D. P. Tiwari and Shri S. D. Phadke.

For Management

Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY: Bank DISTRICT .Raipur (M.P.)

## **AWARD**

Dated: April 25, 1985

The Central Government in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication vide Notification No. L-12012(118) 82-D. H(A) dated the 8th April, 1983.

"Whether the action of the management of State Bank of India in terminating the services of S|Shri Pannalal, Bhushan Kumar, Virendra Kumar, Gopi Chand Swarnkai, T. P. Pandey and Kamal Rai, Sub-staff under Control of the Chief Regional Manager. Raipur is justified? If not, to what relief are the workman concerned entitled?".

2. The workmen was temporarily employed in the State Bank of India. They had put in services in the Bank from time to time but have not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute During the pendency of the dispute the parties have come to

amicable settlement which is filed before me. The Agreement is fair and just and I am of the opinion that the terms of the settlement would be in the better interest of the workmen. I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon between the parties under written settlement.

ORDER:

- (i) The employee workmen shall forego all claims to back wages.
- (ii) I hat the management will provide an opportunity to the workmen to work in the Bank in the same capacity as they were before the termination of services. The Bank shall for giving the workmen an opportunity for their permanent absorption in the Bank, interview the employees and the appointment would be subject to their selection.
- (iii) That the workmen will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the interview taken for the purpose. Their character, credentials and antecedents shall be verified as required for the Bank services and the absorption shall be subject to the reports in this regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employment in the same capacity as have completed more than 90 days temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons forego their claim for back wages during the period they have remained unemployed.

This closes the present dispute. There shall be no order as to costs.

K. K. DUBE. Presiding Officer [No. L-12012(118)]82-D-II(A)]

का था 3416-- श्रीग्रोगिक विवाद श्रश्चित्रियम, 1947 (1947 का 14) की बारा 17 के अनुसरण में केन्द्रिय सरकार, स्टेंट बैक आंफ इंडिया के प्रवधतन्न से सम्बद्ध नियोजको श्रीर उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट श्रीग्रोगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार श्रीग्रोगिक प्रधिकरण, जबलपुर के पचाट को प्रकाशित करने हैं, श्री केन्द्रिय सरकार का 9-5-85 प्राप्त हुन्ना था।

S.O. 2416.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE (RETD), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERN-MENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

## PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India, Jabalpur and their workman, Shri Kallo Singh, Part-time employee Shahnagar Branch, Distt. Panna (MP).

## APPEARANCES:

For workman—Shri D. P. Tiwari and Shri S.D. Phadke.

For management—Shri G. C. Jain, Advocate. INDUSTRY: Bank DISTRICT:

## **AWARD**

Dated: April 25, 1985

The Central Gvernment in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication vide Notification No. L-12012 95 83-D.II(A), dated the 30th September, 1983.

- "Whether the action of the management of State Bank of India, in relation to their Shahnagar Branch, Distt. Panna (MP) in terminating the services of Shri Kallo Singh Part-time employee, with effect from 10-11-79 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled.?"
- 2. The workman was temporarily employed in the State Bank of India. They had put in services in the Bank from time to time but have not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute. During the pendency of the dispute the parties have come to amicable settlement which is filed before me. The Agreement is fair and just and I am of the opinion that the terms of the settlement would be in the better interest of the workman, I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon between the parties under written settlement.

#### ORDER:

- (i) The employee workman shall forego all claims to back wages.
- (ii) That the management will provide an opportunity to the workman to work in the Bank in the same capacity as he was before the termination of services. The Bank shall for giving the workman an opportunity for his permanent absorption in the Bank, interview the employee and the appointment would be subject to his selection.
- (iii) That the workman will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the interview taken for the purpose. Their character, credentials and antecedents shall be varified as required for the Bank services and the absorption shall be subject to the reports in this regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employment in the same capacity as have completed more than 90 days temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons forego their claim for back wages during the period they have remained unemployed.

This closes the present dispute. There shall be no order as to costs.

K. K. DUBE, Presiding Officer.
[No. L-12012|95|83-D.II(A)]

का. घा. 3417.- प्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) के धारा 17 के धनुसरण में केन्द्रीय सरकार, जोग्रापरेटिय बैक ऑक धहुमदाबाद निर्मिटेंग के प्रबंधतंत्र में मम्बद्ध गियोजकों कींग उनके कर्मकारों के किंव, धनुबाद में निर्दिष्ट शौद्योगिक विवाद में धौद्योगिक ग्रिधिकरण, ग्रहसदाबाद के पंचाट की प्रकाशित करनी है, जी केन्द्रीय सरकार की 9-5-85 प्राप्त हुआ था।

S.O. 2417.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Gujarat as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Cooperative Bank of Ahmedabad Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE SHRI G. S. BAROT, INDUSTRIAL TRI-

BUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD Reference (ITC) No. 3 of 1980

## ADJUDICATION BETWEEN

The Co-operative Bank of Ahmedabad First Party
AND

The workmen employed under it Second Party. In the matter of termination of services of Shri

A. B. Patel, Peon w.e.f. 1st December, 1976. APPEARANCES:

Shri L. A. Dedia, Advocate for the First Party.

Shri Y. V. Shah, Advocate for the Second Party.

## AWARD-PART I

This industrial dispute between the Co-operative Bank of Ahmedabad and the workmen employed under it has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, by the Government of India, Ministry of Labour's Order No. S. O. dated! 7th April, 1980 to the Industrial Tribunal consisting of Shri R. C. Israni and subsequently transferred to me.

- 2. The dispute relates to a single demand which is as under:—
  - "Whether the Cooperative Bank of Ahmedabad Limited, Ahmedabad, is justified in terminating the services of Shri A. B. Patel, Peon with effect from 1st December, 1976? If not, to what relief is the said workman entitled?"
- 3. In this case the workman concerned has challenged the inquiry and it has been submitted that the inquiry held against him was illegal and improper inasmuch as principles of natural justice have been violated in this case. It was, therefore, decided that the question of validity or otherwise of the inquiry held be decided first.
- 4. Shri Y. V. Shah, the learned Advocate for the workman concerned and Shri L.A. Dedia, the learned Advocate for the Bank were heard.
- 5. In this case at this point of time it is only required to see whether the inquiry suffers from any infermity or not.
- 6. It was alleged against the workman concerned that on 6.5-1976 he had abused one Bhagwandas Contractor the Cashier in the Bank and thereby committed

misconduct. The workman concerned had replied to the said memo dated 6-5-1976. Thereafter he was given a show cause notice charge-sheet in this behalf and an inquiry was held by the Bank pursuant thereto. The workman concerned has examined himself at Ex. 29 wherein he has stated that though he has asked for the copy of the complaint of Bhagwandas, he is not supplied the same. Similarly, he has also asked for the papers regarding preliminary enquiry held but there also he was not given the same. He has then stated that though he was asked to cros-examine the witnesees i.e. Bhagwandas, Cashier and the Security Officer, he has not cross-examined them in the absence of the copy of the complaint given to him. He has also stated that thereafter the inquiry was held in his absence. He has also stated that he was not allowed any opportunity to examine defence witness. It is, however, true that in his cross-examination he has stated that the inquiry was held in his presence and that the statements of Bhagwandas and the Security Officer were recorded in his presence. He has also stated that some writing where his signature is to be found is in fact not his signature. He has also stated that only the writing upto the stage where Bhagwandas has signed was recorded in his presence and the writing thereafter was not made in his presence.

- 7. On behalf of the Bank the Inquiry Officer Shri Bhatt was examined at Ex. 57 wherein he has initially stated that he had given an opportunity to the workman concerned to bring his defence witnesses if he desired but he has not examined any. After the inquiry was over he had sent his report to the Board of Directors. He has stated that the charge-sheet was given to the workman concerned at the instance of the Manager. The copy of the finding was given to the Board but the same was not sent to the workman concerned. He has further stated that the Cashier Bhagwandas had made a complaint in writing and further stated that he had with him the said complaint when he started the inquiry on 28-9-1976. Then he had stated that he did not remember whether he had given the copy of the said complaint to the workman concerned. He has further stated that he had asked the workman concerned if he wanted to have a friend to conduct his inquiry and he had stated so orally.
- 8. From the oral evidence recorded it appears clearly that it is the say of the workman concerned that the principles of natural justice were violated in this case inasmuch as he was not furnished, though asked, the copy of the complaint of Shri Bhagwandas. That he was not allowed to engage a friend in conducting the inquiry and that he was not allowed to cross-examine. From the evidence of the Inquiry Officer it appears that though the Inquiry Officer had the complaint of Bhagwandas and though copy was asked by the workman concerned the same was not furnished. Secondly, the Inquiry Officer admitted that there is no endorsement made in the inquiry papers that he had given any opportunity to the workman concerned to engage a friend. He had also admitted that though Bhagwandas the complainant was examined, him name was not shown in the list of the witnesses to be examined in the inquiry. The original complaint of Bhagwandas appears at Ex. 25 and it is dated 10-5-76 The complaint, however, refers to the incident of 6-5-1976 and in fact the workman concerned was

also charge-sheeted for the said incident. It is, however, surprising that the Cashier Bhagwandas who is alleged to have been abused by the workman concerned on 6-5-1976 has given him complaint in writing on 10-5-1976. After the inquiry was over in this case the finding was sent to the Board and the copy of the same was not furnished to the workman concerned. It appears that thereafter second show cause notice was given but there was no reply to the same from the workman concerned and, therefore, ultimately an order dismissing the workman concerned was passed. From the record it appears from the Ex. 56 that the workman concerned had passed on one apology for the incident in question but from the perusal of the said Ex. 56 it appears that the same was conditional. This aspect had not been taken into account. Thus from the evidence on record, it appears that this is a case where the inquiry suffers from certain infirmities and it can be said that principles of natural justice have not been fully complied with. When there was the complaint received a copy of the same should have been when he has specifically asked for the same. Moreover, the inquiry record does not show that the proper opportunity for engaging a friend or crossexamining the witnesses were properly given are required under the law. In my opinion, therefore, this is a case where the inquiry held appears to be defective as it suffers from certain infirmity. The employer, however, has asked for permission to prove the misconduct alleged before the Tribunal and as per the settled law in this behalf a permission, if the employer desires to avail of, should be granted to him

9. For the above reasons the inquiry is held to be vitiated and the employer is given an opportunity to prove the misconduct before the Tribunal by leading evidence as it thinks fit. The employee is also allowed to rebut the evidence as deemed fit. No order as to costs.

Ahmedabad.

Date 4th April, 1985.

G. S. BAROT, Industrial Tribunal [No. L-13012]13[79-D-II(A)]

- का. या. 2418 श्रीचाणिक विवाव श्रीधित्यम, 1947 (1947 का 14) क थारा 17 के श्रत्मरण में केंद्रिय सरकार, स्टेट बैक आफ इंडिया के प्रवधनंत्र से सम्बद्ध नियानको श्रीर उनके कर्मकारों क बंच, श्रनुषंध में निर्दिष्ट श्रीचोणिक थिवाद में केंद्रिय सरकार श्रीचोणिक श्रीध-करण, जबलपुर के पचाट को प्रकाणित करन, है, जा केंद्रिय सरकार का 9-5-85 की प्राप्त हुआ था।
- S.O. 2418.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE JUSTICE SHRI K .K. DUBE (RETD.) PREIDING OFFICER, CENTRAL GOVENMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR

COURT, JABALPUR (M.P.). Case No. CGIT|LC(R)(12)|1984.

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India and their workman S|Shri Raj Kumar, Samson Karmakar and James Dayal, Messengers, Chhindwara Branch.

## APPEARANCES :

For workmen—Shri D. P. Tiwari and Shri S. D. Phadke.

For management—Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY: Bank—DISTRICT: Chhindwara (M P)

AWARD

Dated: April 25, 1985.

The Central Government in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication vide Notification No. L-12012(241) 83-D.II.(A) dated 2nd February, 1984.

- "Whether the action of the management of State Bank of India, Jabalpur in relation to their Chhindwara Branch in terminating the services of S|Shri Raj Kumar, Samson Karmakar and James Dayal, Mesengers with effect from 31-5-79, 11 8-79 and 15-5-79 respectively and not considering them per further employment while engaging fresh hands is justifield? If not, to what relief are the work men concerned entitled?".
- 2. The workmen was temporarily employed in the State Bank of India. They had put in services in the Bank from time to time but have not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute. During the penlency of the dispute the parties have come to amicable settlement which is filed before me. The Agreement is fair and just and I am of the opinion that the terms of the settlement would be in the better intrest of the workmen. I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon between the parties under a written settlement.

## ORDER

- (i) The employee workmen shall forego all claims to back wages.
- (ii) That the management will provide an opportunity to the workmen to work in the Bank in the same capacity as they were before the termination of services. The Bank shall for giving the workmen an opportunity for their permanent absorption in the Bank interview the employees and the appointment would be subject to their selection.
- (iii) That the workman will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the interview taken for the purpose Their character, predentials and antecedents shall be verified as required for the Bank services and the absorption shall be subject to the reports in this

regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employment in the same capacity as have completed more than 90 days' temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons forego their claim for back wages during the period they have remained unemployed.

This closes the present dispute. There shall be no order as to costs.

K. K. DUBF; Presiding Officer [No. L-12012(241)₁83|D.II(A)]

का या 2119-- श्रीद्यानिक विवाद श्रीधिनयम, 1917 (1917 वा 11) के धारों 17 के श्रम्मरण में कन्द्रय सरकार स्टेट बैंक आंफ इंडिया के प्रबंधनल में सम्बद्ध नियानको श्रीर उनके कर्मकारों के बाज, श्रमुख्ध में निदिष्ट श्रीद्यागिक विवाद में केन्द्रय सरवार श्रीद्यागिक अधि-करण, जबलपुर के पंचाट का प्रकाणिन करता है, जा केन्द्रय सरकार वा 9-5-55 प्राप्त हुआथा।

S.O. 2419.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE JUSTICE SHRI K .K. DUBE (RETD.) PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERN-MENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT|LC(R)(48)|1983.

## PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India, Jabalpur and their work, Shi Manmohan Yadav Slo Shri Sharda Pradsa Yadav; Messenger, Regional Office, Jabalpur (M.P.).

## **APPFARANCES**

For Workman—Shri D. P. Tiwaii and Shri S. D. Phadke,

For Management—Shri G, C. Jain, Advocate. INDUSTRY: Bank —DISTRICT: Jabalpur (M.P.)

## **AWARD**

Dated: April 25, 1985

The Central Government in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication vide Notification No. L-12012/21/83-D.II(A) dated the 25th August, 1983.

"Whether the action of the management of State Bank of India, Regional Office, Jabalpur in terminating the service, of Shri Manmohan Yadav So Shri Sharda Pradsa Vadav Messenger with effect from 5 1-82 and denying him pereference in re-employment in the Bank is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled."

2. The workman was temporarily employed in the State Bank of India. He had put in services in the Bank from time to time but have not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute. During the pendency of the dispute the parties have come to amicable settlement which is filed before me. The Agreement is fair and just and I am of the opinion that the terms of the settlement would be in the better interest of the workman. I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon betwen the parties under a written contract.

## ORDER:

- (i) The employee workman shall forego all claims to back wages.
- (ii) That the management will provide an opportunity to the workman to work in the Bank in the same capacity as he was before the termination of services. The Bank shall for giving the workman an opportunity for his permanent absorption in the Bank, interview the employee and the appointment would be subject to his selection.
- (iii) That the workman will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the interview taken for the purpose. His character, credentials & antecedents shall be verified as required for the Bank services and the absorption shall be subject to the reports in this regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employemnt in the same capacity as have completed more than 90 days temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons forego their claim for back wages during the period they have remained unemployed

This closes the present dispute. There shall be no order as to costs.

K. K. DUBF, Presiding Officer [No. L.-12012[21]83-D-II-(A)]

का था 2130-- श्रीशोषिक विवाद श्रिशित्यम, 1947 (1947 का 14) क धारा 17 के धनगरण में, केंग्द्र य सरकार, स्टेट बैंक आँफ इंडिया के अवधनत्र में सम्बद्ध नियाजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुब्रध में निदिग्द श्रीशोषिक विवाद में केंग्द्र य सरकार श्रीशाषिक अधिन्तरण, जबलपुर के पंचाट का प्रकाणित करता है जा केन्द्र य सरकार को 9-5-95 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 2420.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tripunal Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BUFORE JUSTICE SHRUK, K. DUBE RELD), PRESIDING OFFICER, CENTUAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR

COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO.  $CG1T_1LC(R)(38)^{1983}$ 

PARTIES .

Employers in relation to the management of State Bank of India, Jabalpur and their, workman, Shri Rajaram Chakroborty, Messenger, Agricultural Development Branch, Shahpur (Bhitoni).

#### APPEARANCES ·

For Workman.—Shri D.P. Tiwari & Shri S.D. Pha A.c., Shri P. C. Khan,

For Management.—Shri G C. Jain, Advocate. 1NDUSTRY: Bank DISTRIC 1: Jabalpur (M.P.)

## AWARD

Dated: April 25, 1985

The Central Government in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication vide Notification No. L-12012(272)|82-D. II. A. dated the 18th July, 1983.

- "Whether the action of the management of State Bank of India, Jabalpur in relation to its Agricultural Development Branch, Shahpura (Bhitoni) in terminating the services of Shri Rajaram Chakroborty, Messenger, with effect from 18-10-80 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"
- 2. The workman was temporarily employed in the State Bank of India. He had put in services in the Bank from time to time but has not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute. During the pendency of the dispute the parties have come to amicable settlement which is field before me. The Agreement is fair and just and I am of the opinion that the terms of the settlement would be in the better interest of the workman. I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon between the parties under a writen settlement ORCIER.—
- (i) The employee workman shall forego all claims to back wages.
- (ii) That the management will provide an opportunity to the workman to work in the Bank in the same capacity as he was before the termination of services. The Bank shall for giving the workman an opportunity for his permanent absorption in the Bank, interview the employee and the appointment would be subject to his selection.
- (iii) That the workman will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the incrview taken for the purpose. Their character, credential and antecedents shall be verified as required for the Bank services and the absorption

shall be subject to the reports in this regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employment in the same capacity as have completed more than 90 days temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons torego their claim for back wages during the period they have remained unemployed.

This closes the present dispute, There shall be no order as to costs,

K. K. DUBE, Presiding Officer.
[No. L. 12012|272[82-D-II]

का. पा. 2421- प्रोद्योगिक विश्वाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) के, धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आंक इंडिया के प्रबंधनंत्र में सम्बद्ध नियोजका और उनके कर्मकारों के बीच. अनुबंध में निर्दिष्ट औधागिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारण, जबलपुर के पचट का प्रकाणित करना है, जो केन्द्र य गरकार को 9-5-85 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 2421.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1985.

BEFORE JUSTICE SHRI K. K. DUBE (RETD.), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERN-MENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT, JABALPUR (MP.)

Case No. CGIT|LC(R)(11)|1984

## PARTIES:

Employers in relation to the management of State Bank of India and their workman Shri R. K. Tiwari, Messenger, Ramjhi Branch, Jabalpur (M.P.).

## APPEARANCES:

For Workman

Shri D. P. Tiwari and Shri S D Phadke.

For Bank

Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY: Bank DISTRICT: Jabalpur (M.P.).

## **AWARD**

Dated: April 25, 1985

The Central Government in exercise of its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute for adjudication vide Notification No. 1-12012,242183-D. II(A), dated 6th February, 1984.

"Whether the action of the management of State Bank of India, Regional Office, Jabalpur in relation to their Ramjhi Branch, Jabalpur in terminating the services of Shri R. K. Tiwari, Messenger with effect from 9-6-1979 and not considering him also for further employment while engaging a fresh hand after termination of his services was justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?".

2. The workman was temporarily employed in the State Bank of India. They had put in services in the Bank from time to time but have not been regularised nor made permanent. Hence the above dispute. During the pendency of the dispute the parties have come to amicable settlement which is filed before n.e. The Agreement is fair and just and I am of the opion that the terms of the settlement would be in the better increst of the workman. I, therefore, give this award the terms of which have been agreed upon between the parties under a settlement.

#### ORDER:

- (i) The employee workman shall forego all claims to back wages.
- (ii) That the management will provide an opportunity to the workman to work in the Bank in the same capacity as he was before the termination of services. The Bank shall for giving the workman an opportunity for his permanent absorption in the Bank, interview the employee and the appointment would be subject to their selection.
- (iii) That the workman will be considered for permanent absorption in the Bank subject to their being found physically fit and having stood the test in the interview taken for the purpose. Their character credentials and antecedents shall be verified as required for the Bank services and the absorption shall be subject to the reports in this regard. The Bank also agrees to give a chance to those temporary employees for absorption in the employment in the same capacity as have completed more than 90 days temporary services as a special gesture of goodwill provided such persons forego their claim for back wages during the period they have remained unemployed.

This closes the present dispute. There shall be no order as to costs.

K. K. DUBE, Presiding Officer [No. L-12012]242[83-D. H(A)] N. K. VERMA, Desk Officer

वर्ष विल्ली 30 मई 1985

आदेश

का था १12४-- केन्द्र य सरकार क राय है कि इसने उपाबढ़ श्रमुख में विनिदिष्ट विषयों के बारे में भारत य ज वन व मा निगम से सम्बद्ध नियोजको श्रीर उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीतोनिक विवाद विद्यमान है;

- 2 और विवाद का स्वरूप ऐसा है कि जिसमें एक से प्रधिक राज्य में स्थित भारताय जीवन बासा निगम के प्रतिष्ठातों का द्वित सन्तिहित होने या उसके प्रभावित होने की संभावना है:
- 3. और केन्द्रय सरकार क यह राय है वि उक्त विवाद में शास्त्रेय ग्रीद्योगिक पश्चिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन किया जाना चाहिए
  - 4 अत अब केन्द्रंय सरकार---
  - (i) श्रीधोगिक विवाद प्रधिनियम 1917 (1917 का 11) क धारा 7-ख द्वारा प्रदत्त पस्तियां का प्रयोग जरने हुए राष्ट्रय प्रौद्याधिक गोधिकरण गोधित करता है, जिसका संख्यालय वस्बई संहाता और श्राधार का कुलपुने को इस भी पाडासन प्रधिकार निगवत राजा है प्रार

(i) उक्त श्रधितिसम क धारा । क उपधारा (1-क) द्वारा प्रदत्त गक्तियो का प्रयोग करते हुए, उक्त औद्योगिक विवाद को उक्त राष्ट्रस औद्योगिक श्रधिकरण को त्यासनिर्णंसन के लिए निर्देशित करते हैं,

जनम प्रधिकरण उन्न प्रधिनियम के धारा 10 क उपधारा (2-क) के प्रनसार उन्न विवाद में श्रपना प्रचाट छह माह क प्रविधि के भ्रम्दर देगा।

#### ग्रन सूच

"भारतंय जवन बामा निगम के सदल' श्रस्थायः तथा भंशकालिक कर्मकारो का मजदूर भौर श्रन्य सेवा शर्ते नथा उन्हे नियमिन संवर्ग मे खपाने का शर्ते क्या होना चाहिए?"

> [जैंड- 17011/2/83-ड -4 (ए)] एन के वर्मा, डैस्क अधिकारी

# New Delhi, the 20th May, 1985 ORDER

- S.O. 2422.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and the workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;
- 2. And whereas, the dispute is of such a nature that establishments of Life Insurance Corporation situated in more than one State are likely to be interested in or effected by such dispute;
- 3. And whereas the Central Govednment is of the opinion that the said dispute should be adjudicated by a National industrial Tribunal;
  - 4. Now, therefore, the Central Government:—
    - (i) in exercise of the powers conferred by section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), hereby constitutes a National Industrial Tribunal with headquarters at Bombay and appoints Shri R.D. Tulpule as its presiding officer; and
    - (ii) in exercise of the powers conferred by subsection (1A) of section 10 of the said Act, hereby refers the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication;

The said Tribunal shall submit its award in the said dispute within a period of six months in accorddance with sub-section (12A) of section 10 of the said Act.

## SCHEDULE

"What should be the wages and other conditions of service of badli, temporary and parttime workmen of the Life Insurance Corporation of India as wel las the conditions of their absorption into regular cadre?"

[Z-17011|2|83|D-IV(A)]

N. K. VERMA, Desk Offictr

## नई विल्ली, 18 मई, 1985

का आ 34%— ठेका श्रम (विनियमन और उस्सादन) अधि-निग्रम, 1970 (1970 का 37) की घारा 28 की उपधारा (1) द्वारा प्रवल यक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत नरकार के श्रम मंज्ञालय भी अधिस्थना सक्या का. आ. 2303, दिनांक 11 जून, 1982 का 211 GI/85—19 अधिकसण करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित अनुसूची के कालम (2) में उल्लिखिन अधिकारियों को निरीक्षक नियुवन करती है जो उक्त अधिनियस बारा या इस के अधीन निरीक्षकों को प्रदत्त शक्तियों का उक्त अनुसूची के कालम (3) में तस्स्थानी प्रविध्यों में यथानिविष्ट उनके संबधित क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाओं के भीतर प्रयोग करेगे ---

अनुसूची	
कर्मांक अधिकारी	अधिकार-क्षेत्र  ३
 1. मुख्य श्रम आयुक्त (लेन्द्रीय) नई दिल्ली	 संपूर्णभारम
2. सम्बन्ध भृत्य श्रम आगुक्त (केन्द्रीय), नर्ह दि	
<ol> <li>उप मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिल्ली औ धनवाद।</li> </ol>	मपूर्ण भारत
<ol> <li>मुख्यश्रम आयुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय नः विल्ली में प्रादेशिक श्रम आयक्त (केन्द्रीय) न विल्ली</li> </ol>	
<ul> <li>मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय नर्ड बिर्ल्ला मे मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)</li> </ul>	सपूर्णभारत
6. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) का कार्यातय, न दिल्ली मे मभी महायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय और मभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)	)
<ol> <li>प्रादेशिकः श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), अस्मई औ वस्वर्ड क्षेत्र मे सभी सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय और सभी श्रम प्रवर्णन अधिकारी (केन्द्रीय)</li> </ol>	
<ul> <li>प्रादेशिक अस आयुक्स (केन्द्रीय), कलकत्ता औ कलकत्ता क्षेत्र में सभी महायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) और मभी श्रम प्रवर्णन अधिकार (केन्द्रीय)</li> </ul>	त्र (वर्धमान, बकुरा,
9. प्रादेशिक श्रम आमुक्त (केन्द्रीय), सोहार्टा श्र गोहार्टी क्षेत्र मे सर्भ महायक्ष श्रम आयुक्त (केर्द्र प्र तथा मभी श्रम प्रवर्तन अधिकार्र (केन्द्रीय)	

10. प्रावेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रोय), मद्राम और मद्राम क्षेत्र में सभी सहायक श्रमआयुक्त (केन्द्रीय) और सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)

तमिलनाडु और केरल राज्य सथा संध राज्य सेन पौडियेरी और लक्षद्वीप

रम

<del>____</del>

- 11 प्रादेणिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), अञ्चलपुर और मध्य प्रदेश राज्य अवलपुर क्षेत्र में सभी सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय) और सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)
- ে प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), कामपुर और उसर वा**नपुर होत्र में सभी सहायक श्रम आयुक्त राज्य औ**र सध (केंग्ब्रोय), और सभी स्त्रम प्रवर्तन अधिकारी राज्य क्षेत्र विनयी
- 13 प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रं म), चंग्रीयद और हिमाचल चंडीगढ़ क्षेत्र में सभी सहायक श्रम आयुक्त हरियाणा, पजाब (केन्द्रीय) तथा सभी प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) अभ्य और कप्रमीर राज्य नथा सघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ
- 14. प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), धनबाद और बिहार राज्य धनबाद क्षेत्र में सभी सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय) और सभी प्रवर्तन अधिकारी (कोन्द्रीय)
- प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), हैदराबाद और औध प्रदेश राज्य हैदराबाद क्षेत्र में सभी सहायक श्रम आयुक्त (केम्ब्रीय), और संभी श्रम प्रवर्कत अधिकारी (केन्द्रीय) त
- 16 प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), अंजमेर और राजस्थान और अजमेर क्षेप्त में सभी महायक अम आयक्त (केन्द्रीय) गुजरात राज्य सौर सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केम्द्रीय)
- 17 प्रादेशिक श्रम आसुक्त (केन्द्रीय), जासनसोल और । आसनसोल क्षेत्र में मर्मा महायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) और सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (योन्द्राय)

पिंधम बंगाल राज्य के वर्ध मान वे.रभ्भ, बकुरा और प्रसंतिया के सिविल जिले

- प्रादेशिक श्रम आय्वत (केन्द्रं य) भ्यनेण्वर और उर्धा सक्य भुवनेक्वर क्षेत्र में सभी महायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) और सभी श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय)
- 19 प्रादेणिक श्रम आसम्त (केन्द्रीय), बंगलौर ओर कर्नाटक राज्य बंगलीर क्षेत्र में सभी सहायक अम आयु<del>क्</del>त (केन्द्रीय) और मर्भा श्रम प्रवर्तन अधिनारी (योस्द्रीयाः

[एस-16025/26/84-गल डब्ल्यू ][]]

# New Delhi, the 18th May, 1985

S. O. 2423.—In exercise of the powers conferred by sub-section, (1) of section 28 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 2303 dated 11th June, 1982, the Contral Government hereby appoints the officers mentioned in colun (2) of the Schedule below, to be Inspectors who shall exercise the powers conferred on Inspectors by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdictions as specified in the corresponding entries in column (3) of the said schedule :

### SCHEDUI E

Sl. Officers Jurisdiction No.

- 1. Chief Labour Commissioner. Whole of India (Central), New Delhi.
- 7. Joint Chief Labour Commissioner Whole of India (Central), New Dalhi.
- 3. Deputy Chief Labour Commis- Whole of India STOTIONS (Central), Now Delhi and Dhanbad.
- 4. Regional Labour Commissioners Whole of India (Central), Now Delhi 11 the Office of the Chief Labour Commissioner (Contral). New Dolhi.
- 5. Welfare Adviser to Chief Labour Commissioner (Contral), Office of the Chief Labour Commissioner (Central) Now Delhi,

6. All Assistant Labour Whole of India

- Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Central) in the Office of Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.
- 7. Regional Labour Commissioner The State of Maharashira (Central), Bombay and all Assistant Libour Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Central) in Bombay region).
- 8. Regional Labour Commissioner The States of West (Central), Calcutta and all Assistant Labour Commissioners (Contral) and Labour Enforcement Officers (Central) in the Calcutta regio i.
- 9. Regional Labout Commissioner (Central), Gauhati and all Assistant Labour Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Central) in the Gauhati region.
- 10 Regional Labour Commissioner (Contral), Madras and all Assistant Labour Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Central) in Madras regi n.
- 11. Regional Labour Commissioner (Central, ) Jabalpur, and all Assistant Labour Commissioners (Contral) and Labour Enforcement Officers (Central) in the Jabalpur region.

and Union Territories of Goa Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli.

Whole of India

- Bongal (excluding the Civil Districts of Burdwan, Bankura. Birbhum and Purulia), Sikkim and the Union Territories of Andaman and Nicobar Islands.
- The States of Assam, Nagaland, Meghalaya, Tripura, Manipur and the Union Territories of Arunachal Pradesh and Mizoram.
- The States of Tamilnadu. Kerala and Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep.

The State of Madhya Pradesh.

12. Regional Labour Commissioner
(Central), Kanpur and all
Assistant Labour Commissioners
(Central) and Labour Enforce-
ment Officers (Central) in the
Kanpur region

- 13. Regional Labour Commissioner (Central), Chandigarh and all Assistant Labour Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Contral) in the Chandigach region
- 14. Regional Labour Commissioner The State of Bihar. (Central), Dhanbad and all Assistant Labour Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Central) in the Dhanbad region
- 15 Region il Labour Commissioner (Central), Hyderahad and all Assistant Labour Commissioners (Contral) and Labour Enforcement Officers (Central) in the Hydorabad region.
- 16. Regional Labour Commissioner (Central), Ajmer and all Assistant Labour Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Central) in Ajmer 169100
- 17 Regional Labour Commissioner (Central), Asansol and all Assistant Labour Commissioners (Central) and Labour Enforcement Officers (Central) in the Asansol region.
- 18. Regional Labour Commissioner The State of Orissa (Central), Bhubaneshwar and all Assistant Labour Commissioners (Contral) and Labour Enforcement Officers (Contral) in Bhubaneshwar, region
- 19 Regional Labour Commissioner The State of Karnataka, (Central), Bangaloro and all Assistant Labour Commissioners (Central) and Labour Enforcemont Officers (Central) in Bangalore region.

[No. S-16025/26/84-LW (iii)]

का अर्थाः --- डेका श्रम (विनिधमन और उत्पादन) अधिनिधम, 1970 (1970 का 37) की द्वारा 2 द्वारा द्वारा प्रवस मिक्नियांका प्रयोग घरने हुए और भारत सरकार के अस मंत्राणय की अधिसूचना संख्या का. आ 2301, तार^{ने}ख 11 जून, 1983 का अधिक्रमण करत हुए, बर्च्य सरकार निम्नलिकित अनुसूर्धा के कॉलम (1) में उल्लिखित अधिकारिया को संस्कार के अजाबित अधिकारी होते ने कारण नाइतेस अधिकारी क रूप में निधुरन करती है की उक्त अधिनियम द्वारा या उसके जर्धान लाइसेंस अधिकारिया की प्रदत्त शक्तियो का उक्त असुमूर्य के कांत्रम (💷) में पथार्थिनिधिन्द अधिकार क्षेत्रों में प्रयोग करेंगे।

The State of Uttar Pradesh and the Union ferritory of Delhi.

The States of Himachal Pradesh, Haryana, Punjab, Jammu and Kashmir and Union Territory of Chandigarl.

The State of Andhia Pradesh.

The States of Rajastham and Gujarat.

The Civil Districts of Burdwan, Birblium Bankura and Purulia in the State of West Bengal.

अनु <b>सूच</b> े				
अधिकारी	अधिकार क्षे <mark>म्र</mark>			
(1)	(2)	<del></del> ,		
मभी सहायक श्रम आयृक्त (केन्द्रीय)	 मस्पूर्णं भारत			
— · · ·				

[संस्था एस .- 16025/26/84-एल . इंस्ल्यू-(ii)]

S. O 2421,- In exercise of the powers conferred by section II of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act 1970 (37 of 1970) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O 2301 dated 11th June 1982, the Central Governme hereby appoints the Officers mentioned in column (1) of the schedule below, being Gazetted Officers of the Government to be licencing officers who shall exercise the powers conferred on licencing officers by or under the said Act, having jurisdiction specified in column (2) of the suid Schedule;

### SCHEDULE

Juradiction	
(2)	
Whole of India	

[No. S-16025/26/84-LW-(ii)]

का. आ. 2425: -- ठेका श्रम (विभिन्नमन और उत्पादम) अधिनियम, 1970 (1970 का 37) की धारा ७ द्वारा प्रयन्त शक्तिकारी का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिमुचना संख्या का अप १२०० दिनांक 11 जन, 1942 जा अधिकाण्या करते हुए, केर्न्द्रीय संरक्षार निस्तिलिखन अनुसूची के कॉलम (।) में जिल्लान्यतः अधिकारियों को, मरकार के राजपन्नित अधिकारी होने के कारण र्राजस्त्रेकर्ता अधिकारी नियुक्त करती है, जो उपन अधिनियम द्वारा या इसके अर्धीन रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारियों को प्रवन भक्तियों का उसत अनुमुक्ति के कॉलम (२) में ययानिधिस्ट अधिकार क्षेत्रों में प्रयोग अहरेगे।

### अनसूधी

अधिकारी	अधिकार क्षेत्र	
(1)	(2)	
सभी महायक ध्रम आयुक्त (केन्द्रीय)	मध्यूर्ण भारत	

[म एम-16045/26/81-एस. रब्ब्यू. (i)]

ए व अवास्तव, महानिदेशक (श्रम वल्याण)/संवक्त सचिव

S.O 2425 :- In exercise of the powers conferred by section 6 of the Contract Labour (Regulation and Abolition Act 1970 (37 of 1970) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S. O. 2300 dated 11th June 1982, the Central Government hereby appoints the officer, mentioned in column (1) of the Schedule below, being Gazetted Officers of the Government, to be the registering efficers who shall exercise the powers conferred on registering officers by or under the and Act, having jurisdiction as specified in column (2) of the said schedule.

	SCHEDULE
Officers	Jurisdiction
(1)	(2)
All Assistant Labour (Central).	Commissioners Whole of India.

[No. S+16025/26/84-LW(1)]

A. K. SRIVASTAVA, Director General (Labour Welfare)/Jt. Secy

## नई दिल्ली: 18 मई, 1985

का. मा. 2426: — मैससं वि महाराष्ट्र राज्य महक परिवहन निगम, महाराष्ट्र वाहातुक भवन, डाक्टर प्रानन्दराथ नायर मार्ग वम्बई-8 (एम-एच/1255) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् उक्त स्थापन कहा गया है) ते कर्मचारी भविष्य निधि मीर प्रकार्ण उपबध प्रक्षिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें असके परचात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की छारा 17 की उपधारा (2ख) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के नियमित कमेंचारी, किसी पृथक श्रीमदाय या प्रीमियम का सदाय किए जिसा ही, महाशण्ट्र सड़क परिवहन निगम श्रीतिरवत उपवान एवं कमेंचारी जमा स बद्ध बीमा निधि स्कीस, 1976 के श्रधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं श्रीर ऐसे कमेंचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से श्रीश्रक श्रमुकृष है जो कमेंचारियों ने लिए ये फायदे उन फायदों से श्रीश्रक श्रमुकृष है जो कमेंचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976, (जिसे इसके पश्चात् उत्तर स्कीम कहा गया है) के श्रधीन उन्हें श्रमुक्रोय है.

ग्रम: केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (-2च) द्वामा प्रदत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारियों को तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवधी के प्रवर्तन में छूट वेती है।

## प्रनु**सूची**

- 1. उक्त स्थापन के सबध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि भ्रायुक्त, महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भंजेगा भीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निजीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियाजक, ऐसे निरीक्षणो प्रभारों का प्रस्थेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त मधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) (3क) के खंड क के मधीन समय-समय पर निर्दिण्ड करे।
- 3. महाराप्ट्र राज्य सङ्क परिवहन निगम घतिरिक्त उपदान एव कर्मचारी जमा सम्बद्ध कीमा निष्ठि स्कीम, 1976 के प्रशासन मे. जिसके घंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम को सदाय, लेखाओं का धन्तरण, निरीक्षण, प्रशारों संदाय घादि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजन द्वारा किया जाएगा।
- 4. नियोजक, महाराष्ट्र राज्य सङ्ग्रक परिवहन निगम प्रतिरिक्त उप-दान एव कर्भचारी जमा सम्बद्ध बीमा निधि स्कीम, 1976 के नियमों की एक प्रति ग्रीर अब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन

- की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसस्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, संस्थान के सुचना पट्ट पर प्रदिशित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मधारी, जो कर्मधारी भविष्य निधि का या उक्त भिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही संबस्य है, उसके स्थापन म नियाजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप मे उसका नाम तुरुस वर्ज करेगा और उसकी वावत भावण्यक प्रीमियम महागादू राज्य सड़क परिवहन निगम श्रीनियक उपदान एवं कर्मचारी जमा गम्बद्ध बीमा निधि स्कीम, 1976 को संदत्त करेगा।
- 6. यदि उनत स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जात है, तो नियोजक महाराष्ट्र राज्य मड़क परिवहन निगम प्रतिरिन्त उपदान एवं कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा निधि स्कीम, 1976 के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में मन्चित क्ष्म से वृद्धि की जान की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए महाराष्ट्र राज्य सङ्क परिवहन प्रतिरिक्त उपदान एवं कर्मचारी जमा सम्बद्ध बीमा निधि स्कीम, 1976 के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से प्रधिक श्रनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के श्रधीन श्रनुजेय हैं।
- 7. महाराष्ट्र राज्य सरक परिवहृत निगम ग्रतिरिक्त उपधान एवं कर्मजारी जमा सम्बद्ध बीमा निधि स्कीम, 1976 में किसी बात के होते तुए भी यदि किमी कर्मजारी की मृत्यु पर इस स्कीम के भ्रम्नीन संदेय रक्षम उस रकम में कम है तो कर्मजारी को उस दशा में सदेय होती, जब बह उक्त स्कीम के ग्रधीन होता तो नियोजक बर्मचारी के विविध बारिस नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दानों रक्षमों के बराबर रक्षम का सदाय करेगा।
- 8 महाराष्ट्र राज्य सङ्कं परिवहन निगम प्रतिरिक्त उपदान एव कर्मवारी जमा सम्बद्ध बीमा निश्चि स्कीम, 1976 के उपबंधों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निश्चि धायुक्त महाराष्ट्र के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा भौर वहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निश्चि स्रायुक्त धपना धनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को भपना दृष्टिकांण स्राब्ट क्रिंगे को युक्तिस्वृत्त अवसर देशा।
- 9. यदि किसी कारणवश स्थापन के धर्मचारी, महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम, धितरिक्त उपदान एवं कर्मचारी जमा सम्बद्ध बीमा निश्चि, स्कीम, 1976 के, जिसे स्थापन पहले ध्रपन, चुका है, ध्रधीन निश्ची रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियो को प्राप्त होने बाले फायवे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती हैं।
- 10. यदि किसी कारणवर्गा नियोजक महाराष्ट्र राज्य सङ्क परिवहत्त निगम म्रतिरिक्त उपवान एय कर्मवारी जमा सम्बद्ध बीमा निधि स्कीम, 1976, इसका भंगदान करने में ग्रमफल रहना है मौर स्कीम को व्ययगन हो जाने विया जाता है तो छुट रह की जो सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा भंगावान के मंदाय में किए गए किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वेशितियों या विधिक वारिसों को जा यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के श्रन्तर्गत होने बीमा फायदों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के सबंध में नियोजक, इस स्कीम के प्रधीन प्राने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्वेशितियों/ विधिक बारिसों को बीम। इत रकम का सदाय तत्परना से और प्रत्येक दशा में महाराष्ट्र राज्य सहक परिवहन निगम प्रतिस्कित उपदान एवं कर्मचारी जमा सम्बद्ध बीमा निधि स्कीम, 1976 से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के कि माह के भीत मूनियनत करेगा।

[में ख्या गुम-35014/85/81-पी एफ- 2 (एम एस-4)]

### New Delhi, the 18th May, 1985

S.O. 2426.—Whereas Messrs The Maharashtra State Road Transport Corporation, Maharashtra Vahatuk Bhavan, Dr. Anandrao Nair Marg, Bombay-8 (MH]1255) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2B) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act),

And whereas, the Central Government is satisfied that the regular employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees Deposit Linked Insurance Fund Scheme, 1976 in the nature of Life Insurance which are more favourable under the Employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2B) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees? Deposit Linked Instrance Fund Scheme, 1976 including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gramity-cum-Employees' Deposit I inked Insurance Fund Scheme, 1976, and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employee.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Maharashtra State Road Hansport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees' Deposit Linked Insurance Fund Scheme, 1976 and pay necessary premium in respect of him.
- 6. The employer shall a range to enhance the benefits available to the employees under the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-funployees' Deposit Linked Insurance Fund Scheme, 1976 appropriately, if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced, so that the benefits available under the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees' Deposit Linked Insurance Fund Scheme, 1976 are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Fmployees' Deposit Linked Insurance Fund Scheme 1976 if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirlnominee of the employee as compensation.

- 8. No amendment of the provisions of the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees' Deposit Linked Insurance Fund Scheme, 1976, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- bushment do not remain covered under the Mahasrashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees' Deposit Linked Insurance Fund Scheme, 1976, as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay its contribution to the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 and the scheme is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of contribution and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal beits of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Maharashtra State Road Transport Corporation Additional Gratuity-cum-Employees' Deposit Linked Insurance Fund Scheme, 1976, the emeloyer shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of the claim complete in all respects."

INo. S-35014|85|81-PF-II(SS IV)]

का. आ. 3427—भैसर्म कोप हैल्थ प्रोडक्टस प्राइवेट लिसिटेड, डी-31/1, इंडिस्ट्रियल एरिया, मेरठ रोड, गाजियाबाद (यू.पी./6904) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उनत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीसियम का संदाए किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कॉम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में प्रधिक अनुकृत है, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन उन्हें घनुकोय है;

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रक्षिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवत्न लिक्तमों का प्रयोग करते हुए भीर इससे उपावदा भनुसूची में विनिधिष्ट शर्तों के ग्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को सीत वर्ष की भ्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देतीं हैं।

## अन्स्यो

3. जनन स्थापन के सक्षध में निर्योजन प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, उत्तर प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेंगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्निदस्ट करें। 2 नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारा का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 विन पं भीतर संदाय करेगा जो नंद्रीय सरकार, उतत अधि नियम की धारा 17 की उपधारा (अक) के खड़ (क) क अधीन समय समग्र पर निष्टित करें।

सामृहित बीमा स्फीम क प्रणासन म जिनक ध्रतगैत तेखाआ का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का सवाय, लेखाओं का अनरण निरीधण प्रभारा सदाय धारि मी है, होने बाले सम व्ययों का वहन नियाजन द्वारा क्या जाएगा।

- 4 नियाजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमादित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति और जब बनी उनमें सशाधन किया जाए, नख तक उस मणाधन की प्रति तथा वर्मचारिया की बहुमंद्र्या की भाषा में उसकी मुख्य बानो का अनुवाद सस्थान के सूचना पट्ट पर प्रदर्णित करेगा।
- उथित काई एसा कमकारा जा कर्मचारा मिलप्य निधि या उक्त अश्वितियम के अश्वाम छट प्राप्त किसी स्थापन की अश्विष्य निधि का पहले सदस्य है, उसके स्थापन म नियोजित किया जाता है, तो निया-जक, सामृहिक श्रीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुग्त वर्ष करेगा श्वीर उसकी बाबत श्रावश्यक श्रीमियम भाग्नीय जीवन बीमा नियम को सदल्य करेगा।
- 6 यदि उक्त रक्षीम ने अधीन वर्मचारिया का उपलब्ध कायद बहाये जाते है ता नियोजक सामृष्टिक बीमा स्त्रीम के अधीन वर्मचारियां को उपलब्ध फायदा में समुचित रूप से वृद्धि ना जाने की व्यवस्थ करा जिससे कि कर्मचारिया के लिए सामृहित बामा क्षीण के अधान उपलब्ध कायदे उन कायदा में अधिक तनुकून हा जा उक्त स्कीम के अधान अनुक्षेत्र है।
- 7 सामूहिक बीमा स्कीम मं किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी फर्मचारी की मृत्यू पर इस स्कीम के अक्षीन सदेय रकम उस रकम स कम है ता कर्मचारी को उस दणा में मदेय हाती, जब यह उक्त रकीम के अक्षीन हाना ता नियोजन कर्मचारी के विधिन वारिस/नाम निर्देशिती की प्रतिकर के रूप मं बाना रनमों ने अन्तर के अर्थवर रकम वा सवाय करेगा।
- 8 सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधी में काई भी संशोधन प्रादेशिक भिष्ठिय निधि प्रायुक्त उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा यीन जहां विसो संशोधन में कर्मचारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़न की सभावना हा, बहा प्रादेशिक भिवाय निधि प्रायुक्त प्रपता चनुमोदन देन में पूर्व कमचारिया को अपना दृष्टिकाण स्वप्ट करन को युक्तियुक्त प्रवस्त देगा।
- 9 यदि किसी नारणबण, स्यापन वं कर्मचारी, भारतीय कीथन बीमा निगम का उस सामूहिय बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले थपना चुका है, क्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के क्रधीन नर्मचाल्या का प्राप्त होंने बाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, ता यह रहे की जा सकती हैं।
- 10 यदि किसी भारणवण नियाज्य उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन वीमा निगम नियत करे, प्रामियम का संदाय करन म झसफल रहता है, भीर पालिमी का व्यगत हा जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकनी है।
- 11 नियाजक द्वारा प्रीमियम ने सवाय में निष्ण गए किसी व्यक्तिक की दला में उन मृत सबस्या के नाम निर्दाणिनिया या विश्विक वारिसा का जा यदि यह छट न दी गई होता ता उक्त स्कीम के श्रीतंगत होते वीभा कायवों के सवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।
- 12 उक्त स्थापन के संदंध में नियाजक, इस स्कीम के ध्रयान भान बाने किसी सप्तस्य की मृथ होन पर उसने हरूदार नाम निर्देशितिया विधित बारिसा का शीमाकृत रकम का सदाय तत्यरता से भौर प्रत्येन

दशा मं भारतीय जोवन बीमा निगम स बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माष्ट्र के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[मस्या एस-35014/114/85-एसएस-4]

S O 2427—Whereas Messis Crop Health Products Private Limited, D-31/1, Industrial Area, Meetit Road Chaziabad, (UP)6904) (hereinatter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act),

And Whereas the Central Government 19 satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1972 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the gowers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years

#### SCHEDULE

- I The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to be Rigional Provident Fund Commissioner. Uttar Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time
- 2 The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer
- 4 The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a ropy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, dongwith a translation of the sahent features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5 Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the sail Act is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and ray necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India
- 6 The employer shall arringe to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme
- 7 Notwithstanding anything ontained in the Croup Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been—covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirlnominee of the employee as compensation
- 8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Uttal Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner

shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain then point of view.

- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the 1.452 Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption is Table to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of as surance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S-35014/114/85-SS-IV]

का. द्या. 2428 — मैसर्ग प्रोग्नेशिय इंन्यट्र्मेंट एंड मशीन ट्रून्स. 12/4, जी.टी . रोड, साहियाबाद. (यूपी /5451) (जिसे इससे इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि खीर प्रकीण उपबंध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) ने अधीन छूट दिए जाने के लिए श्रावेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी रूथक श्रामिश्रय या श्रीमियंस का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामृष्टिक बीमा स्कीम के ग्राधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उटा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायवों से श्रधिक अनुकृष हैं, जो कर्मचारी निकीप सहबद्ध बीमा स्वीम, 1976 (जिसे इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें भन्कोय ने

भ्रत केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) इसरा प्रदक्त मिलनयों का प्रयोग करने हुए और इसमे उपाबद्ध भ्रत्भुची में विनिर्दिष्ट भर्तों के प्रधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की भ्रविध के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवंतन मे छूट वेती है।

## श्रनुसूची

- 1 उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक प्रिविष्य निधि प्रायुक्त, प्रमुख्य पदेण को ऐसी विवर्षणिया भेजेगा धीर ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, सुसय-समय पर निविष्ट करें।
- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक सास की समाध्यि के 15 विन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त भाष्टि- नियम की धारा 17 की उपसारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निविष्ट करें।
- तः सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणासन में, जिसके ग्रन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का मंतरण, निरीक्षण प्रभारों संवाय ग्रादि भी हैं, होने बाले सभी ख्ययों का बहुन नियोजन हारा किया जाएगा।

- 4. नियोजक, संख्याय सरकार द्वारा अनुमीदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति प्रार जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस गंशाधन की प्रति तथा कर्मवारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का धतुबाद, संस्थान के सूचना पढ़ट पर प्रदक्षित करता ।
- 5 यदि काई ऐसा कर्मवारी, जो कर्मचारी मीरण निधि का या उक्त प्रक्षितियम के प्रधीन छूट प्राप्त कियी स्थापन की भिक्षिय निधि का पहले ही सबस्य है. उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, ता नियोजिक, सामूष्टिक बीमा स्कीम के सबस्य के का में उनका नाम तुरन्त बर्ज करना आर उसकी बावन प्रावण्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम की संदन्न करेगा।
- 6. यदि उत्त स्कीम के अधीन कर्मबारियों को उपनन्त्र कायदे बढाये जाने हैं नो नियोजक माम्हिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-चारियों को उपलब्ध कायदा में सम्चित कर से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मधारियों के निष् माम्हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध कायदे उन कायया में अधिक अनुकूष हो जा उक्ष स्वीम के अधीन अनुकेय है।
- 7. नामृद्धिक बीमा स्कीम में िक से बा क हा हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्तम छन रक्तम से कम है ता कर्मचारी की उस दमा में नदिस हाता, जब बह उक्त स्कीम के अधीन होता तो निरोजक कर्मचारी के जिथि ह बारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के क्या में दोनों रक्तमों के अन्तर के बर बर रक्तम का संदाय करेगा।
- 8. साभूहिक बीमा स्कीम के उपबंधां में कोई भी संकोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, उत्तर पदेग के पूर्व भन्नोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संगोधन के कर्मवारियों के हिन पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहा प्रादिग्त भावेष्य निधि प्रायुक्त प्रपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मवारियों को ध्रपना वृष्टिकीण स्पष्ट करने को युक्तिपृक्त प्रवनर देगा ।
- 9. यदि किसी कारगवग, स्थापन के कर्मवारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले घपना चुका है, धाधीन नहीं रह जाते है, या इस स्कीम के धाधीन कर्मवारियो को प्राप्त होने वाले फायवे किसी रीति से कम हो जाने हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किस कारणवश, नियाजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन करें, प्रीमियम का संदाय करने में अमकल रहता है, ग्रीर पालिसी को व्ययगन हो जाने दिया जाता है तो छुट रदद की जा सकती है।
- 11. नियोजक हारा प्रीमियम के संवाय मे किए गए किसी व्यक्तिकम की विशा में उन मृत सदस्या के नाम निर्देणितियों या विविध वारिमों को जो यवि यह छूट न दी गई होती तो उत्तर म्कीम के प्रंतर्गत होने वीमा फायदों के संवाय का उत्तरवायित्य नियोजक पर होगा।
- 12. उक्न स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीस के अंधीन आने वाले किसी सबस्य की मृत्य होने पर उसके हकवार नाम निर्देशितियों/ विधिक वारिसों को बीमाइन रकम का संशय नत्तरना से श्रीर प्रत्येक दणा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाइन रकम प्राप्त होने के , एक भाह के भीतर सुनिध्वित करेगा।

[संख्या एस-35014/113/85-एस एस-4]

S.O. 2428.—Whereas Messrs Progressive Instruments and Machine Tools, 12|4 G. F. Road, Sambabad, Chazacad (UP) 5451) (hereinafter referred to as Pe said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And Whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution of payment of premium, in enjoy ment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinatter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer is relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner. Uttar Pradesh and maintair such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section 13A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhance? so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee leen covered under the said Scheme, the employee shall ray the difference to the level heirlnomoinee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Instate ance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provoident Fund Commissioner. Uttar Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

- Scheme of the Live Insurance Corporation of India as already adopted by the and establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nonnness or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nomince Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No. S-35014]113[85-SS.IV]

### नई दिल्ली 20 मई, 1985

का आं. 242. — केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गेट दास इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, न० 51, एन एम एम. रोड, अमीनजीकराय, मद्राम—29 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचा-रियो की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य मिधि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किये जाने चाहिए।

असः केन्द्रीय सरकार, जक्त अधिनियम की धारा—। की उपक्षारा—4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[मं॰ एम/35019 (214)/85-एम एम-2]

## New Delhi, the 20th May, 1985

S.O. 2429.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the estoblishment known as Messrs Shet-Dass Fngineers (P) Limited No. 51, N.M.M. Road Aminjikarai, Madras-29 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(214)|85-SS,II]

का. आ. 2430—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं तुफलीन (इंडिया) लिमिटेड, 147 कारापकाम विलेश, मद्राम-600096, तिमलनाडु, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन को लाग किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारां—1 की उपधारा—4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपकंध उक्त स्थापन की लागृ करनी है।

[सं॰ एस-35019 (186)/85-एसएस-2]

S.O. 2430.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tuffin (India) Limited, 147, Karapakkam Village, Madras-600096, Tamil

Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establisment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment,

[No. S-35019(186)|85-SS.II]

का. आ. 2431- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि नैसर्म मुपर इंजीनियर्स स्मिटिंड, मोटर हाउस, 1238, किची रोड, कीय म्बटूर-641018, तिमलनाडु नामफ स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मजारियों की बहुसंख्या दस बात पर महस्त हो गई है कि कर्मजारि भविष्य निधि और पकीण प्यानंध अधिनियम, 1952 (195: का 19) के ज्यबंध उत्तर स्थापन की लागू किए जाने साहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उत्तन अधिनियम की धारा—1 की उप धारा—4 द्वारा प्रदेश मितयो का प्राोग अस्ते हुए उक्त अधिनियम के उत्तव 'उक्त स्थापन को लाग करती है।

[सं॰ एस-35019(194)/85-एसएस-2]

S.O. 2431.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Super Engineers Limited, Motor House, 1238, Trichy Road, Coimbatoie-541018, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(194)/85-SS-III

का. आ 2432---केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसमें भुषनेश्वरी कारपोरेशन, 84 एम. के एन. रोड, अंतनदूर, मदास-32, भौर 14/15, श्रोलंड ट्रक रोड, मदास स्थित शाखा नदिन नामक स्थापन के सम्बद्ध तियोजक भीर कर्नवारियों की बदुमंडपा इस बान पर महमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952(1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए आने चाहिए।

अनः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रयक्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपश्रंध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

[सं॰ एस-35019(192)/85-एसएस-2]

S.O. 2432.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhuvaneswari Corporation, 84, M. K. N. Road, Alandur, Madras-32 including its factory at 14/15, Old Trunk Road, Madras have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and M scellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35019(192)/85-\$\$-II]

का आ 24.39—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससें कोम नाले (प्रा) लिमिटेड, नं $\circ$  8, पातुलोम रोड, मब्रास-2, तिमिलनाडू 211 GI/85-20

मौर उसकी बाला 1~2-54/7, दोमलगुरा, गागामहल, हैदराबाद-29 सहित नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी धिकप्य निधि भीर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपश्रंध उदन स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अनः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा—1 की उपधारा—4 धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध स्था-पन को लागु करती है।

[सं॰ एस-35019(191)/85-एसएस-2]

S.O. 2433.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Foam Dale (Private) I imited No. 8, Pattollos Road, Madras-2, Tamil Nadu including its Branch Office at No. 1-2-54/7, Domal-Guda. Gagammahal, Hydenabad-29 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(191) /85-SS-II]

का.आ 2-134--- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स ही मानाबालाक्रिची एग्रीकल्बरल सबिस की-आपरेटिव सोसायटी लि , मानाबाक्रिची, पोस्ट, केके, हिस्ट्रिक्ट और उसकी दी शाखार्ये-1, माना-धालाक्रिची हिपो, 2. जिनादिलाई डिगो निहा नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचिन्यों को बहुमंगा हा बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भार प्रकीर्ण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उन्बंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्न अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

[मं॰ एस॰-35019(190)/85 एम॰एस॰-2]

S.O. 2434.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Manavala-Kurichy Agricultural Service Co-operative Society Ltd., Manavala Kurichy Post. K. K. District, Tamil Nadu including its branches at (1) Manavala-Kurichy Deport (2) Chinnavillai Depot. have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(190) /85-SS-II]

का.आ. 2435— केन्द्रीय संस्कार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्स मिवमा प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, 56, केथेड्राल रोड, मदास~600086, तमिलनाडू नामक स्थापन के सस्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी भिष्य निधि भौर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबंध स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय मरनार, उन्त अधिनियम की धारा-1 की उपपारा-4 हारा प्रदश मिनयों का प्रयोग करते हुए ा ि िनयम के उपबंध उका स्थापन को लागु करती है।

[सं । एस-७५०१०( 193) / ३५-ए ४७४- २]

SO. 2435:—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sidma Press Private Limited, 56, Cathedral Road, Madras-60°086, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said estab lishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. \$-35019(188) /85-\$\$-II]

का, आ १४36 -- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सैयर्स स्टील स्ट्रीपस लिमिटेड, एससीओ नें 49-50, सैक्टर 26, मध्या प्रार्ग, पंडीगढ़ और इसकी णाखा नितवल कालन, तहसील मालटकोटला, कस्वा संगरूर (पंजाब) नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंदरा इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रक ण उपबंध अधितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अनः कन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा—1 की उपधारा—4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(187)/85-एसएस+2]

S.O. 2436.—Whereas it appear, to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Steel Strips Limited S.C.O. No. 49-50, Sector-26 Madhya Marg. Chandigarh including its branch at Jitwal Kalan, Teh, Malerkotta, District Sangrur (Punjab) have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(187)/85-SS-In

का.आ. २४ ३७ — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि पैर्न के० रेनका लेखर कान्द्रेस्टर, प्लाटनं 61, नं० ४, पिलायर कोइल, पांचवी स्ट्रीट, एकावृद्यंगल, गुडी, मद्वास—32 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्भचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की घारा—1 की उपधारा—4 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[र्म॰ एम-35019(193)/85- गम्पस-2]

S.O. 2437.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs K. Renuka, Labour Contractor, Plot No. 61, No. 4, Pillayar Koil 5th Street, Ekkaduthangal, Guindy, Madras-32 have agreed that

the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(193) /85-SS-II]

का. आ. १४.18— ने क्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसरं भ्रम्भेलन हैं हिया लिल्ह केन हाएस हुई हाल्ए की जोत स्थीं, बस्बई 400018 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्यवारियों की बहुसंख्या दम बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी अधिप्य निधि और प्रकीण उपवध् अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उपन स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत. योष्ट्रीय गरवार उत्तन अधिनियम की धारी- 2 की उपयास- 4 हारा प्रदक्त मिलनयों का प्रयोग करते हुए उत्तन पश्चितियम के उपयन उस्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एप०-35019(3)/85-एप०एम॰-2]

S.O. 2438.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chamnague India Ltd. Indage House, 82, Dr. Annie Besant Road. Worli, Bombay-400018 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(3)/85-SS-II]

का.आ 2119- केम्द्रीय सरकार को यह जीत होता है कि भैनर्भ आर-एस क्रम्प्यूक्शनस, 160, जीं ए० रोड, मद्रास-600021 त्रिमित्रमाडू नामक स्थापन के संक्रा नि तीज के और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो ाई है कि कर्मचारी भिष्यप्य निधि और प्रकींण उपबध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबध उक्त स्थापन को जाग् किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्षा अधिनित्रम का धारा-- । की उाधारा-- 4 द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्षा अधिनियम को उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एस~35019(310)/85-एसएस-_]

S.O. 2439.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs R. S. Construction, 160, G. A. Road, Madras-600021, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(210)/85-SS-II]

का.आ..2440—केट्वीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म वैणाल एलाइट इंडस्टरी, 17-1-211/1. गैदाबाद हैदराबाद, नामक स्थापन के संबंद नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुलंक्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपवेध अधिनियम, 1953

(1952 का 19) के उपाध उक्ता स्थापन को लागू किये जाने साहिए।

अतः केन्द्रोय सरकार, उपने अधिनियम की धीरा-1 की उपधारा-4 प्रारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रभाग करते हु? उपने अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागु करती है।

S.O. 2440.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vaishal Allied Industries, 17-1-211/1, Saidabad, Hyderabad have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(224)/85-SS-II]

बावधाव. १८४१ — नेन्द्रीय सरकार वे। यह प्रतीत हाता है कि भैसर्य प्रध्ना पैट्रानियम विजेशी 30, ग्लामालची हाई रोड, पेरीसेट, मद्रास—3 लामक रथापन के सक्ष्य नियाजक और कर्मचारियों की बहुगल्या इस बात पर सहस्त हा गई है कि कर्मचारी भिंदाय निश्चि और प्रकींण उपबश्च ध्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उन्त स्वापन को खागू किये जाने चाहिए।

भ्रत केन्द्रीय भरकार उक्त मधिनियम की धारा—1 की उपधारा—1 द्वारा प्रक्रम भारतथों का प्रयाग करते हुए उक्त भिवितियम के उपबंध ्रभत स्थापन वा भागु करती है।

[स॰ एल-35019( 223)/85-एम.एम-2]

S.O. 2441.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Padma Petroleum Agency, 30, Poonamalice High Road, Periamet, Madras-60J003 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(223)/85-SS-II]

कारुआर : (4 %—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म द्वार राजाबननाम हास्पताल, 94, विवेकानन्द रोड, कोम्बेट्रूर—9 नामक स्थापन के संबद्घ नियोजक और कर्मजारियों की बहुसंख्या दूस वात पर सहसत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपयंध स्थिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपयंध उक्त स्थापन का लागृ किये जाने जाहिए।

श्रमः केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा–1 उपधारा–। द्वारा प्रदेस पश्चिमयो का प्रयोग करने हुए उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लाग करनी है।

[中。 [四十35019(216)/85-040年2]

S.O. 2442.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in telation to the establishment known as Messrs Dr. Rajaratnam Hospital 94. Vivekananda Road. Coimbatore-641009 have agreed that the provisions of the Employees Provided Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. 35019(216)/85-SS-II]

कारुआर १४१1 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैलमें पीर डेक्कन को श्राप स्मिनिंग मिल्म एम्प्याइन को श्रान केडिट गोनाइटी लिरु उचलकरंजी जिला काल्हापुर नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की नहुनंक्ष्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिबच्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध स्पष्टिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागु किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की घारा—1 की उपधारा—4 इत्या प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रशितियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[मं॰ एस-35018(5)/85-एसएस**-**2]

S.O. 2443.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Deccan Co-op. Spinning Mills Engloyees Co-op. Credit Society Ltd., Ichalkaranj District, Kolhapur have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-350[8(5)]85-SS-II]

का०आ० 2444 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भी गणेश ट्रांसपोर्ट्र कारपोरेशन 33, बिलाबी राम बिहरी बोम रोड, कलकला—। और शाखाये पांच 1 हैदराबाद, ध्रान्ध्र प्रवेश, 2 भन्छापुरम, ध्रा०प्र 3 जमसेवपुर, बिहार, 4 मद्रास और 5. बम्बई – 50 नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्रचारियों की बहुसंख्या दम बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबध्न ध्राधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबध्न उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भ्रत केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रक्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए भ्रधिनियम के उपबंध उक्त स्था-पन को लागु करती है।

[स एम-35017(55)/85-एम-प्स-2]

S.O. 2444.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messes Sree Ganesh Transport Corporation 33, Biplabi Rash Behari Bose Road, Calcutta-I and its five Bianches at (1) Hyderabad (2) Ichhapuram (A.P.) (3) Jamshedpur, Bihar (4) Madras (5) Bombay have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(55)|85-SS-II]

का ब्या २ १४.५ - केस्ब्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मोर्न्ने टाईवराइटर एजंसी हिल कोर्टे रोड, पोस्ट ग्राफिस सिलीगृडी, डिस्ट. दार्जिलग (बैस्ट बंगाल) भामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मेवा-रियों की बहुसंख्या इस धास पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि और प्रकींण उपबंध प्रधिनियम, 1952(1952 का 19) के उपवध उक्त स्थापना को लागू किए जाने चाहिए

भ्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रश्नितियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भ्रधिनियम के उपबध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

[सं॰ एस-35017(56)/85-ग्सग्स-2]

S.O. 2445.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Modern Typewriter Agency, Hill Cart Road, P.O. Siliguii District Darjeeling (West Bengal) have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the sa'd establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(56)/85-SS-II]

## नई जिल्ली, 21 मई, 1935

का. भा 3446.—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैंसमें डा. प्रग्रवाल आई इंस्टॉक्यूट 13 कैथेब्रावन रोड, मद्रास-86 । सामक स्थापन के संबंद्ध नियोजक भीर कर्मवारियों की बहुमंख्या देंस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ग उपबंध भधिस्थिम, 1952 (1952 का 19) के उरमन्ध्र उस्त स्थापन की तात् किये जाने चाहिए।

भ्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा-1 की उपवारा-4 द्वारा प्रवस्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए भ्रविनियम के उपवंग उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स. एस-35019(215)/85-एस.एस-2]

New Del'n the 21st May, 1985

S.O. 2446.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dr. Agatwal's Eye Institute, 13, Cattedral Koad. Madras-86 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(215)[85-SS 11]

का. था. 24.47.—केन्द्रीय मरकार को यत्र प्रतीत होता है कि मसर्य कामला एजेसीज नं. 1, बालाक्षण्ण स्ट्रीफ़ तोन्द भ्रानी, मद्रास-600081, तमिलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मजारियो की बहु-संख्या इम बात पर महमत हो गई है कि कर्मजारी भ्रविष्य निधि भौर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जोने जाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उरवित्र उक्त स्थापन को लाग करती है।

[सं. एस-35019(195)/85-एम १४-2]

S.O. 2447.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messas Kamala Agen-

cies, No. 1, Balakrishur Street, rondiarpe, Madras-600081, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provindent Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(195)[85-SS-II]

का. आ. १.148.-- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीर होत. है कि मैसमं खैतान लेन्द्रीकल लिप्टिडी, प्लाट नं. 14, सेक्टर 6, फरीदाबाद भीर उसका रिज. कार्नाय 7, कोटिज्य लेन, कनक्ता-29 7 ज स्था-पन के सम्बद्ध नियोजक भार कर्मनारियों को बहुनंख्या इन ज न पर महमन हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निविध और प्रकोर्ण उपवध आधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपन्य उनन स्थापन का लागू किए जाने चाहिए।

प्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त शिक्षेत्रियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए उक्त श्रीर्थानसम के उायस उक्त स्थापन को लागू करती है ।

सि. एस-35019(196)/85-एसएम-2]

S.O. 2448.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Khaitan Electricals Limited Plot No 14. Sector-6 Faridabad including Regd. office at 7 Leytida I and, Calcutta-29 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(196)(E5-SS-II]

का. था. 2449.—केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि गैमर्स राजस्थान स्टेट मीडस कारपोरेशन लिमिटेड स्वरूप विला, ही-6, कबीर मार्ग, आची पार्क, जयपुर भीर उसकी कोटा, सूरतमढ, श्रीगंगातगर, दुर्गापुर, घलवर, ग्रजमेर, मनडोर, गिरोही, भरनपुर, जिलोड़ क तथा उदयपुर में स्थित साखा नामक स्थापन के सम्बद्ध नियाजक श्रोर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहनत हो गई है कि कर्मजारा भविष्य निवि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रीविषम, 1952 (1952 का 19) के उत्वंध रवा स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा-1 की उप-धारा-4 द्वारा प्रदत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए उक्त भिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(197)/85-एसएस-2]

S.O. 2449.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajasthan State Seeds Corporation Limited Swarup village, D.Kabir Marg, Bani Patk, Jaipur including its branche, at kota, saratgarh, Srigangamaear, Durgapera, Alwar, Mandore, Stohi Bharatpur, Chitorgarh and Udappi have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

¡No. S-35019(197)'85 SS III

का० भा० 2450—केन्द्रीय सरकार को यह यह प्रतीत होता है कि भेसस मध्या भैकनिकल वर्षस प्राइवेट लिमिटेड, चारमिनार, सिगरेट फैक्ट्र रोड़, श्रहमदाबाद, हैदराबाद नामक स्थापन के सम्बन्ध नयोजक भीर कर्म- चारियों की बहुसंख्या इस अ.त पर सहमत हो गई है कि कर्नचारी भिवय्य नित्रि और प्रकाण उपबन्ध भौधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदक्त मन्तियो का प्रयोग करते हुए मधिनियम के उपबद्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

सिं **० एस-35019(198)/85-एसएस-2**]

S.O. 2450.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Satya Mechanical Works Private Limited Charminar Cigarett Factory Road, Azamabad, Pyderavad have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 +19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-33019(198)[85 SS II]

का ब्या व 2451—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि नैसर्म गोपुराम एजेंसीज 377, सूंयांनारीयण स्ट्रीई, नीन्टीया, पेट, मद्रास-600081, तिमलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचरियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निक्षि और प्रकीण उपबंध प्रशित्यम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उतन स्थापन को लागू किए जाने जाहिए।

म्रतः नेन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा-1की उपधारा-द्वारा प्रवन्त ?क्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019(199)/85-एसएस-2]

S.O. 2451.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gopuram Agencies, 377, Surva Naravana Street, Tondiarpet, Madras, 600081, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Providents and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(199)|85-SS-11

का० भा० 2452.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दी संबाधूर मिल्क प्रोड्यूसर्स को-आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, टी पी डी-14 मेलपती (पोस्ट) गुवियायम (तालुक), तिमलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध मियोजक और कमचारियों की बहुसंड्या इस बात पर सह्मत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उनन स्थापन को लाग किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रीधिनियमकी धारा-1 की उपधारा-4 गक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रीधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[मं॰ एम-35019(200)/85-एसएम-2]

S.O. 2452.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Chiployees in relation to the establishment known as Messrs The Sendathur Milk Producers Co-operative Society Limited, T.P.D. 14, Mailpatti (Post) Gudiyntham (Taluk) Tami Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(200)]85-SS II]

का० मा० 2453—कोशीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्प राजीन्द्र ट्रेडिंग कम्पनी, नं०8 पातुलांस रोज, मद्रास-2, तिमलनाडु चिर उसकी शाखा 3, कलब हाउस रोड, मद्रास-2 सहित नामक स्थापन के सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मनिष्य निधि प्रकीण उपबंध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रीय मरकार, उक्त मिश्रिनियम की भारा-। की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मिश्रिनियम के उपबंध उक्त स्म्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019(201)/85 एम एस-2]

S.O. 2453.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messr; Raind Trading Company No. 8, Partullos Road, Madras-2, Tamil Nadu including its branch at No. 3, Club House Road, Mudras-2 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019 (2011 | 85-SS-II]

का ल्या ० 2454 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जी ही. नेवू चेरीटीज, प्रवनाणी रोड, कोइस्बट्टर-18. तिमलनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिन्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध घीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदरत शक्तियों का प्रथोग करते हुए उक्त श्रधिनियम के उपबंध स्थापन को लागू करती है।

[मं॰ एस-35019(202)/85-एस एस-2]

S.O. 2454.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Mesers. G.D. Naidu Charities, Avanashi Road, Coimbatore-641018, Tamil Nadu have agreed that the provision of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 19°2), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(202) 85-SS-III

का० आ० 2455. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आटो भीजरभूटिक निमिटिड, 105, डा०राधा कृष्णन मालाई, मैनापीर, मद्रास-600004, तिम्लनाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध नियाजक और कर्म-चारियो की बहुमंद्र्या इस बात पर मह्मनहांगई है कि कर्मचारी भिवष्य निधि भीर प्रकोण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उसत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भ्रम. केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिक्षित्यम की धारा-। की उपधारा-1 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए उक्त भ्रिधिनयम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एस-35019(203)/85- एम एस-2]

S.O. 2455.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Auto Measurematic Limited, 105, Dr. Radhakrishan Salai Mylapore, Madras-600004, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(203) 85 SS-II]

का० भा० 2156 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कारधी फायर वर्क्स सर्वे तं० 1269, तथा 1271, घतुपानकुतुमास विलेज, सिवा-काशी तिसल इंद्र नामक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्भचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी सिवच्य निधि भीर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जामें चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा-। की उपबारा-4 द्वारा प्रदश्त गरितयों का प्रयोग करते हुए उक्त ग्रिधिनियम के उपबध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[सं॰ एस-35019(204)/85 - एस एस-2]

S.O. 2456.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Karthi Fire Works, Survey No. 1269 & 1271. Anupan Kuluam Village, Sivakasi, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Mis ellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019](204):85-5S-III

का० आ० 2457. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं सन्द्र एसोमी पृष्ठम सर्विस प्राइवेट लिमिटेड 8. राधव वीरा एवेन्यू, पोम गार्डन, मद्रास 86 तमिलमाड् नानंक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहामंत्र्या इस बात पर सहमत्त हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उनत श्रधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदेश शनित्यों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रधिनियम के उपश्रंघ उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस-35019(205)/85-एस एस-2]

S.O. 2457.—Whereas it appears to the Cential Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Agio Sea Foods Service Private Limited 8, Reghava Veera Avenue, Poes Garden, Madras 600086. Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(205)[85-SS II]

का० ग्रा० 2158. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि धन्त्राबूर टैक्सटाईन्स एस्पलाइज को-धापरेटिय स्टोर विसिटेड, बालभवन रोड, धन्त्रा-बूर-5, तिमाननाडु नामक स्थापन के सम्बद्ध निर्धाजन ग्रीर कर्मचारियों की बहुसख्या इस बान पर सहमतहो गई है कि कर्मजारी भविष्य निर्धि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय संरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपश्वारा-4 द्वारा प्रयक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्रश्चितियम के उपश्वध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[म॰ एस-35019(206)/85-एस एस-2]

S.O. 2458.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Thanjavur Textiles Employee's Co-operative Stores Ltd. Vallar One Road, Thanjavur-5, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. 5-35019(206) 85-5\$ H]

का. मा. 3459.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हाना है कि नैसर्ग गियोमार्न (इंडिया) लिमिटेड, न 147, कारापाक्षम विलेज, सद्राम-600096, तमिलनाडु नासक स्थापन के सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मजारियो की बहुमख्या इस बात पर सहसन हो गई है कि वर्गवारी भविष्य निधि ग्रांर प्रकीण उपबंध भिविष्य, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रन: केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रक्षिनियम की धान्य-1 की उप-धारा-4 द्वारा प्रवत्ता प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त श्रीधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

[सं. एस-35019(207)/85-एस एस-2]

S.O. 2459.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employers in relation to the establishment known as Messrs Geoscource (India) Limited, No. 147. Karapakkam Village. Madras-600096, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees Provision Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35019(207) 85-SS-IIJ

का अर १५८९ --केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीन हीता है कि भैनमं प्रतान इंडस्ट्रियन काम्यलेषम लिमिटेक 85 संक्टर-6 फरीदाबाद भीर इपको रिजस्टर्ड कार्यालय है-7 केयातला लेन, कलकता-700029 नामक स्थापन के सबह नियाजक भीर कर्मचारियों की बहुस क्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिथिया निधि भीर प्रकीर्ण उपबध्य भिधिनयम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू किए जान नाहिए।

ग्रन केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा-1 की उपधारा-1 द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त ग्रधिनियम के उपधध उक्त स्थापन का लागु करनी है ।

[स. एस-35019 (212)/85-एस एस -2]

S.O. 2460.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the exaligation to the exaligation as Messis Khaitan Ladustrial Complex Limited 85. Section-6. Faridated in Liding its Registered office, at 7 Keyatala Laue, Calcula-700029 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

'No. S-35019 (212) 85 SS 111

का. था. 2461 ----केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि डा. सुदर्शन चक्रवर्शी भोमीरियल सैंटर फार भेंडीकल रिमर्च ट्रीईमेट पी-198, रालटाडांगा मेन रोड, सी श्राई. टी. स्कीम-7, एम, कलकत्ता-67 सामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कभंवारियों की बहुमंख्या इस वात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबध स्थिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उपन स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रीधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदल शक्तिया का प्रयोग करते हुए उक्त श्रीधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

S.O. 2461.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment kn wn as Messrs Dr. Sudars in Chakrabarti Medical Centre For Medical Research and Treatment P-198, Ultidanga Main Poad, C.I.T. Scheme VII-M Calcutta 67 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35017(57) 85-SS-III

का. आ. 246? — केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसमें एम व्हीव इंस्टर मेंन्स एंच इन्द्रीमेंटम (11/डी) मोइन बागान नने, कलकरन — 7000: नामक स्थाण को मंत्र नियोजक और कर्मचारियों की अनुसंक्रम दस बात पर सहमत हो ग⁶ कि कर्मचारी भिष्टिय निधि और प्रकृणें उपबंध अधिनियम, 1951/1953 का 19) के नक्त उपबंध स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

जा बेन्द्रीय सरजार, उका अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबध उक्त स्थापन की लागू करती हैं।

[म एस-35017 (59)/85-एस.एस - 2]

S.O. 2462.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S.D. Instruments and Equipments 21 D. Mohan Ragon Lane, Calcutta-700004, have careed that the provisions of the Employees Provident Fund, and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35017(59)[85-SS-H]

का आ. २४६४--- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसमें अनजाम कनणट्रकमन 114, एलोयट रोड, कलकत्ता--16. नामक स्थापम के संबद्ध नियोजक और कर्मचार्त्यों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

S.O. 2463.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Anjan Construction 114, Elliot Road Calcutta-16 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(60)|85-SS-II]

का आ ? 464: — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं गाह बादमं बीडी वर्कम, पां. आ. धुलियां, जिला मृशिदाबाद, पिवम बंगाल नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक धौर कमंबारियों की बहु-संख्या हम धान पर सहमत हो गई है कि कमंबारी भविष्य निधि धौर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किये जाने जाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्न अधिनियम की धारा—1 की उपधारा—4 द्वारा प्रवत्त भक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

5.0. 2464.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Saha Brothers Birt Works P.O. Dhulivan Dist. Murshidal ad. West Benpal have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made appliable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the soid Act, the Central Government hereby applies the provisions of the kaid Act to the said establishment.

[No. S-35017(61)|85-SS-IE

का. आ. 2463.—केबीय सरकार को यह प्रतीप होता है कि मैरीडियन पृथ्वरटाइजिस प्रा. लि. पी 117, सी. आई. टी रोड, कलकत्सा 14, नामक स्यापन के संबद्ध नियोजक श्रीर कर्मवारियों की बहुसंख्वा इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निश्चि श्रीर प्रकीण उपबंध अधिनियम 1972 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू कियेह जाने लाहिए ।

अतः केन्द्रीय सरकार उका अधिनियम की धारा-1 की उपधारा -4 हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुएँ उका अधिनियम के उपबंध उका स्थापन को लागू कर्ता है।

[म एस-35017 (58)/85-एस एस-2]

S.O. 2465.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Meridian Advertising Private Limited, P-117 C.I.T Road, Calcuta-14 bave agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35017(58) 85-SS-III

## नई बिल्ली, 22 मई, 1985

का आ. 2466: — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मिनावी इंडम्ट्रीज, 141, सेलन रोड, नानाकल-63700, सेलम जिला नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की ब्रहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि भीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा—1 की उपधारा—4 द्वारा प्रवस्त मिनतयो का प्रयोग करते कुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019(211)/85-एस एस-2]

### New Delhi, the 22nd May, 1985

S.O. 2466.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Meenashi Industries 141, Salem Road, Namkkal-637001, Salem DT. have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

### rNo S-35019(211)|85-SS-Π1

का. आ 3467 .—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कान्यसाधाती कोआपरेटिय स्पीनिंग मिल्स लि., पी-93, मी.आई.टी. रोड, स्कीम-65, एम (व्सरी मंजिल) कलकरता-54 और इसकी यास्क्रम में बारजोड़ा स्थित शाल्यायें नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्म-चारियों मिय्य निधि भीर प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उकत स्थापन की लागू किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय संस्कार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा-4 द्वारा प्रवत्त सम्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

नि**०** एव-35017(62)/85-एस एम-2]

S.O. 2467.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kangsabati Co-operative Spinning Mills Ltd. P-93, C.I.T. Road, Scheme VI-M(2nd Floor) Calcutta-54 including its Panchat Borjora in Bankura, district have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(62)]85-SS-II]

का. आ. 2468 :— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मरज पार्ज गाडम्स, जी-4, एस., भाक्छा, कादोनी एस.वी. रोड, प्रेग्नेरी (बेस्ट,) बम्बई--58 नामक स्थापन के संबंध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीयं सरकार उक्त अग्निनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रवेस शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधियनम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं.एस-35018 (4)/85-एस,एस-2]

S.O.2468.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Merz Perz Gardens, G-4, S. Bharucha Colony, S. V. Road Andheri (West) Bombay-58, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(4)]85-SS-II]

का. आ. 2469 :-- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि ही. डी. 9, वा उठानगरायी कोपरेटिन मार्केटिंग सोसाइटी निमिटेंब, उठानगरायी पोस्ट धरमपुरी कम्बा भीर इसकी शाखायें (1) उठानगरायी, 2. कालवी भीर 3. सिंगरापटी. नामक स्थापन के मंत्रद नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुमंत्रया इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किय जाने चाहिए।

अत. केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[सं. एस-35019(217)/85-एस,एस~2]

S.O. 2469.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messts D.D. 9, the Uthangarai Co-operative Marketing Society Limited, Uthangarai (Post) Dharampuri Distt. including its branches at (1) Uthangarai (2) Kaslavi and (3) Singarapettal have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(217)|85-SS-U]

का. आ. 2470 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्म आरएमपी, इंडस्ट्रीज, एन. एस. आर आयंगर रोड माईबाबा मिशन पोस्ट, कोम्बेट्र-11. नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की हुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिवष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपविध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपविध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा-4 द्वारा प्रदश्त मित्रयों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं एम-35019 (220)/85-प्स.एम-2]

S.O. 2471.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Arempee Industries, N.S.R. Iyengar Road, Saibaba Mission Post, Coimbatore-11, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(220)/85-SS-II]

का आ 2471: --- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कारटा प्रिन्द्स न 192, 4, श्रांस के. एम. गार्डन, लालबाग, रोड बंगलीर-27 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भीर कर्मवारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि अर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उदम स्थापन की लागू कियं जाने वाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लाग् करती है।

[स एम-35019(221)/85-एस.एस-2]

S.O. 2471.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of 211 GI/85—2

the employees in relation to the establishment known as Messrs Carto Prints No. 192, IV Cross, K. S. Garden, Lalbagh Road, Bangalore-27, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(221)]85-SS-II]

का आ. 2472 :--- केन्द्रीय संस्कार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्टार एग्रीकरूवर सर्विस कोआपरेटिव मोसाइटी, निक्वातार पोस्ट, कन्याक्रमारी कस्वा. नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहबत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीण उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा- 4 द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[स॰ एस-35019(219)/85-एस एस-3]

S.O. 2472.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs Attoor Agricultural Service Co-operative Society, Thiruvattar Post, Kanyakuman Dist, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(219)|85 SS-III

का. आ. 2473 . — केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीन होता है कि मैसर्स आर. बालामुब्रह्मण्यन, टैक्सटाइल मैन्यूफैक्करर, 345-बी, सेलम मेन रोड, कोमरापालायाम, पी. आ. (बाया) भवानी, सेलम जिला नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंक्या इस बान पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपध्य अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने लाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा -1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदक्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एस-35019 (218)/85-एस. एस.-2]

S.O. 2473.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs R. Bala Subramaniyam, Textil Manufacturer, 345-B, Salem Main Road, Komarapalayam P.O. (Via) Bhavani, Salem Dt. have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made appliable to the sald establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(218)|85-SS.III

का. आ. 5 474 .--केन्द्रिय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स तेट वर्क कोमनीकेशन सिमटम प्रा. लि. 38, कैम्युनिटी सैटर सर्सप लोक, यसन्त बिहार, नई किल्ली-110057 नामक स्थापन के संबद्ध तियोजक आर कर्मकारियों के बहुसच्या इस बान पर सहसन हो गई है कि कर्मचारी सिवच्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रवत्त मक्तियो का प्रयोग करते हुए, उक्न अधिनियम के उपधंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं. एम-35019(209)/85-एस. एस.2]

S.O. 2474.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs Network Telecommunication Systems Private Limited 38, Community Centre Basant Lok, Vasant Vibar. New Delhi-110057, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-35019(209)]85 SS II]

का. आ 2475.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शास्त्रीमार थियेटर, निलक्तनगर, भैसूर-570015, नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिक्स निक्षि और प्रकीण उपवंश अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए आने चाहिए।।

अतः कन्द्रीय गरकार, उक्त अभिनियम की घारा 1 की उपधारा-4 द्वारा प्रयक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को जागू करती है।

[सं. एस-35019(226)/85-एस. एस.-2]

S.O. 2475.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messes Shalimar Theatre, Tilaknagar, Mysore-570015 have agreed that the provisions of the Employees Privident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(226)|85-SS-II]

का. आ. 2476 .--केन्द्रीय संरक्षार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स अमर काफी व्लानटेंगन बालपाराय पोस्ट, वाया पोलाची कोम्बेट्र कस्बा नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बान पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भिक्ष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपवाग-4 द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबध उक्त स्थापना को लागू करती है।

[सं. एस-35019(225)/85-एस. एस.-2

S.O. 2476.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs Amar Coffee Plantation, Valparai-Post, Via, Pollachi, Coimbatore District have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds

and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(225)|85-SS-II]

का. था. 2477 .--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होतः है कि मैगसे एत. एत. 36, रामनन्द कस्बा, कीशरभेन कांआपरेटिव फैडरेशन िमिटेड, वेलीपटीनम पोस्ट रामानाथापुरम तथा चेडी और पूमबन रिथत इसकी शाखाये नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक और कमंचारियो की बहुमंख्या इस आत पर सहमत हो गई है कि कमंचारी मिष्ठण निधि और प्रकांण जपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लागू किए जाने बाहिए।

भन. केन्द्रीय सरकार, उक्त भक्षिनियम की धारा-1 की उपधारा-4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्रिधिनियम के उपश्रेध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स. एम-35019 (213)/85-एस.एस -2]

S.O. 2477.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs N. N. 36 Ramand Dist. Fisherman Co-Operative Federation Limited Velipattinam P.O. Ramanathapuram including its branches at Tondiand Pomban, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. 35019(213)|85-SS III

का. भ्रा. 2478 .--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे टारगेट टैक्सटाइन, 42, सूर स्ट्रीट, द्वितीय प्रनीर, मद्रास-1 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक भौर कर्मकारियों की बहुमंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि भौर प्रकीण उपबंध भ्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिप्तियम की श्रारा -1 की उपधारा-4 हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए उक्त श्रीक्षनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करनी है।

[मं.एस -35019 (208)/85-एस एस.-2]

S.O. 2478.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs Target Textiles 42, Moore Street, 2nd Floor, Madras-1 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provision₃ Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(208)|85-SS-JII

## नई दिल्ली, 23 मई, 1985

का, भा. 2479 - केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे शक्ति मुख्यन ट्रांसपोर्ट (प्रा.) लि., 15/1, मिटटूपालायम रोड, कोम्बेटूर-641043 नामक स्थापन के संबद्ध नियोजक मौर कमंबारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मजारी प्रविष्य निवि

भीर प्रकीर्ण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 को 19) के उपबन्ध उभ्रतस्थायन की लाग किए जान चाहिए ।

बन. थंन्डीय सरकार, उक्त स्रिक्षियम को भ्राग-। को जपधारा-4 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भ्रिक्षितयम के उपबक्ष उक्त स्थापन को लागू करती है।

> [सं. एस-35019(233)/85-एम एस.-2] New Delhi, the 23rd May, 1985

S.O. 2479 —Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs Sakthi Murugan Transports (P) Ltd., 15,1, Mettupalayam Rond, Coimbatore 641045 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Missell mous Provisions Act., 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No S-15019(233)]85-SS.II]

का. ग्रा. 2480—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 4 के उप पैरा (i) के खंड (ख) के ग्रन्मरण में भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) नारीख 20 श्रक्तृत्वर 1984 में श्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम श्रीर पुनर्वास संत्रालय की श्रिधसूचना सं. का. ग्रा. 3321, नारीख 1 यक्तूवर, 1984 का निम्निलिखत संगोधन करनी है, प्रयान् :—

उक्त प्रश्निसूचना में कम मं. 6 कं गामा की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखिन रखा जाएगा .—

6. श्री ई. जगन्नाथ राख, संयक्ष प्रबंधक, कें. सी. पी. लिमिटेड, बुययर, कृष्णा जिला भ्रान्ध्य प्रदेश

[स. वी०-20012/9/78- पी. एफ.-II]

S.O. 2480.—In pursuance of clause (a) of sub-paragraph (1) of the paragraph 4 of the Employees' Provident Fund Scheme 1952. The Central Government hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation No.S.O.3321 dated 1st October, 1984. published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 20th October, 1984, namely:-

In the said notification, for the entry against serial number 6, the following shall be substituted:

 Shri.E.Jagannatharao, Plant Manager, The KCP Limited, Vuyuru, Krishna Distric, Andhra Pradesh.

[No.V.20012]9]78-PF.III

का. आ. 2481.—मैंसर्म की पैरीयार मैन्द्रल कोपरेटिख वैंक लिसिटेड. 20/91 पेरियार सै॰, ईरोड-638001 (टीएन 12402) (जिसे इसमें इसके पश्चान उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भृषिष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अश्विनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमे उसके पण्णान उकत अधिनियम कहा गया है, की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छुट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

र्यार केन्द्रीय मंग्कार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्म-नारी, किसी पृथक अभिदाय या शीमियम का संदाय किए खिना ही, भार-तीय जीवन बीमा निगम की सामूहित बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है और ऐसे कर्मवारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूष है, जो कर्मवारी निकीप सहबद्ध बीमा—— 211 G1/85—22 रकीम, 1978 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्क्रीम कहा गया है) के अधीत वेन्ह्रं अनुक्रीय हैं;

जन केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपद्यारा (2क) द्वारा प्रवत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रीर इससे उपावद्व अनुसूची में विनिविष्ट शर्मी के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की विधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवंधां के प्रवर्तन छूट देती है।

### अनुगुर्भा

- 3. उनन स्थापन के सबध में नियानक नाईणिक भविष्य निधि अधुण, निमितनाषु को ऐसी विश्वरणयां भेजेना प्रोर ऐसे लेखा रखेगा नथा निरीक्षण के लिए ऐसी भृविश्वाए प्रदान करेगा जो कन्बीय सरकार, समय समय पर निविष्ट करें
- 2 नियोजक, ऐसे निरीजग प्रमारों का प्रत्येक मास की समादिन के 15 दिन के भीतर मंदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे ।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके भंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का भंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी क्यमों का बहुन नियोजन द्वारा किया जाएगा ।
- 4. नियोजक, केन्द्रीव सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहित बीमा स्कीम के नियमो की एक प्रति भौर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब तक उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बासो का अनुवाद, संस्थान के मूचना पट्ट पा प्रदशित करेगा।
- 5. यदि कांर्ड ऐसा कर्मेंबारी, जो कर्मबारी भविष्य निधि का या उक्त अक्षितियम के अधीन छुट प्राप्त किमी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका साम नुरस्त वर्ज करेगा श्रीर उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारमीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।
- 6 यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे सकाये जाते हैं तो नियोजक सामृष्टिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदो में समुचित रूप से बृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृकि बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजीय है।
- 7. माणू हिल बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रक्तम उस रक्तम से कम है तो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती. जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोज क कर्मचारी के विशिध वारिस नाम निर्देशिती को प्रतिकार के रूप में दोंनों रक्तमों के अन्तर के बराबर रक्तम का संदाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपसंघों में कोई सशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुत्त, तिमलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अहां किसी संशोधन से कर्म नारियों के हिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, यहां प्रदेशिक संविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मनारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुवितयुक्त अवसर देगा।
- 9 यवि किसी कारणवर्ग, स्थापम के कर्मजारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना जुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मजारियों को प्राच्त होने बाले फायदें किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्व की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश, नियाजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रोमियम का संवाय करने में

असफल रहना है, ग्रीर पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छट रदव की जा सकती है।

- 11. नियाशक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किये गए किसी व्यक्तिकम की दिशा में उन भूत सदस्यों के नाम निर्वेशितिया या दिविध वारिसों का जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्दर्गत होने, बीमा फायदों के सदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होगा।
- 12. उनत स्थापन के सबद म तियोजक, इस स्कीम के अधीन आने बाले कियो गदस्य को मृत्यु हो। पर उनके हकदार नाम निर्देशितिया विश्विध बारिसा को बीमाकृत रकम का सदाय तल्परता स प्रार प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम स बोमाकृत रकम प्राप्त होने क एक माह के भीतर सुनिध्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/125/85-एव एस-4]

S.O. 2481.—Whereas Messrs The Periyar Central Co-operative Bank Limited, 20/91, Periyar St. Erode-638001 (TN/12402) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act. 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Lite Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, 'he employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corportion of Ind'a.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insutance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.
- 12. Upon the death of the members cover under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects".

[No.S-35014|125|85-SS-IV]

का  $\circ$  आ: .248.2—सैसर्म अस्त्रों फूड प्रोडक्टस प्राइकेट लिमिटेड, पी $\rightarrow$ 5, अपल रोड, हैक्राबाद (ए $\circ$ पी $\circ$ /3774), (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबध्ध अधिनियम, 1952(1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है) भी धांगा 17 की उपधारा  $(2\pi)$  के अधीन छूट दिए जाने के लिए आयेदन किया है:

शौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उभन स्थापन के कर्म-चारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीतित्रम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा वहें हैं शौर ऐसे वर्मेचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकृत हैं, जो कर्मचारी निखेप महबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (अक) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए भीर इससे उपबिद्ध अनुसूची में विनिर्विष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपवधी के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अन्सू ची

जबत स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त
 आन्ध्र प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेंगा भीर ऐसे लेखा रखेंगा तथा

निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाए प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।

- 2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारां का प्रत्येक मास की समास्त्रि के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खड़ (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।
- 3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन मे, अिसके भ्रांतर्गत लेखामा का रखा जाता विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम, का सदाय, लेखामां का र्यतरण, निरीक्षण प्रभारों सदाय आदि भी हैं। कोने वाले सभी व्ययां का बहुत नियोजन द्वारा किया प्राएगा।
- 4 नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रनुमोदित सामृहिस बीमा स्थर के नियमों की एक प्रति धीर जब कभी उनमें संगोधन किया जाए, नब तक उस संगोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद सस्थान के सुचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।
- 5. दिद कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अभीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसक स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजिक सामूहिक बीमा स्काम के सबस्य के रूप में उसका नाम गुरन्त वर्ज करेगा भीर उसकी बाबन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का सबाय करेंगा।
- 6. यदि उक्त स्काम के अधीन कर्मकारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ायें जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्काम के अधीन उपलब्ध फायदें उन फायदों से अप्रित अपुकृत हों, जो उना स्कीम के अधीन अनुकीय हों।
- 7, मामृहिक बीमा स्कीम में किमी बात के होते हुए भी यदि किमी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन मदेय रकम उस रकम में कम है जा कर्मचारी की उस दक्षा में संदेय होता, जब वह उबत स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के नियित्व वारिस/नाम निर्वेशिती का प्रतिकर के कृष्य में दोनो रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय कर्मेंगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी सशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेण के पूर्व अनुभोदन के बिना नहीं किया आएगा भ्रीर जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने को युक्तियुक्त अपसर देगा।
- 9. यदि किसी कारणवण, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीम। तिनम को उस सामूहिक बीम। स्कीम के जिसे स्थापन पहुने अपना चुक है, अधीन नहीं रह जाने हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने बाले फायदें किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।
- 10. यदि किसी कारणवश्चा, नियोजक उस नियन नारीख के भीतर जा भारतीय जीवन बीमा निगम नियत फरे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, भीर पालिसी को व्ययमत हो जाने दिया जाता है तो छूट रब्द की जा सकती है।
- 11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सदाय में किए गए किसी व्यक्तिक भ की बाग में उस मृत सदस्यों के साम निर्देशिनियों या विविध वारिसों को जो यवि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के मतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होंगा।
- 12 उकत स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आनं बाने किमी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकवार नाम निर्वेणितियों/— विविध वारिमों को बीमाकृत रकम का सवाय तत्परना से भौर प्रत्येक वशा में भारतीय जीवन बीमा निगम ने बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सन्या एम-35014/117(85)-एसएस-4] ए. ने. भट्टाराई, अवर सचिव S.O. 2482.—Whereas Messrs Ampro Food Products Private Limited, P-5 Uppal Road, Hyderabad (AP/3774) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees then the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

- 1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and maintain such accounts and privide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Schme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.
- 8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Andhra Pradesh and where any amendment is fikely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

adopted by the said establishment, or the benefits to the employee and this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be hable to be cancelled

- 10 Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled
- 11 In case of default, if any made by the employer in payment of premium and responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer
- 12 Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominec Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respect

[No S 35014 117 85-SS IV]

A K BHATTARAI, Under Secy

नड बिल्ली, 20 मई, 1985,

का भा 3483 -- भागोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) क धारा 17 के मनुसरण में, केंन्द्र य सरकार एयर देखिया, बम्बाई के प्रवधवत्र से सम्बद्ध नियोजका भीर उनके कर्मकारा ये बीच धनुबंध में निविष्ट एक शिकायत, उक्त मधिनियम का धारा 13म म केन्द्रीय सरकार भीगागिव प्रक्षिकरण न 2 बम्बाई के पंचाट या प्रकाशित करत है जो कन्द्राय सरकार को प्रमाई 1985 की प्राप्त हुआ था।

S O. 2483.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No II, Bombay, as shown in the Annexure, in respect of a complaint under Section 33A of the said Act, filed by Shri Mohan Bir Singn, a wirkman of Air India, Bombay, which was received by the Central Government on the 8th May 1985.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

## PRESENT:

Shri M. A. Deshpande, Presiding Officer Complaint No CGIT-2|1 of 1985

Arising out of Reference No. CGIT-2|16 of 1984 PARTIES:

Shri Mohan Bir Singh

President.

Air India Cabin Crew Association

Complainant

### VS.

- 1. Air India, Bombay
- 2 Capt D. Bose, Managing Director.
- Shri J. Naegamvala, Deputy Director, Inflight Service.

Respondents

### APPEARANCES

For the Complainant—Shri Anil Mohan
For the Respondents —Shri F. M. Kaka, Advocate

INDUSTRY · Air Lines —STAIE : Maharashrta

Bombay, dated the 15th April, 1985

## **AWARD**

This is a complaint under Section 33A of the Industrial Disputes Act whereby the complainant, admittedly a protected workman, in the service of the Respondents is complaining of the breach of Section 33 especially sub-Section (3) on the allegation that during the pendency of the proceeding before this Tribunal the conditions of service aplicable to the complainant were altered and that he is being punished.

- 2. All these contentions have been refuted by the management by their written statement who further plead that there remains no cause of action the complainant having been assigned flying duties effective from 22-2-1985.
- 3. In all probability because of this change the complainant is no longer interested in proscuting the complaint and therefore filed a pursis whereby he wants to withdraw the complaint to which the management has no obection. In view of the development therefore the complaint no longer survives and hence disposed of.

Order accordingly.

M A DESHPANDE, Presiding Officer [No. I -11025(4)]25-D-11B]

नई दिल्ली, 22 मई, 1985

का आ 2484 — ग्रौधांगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 क अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैंसर्स सिंगरेती कोलरीज कंपनी लिमिटेड, बेलमपाली डिविजन न 1 के प्रवधतन से सम्बद्ध नियोजको ग्रौर उनके कमकारा के बीच अनुब्ध में निर्विष्ट ग्रौधोंगिक विवाद में केन्द्रीय सरमार ग्रीधोंगिक अधिकरण हैदराबात के पचाट को प्रथाणित करती है, जा वेन्द्रीय सरकार को 7 मर्ज, 1985 की प्राप्त हुआ था।

## New Delhi, the 22nd May, 1983

SO 2484—In pursuance of section 17 of the Industrial D putes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government he eby publishes the award of the Industrial Tribunal, Andhra Pi desh, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the n nagement of Messis Singareni Collieries Company Limited, Bullampalli Division No 1, and their workmen, which was re eived by the Central Government on the 7th May, 1985

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD

## PRESENT

Sri J Venugopala Rao Industrial Tribunal

Industrial Disputes No. 39 of 1984

### BETWI EN

The workmen of Singareni Colheries Company Limited Bellampallin Division-I. Adılabad District

### AND

The Management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division-I, Adılabad District.

#### APPEARANCES:

Sri T. Deva Raj, Senior Personnel Officer, S.C. Co. Ltd. Bellampalli for the Management. None present for Workmen.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, under Sections 7/2 and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by its Order No. L-22011(102)/82-D. III. B/D.IVB dated 7-7-84 has referred to this Tribunal the following issues for adjudication in the industrial dispute between the workmen and the Management of Singaroni Collieries Company Limited, Bellampall, Division-I Adilabad District.

- "Whether the action of the management of M/s. Singareni Collieries Company Limited, in refer Shri Merabonia Gattu, Tyndal, Bellampalli to the A_be Determination Committee/Medical Board for assessing his age is justified. If not, to what relief he is entitled?"
- 2. The reference was registered by this Tribunal as Industrial Disputes No. 39 of 1984 and notices were sent to parties concerned.
- 3. A memo dated 4-3-1985 was filed by the Workmen and the management of Singareni Collecties Company Limited, Bellampalli Division-II praying for terminating the reference in terms of the Settlement. The said Settlement was filed in the Tribunal by Sri T. Devraj, Senior Personnel Officer of the Sigreni Collecties Company Limited, Bellampalli Since Reddy for the workmen had already signed the Settlement and the same was filed by the Personnel Officer of the Management. Sri Nagiah Reddy who is signatory to the Settlement is called absent inspite of notice served. Perused the compromise Settlement signed by the Workers representative also and satisfied that the same is signed bonafide.
- 4. After having gone through the terms of the Settlement it can be stated that it is just and proper and it is in the interest of both the concerned workmen & also the Management. Such proper and just settlements have to be accepted in order to see that cordial relationsips between the workmen and the Management are mantained. Hence, in the circumstance, it is a fit case for passing the award in terms of the Settlement, especially when it is stated that Clause 4 of the terms of Settlement was already implemented.
- 5. Award is passed accordingly in terms of the settlement between the parties. Copy of the Settlement is herewith attached as part of the Award.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the sear of this Tribunal, this the 29th day of April, 1985.

Sd -INDUSTRIAL TRIBUNAI.
Appendix of Evidence
NIL

3-5 83.

J. VENUGOPALA RAO INDUSTRIAL TRIBUNAI HARI SINGH, Desk Officer

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) HYDERABAD

Hyderabad, 6th March, 1985

I. D. No. 39 of 1984

BETWEEN:

The workmen of Singareni Collierics Co. Ltd., Belampalli Division-II—Petiti ners.

### AND

The Management of Singareni Collicries Co. Ltd., Belampalli Division-II—Respondents.

## MEMORANDUM OF COMPROMISE

Pon'ble Str,

The respondent Management and the Petitioner Workmen jointly submit the following Memorandum of Compromise.

- 1. The Central Government vide their Order dated 7-7-1984 referred the I.D., registered as I.D. No. 39 of 1984 before this Hon'ble Tribunal. The matter under reference is "whether the action of the management of M's, Singareni Collicries Company Limited in refusing to refer Shri Merabine Gettu, Tyndal, Workshop, Belampalli, to the Age Determination Committee Medical Board for assessing his age is justified? If not, to what relief he is entitled?"
- It is submitted that even prior to the referral of the above dispute for adjudication to this Hon'ble Tribunal, the Management arrived at a Set lement under Section 12(3) of I.D. Act on 28-11-1982 with the President, Vendur Coal Mines Labour Union, representing the workmen It was agreed under the terms of the settlement supra to refer the case of Shri Moraboina Tyndal, Workshop, Belampalli, to the Age Determination Committee Medical Board to assess his age as per the procedure laid down by the Joint Bipartite Committee for Coal Industry. The copies of Settlement dated 20-11-1982 a₈ also the proceedings dated 29-11-1982 of the Age Determination Committee Medical Board are submitted herewith.
- 3. In terms of the Settlement cited, Shri Moreboina Gettu was referred to the Age Determination Committee Medical Board on 29-11-1982 and on review his age was determined as 38 years as on 29-11-1982.
- 4. The concerned workmen accordingly continued in service for two more—years and retired with effect from 1-12-1984.
- 5. In view of the fact that the dispute under reference has already been settled mutually even before a reference is made to this Hon'ble Tribunal for adjudication, the Respondent Management as well as the Petitioners prey that the Hon'ble Tribunal may be pleased to terminate the reference.

Yours faithfully,

Sd|-
for Management,

Addl. Chief Mining Engineer,

Belampalli Division-II.

Sd --for Workmen.

Belampalli Dated, 4-3-1985.

> President Tandur Coal Mines Labour Union, Belampalli.

# **नई** दिल्लीं, 20 मर्ड, 1975

का मा 2485:-- मौद्यांगिक विवाद (केंद्रिय), नियम, 1957 का भीर संगोधन करने के लिए कितप्य नियमों का एक प्रारूप, भौद्यो- गिक विवाद प्रधिनियम, 1917 (1947 का 14) के धारा 38 की उपधारा (1) के अपेकानुसार, श्रम भौर पुनर्वास महालय (श्रम विभाग) को प्रक्षित्यका स सा. का. नि. 11,6 तारीचा 19 अक्तूबर, 1984 के धार्मन भारत के राजपन्न, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i) तार ख 27 अक्तूबर, 1984 के पृष्ठ 2770-2771 पर प्रकाशित कियों गया था भौर उन सभा व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने के सभावन था उसन प्रक्षित्वा के राजपन्न में प्रकाशिन के तारीच से तम दिन के भवित के समान्ति पर या उसके पूर्व आक्षेप भौर सुनाब मांगे गए थे,

भीर उक्त राजपक्ष 27 श्रक्तूबर, 1984 को जनता का उपलब्ध करा दिया गया था।

ग्रीर उनत प्रारूप के सबध में जनता में प्राप्त धाक्षेपों ग्रीर सुझावो पर सम्बक्त रूप से विचार कर लिया गया है।

धतः, भ्रज, केन्द्रःय सरकार, श्रौधीनिक विवाद श्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) क. धारा 38 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, श्रीधोगिक विवाद (केन्द्रय) नियम, 1957 का श्रीर सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनानः है, भ्रयालुः⊸

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम श्रीग्रोगिक विवाद (केन्द्रीय) (संशोधन) नियम, 1985 है।
- (2) में राजपत्र में, प्रकाशन का तारीख से प्रकृत होंगे।
- 2. भीसोगिक विवाद (केन्द्रीय) नियम, 1957 में :--
- (क) नियम 75-ख मे--
- (1) उप नियम (1) में, "उपधारा- (2)" सन्दों, कोव्यको ग्रीर ग्रांक के स्थान पर "(उपधारा (3)" सन्दें, कोष्यक भ्रीर शक रखी जाएंगे ग्रीर "उप-धारा (4)" (शब्दों, कोष्यकों भ्रीर ग्रांक के स्थान पर "उप-धारा (5)" गन्द, कोष्यक ग्रीर ग्रांक रखें जाएंगे।
- (2) उप-नियम (3) में ''उप-धारा (4)'' सम्बों, कोष्टको मीर स्रोक के स्थान पर ''उप-धारा (5)'' मन्द, कोष्टक भीर भंक रखे आएंगे।
- (ख) नियम 76क मे---
  उप-नियम (!) मे, "खण्ड (ग) के प्रधान सूचना" गब्दा

  ग्रीर कोण्डकों के स्थान पर "(के प्रधान, यथास्थिति, सूचना
  या प्रावेदन" गब्द रखे जाएगे, श्रीर "उप-घारा (3)" गब्दो,
  कोष्टक भीर भेक के स्थान पर "उप धारा (4)" शब्द, कोष्टक भीर अंक रखे जाएगे।
- (2) उप-नियम (2) का लोप किया आएगा भौर उप नियम (3) भौर (4) को उप नियम (2) भौर (3) के रूप में पुनः संक्यांकित किया आएगा।
- (3) इस प्रकार पुनः संख्यांकित उप-नियम (3) के स्थान पर निस्निलिखन उप-नियम रखा जाएगा, धर्यात्:-- "(3)" "संधित नियोजक, केन्द्रीय सरकार या ऐसे प्राधिकारें को, जिसे खारा 25-ड की उपद्यारा (1) के प्रधीन छंटनी को सूचना दी गई है या छंटना की धनुज्ञा के लिए धावेदन दिया गया है, ऐसी और जानकारा देगा जो, यथा स्थिति, केन्द्रं य सरकार या प्राधिकारों, यथा स्थिति नीटिन या प्राविद्य के बावत, निर्णय केने के लिए धावस्यक समझे जब, क्या ऐसे प्राधिकारो द्वारा मांगी जाए, ताकि केन्द्रीय सरकार या प्राधिकारो खारा मांगी जाए, ताकि केन्द्रीय सरकार या प्राधिकारो धारा 25-ड की उप-धारा (4) में निर्दिष्ट ध्रवाधि के भीतर ध्रपनं धनुज्ञा या समुजा न देने का सूचना दे सके।

(ग) नियम 76ग म-

उप-नियम (1) के पश्चान् निम्नलिखित बतःस्थापित किया जाएगा, प्रथीत्:--

"ऐसे श्रावेदन क एक प्रति एक साथ स्थापन में कार्य कर रह राजिन्द्रीकृत ट्रेड यूनियन (य्तियनो) के भध्यक्ष या सम्बित को राजिन्द्र-कृत डाक द्वारा तामील के जाएग और इस संबंध में एक सूचना नियौजक द्वारा अभ, संबंधित कर्मकारों के जानकार के लिए स्थापन के मुख्य प्रथेश द्वार पर सहज दृष्य रूप से सूचना पट्ट पर भ उस समय प्रदर्शित को जाएगा जब श्रावेदन केन्द्र य सरकार को तामील किए जाए। "

- (2) उप-नियम (2) का लोग किया जःएगा और उप-नियम (3) श्रीर (4) को क्रमणः उप-नियम (2) श्रीर (3) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा।
- (घ) प्ररूप -ण में "उप-धारा (2)" गब्दा, काष्ठका भीर ग्रंक के स्थान पर "उप-धारा (3)" गब्द, कोष्ठक भीर ग्रंक भीर "उपधारा (6)" सब्दी कोष्ठकों भ्रार ग्रंक के स्थान पर "उपधारा (10)" गब्द, कोष्ठक भीर भ्रंक रखे जाएंगे।
- (इ) प्ररूप-क "मेखण्ड (ग)" शक्दो ग्रीर कोण्ठकों के स्थान पर "खण्ड (ख)" पढ़े।
- (च) प्ररूप सख्य को हटादिया जाएगा।
- (छ) प्ररूप थक में, विद्यमान पैरा 4 के स्थान पर निम्मसिखित रखा जाएगा, प्रयात् —⊶

"4. मैं/हम यह घोषणा करता है/ करते हैं कि कामबर्धा के लिए अनुमादन दे दिए जाने की दशा में, उस उपकम के प्रत्येक कर्मकार की जिसे उन्त धारा की 25-ण की उप-धारा (8) लागू होती है, उम धारा में यथाविनिर्दिष्ट प्रतिकर का सदाय किया जाएगा।',

(खा) फार्मध्यक्षकालोप किया आरएगा।

टिप्पणी: —मूल नियम, भारत के राजपत्न, ग्रसाधारण, भाग-2 खण्ड 3, तारीख 10 मार्च, 1957 में पृष्ठ 1137-1159 पर ग्रधि-सूचना का. नि. घा. 770 नारीख 10 मार्च, 1958 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

नत्पश्चात् उनमा निस्नलिखित द्वारा संशाधन किया जाए:---

- (1) अधिसूचना स. सा. का. नि. 141 तारीख 31-13-1967
- (2) मधिसूचना म. मा का. नि. 1215 तारीख 12-13-1958
- (3) अधिसूचना स. सा. का, नि. 302 तारीख 23-4-1958
- (4) भिधसूचना सं. सा. का. नि. 40 तारीख 31-12-1958
- (5) श्रधिसूचनासं. सा का. नि. 284 तारीख 31-1-1959
- (6) प्रधिसूचनास. सा का नि. 398 तारीख 21-3-1959
- (7) प्रधिसूचनास सा. का. नि. 811 नारीथा 3-7-1959
- (8) प्रधिसूचना स. सा. का. नि 1151 तारीख 8-10-1959
- (9) अधिसूचनासं. सा. का. नि 1182 तारीखा 19-10-1959
- (10) मधि सूचना सं. सा. का. नि. 229 तारीख 22-2-1960
- (11) प्रधिसूचना स. सा. का. नि. 402 तारीख 31-3-1960
- (12) भ्राधिसूचन, स. सा. का. नि. 1220 तारीख 7-10-1960
- (13) श्रिधिसूचनासं. सा. का. नि. 857 तारीख 22-6-1961
- (14) प्रधिसूचनामं, सा. का. ति. 1078 तारीख 4-8-1962
- (15) अधिसूचमा म. सा. का. नि. 488 नारीख 16-3-1965
- (16) अधिसूचनाम. मा. का. नि. 1253 तारीख 3-8-1968
- (17) प्रधिसूचनास सा. का. नि. 908 नारीख 2-5-1967
- (18) प्रधिसूचना न. सासे का. नि. 1059 तारीख 30-5-1968
- (19) ग्रिधसूचना सं. मा. का. नि. 1283 नारीख 28-5-1969
- (20) प्रधिसूचना सं. सा. का. नि. 1284 मारीब 28-5-1969

- (21) प्रधिसूचना स. सा. का. नि. 795 तारीख 5-6-1972
- ( 22) शिविज्ञास सा. का नि. 410 (श्र) सारीख 13-9-1972
- (23) पश्चि-पना स. सा. का. ति. 1151 तारीख 11-10-1974
- (24) अधिसूचनास. सा का. नि. 931 तारीख 15-7-1975
- (25) अधिभूचनास.सा.का.नि. 111(म्र) तारीख 5-3-1976
- (26) भधिसुचना स. सा. का. नि. 1070 तारीख 28-7-1977
- (27) प्राधिसूचना स. सा. का. नि. 289 तारीख 2-3-1982
- (38) भविमूचना स. सा. का. नि. ७३२ तारीख 16-8-1984

[फा. स. एस~6501*2*/3/82-की-1 (ए.)] एस, एच. एस. भ्राध्यार, भ्रवर सचिव

New Delhi, the 20th May, 1985

\$.O. :—Whereas certain draft rules further to amend the industrial Disputes (Central) Rules, 1957, were published as required by sub-section (1) of section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) at pages 2771-2772 of the Gazette of India, in part II. Section 3, Sub-section (i) dated the 27th October, 1934, with the notification of the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour), No. G.S.R. 1126 dated the 19th October, 1984, provides observed. G.S.R. 1126, dated the 19th October, 1984, myiting objections and suggestions from all persons, likely to be affected thereby, on or before the expiry of a period of thirty days from the date of publication of the said in the lifestion in the left of Carette. fication in the official Gazette,

And, whereas, the said Gazette as made available to the public on the 27th October, 1984;

And, whereas, the objections and suggestions received from the public in the said draft have been duly considered;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by section 38 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Industrial Disputes (Central) Rules 1957 pagely: (Central) Rules, 1957, namely :-

- (1) These rules may be called the Industrial Disputes (Central) (Amendment) Rules, 1985.
- (2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
  - 2. In the (ndustrial Disputes (Central) Rules, 1957,-
    - (a) in rule 75 B,-
      - (1) in st.b-rule (1), for the words, brackets and figure "sub-section (2)" the words, brackets and figure "sub-section (3)" shall be substituted and for the words, brackets and figure "sub-section (4)", the words, brackets and figure "sub-section (5)" shall be substituted :
      - (2) in sub-rule (3), for the words, brackets and figure "sub-section (4)", the words, brackets and figure "sub-section (5)" shall be substituted.
    - (b) in rule 76 A,-
      - (1) in sub-rule (1) for the words and brackets "under clause to) of" the words "or, as the case may be the application under" may be substituted, and for the words, brackets and figures "sub-section (3)", the words, brackets and figure "sub section (4)" thall be substituted.
      - (2) sub-rule (2) shall be omitted and sub-rules (3) and (4) shall be re-numbered as sub-rules (2) and
      - (3) for sub-rule (3), as so re-numbered, the following sub-rule shall be substituted namely:—
      - "(3) The employer concerned shall furnish to the Central Government or the authority to whom the notice for retrenchment has been given or the application for permission for retrenchment has been made, under sub section (1) of section 25-N, such further information as the Central Government or, as the case may be the authority considers necessary for arriving at a decision on the notee or, as the case may be, the application as and when called for by such authority so as to enable the Central Government or the authority to communi-

cate its permission or refusal to grant permission within the period specified in sub-section (4) of section 25-N';

- (c) in rule 76C
  - (1) after sub-rule (1), the following shall be inserted namely ;-
  - "A copy of such application shall be served simultaneously by registered post on the President or Secretary of registered trade union (s) functioning in the establishment and a notice in this regard shall also be displayed conspicuously by the employer on a notice board at the main entrance to the establishment for the information of all the concerned workmen at the same time when applications are served on the Central Government."

    (2) sub-rule (2) shall be omitted and sub-rules (3) (4) shall be re-numbered as sub-rules (2) and (3) respectively.
  - respectively
- (d) in Form O-3, for the words brackets and figure "sub-section (2)", the words, brackets and figure "sub-section (3)" and for the words brackets and figure "sub-section (6)", the words brackets and figure "sub-section (10)", shall be substituted.
- (e) In Form PA, for the words and brackets "clause (c)" read 'clause (b)".
- (f) Form PB shall be deleted.
- (g) in Form QA, for existing paragraph 4, the following shall be substituted, namely
  - "4. If we hereby d clare that in the event of approval for the closure being granted, every workman in the undertaking to whom sub-section (8) of the said section 25-O applies shall be paid compensation as specified in that section."
- (h) Form QB shall be omitted.
  - Note: Principal rules were published vide notification S.R.O 770, dated 10th March 1957 Gazette of India Extraordinary dated the 19th March 1957, Part II Section 3 pages 1137-1159

Subsequently amended by :-

- (i) Notification No. GSR 141 dated 31.12.1957,
- (ii) Notification No. GSR 1215 dated 12.12.1958,
- (iii) Notification No GSR 302 dated 23.4.1958,
- (iv) Notification No. GSR 40 dated 31.12.1958,
- (v) Notification No GSR 284 dated 31.1.1959,
- (vi) Notification No. GSR 398 dated 21,3,1959,
- (vii) Notification No. GSR 811 dated 37. 1959, (viii) Notification No. GSR 1151 dated 8.10.1959,
- (ix) Notification No. GSR 1182 dated 19.10.1959,
- (x) Notification No GSR 229 dated 22.2.1960,
- (xi) Notification No. GSR 402 dated 31.3.1960,
- (xii) Notification No. GSR 1220 dated 7.10.1960,
- (xiii) Notification No. OSR 857 dated 22.6.1961, (xiv) Notification Noo. GSR 1078 dated 4.8.1962,
- (xv) Notification No. GSR 488 dated 16.3 1965,
- (xvi) Notification No. GSR 1253 dated 3.8.1966,
- (xvii) Notification No GSR 908, dated 25,1967,
- (xviii) Notification No. GSR 1059, dated 30.5,1968,
- (xix) Notification)No. GSR 1283, dated 28.5 1969,
- (xx) Notification No. GSR 1284, dated 28.51969,
- (xxi) Notification No. GSR 795, dated 5.6.1972, (xxii) Notification No. GSR 410 (E) dated 13.9.1972,
- xxiii) Notification No. GSR 1151, dated 11.10 1974,
- (xxiv) Notification No. GSR 931, dated 15.7.1975,
- (xxv) Notification No GSR 11(E), dated 5.3.1976,
- (xxvi) Notification No GSR 1070, dated 28.7.1977,
- (xvii) Notification No. GSR 289, dated 23,1982. (xxviii) Notification No. GSR 932, dated 18.8.1984,

IF No. S-65012/3/82-D.I(A)] S. H. S. IYFR, Under Secy.